सांझ
(Twlight)

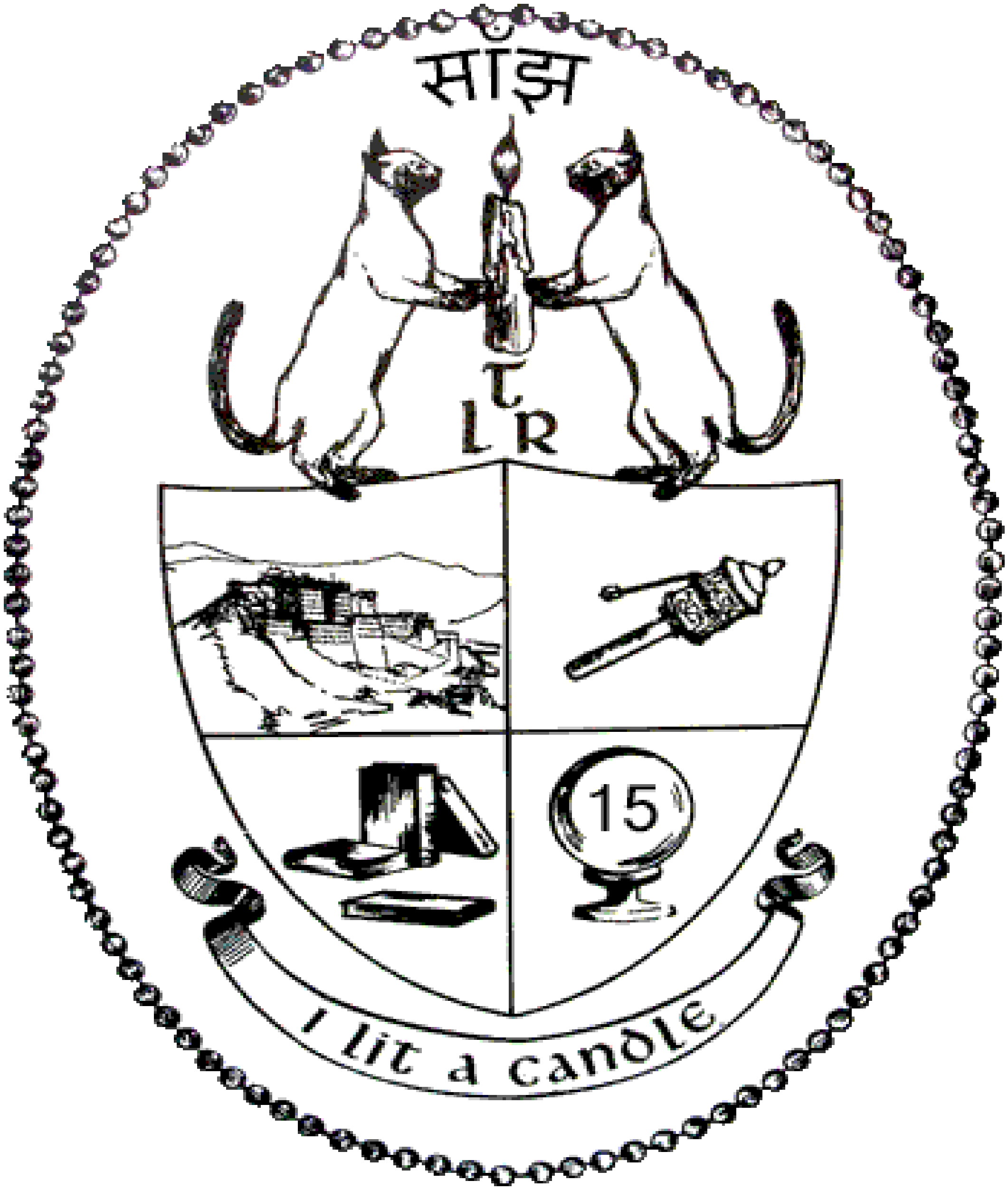

(I Lit a candle)
मैंने दीप जलाया

सांझ
(Twlight)

मूल लेखक
टी. लोबसांग रम्पा

हिन्दी रूपान्तरण कर्ता
डॉ. वेद प्रकाश गुप्ता

शोधकार्यों के हितार्थ

निःशुल्क वितरण के लिये

© सर्वाधिकार सुरक्षित

प्राप्ति स्थल : www.lobsangrampa.org
email : tuesday@lobsangrampa.org
drguptavp@gmail.com

विषय सूची

अनुवादक का निवेदन	:	i-vii
अध्याय एक	:	1
अध्याय दो	:	10
अध्याय तीन	:	22
अध्याय चार	:	35
अध्याय पॉच	:	47
अध्याय छैः	:	58
अध्याय सात	:	69
अध्याय आठ	:	80
अध्याय नौ	:	93
अध्याय दस	:	104
अध्याय ग्यारह	:	115
अध्याय बारह	:	126

अनुवादक का निवेदन

लोबसांग रम्पा की पन्द्रहवीं पुस्तक **"Twlight"** का ''सॉझ'' के रूप में हिन्दी अनुवाद प्रस्तुत करते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। वास्तव में, 1956 में रम्पा की पहली पुस्तक **"The Third Eye"** के प्रकाशन के बाद से ही, उनके पास पूरे विश्व से काफी मात्रा में पाठकों के पत्रों का आना प्रारम्भ हो गया था, कुछ समय तक, उन्होंने उनके व्यक्तिगत उत्तर भी दिये, परन्तु व्यक्तिगत उत्तर देने में विशेष परिश्रम और समय के साथ–साथ, डाकखर्च के रूप में, काफी धन भी व्यय होता था। प्रारम्भ में, प्रकाशक को, पाठकों के पत्रों को, रम्पा को प्रेषित करना पड़ता था। अतः बाद की पुस्तकों में रम्पा ने पत्राचार के लिये अपना पता भी दिया, ताकि पत्र सीधे ही उनको लिखे जा सकें। अधिकांश पाठक, उत्तर के लिये जबावी डाकखर्च भी नहीं भेजते थे, इस सम्बन्ध में रम्पा ने अपनी कई पुस्तकों में नाराजगी सहित लिखा भी है। कई बार, एक ही प्रकार के प्रश्न, भिन्न भिन्न स्थानों से, अलग अलग समय पर, भिन्न भिन्न पाठकों के द्वारा पूछे जाते थे, अतः सभी को व्यक्तिगत उत्तर देना मुश्किल होता जा रहा था। इधर रम्पा का स्वास्थ्य भी गिरने लगा था। परन्तु जब, 'मर्ज बढ़ता गया, ज्यों ज्यों दवा की' तब, अंतिम हल के रूप में, रम्पा ने पाठकों के प्रश्नों एवं उनके उत्तरों को पुस्तक के रूप में प्रकाशित करने का विचार बनाया। **"You for Ever"** जिसका हिन्दी अनुवाद, ''तुम सदा के लिये'' पहले ही आ चुका है, पहली पुस्तक थी, जिसमें पाठकों के प्रश्नों का समाधान प्रस्तुत किया गया था।

प्रस्तुत पुस्तक ''सांझ'' में भी, विभिन्न विषयों पर, पाठकों के प्रश्नों एवं उनके उत्तरों को ही प्रस्तुत किया गया है। अतः इसमें विषयवस्तु की निरन्तरता न हो कर, विभिन्न विषयों, यथा, प्रभामंडल, सूक्ष्मशरीर से यात्रा, परोक्षज्ञान, अतीन्द्रियज्ञान, क्रिस्टल गेजिंग, पुर्नजन्म, परिवार नियोजन, बरमूडा त्रिकोण, खोखली पृथ्वी आदि विषयों पर, स्फुट परन्तु स्पष्ट, विचार हैं। चूँकि मैं भौतिकी का विद्यार्थी रहा, अतः रम्पा की पुस्तकों को पढ़ने से पहले, खोखली पृथ्वी जैसा कोई विचार मेरे मस्तिष्क में नहीं था, वर्तमान मान्यता के अनुसार, पृथ्वी लगभग चार अरब चउअन करोड़ वर्ष पहले, सूर्य से टूट कर बनी थी, प्रारम्भ में ये गैसों का गोला थी, बाद में, ये धीमे धीमे ठंडी हुई, और इसकी ऊपरी पर्त, ठोस होती गई। निरन्तर घूमते रहने के कारण, इसका आकार गोल हो गया। गुरुत्वाकर्षण के कारण, सूर्य के चारों ओर दीर्घवलयाकार कक्षा (elliptical orbit) में परिक्रमा करने के कारण, वार्षिक गति तथा मौसम बने एवं पृथ्वी का घूर्णन अक्ष, 23.5 अंश एक ओर झुके होने के कारण, गर्मियों में दिन बड़े और रातें छोटी तथा सर्दियों में दिन छोटे और रातें बड़ी हो गयीं। इसके ध्रुव चपटे हो गये, अपनी धुरी पर लगातार घूमने के कारण दिन रात बने, इसमें पार्थिव चुम्बकत्व का विकास हुआ, एवं सूर्यग्रहण, चन्द्रग्रहण, भूकम्प, ज्वार भाटा जैसी अनेक घटनायें, जिनका वर्तमान में तार्किक एवं युक्तिसंगत स्पष्टीकरण उपलब्ध है, प्रकट हुईं। पृथ्वी के अरबों वर्ष तक ठंडे होने की प्रक्रिया में बाहरी पर्त (crust) जम कर ठोस हो गई, जबकि ऐसा माना जाता है कि पृथ्वी का केन्द्रीय भाग, अभी भी पिघली हुई अवस्था में ही है। बाहरी पर्त की मोटाई, समुद्र के तल के नीचे छै किलोमीटर से लेकर, महाद्वीपों में तीस से पचास किलोमीटर तक है। गहराई तक अध्ययन करने के बाद मुझे ज्ञात हुआ कि खोखली पृथ्वी की अवधारणा कोई नई नहीं है, हमारे धार्मिक ग्रन्थों में पृथ्वी (भूलोक) के नीचे, रसातल या पाताललोक का अस्तित्व माना जाता है और वहॉ दैत्यराज वलि का राज्य माना जाता है, हमारे धार्मिक ग्रन्थों में, मानवों के पाताल में जाने और वहॉ से वापस आने के अनगिनत उदाहरण भरे पड़े हैं। उदाहरण के लिये रामायण की कथा में, अहिरावण, युद्धकाल में राम और लक्ष्मण को पाताल लोक में ले

जाता है, जहॉ से हनुमान उन्हें छुड़ाकर लाते हैं। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में, सतपुड़ा की पहाड़ियों में, पातालकोट नामक स्थान है, जो जमीन से लगभग 1000 से 1700 फुट तक नीचा है, जहॉ दोपहर में भी सूर्य की किरणें नहीं पहुॅच पातीं, वहॉ जनजातियॉ निवास करतीं हैं, जो वाणासुर को अपना पूर्वज मानतीं हैं। वहॉ भूमिगत सुरंगें हैं, जो कितनी दूरी तक जाती हैं, निश्चयपूर्वक नहीं कहा जा सकता। पूर्वोत्तर भारत के नागालैंड प्रांत के कोहिमा जिले में, लगभग एक करोड़ बीस लाख आबादी वाली, अंगामी नागा (Angami Naga) नाम की एक जनजाति है, जो अपने पूर्वजों को पाताल लोक से आया हुआ मानती है। क्यूबा के टेनो (Taino) लोग, अपने पूर्वजों को पाताल स्थित पर्वतों की दो गुफाओं से आया हुआ मानते हैं। खोखली पृथ्वी की अवधारणा के अनुसार, पृथ्वी या तो पूरी तरह खोखली है अथवा इसके अन्दर का काफी भाग खोखला है। वैज्ञानिक, खोखली पृथ्वी की अवधारणा को अठारहवीं शताब्दी से ही नकारते रहे हैं। विश्व में विभिन्न लोककथाओं, जनश्रुतियों एवं लोकगीतों में, खोखली पृथ्वी की अवधारणा का वर्णन मिलता है।

आध्यात्मिक लेखिका, वालबर्गा लेडी पागेट (Walburga, Lady Paget) ने, अपनी पुस्तक 'अनजाने मित्र से बातचीत (Colloquies With an Unseen Friend)' में खोखली पृथ्वी की परिकल्पना का उल्लेख किया है। उनका दावा है कि मरुस्थल के नीचे अनेक नगर हैं, जहॉ अटलांटिस के लोग जा कर बसे थे। उन्होंने यह भी कहा है कि पृथ्वी के नीचे के साम्राज्य के प्रवेशद्वार का रहस्य 21वीं शताब्दी में प्रगट होगा।

हाइपरबोरिया, जो एक हिमयुग के दौरान डूब गया था, उत्तरी महासागर में, ऊॅचा स्थित था। ऐसा माना जाता है कि हाइपरबोरियन लोग, एल्डरवेरन (Alderbaran), जो वृषभ राशि का प्रमुख सूर्य है, के सौरमंडल से आये थे, और वे कद–काठी में लगभग चार मीटर लंबे, श्वेत, भूरे वालों वाले और नीली ऑखों वाले होते थे। वे शाकाहारी थे (हिटलर भी शाकाहारी था और स्वयं को आर्य कहता था।) तथा युद्ध को नहीं जानते थे। तथाकथित थुले की पुस्तकों के अनुसार, वे तकनीकी रूप से अत्यंत उन्नत तथा कुछ ''विरिल–या'', उड़नतश्तरियॉ, जिन्हें आजकल हम यू. एफ. ओ. (Unidentified Flying Objects UFO) कहते हैं, उनके पास थीं। ये उड़नतश्तरियॉ गुरुत्वाकर्षण के विरुद्ध, अत्यंत तीव्र गति से उड़ने में समर्थ होतीं थीं। ये दो विपरीत दिशाओं में घूमते हुए चुंबकीय क्षेत्रों के द्वारा, संचालित होती थीं और वे ऊर्जा के रूप में, तथाकथित व्रिल (vril) शक्ति का उपयोग करती थी। (व्रिल का अर्थ है–ईथर ऑड, प्राण, ची, काई, ब्रह्मांड शक्ति (cosmic power), ऑर्गन....., परंतु शैक्षणिकरूप से, विरिल का अर्थ है भगवान जैसा सर्वोच्च देवता) अर्थात्, वे पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र से मुक्त ऊर्जा (free energy) ग्रहण करती थीं।

जब हाइपरबोरिया डूबने लगा, हाइपरबोरियन लोगों ने, ऐसा कहा जाता है कि, बड़ी बड़ी दैत्याकार मशीनों से, पृथ्वी की ऊपरी सतह पर सुरंगें खोदी और वे हिमालय क्षेत्र में व्यवस्थित हो गये। भूगर्भ के इस साम्राज्य को अघार्ता (Aghartha) कहा जाता है और इसकी राजधानी शंबाला (Shamballah) है। फारसी लोग इस देश को ''आर्याना (Aryana)'' अर्थात् मूल आर्यों का देश, कहते थे।

कार्ल हाउसहॉफर (Karl Haushofer) ने दावा किया है कि थुले ही, वास्तव में, एटलांटिस कहा जाता था तथा तिब्बत तथा भारत के दूसरे शोधार्थियों के विपरीत, उसने कहा कि डूबते हुए

एटलांटिस के दूसरे बचे हुए लोग, दो समूहों, एक भला और दूसरा बुरा, समूहों में विभाजित हो गये थे। जिन्होंने अपने विद्वानों के अनुसार, अपने आपको अघार्ता कहा, वे अच्छे समूह के थे, वे हिमालय क्षेत्र में व्यवस्थित हुए, और बुरी प्रवृति के लोग, जो मानवता को गिरवीं बनाना चाहते थे, शंबाला में व्यवस्थित हुए वे पश्चिम की ओर चले गये। उसने बताया कि अघार्ता और शंबाला के लोगों के बीच, हजारों वर्षों से युद्ध चलता आ रहा है और अघार्ता के प्रतिनिधि के रूप में, तीसरा साम्राज्य (Third Reich), थुले गेसेलशाफ्ट (Gesellshaft), इसे शंबाला के प्रतिनिधियों के साथ जारी रखे हुए है।

पाताल क्षेत्र का प्रमुख, रिगडेन आयएपो (Rigden Iyepo), विश्व का राजा था, जिसका प्रतिनिधि, पृथ्वी की सतह पर, दलाईलामा था। हाउसहोफर (Haushofer), इस विचार से, जिसका उसने अपने तिब्बत और भारत यात्राओं के बीच, पुष्टि करने का दावा किया है, सहमत था कि हिमालय के नीचे की जमीन, आर्यों का जन्मस्थान थी।

थुले का प्रतीक चिन्ह, घड़ी की चाल की उल्टी दिशा में घूमता हुआ (वामावर्त) स्वास्तिक था। तिब्बती लामाओं और व्यक्तिगतरूप से दलाईलामा, ने प्रमाणित किया है कि अघार्ता के लोग अभी भी जीवित हैं। पाताल लोक, जो कि लगभग, सभी पूर्वी परंपराओं से जकड़ा हुआ है और लगभग सहस्त्राब्दियों से, पृथ्वी की, लगभग पूरी सतह के नीचे, विस्तारित है, जिसके बड़े–बड़े केन्द्र, सहारा रेगिस्तान, मोटो ग्रासो (Motto Grasso), मैक्सिको में युकाटन (Yucaton) और ब्राजील की सेंटा केटेरिना (Santa Catarina) पहाड़ियों, केलिफोर्निया में शास्ता पर्वत (Mountain Shasta), इंग्लैड, मिस्र, चेकोस्लोवाकिया में हैं।

ऐसा लगता है कि हिटलर, विशेषरूप से, पाताल लोक अघार्ता के प्रवेश केन्द्रों को खोज लेना चाहता था और एल्डरबारेन हाइपरबोरिया (Alderbaren Hyperborea) के भगवान के बंदों, आर्यों के वंशजों के संपर्क में आना चाहता था। मिथिकों और परंपराओं वाले, पृथ्वी के नीचे के विश्व के लोगों में, अक्सर ये कहा जाता है कि पृथ्वी की सतह पर, एक भयानक तृतीय विश्वयुद्ध, जो भूकंपों, दूसरी प्राकृतिक आपदाओं और पृथ्वी के ध्रुवों की स्थितियों के परिवर्तन के साथ समाप्त होगा, होने वाला है, और इसमें लगभग, दो तिहाई मानवता नष्ट हो जायेगी।

इस अंतिम युद्ध के बाद, पृथ्वी के नीचे की अनेक प्रजातियॉ, पृथ्वी की सतह पर रहने वाले, बचे हुए लोगों के साथ मिलन करेंगी और तब एक हजार वर्ष लंबा, स्वर्ण युग (कुंभ राशि का काल) आयेगा। हिटलर, दैवीय आर्यन जाति के साथ, जर्मनी उनका गृहप्रदेश होते हुए, एक बाहरी अघार्ता या 'आर्याना' बनाना चाहता था। तीसरे राज्य के अस्तित्व की अवधि में, हिमालय में उनके प्रवेश द्वारों का पता लगाने के लिये दो बड़े–बड़े अभियान दल, भेजे गये थे। इसके अतिरिक्त, उसने एंडीज, मोटो ग्रासो पहाड़ों में, उत्तर में और सेंटा केटारिना पर्वतों में ब्राजील के दक्षिण में चेकोस्लावाकिया और इंग्लैंड के भागों में भी अभियान चलाये।

कुछ लेखक दावा करते हैं कि थुले के लोगों का विश्वास है कि पृथ्वी के गर्त की सुरंगों और नगर तंत्र– से एकदम स्वतंत्र, केवल ध्रुवों पर दो निकासों को छोड़कर, पृथ्वी खोखली थी। प्रकृति के नियम ''जैसा ऊपर वैसा नीचे'' का हवाला दिया गया। चूंकि रक्त, शरीर या अंडे की कोशिकायें, एक पुच्छल तारा या एक परमाणु सभी में एक नाभिक और उसको घेरे हुए एक खाली स्थान, होता है, जो ''कोरोना–रेडियाटा (Corona-radiata)'' से घिरा रहता है, एक खोल, और वास्तविक जीवन उस क्रोड

में पल रहा होता है, कोई अनुमान कर सकता है कि पृथ्वी भी उसी सिद्धान्त पर बनी है।

ड्रूसस (Druses) ने इसका पुष्टिकरण किया, क्योंकि वे खोखले थे, और जीवन, खनिज पदार्थ और क्रिस्टल, आंतरिक भाग में थे, इसलिए पृथ्वी को भी खोखला ही होना चााहिए। प्रकटरूप से, दलाईलामा सहित, तिब्बती लामाओं के दृष्टिकोण से सहमत होते हुए—पृथ्वी के अन्दर एक नाभिक होता है, केन्द्रीय काला सूर्य भी होता है, ये बृहद अंतरिक्ष में, निहारिका के केन्द्रीय सूर्य की भांति, आंतरिक भाग को, स्थाई सूर्यप्रकाश, और समवातावरण प्रदान करता है।

वे उल्लेख करते हैं कि हमारे ग्रह का वास्तविक जीवन, उसके आंतरिक भाग में ही निहित है। अग्रणी प्रजाति, अंदर ही रहती है, जबकि उसके उत्परिवर्ती प्राणी (mutants) सतह पर भी रहते हैं और यही कारण था कि हम अपनी सौर प्रणाली के किसी भी दूसरे ग्रह शुक्र, मंगल, बुध, एवं चन्द्रमा पर, जीवन नहीं पा सके, क्योंकि उनके निवासी भी उनकी सतहों के नीचे रहते हैं। मुख्य प्रवेश द्वार, उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों पर होते हैं, जिनमें होकर केन्द्रीय सूर्य चमकता है और अरोरा बोरियालिस (aurora borialis), को उत्पन्न करता है। आंतरिक भाग में, पानी की तुलना में, ठोस जमीन अधिक है।

ध्रुवों के खोजकर्त्ता ओलेफ जॉनसन (Olaf Jansen), और दूसरे लोगों ने, अपने अनुभवों के आधार पर बताया कि अंदर के भाग का पानी ताजा था, जो व्याख्या कर सकता है कि आर्कटिक और एनार्टिक क्षेत्र की बर्फ, ताजे पानी की होती है, नमकीन पानी की नहीं। ये देखना दिलचस्प होगा कि पृथ्वी की संरचना का ये दृष्टिकोण, कुक (Cook), पियरी (Peary), अमुंडसेन (Amundsen), नानसेन (Nansen), काने (Kane) और सबसे अंतिम, एडमिरल ई. बायर्ड (E. Byrd) जैसे ध्रुवीय खोजकर्त्ताओं के द्वारा साझा किया जाता है और समर्थन किया जाता है। वर्तमान वैज्ञानिक सिद्धान्तों के विपरीत, सभी का अनुभव एक समान, और अजीब सा था।

सभी ने पुष्टि की कि 76 डिग्री अक्षांश के बाद, हवायें गर्म हो गईं और पक्षी उत्तर की ओर उड़ने लगे और उन्हें रंगीन तथा भूरे रंग की बर्फ, जिसमें रंगीन परागकण (pollen), या ज्वालामुखी की राख थी, मिली। प्रश्न उठता है कि उत्तरी ध्रुव के समीप, फूलों का पराग या ज्वालामुखी की राख, कहॉ से आई क्योंकि किसी भी नक्शे में ज्वालामुखी का कोई प्रमाण नहीं है? इसके अतिरिक्त, कुछ खोजकर्त्ताओं ने, अपने आपको, ताजे पानी के समुद्रों में पाया और सभी ने कहा कि अपनी यात्राओं के दौरान, उन्होंने एक समय में दो सूर्य देखे थे। मेमथ (Mammoths) पाये गये थे, जिनका मांस अभी भी ताजा था, जिनके पेट में अभी भी हरी ताजी घास थी। एडमिरल ई. बायर्ड ने, अपनी डायरी में, हायपरबोरिया में प्रवेश करने और वहॉ के निवासियों द्वारा स्वागत किये जाने और पृथ्वीवासियों को दिये गये संदेश के बारे में भी लिखा है।

अमरीका के नवादा (Navada) राज्य की लिंकन काउंटी (Lincoln county) में, लास वैगास (Las Vagas) से लगभग 83 मील उत्तर में, आठ मील लम्बा तथा छै मील चौड़ा, ''एरिया—51'' नाम का गुप्त सैनिक क्षेत्र है, जिसके सम्बंध में बाहरी विश्व को, लगभग कोई जानकारी नहीं है, यहॉ तक कि काफी लम्बे समय तक, अमरीकी सरकार ने इसके अस्तित्व को भी स्वीकार नहीं किया। परन्तु अगस्त 2013 में, वाशिंगटन के नेशनल सिक्योरिटी आरकीव (Nationl Secutity Archive) नामक, अलाभकारी गैर सरकारी संगठन (non profit, Non Government Organisation) के विचार समूह (think tank) के एक शोधकर्ता, जैफरी टी. रिचेलसन (Jeffrey T. Richelson) ने कुछ हवाईजहाजों

के विकास एवं उपयोग के सम्बंध में अमरीकी सरकार से कुछ जानकारी मांगी और इससे सम्बंधित कुछ अवर्गीकृत (declassified) दस्तावेज, जिनमें इस स्थान के नक्शे और सटीक स्थित भी बताई गई थी, प्राप्त किये। उन दस्तावेजों में, यदाकदा, एरिया–51 का जिक्र आया था कि किस प्रकार, सी. आई. ए., अमरीकी वायु सेना, और रक्षा ठेकेदार लॉकहीड (Lockheed) के द्वारा, दूरस्थ होने के कारण, इस स्थान का चयन किया गया था। परन्तु इस खुलासे ने भी, एरिया–51 के बारे में, जनता में चल रहीं अफवाहों का समाधान नहीं किया। विभिन्न स्रोतों के अनुसार, इस क्षेत्र में जब्तशुदा उड़नतश्तरियों और एलियनों का अध्ययन किया गया तथा 1969 में चन्द्रमा पर चन्द्रयान उतारने की नकली फिल्म बनाई गई, परन्तु सरकार सदा की भॉति मौन बनी रही। अनुमानों के अनुसार, ये समय यात्रा (time travel), टेलीपोर्टेशन (teleportation) सम्बंधी तक्नीकों के विकास की गतिविधियों, एवं उड़नतश्तरियों तथा एलियनों के अध्ययन का प्रमुख केन्द्र माना जाता है। इसके अतिरिक्त 23 नबम्बर 1968 को, ऐस्सा–7 (Essa-7) उपग्रह द्वारा उत्तरी ध्रुव के कुछ फोटोग्राफ जारी किये गये थे, जिनमें उत्तरी ध्रुव पर खुलाव स्पष्ट दिखई देता है। यद्यपि उड़नतश्तरियों तथा एलियनों के सम्बन्ध में नासा के द्वारा कोई अधिकृत जानकारी अभीतक नहीं दी गई है, तथापि कुछ पिछले कुछ समय में, नासा (National Aeronautic Space Administration), ने कुछ वीडियो जारी किये हैं, जिनमें उत्तरी और दक्षिणी दोनों ध्रुवों पर खुलाव (opening) के चित्र जारी किये है, जो यू–ट्यूब (you tube) पर देखे जा सकते हैं।

इन सब दावों में कितना दम है, ये तो भविष्य ही बतायेगा परन्तु आमलोग, विशेषतः तिब्बत के लोग, अभी भी, खोखली पृथ्वी, उड़नतश्तरियों तथा एलियनों में गहरा विश्वास रखते हैं। हिमालय क्षेत्र में, भारत और चीन की सीमाओं के निकट पर्वतीय क्षेत्र में, उड़नतश्तरियों के पाये जाने के समाचार अक्सर आते रहते हैं। ऐसा कहा जाता है कि भारत और चीन, दोनों देशों की सरकारों को इसकी जानकारी है, परन्तु दोंनों ही सरकारें, जनता में भय व्याप्त होने की आशंका में अथवा अन्य गोपनीय कारणों से, इस मामले पर चुप्पी साधे हैं। यू–ट्यूब (you tube) पर, इस प्रकार के अनेक वीडियो देखे जा सकते हैं, परन्तु इन्टरनेट तथा यू–ट्यूब (you tube) पर, जितनी सही जानकारियॉ मिलती हैं, उनसे कहीं अधिक भ्रामक जानकारियॉ प्रसारित होती हैं, अतः केवल अधिकृत स्रोत से प्राप्त सूचना पर ही विश्वास किया जाना चाहिये।

प्राचीन काल से, हमारे यहॉ ज्ञान को, सुपात्र को दान देने की परंपरा रही है। हमारे प्राचीन ऋषि, बिना किसी साधन और सुविधा के, आश्रम बनाकर, जंगलों में रहते थे, विद्यार्थी वहीं उनके पास विद्याध्ययन के लिये जाते थे। जीवन, न्यूनतम आवश्यकताओं के साथ, प्रदर्शनरहित, सादा और आदर्श होता था, ज्ञान भी स्वयं अनुभूत और गहन अध्ययन से, न कि प्रयोगशाला में, उपकरणों से, प्राप्त होता था। परन्तु आज परिस्थितियॉ एकदम बदल गईं हैं, आज शिक्षक समाज में रहता है, उसे भी अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करनी होती है, अपने परिवार का पालन पोषण करना होता है, सामाजिक उत्तरदायित्वों को भी निबाहना होता है, समाज में प्रतिष्ठा भी बना कर रखनी होती है। अतः ज्ञानदान की सम्भावना, पूर्णतः तिरोहित हो चुकी है, शिक्षक वेतनभोगी कर्मचारी बना दिया गया है, जो येनकेनप्रकारेण विद्यार्थी से धन की अपेक्षा करता रहता है। निजी अध्यापन संस्थायें, शिक्षकों पर कम, परन्तु भवनों की साजसज्जा, प्रर्दशन, और विज्ञापन पर अधिक व्यय करती दिखती हैं, कोचिंग संस्थायें तो अपनी सफलता का बखान करने में, दूसरों के श्रेय को हड़प लेने में भी गुरेज नहीं करतीं। विद्यार्थी

की अध्ययन में रुचि लगभग नहीं है, वह पाठ्य पुस्तकों को छोड़, सरल अध्ययन और नकल के सहारे अथवा अनुचित तरीके से अंक पाकर, कैसे भी उत्तीर्ण होना चाहता है। वह पुस्तकों को खुद नहीं खरीदता, साथियों से अथवा पुस्तकालय से उधार ले कर काम चला लेता है। ऐसे में पुस्तकों के प्रति किसी की भी रुचि नहीं है, अतः लेखक वर्ग लगातार घटता जा रहा है। भाषा और ज्ञान के क्षेत्र में नवीन प्रयोग होने बन्द हो गये हैं। छात्रों में पठन, अनुशीलन, कल्पना, अभिव्यंजना और अभिव्यक्ति क्षमताओं का निरन्तर ह्रास हो रहा है। प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे जाने वाले वस्तुनिष्ठ प्रश्नों ने, छात्रों की अभिव्यक्ति की क्षमता को गम्भीर क्षति पहुँचाई है। ऐसे में कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं को आगे आकर विद्यादान की परम्परा को पुनः स्थापित करना होगा। ऐसी संस्थायें, जो व्यावसायिक शिक्षा के साथसाथ नैतिक मूल्यों पर भी जोर दें, अन्यथा शिक्षा (ज्ञान) तंत्र, भरभरा कर ढह जायेगा और वह दिन दूर नहीं होगा, जब संस्कृत, साहित्य, संगीत, पांडित्य, हस्तकलायें, श्रद्धा, विश्वास, सेवा एवं सहयोग की भावना, सामान्य व्यवहार, आदि मानवीय गुण, मानवजाति से दूर हो जायेंगे और मानव, मानव न रह कर रोबोट बन जायेंगे। ये मानवीय गुण जन्मजात नहीं होते, उन्हें विकसित करना होता है ओर मात्र गुरु तथा पुस्तकें दो ही इसके कारक होते हैं।

प्राचीन काल से वर्तमान तक, महर्षि वाल्मीकि, वेदव्यास, वशिष्ठ, अगस्त्य, कौटिल्य, पातंजलि, आदि अनेक ऋषियों, कालिदास, तुलसी, सूरदास, कबीर, मीरा, रसखान, रहीम, निराला, प्रसाद, दिनकर आदि असंख्य कवियों, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, मुंशी प्रेमचन्द, गुलेरी, अज्ञेय, हरिशंकर परसाई, भगवती चरण बाजपेयी, बनारसी लाल बाजपेयी एवं असंख्य जाने अनजाने रचनाकारों की लम्बी परम्परा रही है, जिन्होंने आर्थिक लाभ की चिन्ता किये बिना, ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में, सेवा साधना की है। न केवल भारत में, वल्कि विश्व भर में, प्लूटो (Plato), अरस्तू (Aristotle), सुकरात (Socrates), डेसकार्टेस (Descartes), फ्रॉयड (Freued), शैक्सपियर (Shakespeare), मैक्स मूलर (Max Muller) आदि अनगिनत चिन्तकों एवं दार्शनिकों ने इसी परम्परा का निर्वाह किया गया है। आजकल पश्चिम में स्थित थोड़ी अलग है, वहॉ लेखन एक व्यवसाय है, वहॉ लेखक, आत्मसंतुष्टि के साथसाथ, आय के रूप में रायल्टी भी पाता है। लोबसांग रम्पा के साथ, बड़ी परेशानी ये है कि, रायल्टी ही उनकी आय का एकमात्र स्रोत है, वे स्वयं गम्भीररूप से बीमार हैं, पॉच प्राणियों का उनका परिवार है, उस पर भी आयकर उनको निचोड़ ले रहा है। अतः प्रभामंडल की मशीन न बना पाने, पाठकों के पत्रों का उत्तर न दे पाने की हताशा, सभी पुस्तकों में झलकती है। इस पर भी, ''तिब्बत में सात वर्ष (Seven Years in Tibet)'' के लेखक, हैनरिक हैरर (Heinrick Herrer) ने उन पर आरोप लगाते हुए, कि रम्पा कभी तिब्बत गये नहीं, अतः उनकी सभी पुस्तकें कल्पना पर आधरित हैं, और उनकी पहली पुस्तक की अधिकांश विषय सामिग्री, उनकी उपरोक्त पुस्तक से चुराई गयी है, उनके पीछे निजी जासूस लगा दिये थे, जिसके कारण वे अंत तक परेशान रहे, यद्यपि उन्होंने अपनी लगभग सभी पुस्तकों में दावा किया है कि उनकी पुस्तकों में लिखा एक एक शब्द सत्य है।

लोबसांग रम्पा की इस पुस्तक के हिन्दी रूपांतरण में, मुझे अपने गुरु श्री बी. एन. गच्छ, जिन्होंने मेरी पिछली सभी पुस्तकें पढ़ीं हैं, का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। इसके साथ अपने मित्रगणों विशेषकर, श्री राम प्रकाश गुप्ता, श्री देवेन्द्र भार्गव, श्री दिग्वीर सिंह चौहान, डॉ. पी. कुमार एवं डॉ. के. पी. शर्मा का भावपूर्ण प्रोत्साहन एवं सहयोग प्राप्त हुआ है, इसके लिए मैं उनका आभारी हूँ। विशेषरूप से, श्री प्रगल्भ शर्मा, श्री प्रदीप सेन, श्रीमती प्रीति गोयल, जिनके सहयोग के बिना, इस पुस्तक का

प्रस्तुतिकरण संभव नहीं था, का मैं आभारी हूँ। मैं पुनः उन सभी का आभार मानता हूँ, जिन्होंने प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्षरूप से, इस पुनीत कार्य में सहयोग किया।

पुस्तक अमेरिकी और यूरोपीय पृष्ठभूमि में लिखी गई है, और हिमालयीन क्षेत्र के सम्बंध में है, अतः प्रस्तुतिकरण में, ऐसे तमाम स्थानों, नगरों, कहावतों, मान्यताओं, घटनाओं, व वनस्पतियों का उल्लेख हुआ है, जिनसे आम भारतीय अपरिचित है। अतः स्पष्टीकरण के लिये यथास्थान टिप्पिणियॉं जोड़ी गईं हैं, ताकि विषय और प्रवाह को अबाधित रखते हुए पाठकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया जा सके, साथ ही उनके अन्तर्राष्ट्रीय सामान्यज्ञान में बद्धि हो सके। मैं सर्वज्ञ नहीं हूँ, ये टिप्पिणियॉं मैंने, विशेषकर इन्टरनेट के विभिन्न स्रोतों और अनेक पुस्तकों से प्राप्त कीं हैं, निश्चितरूप से इसने मेरे ज्ञान में बृद्धि की है। अतः मैं उन असंख्य, अनाम, विद्वानों को धन्यवाद देना अपना परम कर्तव्य समझता हूँ, जिन्होंने अनाम रहते हुए इस पुस्तक में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है। इस विश्वास के साथ कि ज्ञानयज्ञ की अविरल परंपरा में पाठकगण मेरी इस आहुति को स्वीकार करेंगे, पुस्तक में रह गई भूलों और त्रुटियों के लिये, मैं पाठकों से क्षमा याचना करता हूँ तथा अपेक्षा करता हूँ कि विद्वत् पाठकगण उन्हें मेरे संज्ञान में लाने का कष्ट अवश्य करेंगे ताकि उन्हें यथाशीघ्र सुधारा जा सके।

डॉ. वेद प्रकाश गुप्ता,

इन्दिरा कॉलोनी, नया बाजार, लश्कर
ग्वालियर – 474009, म.प्र., (भारत)
फोन 0751–2433425
मोबाइल : 9893167361 email : drguptavp@gmail.com

गंगा दशहरा, ज्येष्ठ शुक्ला 10,

श्रीसाधारण संवत्सर, 2074 विक्रमी

तद्नुसार,

रविवार, 4 जून 2017 ई0

अध्याय एक

पुराने, बूढ़े होते हुए हवाई जहाज ने, धीमे से, मध्यान्ह के आकाश में उड़ान भरी। वर्षों पहले, वास्तव में, एक प्रसिद्ध शामियाना ओढ़े हुए, व्यापार के संभ्रान्त वर्ग, रंगमंच और फिल्मी विश्व के सितारों को ढ़ोते हुए, पृथ्वी के पूरे गोले को समाहित करते हुए, पूरी दुनियॉ की हवाई गलियों में, जहॉ भी आदमी ने यात्रा की, चलते हुए, वह यात्रा के शहंशाहों में से एक रहा था। उन दिनों, इस जैसे एक हवाईजहाज में यात्रा करना, प्रतिष्ठा का प्रतीक होता था। अब वह, चीखते जेट हवाईजहाजों और ''सफल होने की'' पागल इच्छा द्वारा बेदखल किया हुआ, बूढ़ा और जीर्णशीर्ण, गुजरे जमाने का एक अवशेष हो गया था। तेज, और तेज, किसके लिए? लोग, उस पूरे समय का, जिसे वे ''बचाते हैं,'' क्या करते हैं ?

पुराने, दोहरे इंजन वाले हवाईजहाज ने, धीमे से, गर्मियों के दिनों में दैत्याकार मधुमक्खियों की तरह एक पर्याप्त सुखद आवाज, गडगड़ाहट की। अब पुराना हवाईजहाज, वेंकोवर (Vancouver)[1] से आगे केलगेरी[2] (Calgery) की एक शांत, नैत्य (routine) उड़ान पर था। पिछले हफ्ते, शायद, वह उत्तरी क्षेत्रों में, जहॉ तापक्रम शून्यांक के काफी, काफी नीचे था, उड़ता रहा होगा, और अंधा कर देने वाली बर्फ, उपकरण उड़ान (instrument flight) को असम्भव बनाने को छोड़कर, कुछ भी कर सकती थी। हो सकता है, अगले हफ्ते, वह, अधिक और अधिक शक्ति की खोज में पगलाये हुए इस विश्व के तेल खोजकों को, रेगिस्तान में स्थित दूरस्थ तेल क्षेत्र (oil field) में ले जाये, परंतु वायु का पूर्व शहंशाह, अब कुछ डॉलरों के बदले, किसी ग्राहक की झक पर, कहीं भी जाता हुआ, एक वेचारा भाड़े का टट्टू, किराये का एक हवाई जहाज था।

शीघ्र ही, रॉकी पर्वतों (Rockies) की तलहटी में, उठती हुईं, हमेशा उठती हुई, छोटी–छोटी पहाड़ियॉ, जबतक कि वे विश्व में विस्तारित होती हुई उस महान पर्वत श्रृंखला में, समा नहीं गई, नजर में आईं। अब हवा विक्षुब्ध (turbulent) होती जा रही थी और चूँकि यहॉ वह क्षेत्र था, जहॉ बर्फ ने, कभी भी सर्वोच्च पहाड़ी चोटियों को नहीं छोड़ा था, बर्फ से ढ़की हुई चोटियों के बीच, हवाईजहाज

---

1 अनुवादक की टिप्पिणी : वेंकोवर (Vancouver), कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया क्षेत्र में, समुद्री किनारे पर स्थित एक शहर एवं बन्दरगाह है। 2011 की जनगणना के अनुसार इस नगर की आबादी 6 लाख तीन हजार थी। ये कनाडा का तीसरा सबसे बड़ा महानगरीय क्षेत्र है। 2016 की जनगणना के अनुसार, इसके महानगरीय क्षेत्र में 23 लाख लोग रहते हैं, जो इसे कनाडा का तीसरा सबसे बड़ा आबादी वाला, और पश्चिमी कनाडा का सर्वाधिक आबादी वाला शहर बनाते हैं। वेंकोवर में 53 प्रतिशत ऐसे लोग हैं, जिनकी मातृभाषा अंग्रेजी नहीं है। 1867 में हैस्टिंग मिल (Hasting Mill), नाम की आरा मशीन के आसपास, गेसटाउन (Gastown), की नाम की एक बस्ती बस गई थी, जो बाद में ग्रेनविले (Granville), कहलाने लगी और 1886 में इसका नाम बदल कर वेंकोवर हो गया और इसे शहर मान्य कर लिया गया। बर्तमान में यहॉ कई फिल्म निर्माण स्टुडियो हैं, जिन्होंने महानगर वेंकोवर को, उत्तरी अमेरिका के लॉस एंजिल्स (Los Angelis), और न्यूयार्क (New York), के बाद, तीसरा सबसे बड़ा फिल्म निर्माण क्षेत्र बना दिया है, अतः इसे उत्तरी हॉलीवुड भी कहा जाता है। आजकल वेंकोवर, सॉफ्टवेयर विकास (Software development), बायोटेक्नॉलाजी (Biotechnology), ऐरोस्पेस (Aerospace), वीडियो गेम विकास (Video game development), और कार्टून फिल्मों का केन्द्र बनकर उभर रहा है। यहॉ महानगरीय क्षेत्र में, पॉच विश्वविद्यालय हैं, जिनमें से सबसे बड़ी यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया और साइमन फ्रेसर (Simon Fraser) यूनिवर्सिटी है, 2008 में, इन दोनों में कुल मिलाकर, 90,000 से अधिक छात्र हैं। ब्रिटिश कोलंबिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलाजी, एक अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्थान है, यहॉ हर वर्ष सितम्बर में, दो सप्ताह के लिए, अंतर्राष्ट्रीय वेंकोवर फिल्मोत्सव मनाया जाता है, जिसमें 350 से अधिक फिल्में प्रदर्शित की जाती हैं, जो उत्तरी अमेरिका के सबसे बड़े फिल्मोत्सवों में से एक है। वेंकोवर में एक सार्वजनिक पुस्तकालय, (Vancouver Public Library) है, जिसमें पन्द्रह लाख से अधिक पुस्तकें हैं। इसके अलावा वेंकोवर टूल लाइब्रेरी (Vancouver Tool Library), कनाडा की टूल उधार देने वाली मूल लाइब्रेरी है।

2 अनुवादक की टिप्पिणी : केलगेरी (Calgery) कनाडा के अलबेर्टा (Alberta) प्रांत का एक शहर है, जो बो नदी (Bow River) और एल्बो (Elbow River) नदियों के संगम पर स्थित है। शहर में रॉकी (Rocky) पर्वत की अनेक पहाड़ियॉ हैं। 2016 में इसकी आबादी बारह लाख से अधिक थी और ये अलबेर्टा का सबसे बड़ा शहर था। 1988 में यहॉ शीतकालीन ओलंपिक खेल हुए, ये ओलंपिक की मेजबानी करने वाला, कनाडा का सबसे पहला शहर बना। यूरोपीय लोगों के आने से काफी पहले, केलगेरी को कम से कम 11000 वर्ष पूर्व, वहॉ के मूलनिवासियों द्वारा बसाया गया था। अलबेर्टा में 1902 में, सबसे पहले तेल की खोज हुई, परंतु 1947 से पहले, ये कोई महत्वपूर्ण उद्योग नहीं बन सका। 1973 में अरब तेल उत्पादक संघ बनने के बाद, यहॉ तेल के खनन में अधिक तेजी से उछाल आया और इसके फलस्वरूप नगर की जनसंख्या एकदम तेजी से बढ़ी। अनेक गगनचुंबी इमारतें खड़ी हो गईं और केलगेरी शहर एक घना शहर बन गया। कालगेरी के आसपास विविध प्रकार की वनस्पतियॉ, और प्राणियों की प्रजातियॉ पाई जाती हैं। केलगेरी का अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डा (Calgery International Airport) (YYC) है।

उछला, और हलचल करने लगा।

कु. टेडी रम्पा (Miss Taddy Rampa) ने गुस्से भरे विरोध का आर्तनाद किया और ऐसे देखा मानो कि उसका अंतिम क्षण आ चुका हो। कु. क्लियो रम्पा (Miss Cleo Rampa) ने कठिनाई से निगला और अपने सर्वाधिक बहादुरी वाले–मैं इसे निगल सकती हूँ, रुख का प्रदर्शन किया। जैसे ही उसने काफी नीचे चट्टानी जमीन को तीखी नजरों से घूरा, ऐसा लगता है, मानो कि उसने अपनी बड़ी नीली ऑखों को पूरा खोला।

परंतु उड़ान क्यों ? अगला परिवर्तन अब और क्यों ? ये सब अभी कुछ महीने पहले, वेंकोवर में शुरू हुआ था।

वेंकोवर में, जून सामान्यतः इतना अच्छा सुखद महीना होता है, एक महीना, जबकि प्रकृति पूरी तरह से जाग जाती है और मौसम अच्छा होता है, और जब समुद्र में मुस्कुराहट भरी फुलझड़ियॉ होती हैं, जब लोग अपनी नावों के साथ व्यस्त होते हैं। पर्यटक आना शुरू कर देते हैं और ये सामान्यतः वह समय है, जबकि सभी दुकानदार, पर्यटकों को पटाने की आशा में, अपनी हाजिरजवाबी (wits) को तेज कर रहे होते हैं। परंतु इस जून में, आज के दिन जून में, कुल मिलाकर उतना अच्छा नहीं था। आपको इसी प्रकार का दिन, उन दिनों में से एक, जब हर चीज गलत हो रही थी, मिला होता। फिर भी, आप ये जानने में भाग्यशाली हैं कि आपको वैसे दिन अक्सर, या जैसा कि कहावत कहती है, ''साल में एक बार (Once in a blue moon),'' मिलते रहते हैं। परंतु ये मानते हुए कि इस प्रकार के दिन हफ्तों, महीनों, और सालों भी, चलते हैं, मानते हुए कि वहॉ कुछ प्रतिमान (patterns) थे? शायद अधिकांश लोग, जो ''जनता की निगाहों में'' होते हैं, कुछ क्षीण बुद्धि वालों से, जो पूरी तरह से दूसरों को दुख देने का कारण बनने के लिए ही अस्तित्व में दिखाई देते हैं, दुख पाते हैं।

मेरे एक बस चालक दोस्त ने मुझे बताया कि वह और उसके साथी, बूढ़े भावनाशून्य लोगों के द्वारा, जो सोचते हैं कि वे ''अभिषेक किये हुए राजा'' और बस चालकों के द्वारा, ''विशेष सुविधा के अधिकार के पात्र'' हैं, हमेशा सताये जाते रहे हैं। वे सोचते हैं कि बसें उनके निजी रथ हैं, और जब एक बस ड्राइवर नम्रतापूर्वक बताता है कि बसें हर एक के उपयोग के लिए हैं, बूढ़ा मनुष्य शिकायत करने के लिए दौड़ पड़ता है और बस चालक को उसकी नौकरी से नुकसान पहुॅचाने का प्रयास करता है। लेखकों को भी, उन्हें आत्मसंतुष्ट होने और रोकने के लिए, उस तरह के लोग मिलते हैं। मैं आपको, घटनाओं की उस श्रृंखला के सम्बन्ध में बताने जा रहा था, जो मेरे ब्रिटिश कोलंबिया छोड़ने का कारण बनी, परंतु परिस्थितियों ने अन्यथा आदेश दिया।

वृद्ध लेखक, अपनी पहिये वाली कुर्सी में बैठा और जब एक टाइप की हुई लिपि का बण्डल बनाया जा रहा था, उसने शांति से देखा। एक और पुस्तक, इस बार पन्द्रहवीं, समाप्त हुई और अस्पताल से अभी–अभी बाहर आया हुआ वृद्ध पुरुष, संतोष के साथ, अपने आप पर मुस्करा रहा था, क्योंकि, ये एक पुस्तक थी, जो कोई विवाद पैदा नहीं करेगी, ये पुस्तक थी जिसे कोई प्रकाशक, बिना किसी आशंका के, उन निचले क्षेत्रों में बिना किसी तात्कालिक खलबली के, ले सकता था और जिसको प्रकाशक उल्लेखनीय रूप से, उन्मुक्त समझते थे।

चूॅकि एक दूसरा देश भी दिलचस्पी ले रहा था, टाइप की हुई लिपियॉ (typescripts), डाक से भेजने के लिए ले जाई जा रही थीं और तथापि, वृद्ध लेखक, इस आशा में कि वह शीघ्र ही, एक अगली पुस्तक, जिसके लिए अनेक रुचिवान पाठकों के द्वारा कहा गया है, पर विचार करने में लिए सफल होगा, हर दिन जिंदा रहने के एक मुश्किल काम के लिए गया।

समय चलता गया, जैसा कि ये सामान्यतः होता है, इंग्लैण्ड के अभिकर्ता से, ये कहते हुए कि टाइप की गई लिपि, इंग्लैण्ड के लिये उपयोगी नहीं थी, अंतिम रूप से, एक उदास संदेश आया। वृद्ध लेखक को ये एक अकल्पनीय मामला दिखाई देता है, क्योंकि जैसा कि सामान्य मामलों में होता है, उसे

वह टाइप की हुई लिपि, बारह लोगों के पेनल से, ये निश्चित करने के लिए कि उसमें ऐसा कुछ भी नहीं था, जो कि सबसे कोमल पंखों को भी खरोंच सके, पढ़वानी पड़ी और सभी बारह ने इस पर जोर दिया था कि, शायद, ये सर्वाधिक शांतिपूर्ण और ''सर्वाधिक सपाट (smoothest)'' पुस्तक थी। परंतु महान भगवान प्रकाशक, जो सुनहरे सिंहासन पर बैठे थे, जो इसको पसंद नहीं करते थे, ने पुराना, सीसे के प्रकार का एक कोड़ा घुमाया। यद्यपि मामला पहले से ही निपटा लिया गया है, इस बार फरमान ''ऊपर वाले एक'' से नीचे आया कि, स्पष्टरूप से, उसमें पुलिस, यौन, जेलों, गर्भपात, और धर्म के सम्बन्ध में कुछ भी नहीं होना चाहिए, उसमें उन सारी चीजों के सम्बन्ध में, जिन्हें मैं लिख चुका था, कुछ भी नहीं होना चाहिए। इसलिए इसने एक बड़ी समस्या पैदा की।

परंतु उस क्षण के करीब, एक दूसरे प्रकाशक से, जो पुस्तक से अत्यधिक प्रफुल्लित था, एक तार आया। वह पूरी तरह संतुष्ट था, उसने ये कहने के लिए, कि वह तत्काल ही और वहीं, संविदा पर हस्ताक्षर करना चाहता है, तार किया था, और दूसरे प्रकाशक ने, पुस्तक में बिना किसी परिवर्तन के, अपनी रुचि व्यक्त की थी। इसलिए ऐसा लगता है कि इस साल और इस काल में, अंग्रेज जनता कुछ संवेदनशील और कोमल होती हुई प्रतीत होती है। परंतु हमको इस विषय में नहीं जाना चाहिए। मुझे कहा गया है कि प्रकाशक प्रश्नों के उत्तर चाहता है, इसलिए हम उनमें से कुछ के ऊपर चलें, क्या हम चलेंगे?

हे!, यहॉ एक छोटा सा, एक संवेदनशील भी, प्रश्न है; ''लोग नींद में क्यों चलते हैं?''

ठीक है, लगभग हर एक व्यक्ति, जब वह सोने के लिए जाता है, सूक्ष्मशरीर से यात्रा करता है। सूक्ष्मशरीर दूर चला जाता है, और भौतिक शरीर कम या अधिक निष्क्रिय रहता है। करवट लेते हुए और थोड़ा सा ऐंठते हुए, वास्तव में, ताकि बहुत लम्बे समय तक, एक ही स्थिति में संकुचित होने के कारण, मांसपेशियों पर तनाव न रहे। परंतु कई बार, एक व्यक्ति जो सूक्ष्मशरीर में है, उस सूक्ष्मशरीरी स्थिति में, अपने आपकी गतिविधियों में इतना अधिक डूबा होगा (या होगी) कि वह अवचेतन रूप से, पृथ्वी पर भौतिक शरीर की गतिविधियों को वापस दबाते हुए, नियंत्रण का एक भाग छोड़ देगा। इसलिए भौतिक शरीर, ''सहानुभूतिपूर्ण प्रतिक्रियाओं से,'' सूक्ष्मशरीर का पीछा करने के लिए, मुड़ता है। इसलिए हमको सोते हुए चलने, या नींद में चलने का मामला मिलता है। व्यक्ति बिस्तर में से बाहर आ जाता है और आसपास मंथर गति से चलता है, और ऐसे व्यक्ति को, नहीं जगाना अच्छा होगा क्योंकि यदि वह जागता है, तो एक दूसरे झटके, एक सहसा झटके के साथ, जो कि सूक्ष्म और भौतिक शरीरों का एकदम चिड़चिड़ा संयोग बनाता है, में ला देगा। इस बिन्दु पर, नींद में चलने वाले, जो सहसा जगाये गये हैं, मेरे साथ निश्चितरूप से सहमत होंगे।

दूसरा प्रश्न है, ''क्या स्वर्णिम प्रकाश का देश (Land of Golden Light), चौथी विमा (fourth dimension) का विश्व है?''

ठीक है, हॉ, ये एक चौथी विमा का विश्व है, जबकि हम तीन विमा वाले विश्व में हैं। परंतु, जब हम चार विमाओं वाले विश्व में होंगे, तब स्वर्णिम प्रकाश वाला देश, पॉचवी विमा वाला हो जायेगा और इसी प्रकार आगे। आप देखते हैं, जब आप ऊपर बढ़ते हैं, आपके ऊपर की स्थिति, हमेशा अधिक स्वर्णिम होती है अर्थात्, इसमें अधिक नर्म वातावरण और कम्पनों की एक ऊॅची आवृति होती है, (मैं इसे अभी ''कम्पन'' क्यों नहीं कहता हूॅ?

कोई इस चौथे विमा वाले विश्व में, पूरी तरह से अभिरुचि रख सकता है, क्योंकि वह कहता है, ''जब आप चौथे विश्व में मरते हैं, आपका सूक्ष्मशरीर कहॉ जाता है?

कुल मिलाकर, आपको हमेशा एक शरीर धारण करना होता है, सोचें कि आप कितने मूर्ख रहे होते, यदि आप आसपास शरीर पाने का प्रयत्न कर रहे होते और आपको किसी भी भूमि का, कोई शरीर नहीं मिलता, यदि आप मात्र विशुद्ध विचार होते। आपके लिऐ ये बहुत अच्छा नहीं होता, क्या अच्छा

होता? इसलिए यहॉ नीचे, पृथ्वी पर, हमारे पास एक भौतिक शरीर है। अब यदि आप कल्पना कर सकते हैं कि हम दो विमा वाले स्थान में किस जैसे रहे होते, उसकी तुलना में हमारे (वर्तमान) भौतिक शरीर, (दो विमा वाले स्थान के) सूक्ष्मशरीरों के लगभग समान किये जाते। इसलिए हम दो विमा से चलकर तीसरी विमा में, अर्थात् इस पृथ्वी पर आये, जो प्रभावी रूप से, दूसरी विमा के लिए सूक्ष्मशरीर है। इसलिए जब हम इस पृथ्वी को छोड़ते हैं, तो हम अपने भूलोक के शरीर को भी छोड़ देते हैं और तब हम सूक्ष्मलोक में रहने के लिए जाते हैं और सूक्ष्मशरीर में रहते हैं, जो तब वहॉ हमारा भौतिक शरीर होता है। क्या आप इसे समझे? हम उस क्षण में जो भी हों, हमारे पास एक भौतिक शरीर होता है, ''और, वास्तव में, हर चरण में, उन दूसरे शरीरों की तुलना में, जो हमारे आसपास हैं, हमारा शरीर उतना ही ठोस होगा। हम नये सूक्ष्मशरीर के लिए ऊर्जा तैयार करते हैं, जिससे हम कर रहे हैं, जो इस क्षण हमारी ''पृथ्वी'' पर या हमारे भौतिक अस्तित्व के विश्व में है, ताकि अंत में, जब हम, ओह, इसे मैं क्या कहूँ ? तक जायें। आपको आठ विमा वाले तक में, आठवी विमा वाले भौतिक शरीर में रहना पडेगा, जब कि आपकी गतिविधियॉ और आपका जीवन बल, नौंवें भौतिक शरीर को पैदा करेगा, जो वास्तव में, तब, हमारा सूक्ष्मशरीर होगा और वह सूक्ष्मशरीर, आपके अधिस्वयं (overself) के साथ, जो कि काफी ऊॅचा, काफी ऊॅचा है, समीप सम्पर्क में होगा।

यहॉ सूक्ष्मशरीरी यात्रा के सम्बन्ध में, एक दूसरा प्रश्न ये है, ''जब आप सूक्ष्मशरीर से यात्रा कर रहे हैं, आप उन क्षेत्रों का पता लगाने के लिए कैसे जाते हैं, जिनमें सूक्ष्मशरीरी बिल्लियॉ, कुत्ते, घोड़े, इत्यादि रहते हैं?''

ठीक है, आपको इसका पता लगाने के लिये नहीं जाना पड़ेगा। यदि आप किसी विशिष्ट पशु के प्रेमी हैं, तो वह पशु स्वयं, आपके खुद के 'क्षेत्र' में आयेगा और वास्तव में, आपको आने और अपने जिले या ग्रह निवास पर, उससे मिलने के लिए आमंत्रित करेगा। याद रखें कि जब आप इन चीजों से परे हो जाते हैं, पार्थिव चीजें बहुत–बहुत अलग होती हैं। पशु मूर्ख प्राणी मात्र नहीं हैं, जो बोल न सकें और कुछ न कर सकें। वास्तव में, मनुष्य, किटकिट करते हुए गूंगे हैं, क्योंकि, पशु दूरानुभूति से बातचीत कर सकते हैं और करते हैं। अधिकांश भागों के लिए, मनुष्यों को अजीब सी ध्वनियॉ निकालनी पड़ती हैं, जिसे वे भाषा कहते हैं, जबकि कोई पशु, दूरानुभूति से किसी भी भाषा में बातचीत कर सकता है। इसको और अधिक स्पष्ट करने के लिए, मैं कहूँगा कि यदि आप किसी विशेष क्षेत्र में जाना चाहते हैं, और आपको उस विशिष्ट क्षेत्र में होने का, अधिकार प्राप्त है, या कोई कारण है तो केवल उसके सम्बन्ध में सोचने भर से, आप वहॉ जा सकते हैं। ये उतना ही सरल है, जितना कि वह।

ठीक है, मैंने सोचा, जैसा मैंने पहले कहा था, कि हम ब्रिटिश कोलंबिया से चले जायेंगे। हमें उस राज्य में काफी परेशानियॉ हुईं थीं और इसलिये नये स्थानों को जाना, हमेशा अच्छा होता है, और यही कारण है कि हमने ऐसा करने का निर्णय लिया।

ब्रिटिश कोलंबिया की सरकार ने किसी भी प्रकार से मदद नहीं की। आयकर विभाग के लोग, मुझे ये जानने के लिए तंग कर रहे थे कि मैंने पहिये वाली एक कुर्सी पर, छूट का दावा क्यों किया था; क्या कोई व्यक्ति, अपने आनंद के लिए, हर दिन पहिये वाली कुर्सी पर बैठता है? और पहिये वाली कुर्सी टूट जाती है। इसलिए आयकर के बेवकूफ गधे लोगों ने, मुझसे, जबरदस्त डॉट (earful) खाई, और मुझे ये कहने के लिए, कि मैं वर्षों से, पहिये वाली कुर्सी का प्रयोग करता रहा हूँ और मैं इसे अपने मजे के लिए उपयोग नहीं कर रहा था, तीन चिकित्सा प्रमाण पत्र, दो मोंट्रियल (Montrial)[3] से, और एक

3 अनुवादक की टिप्पिणी : मोन्ट्रियल (Montrial), कनाडा के क्यूवेक प्रांत का, सबसे अधिक आबादी वाला तथा टोरंटो के बाद कनाड़ा का, दूसरा सर्वाधिक आबादी वाला शहर है। इसे मूलतः विले मेरी (Ville-Marie) या आनंद का शहर कहा जाता था। 2016 में मॉन्ट्रियल की आबादी लगभग 17 लाख थी, जिसमें से महानगरीय आबादी लगभग 4 लाख थी। इसकी अधिकारिक भाषा फ्रांसीसी है, इसके साथ–साथ अंग्रेजी भी बोली जाती है। इसलिये इसे क्यूवेक का दुहरी भाषा का शहर (double language city) भी कहा जाता है। ये व्यापार, अंतरिक्ष, वित्त, शिक्षा, संस्कृति, पर्यटन, फार्मास्युटिकल्स, सिनेमा, और खेलों आदि का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। 1976 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेल यहॉ

वेंकोवर से, प्राप्त करने पड़े। इसलिए सभी चीजों पर विचार किया गया, हम इस निश्चित निष्कर्ष पर पहुँचे कि हम अपने अच्छे स्वास्थ्य और अपने मन की शांति के लिए, शीघ्र ही वेंकोवर से बाहर चले जायेंगे। हमने सोचा और सोचा, और नक्शों पर देखा, और तब कुछ अनेक अज्ञात कारणों से, हम अलबेर्टा (Alberta)[4] में जम गये। आंकड़ों से हम ये जानने में समर्थ थे, हमने पाया कि एडमोंटन (Edmonton)[5], अत्यधिक ठंडा और अत्यधिक हवाओं वाला और पानी से अत्यधिक घिरा हुआ (insular) था। अमरीकी सीमा के पड़ौस में, लेथब्रिज (Lethbridge)[6], किसानों के समाज वाला, बहुत अधिक था, जहाँ ''पानी से अत्यधिक घिरा हुआ'' शब्द शायद, कभी जाना भी नहीं जा सकेगा। इसलिए हम केलगेरी (Calgary) में व्यवस्थित हुए। स्थानीय हवाई सेवायें बिल्कुल भी सहायक नहीं थीं। वे

आयोजित हुए थे। यहाँ कनाडा के पचास से अधिक, ऐतिहासिक स्थल हैं, जो कनाडा के किसी भी दूसरे शहर से अधिक हैं। यूनेस्को (UNESCO) के तीन डिजायन शहरों, बर्लिन और ब्यूनस आयरिश तथा मॉन्टियल में से मोन्ट्रियल को, ये दर्जा 2006 में मिला। यहाँ का भूमिगत शहर (underground city), जिसे अधिकारिक रूप से रेसो (RESO) कहा जाता है, पर्यटन का एक महत्वपूर्ण आकर्षण है। यहाँ चार प्रमुख विश्वविद्यालय हैं, जिनमें से मेकगिल विश्वविद्यालय (McGill University) प्रमुख है। इसके अलावा कोनकोर्डिया विश्वविद्यालय (Concordia University) आदि महत्वपूर्ण उच्चशिक्षा संस्थान हैं। मॉन्ट्रियल में दो अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे हैं, जिसमें से एक, केवल यात्रियों के लिए, तथा दूसरा केवल माल के लिए है। ''पियरे एलियट ट्रयूड्यू अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (Pierre Elliott Trudeau International Airport)," जिसे डोरवल (Dorval) शहर में होने के कारण, डोरवल हवाई अड्डा भी कहा जाता है, यात्री हवाई अड्डा और एयर कनाडा (Air Canada) और एयर ट्रांसेट (Air Transet) का मुख्यालय है।

4 अनुवादक की टिप्पिणी : अलबेर्टा (Alberta), पश्चिमी कनाडा का एक प्रांत है। 1916 की जनगणना के अनुसार, जिसकी अनुमानित आबादी 40 लाख थी। इसका क्षेत्रफल 6 लाख 60 हजार वर्ग किलोमीटर है। इसकी सीमा पर पश्चिम में ब्रिटिश कोलंबिया, पूर्व में, (Saskatchewan), उत्तर में नार्थ वेस्ट टेरेटरीज (Northwest Territories), दक्षिण में मोन्टाना (Montana) हैं। यहाँ चलने वाली चिनूक हवायें सहसा गर्मी लाने के लिए, विश्व भर में प्रसिद्ध हैं। अलबेर्टा की राजधानी एडमोन्टन (Edmonton), प्रांत के लगभग केंद्र में है। लुईस झील (Lake Louise), अलबेर्टा पर्वत (Mountan Alberta), और अलबेर्टा प्रान्त का नाम, राजकुमारी लुईस कैरोलिन अलबेर्टा (Princess Louise Caroline Alberta, 1848-1939) के नाम पर रखा गया है। वैसे तो कनाडा ठंडी जलवायु वाला देश है, परंतु अलबेर्टा में धूप अक्सर खुली रहती है और गर्मियों में सूरज अठारह घंटे तक चमकता है। कनाडा में मांसाहारी (carnivores), प्राणियों की भरमार है, खाकी भालू, ग्रिजली (Grizzly), काले भालू (black bears), पहाड़ी जंगली क्षेत्र में पाये जाते हैं। केनाइन (canine), और बिल्ली प्रजातियों (feline) के छोटे मांसाहारी जीव छोटे भेड़िये (Coyotes), भेड़िये (Wolves), लोमड़ियाँ (Fox), वनविलाव (Lynx), बॉबकेट (Bobcats), और पर्वती सिंह (Mountain Lions) काफी मिलते है। शाकाहारी (herbivores), पशु भी पूरे प्रांत में पाये जाते है जैसे अमरीकी हिरन (Moose), खच्चर हिरन (Mule deer), बारहसिंगा (elk), और सफेद पूंछ वाला हिरन (White-tail deer), जंगली क्षेत्रों में पाये जाते हैं, जबकि अनेक सींगों वाला चिंकारा (Pronghorn), दक्षिणी अलबेर्टा में पाया जाता है और बड़े सींगों वाली भेड़ें (Big-horn sheep), और पहाड़ी बकरियाँ (mountain goats), रॉकी पर्वतों पर पाई जाती है। खरगोश (Rabbits), साही (Porcupines), स्कन्क (Skunk), गिलहरियाँ (Squirrels), आदि कुतरने वाले जानवर और रेंगने वाले जानवर पूरे प्रांत में हर जगह पाये जाते है। अलबेर्टा में केवल एक प्रकार का जहरीला सांप रेटल स्नैक (Rattle snake) पाया जाता है। अनेक प्रवर्जनकारी पक्षी यहाँ अपना ठिकाना बनाते है। काफी बड़ी संख्या में बतख (ducks), कलहंस (Geese), हंस (Swans), और जलसिंह (Pelicans), यहाँ हर बसंत में आते हैं और सैकड़ों छोटी झीलों पर उत्तरी अलबेर्टा में बसेरा करते है। गरुड़ (Eagles), बाज (Hawks), उल्लू (Owls) और कौवे (Crows) बहुतायत में मिलते हैं। अलबेर्टा पारंपरिक कच्चे तेल (traditional crude oil) और कृत्रिम कच्चे तेल (artifitial crude oil), प्राकृतिक गैस (natural gas) और गैस उत्पादों (gas products) का कनाडा का सबसे बड़ा राज्य है। अलबेर्टा प्राकृतिक गैस को निर्यात करने वाला विश्व का दूसरा सबसे बड़ा और पेट्रोरसायनों (petrochemicals) का उत्पादन करने वाला चौथा सबसे बड़ा उत्पादक है। गेंहू और राई (canola) यहाँ की प्रमुख फसलें हैं। मधुमक्खी पालन का सबसे बड़ा स्थान है। अलबेर्टा का रॉकी पर्वत सैलानियों का पसंदीदा ठिकाना है, जहाँ बांफ राष्ट्रीय पार्क (Banff National Park) और जैस्पर राष्ट्रीय पार्क (Jasper National Park) हैं। यहाँ कालगेरी भगदड़ (Calgery Stampede) का उत्सव बहुत प्रसिद्ध है, जिसको देखने के लिए हर वर्ष बारह लाख लोग आते है। प्रांत के कालगेरी अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डा और एडमोन्टन अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डा क्रमशः कनाडा में तीसरे और पांचवे व्यस्तम हवाई अड्डे हैं। 1908 में स्थापित, अलबेर्टा का सबसे पुराना और सबसे बडा विश्वविद्य ालय, यूनिवर्सिटी ऑफ अलबेर्टा, एडमोन्टन में है। अलबेर्टा का दूसरा सबसे बड़ा विश्वविद्यालय, यूनिवर्सिटी ऑफ कालगेरी (University of Calgery) है, जो 1966 में यूनिवर्सिटी ऑफ अलबेर्टा से पृथक हुई। अथावास्का यूनिवर्सिटी (Athavasca University) जो दूरस्थ शिक्षा पर केन्द्रित है, तथा यूनिवर्सिटी ऑफ लेथब्रिज (University of Lethbridge) क्रमशः अथावास्का और लेथब्रिज में हैं। इसके अलावा माउंट रॉयल यूनिवर्सिटी (Mount Roral University), मेकईवान यूनिवर्सिटी (MacWwan University), नार्दन अलबेर्टा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलाजी (Northern Alberta Institute of Technology) तथा सर्दन अलबेर्टा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी (Sourthern Alberta Institute of Technology) भी हैं।

5 अनुवादक की टिप्पिणी : साक्श्चेवन (Sasktchewan) नदी के उत्तरी किनारे पर स्थित एडमोंटन (Edmonton), अलबेर्टा प्रांत की राजधानी है, जो इसके मध्य में स्थित है। इसकी आबादी लगभग नौ लाख तीस हजार है। इसे कनाडा का उत्सव नगर भी कहा जाता है। इसकी बसाहट ईसा पूर्व 12000 वर्ष, जब पिछला हिमयुग हुआ था, मानी जाती है। यहाँ का सबसे बड़ा अजायबघर रॉयल अलबेर्टा अजायबघर (Royal Alberta Museum), है, जिसमें एक करोड़ से अधिक वस्तुऐं संग्रहीत हैं। हाकी और फुटवाल यहाँ के लोकप्रिय खेल हैं। एडमोंटन अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (Edmonton International Airport, EMA), प्रमुख हवाई अड्डा है। यूनिवर्सिटी ऑफ अलबेर्टा (University of Albetra), अथावास्का यूनिवर्सिटी (Athavasca University), यूनिवर्सिटी ऑफ लेथब्रिज (University of Lethbridge), नार्दन अलबेर्टा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलाजी (Northern Alberta Institute of Technology) आदि प्रमुख विश्वविद्यालय हैं।

6 अनुवादक की टिप्पिणी : लेथब्रिज (Lathbridge), कनाडा के अलबेर्टा प्रांत के दक्षिणी भाग में सबसे बड़ा शहर है। जनसंख्या की

पहिये वाली कुर्सी में एक अपंग व्यक्ति, और दो सियामी (Siamese) बिल्लियों को ले जाने में कोई रुचि नहीं रखती थीं। इसलिए हम इस मामले में बहुत विस्तार से गये, हमने यात्रा की लागत निकाली, हमने आश्चर्य किया कि क्या वेंकोवर से केलगेरी ले जाने के लिए, हम कोई एम्बूलेंस लेंगे, और अंतिमरूप से, एक मित्र की सहायता से, हम एक भाड़े की फर्म से, बहुत अच्छी हवाई यात्रा की व्यवस्था कर सके। हम बहुत बड़ी युक्तिसंगत राशि पर, यात्रा के लिए राजी हुए। वास्तव में, हमको सड़क मार्ग से एम्बूलेंस के द्वारा, जितनी लागत पड़ती, उसकी तुलना में, ये हमारे पक्ष में दिखाई दिया।

महान दिन आया और अंत में हमारा पट्टा (lease) समाप्त कर दिया गया। मैं भारी कदमों से बाहर चला, एक चीज जिसे अपंग–बस (Handi-bus) कहा जाता है, एक चीज जिसमें चढ़ने के लिए ढ़ाल (slope) होता है, जिसमें पहिये वाली कुर्सी को धक्का देकर, एक प्रकार के खाली ट्रक या बस में चढ़ाया जाता है, और वहॉ पहिये वाली कुर्सी को, बड़ी सुरक्षा के साथ फीते से फट से बांध दिया जाता है, ढ़ाल को मोड़कर बाहर और पीछे, ऊपर की तरफ कर दिया जाता है, और व्यक्ति के मित्र या रिश्तेदार, टैक्सी में अंदर आ जाते हैं और तब काफिला चलता है। हम वेंकोवर में होकर, वेंकोवर हवाई अड्डे के लिए गये। वहॉ हमें पहला व्यवधान मिला।

ये व्यवस्था की गई थी कि, बिजली से चलने वाली पहिये वाली कुर्सी के साथ, मुझे उठाने के लिए, बड़े पुराने हवाई जहाज में रखने के लिये, एक क्रेन (forklift) उपलब्ध होगी। ठीक है, वहॉ क्रेन नहीं थी, हवाई अड्डे के उस हिस्से में एक भी नहीं थी! मैं वहॉ हैंडी बस के पिछले हिस्से में बैठा, और अंततः मैं इस पूरे विचार से परेशान हो गया। इसलिए जब लोग आसपास विचार विमर्श करते हुए कि उन्हें क्या करना चाहिए, मुझे और पहिये वाली कुर्सी को हवाई जहाज में कैसे चढ़ाया जाय, भीड़ बना रहे थे, मैं कुर्सी में, हवाई जहाज के मुख्य भाग में जा रही सीढ़ी के पैर की तरफ, आगे बढ़ा। वहॉ मैंने केवल अपनी भुजाओं की शक्ति के द्वारा, स्वयं को खींचने की व्यवस्था की। इस सम्बन्ध में शेखी बघारने के लिए, मेरी टॉगों के पास, कुछ भी नहीं है, परंतु, अपनी भुजाओं के साथ, मैं अभी भी, एक भारी आदमी को उछालकर, अपने कंधों के ऊपर फैंक सकता हूँ, ये शायद मुझे एक हृदयाघात दे सकता है। ये इस लायक होगा!

इसलिए मैंने अपने आपको पुराने हवाई जहाज में अंदर किया और बैसाखियों के द्वारा, एक तरफ को, अपने बैठने के स्थान तक पहुॅच सका। तब आदमियों के एक समूह ने, पहिये वाली कुर्सी को उसके स्थान में ऊपर उठाया और छोटे दल के दूसरे लोग सामान के साथ अंदर आये। हवाई जहाज ने दहाड़ मारी, और दहाड़ मारी और अंत में हमें हवाई अड्डे से इजाजत मिल गई और हवाई पट्टी पर दौड़े और हवा में उछल गये, और इन पुराने जहाजों में से कुछ, वास्तव में, हवा में उछले।

हमने बंदरगाह के ऊपर, एक चढ़ता हुआ मोड़ (climbing turn) लिया और तब रॉकीज पर्वतों की तरफ, तीन सौ डिग्री का एक मोड़ लिया।

पर्वत सुंदर थे। क्लियो, उनको देखते हुए मोहित हो रही थी। टेडी, इस विचार पर कि यदि वहॉ और अधिक धमकें लगीं, तो वह अपने दोपहर के भोजन को खो सकती है, निरन्तर परेशान थी–हमेशा टेडी का पहला ख्याल, और एक उम्रदराज बिल्ली के लिए, अपनी ''हवा में जाने वाली टॉगों'' को पाना, जबकि हवाई जहाज पूरे आकाश में उछल और टकरा रहा है, उतना आसान नहीं है।

समय धीमे धीमे खिसका, बाहर देखने के सिवाय कुछ नहीं करते हुए हवाई जहाज में बैठना, हमेशा व्यर्थ ही दिखाई देता है और वहॉ, हर समय अपने ऊॅचे बिन्दुओं के साथ बर्फ में ढ़की हुई, कठोर दांतेदार पहाड़ियॉ थीं और नीचे था, अपने पार्श्व को नीचे करता हुआ, सजीव गहरा, नीला गहरा पानी।

दृष्टि से, ये कालगेरी, एडमोन्टन और रेड डीयर शहरों के बाद, अलबेर्टा का चौथा सबसे बड़ा शहर, तथा क्षेत्रफल की दृष्टि से कालगेरी और एडमोन्टन के बाद तीसरा सबसे बड़ा शहर है। ये दक्षिण अलबेर्टा का व्यापारिक, वित्तीय, यातायात, और औद्योगिक केंद्र है। 1916 की जनगणना के अनुसार, यहॉ की आबादी लगभग एक लाख है। यहॉ श्वेत जनसंख्या काफी अधिक है। लगभग 12 प्रतिशत लोग गैर यूरोपियन हैं, जिनमें से अधिकांश जापानी, चीनी, लैटिन अमेरिकी आदि हैं।

कभी कभार, वहॉ कृषकसमाज को थोड़ी सी सेवा देने वाली छोटी हवाई पट्टी का दृश्य होता था, या जहॉ किसी हवाई जहाज की व्यवस्था नहीं की जा सकती, उन पहाड़ी झीलों से उड़ान भरते हुए हवाई जहाजों का दृश्य।

रोशनी जली और चिन्ह (signs) चमक उठे, ''सीट बेल्ट बांध लें–धूम्रपान न करें।'' ठीक है, धूम्रपान न करें, हमारे ऊपर लागू नहीं होता, परंतु हमने अपनी सीट बेल्ट बांध लीं और बिल्लियों को पकड़ लिया जो, सुरक्षा के लिए, हमने अपनी बास्केट में रख लीं थीं।

हवाई जहाज नीचे को उतरा, बादलों की एक पर्त में होकर गुजरा, और तब हम रॉकीज के दूसरी तरफ, निचली पहाड़ियों के ऊपर, उभरे। हमारे नीचे, निचली पहाड़ियों पर फुटहिल्स अस्पताल (Foothills Hospital) था, जिसमें मुझे, एक साल बाद, रोगी के रूप में प्रविष्ट होना था। हमारे बांयी ओर केलगेरी का महान विश्वविद्यालय था। हवाई जहाज, नीचे, और नीचे, आने के लिए झपटता गया। हमने शहर, जो अब हमारा नया घर होने वाला था, को दिलचस्पी के साथ देखा; हमने केलगेरी की मीनार (Calgary Tower) को देखा, हमने अंदरूनी शहर (downtown) की गगनचुम्बी इमारतों (skyscrapers) को देखा और हमने बल खाती हुई नदी या शायद, ये नदियों के धनुष (bows) और कोहनियॉ (elbows), हो सकती हैं, पहाड़ों से लेथब्रिज (lathbridge) की तरफ नीचे उतरती हुई, वे जिस जटिल तरीके से शहर में गूंथी हुई थीं, देखा। क्योंकि नदियॉ गाद से इतनी भरी हुई थीं कि भंवरों के कारण, और बालू भरे किनारों के कारण, पुलिस नदियों को उपयोग में लाने देना नहीं चाहती थी, इस कारण से आनंद–नावों (pleasure boats) द्वारा उनका उपयोग नहीं किया जा सकता था।

हमारे नीचे हवाई अड्डा प्रकट हुआ। हवाई जहाज के चालक ने, संतुष्टि में अपना सिर हिलाया, और हवाई जहाज और अधिक तेजी से टेढ़ा हुआ। तब वहॉ, जैसे ही पहिये हवाई पट्टी (runway) से मिले और उन्होंने चाल पकड़ी, झटकेदार गड़गड़ाहट हुई। शीघ्र ही पूंछ नीचे गिरी और हम, धीमे–धीमे, भारी कदमों से भाड़े वाली कम्पनी के क्षेत्र में चले।

यहॉ परिस्थितियॉ भिन्न थीं। हर चीज तैयार थी। हवाई जहाज जैसे ही कार्यालयों के सामने, रुकने को हुआ, एक बड़ी उम्र के सभ्य पुरुष ने, क्रेन जैसे एक ट्रक को, पुराने हवाई जहाज के बगल से चलाया और चालक और सहचालक ने मुझे और मेरी पहिये वाली कुर्सी को, काफी कसकर पकड़ लिया मानो उन्हें डर था कि मैं भाग सकता हूँ या किसी से नीचे गिर सकता हूँ, या वैसा ही कुछ। परंतु मैं पहिये वाली कुर्सी को व्यवस्थित करने का अभ्यस्त हूँ, और मैं शीघ्र ही हवाई जहाज के दरवाजे में से, सीधे क्रेन के प्लेटफॉर्म की तरफ, चलाकर बाहर आया परंतु, यहॉ भी मुझे सुरक्षा दी गई; चालक और सहचालक ने मुझे पकड़ा और क्रेन के बगल से रखा, जबकि हमको धीमे से जमीन पर नीचे उतार दिया गया।

भुगतान का प्रश्न। आह! हमें हमेशा अपनी यात्राओं के लिए भुगतान करना पड़ता है, क्या हम नहीं करते? इसलिए ये वह था कि हमने यात्रा के लिए भुगतान किया और तब उल्टी चलती हुई, दूसरी अपंग बस, मेरे सामने आकर रुकी। भय भरी आवाज के साथ, ढ़ाल को नीचे किया गया, और मैंने अपनी पहिये वाली कुर्सी, ऊपर मुख्य भाग में चलाई और तब बरसात हुई! केलगेरी में आने के समय से, उस दिन के शेष समय के लिए, चाहे वह किसी भी समय हुई हो, की तुलना में, उस क्षण काफी तेजी से बरसात हुई और हमें एक नम स्वागत मिला।

एक बार फिर, मेरी पहिये वाली कुर्सी, अच्छी सुरक्षा के साथ फर्श से, फीते से बांध दी गई। हमारा सारा सामान अंदर टांग दिया गया था और तब हमने हवाई अड्डे की सड़क की तरफ, नदी के पुल के ऊपर, और खुद केलगेरी के शहर के अंदर की ओर दहाड़ मारी। अब तक भागदौड़ वाले समय (rush-hour) का परिवहन शुरू हो रहा था और बरसात तेजी से, और तेजी से, नीचे आ रही थी। अंत में हम अपने ठिकाने पर पहुॅचे और लोगों का एक समूह, दौड़कर बाहर आया, हमारे सामान को उठाया

और इमारत में अपने शरणस्थल की ओर, अंदर को दौड़े। ड्राइवर ने, धीमे से, कुर्सी को सभी अवरोधों से बंधनमुक्त किया और मैं ढलान पर चलकर, नीचे और घर में भी, आया। केलगेरी के ऊपर, हमारी पहली नजर नम थी।

केलगेरी, एक मित्रवत् शहर है, एक नया शहर, एक शहर, जो अभी चिड़चिड़ेपन और लापरवाही में आगे नहीं बढ़ा है। केलगेरी में एक साल के बाद, मैं कह सकता हूँ, हॉ, ये वास्तव में उन लोगों के लिए, जो आसपास फैल सकते हैं, एक सुंदर स्थान है, परंतु यहॉ कुछ हानियॉ भी हैं; यहॉ के वक्र (curves), वास्तव में, काफी ऊँचे हैं, और पहिये वाली कुर्सी उपयोग करने वाले लोगों के लिये उपयुक्त नहीं हैं, और सड़कें भी बड़ी–बड़ी उभार वाली हैं, जिससे कि पहिये वाली एक कुर्सी, सदैव गटर की ओर नीचे दौड़ना चाहती है। अगला प्रश्न, जिसका मैं उत्तर देने जा रहा हूँ, जिसका मैं उत्तर नहीं देना चाहता, परंतु जिसको देने में मुझे बहुत आनंद होगा, खोखली पृथ्वी (hollow earth) के सम्बन्ध में है।

परंतु इससे पहले कि आप सभी, मुझे *'क्विस कस्टोडियट इप्सोस कस्टोडेस' (quis custodiet ipsos custodes)*[7] के सम्बन्ध में लिखना प्रारम्भ करें, मुझे गद्दार पुलिस अधिकारियों (Crummy Cops), जो हमारी सभ्यता को भ्रष्ट करते हैं, के सम्बन्ध में अपने विचार कहने दीजिये। तैयार? तब यहॉ ये है :

''संरक्षकों का संरक्षण कौन करता है?'' पुलिस की देखभाल कौन सी पुलिस करती है? परम सत्ता भ्रष्ट बना देती है (absolute power corrupts) ''परंतु क्या पुलिस अभी परम सत्ता नहीं रखती? और क्या वे भ्रष्ट हैं? कानून कहता है कि किसी व्यक्ति को तबतक निरपराध माना जाता है, जबतक कि उस पर अपराध सिद्ध न हो जाये; पुलिस स्वतः ही हर एक को दोषी मान लेती है!

व्यक्ति को, उस पर दोषारोपण करने वाले के साथ, भिन्न मत रखने का अधिकार है, फिर भी पुलिस किसी व्यक्ति को ये भी नहीं बताती कि उस पर क्या आरोप हैं, वह चालबाजी से उसको किसी चीज को स्वीकार करने के लिये मजबूर करती है।

मेरी व्यक्तिगत राय में, पुलिस सम्पर्क में नहीं है; पुलिस के सिपाही को कोई भी पसंद नहीं करता, वे, उनसे, जिन्हें उन्हें जानना चाहिए, अलग, अपने बेरकों या अपने अलग–थलग पड़े समूहों में, अकेले रहते हैं। पुराने जमाने के 'चौकी (beat) के सिपाही का, कोई स्थानापन्न या एवजी नहीं है।

आयरलैण्ड का एक बूढ़ा सिपाही, जो मेरा प्रिय मित्र है, सेवानिवृत्त होने से पहले, वर्षों तक वह अपनी बीट से बंधा रहा। वह अपने क्षेत्र में हर किसी को जानता था, और मुसीबतों को, इससे पहले कि वे गम्भीर बन जायें, रोक सकता था। वह, सलाह, मित्रवत् चेतावनियॉ देता हुआ और केवल एक अपराधी को, जब ये वास्तव में अपरिहार्य बन जाये, अंदर करता हुआ, अवैतनिक पारिवारिक सलाहकार था और उसके पास पूरे समाज का प्रेम और श्रद्धा थी।

पुराने प्रकार के पुलिस के सिपाही का, उसके क्षेत्र के घरों में स्वागत किया जाता था। अब पुलिस का सिपाही, उनकी कारों के अंदर रहता था, और लोगों से उसका सम्पर्क टूट गया।

अब पुलिस ने विश्व को, 'भले' और 'बुरे,' केवल भले पुलिस के साथ रहते हुए, दो वर्गों में बांट दिया। कुछ साल पहले, पुलिस सौहार्दतापूर्ण, विचारवान और सहायक थी। तब एक सिपाही, कोई जॉच करते हुए कहता, ''आह तब, श्रीमती ब्लांक (Mrs.Blank), और क्या मैं किसी भले आदमी को देख सकता हूँ? मैंने सुना है कि वह पोटीन (poteen)[8] के थोड़ा अधिक ही पीछे है। सो कर जगते हुए

---

7 अनुवादक की टिप्पिणी : यह रोमन कवि जुवेनाल (Juvenal), जो प्रथम अथवा द्वितीय शताब्दी का व्यंगकार था, का वाक्यांश है, जिसका शाब्दिक अनुवाद है 'रक्षकों में से, रक्षकों की रक्षा कौन करेगा (who will guard the guards themselves),' अथवा कई बार इसे यों भी कहा जाता है, 'प्रहरियों की निगरानी कौन करता है (who watches the watchmen)।'

8 अनुवादक की टिप्पिणी : पोटीन (Poteen), आयरलैण्ड की पारम्परिक व्हिस्की है, जिसे अभी भी, अवैध रूप से, छोटे बर्तनों में आसवित किया जाता है। आयरिश भाषा में बर्तन को पोटा (Pota) कहा जाता है, इसलिये इसका नाम पोटीन पड़ा। इसे छाछ (Whey), चुकन्दर (Sugar Beet), आलू (Potato), शीरा (Molasses) आदि से बनाया जाता है। 2008 में आयरलैण्ड की संसद द्वारा इसे भौगोलिक सूचक का दर्जा (Geographical Indicative Status), दिया गया।

(sleeping it off), क्या वह है? तब मैं बाद में वापस आऊँगा।''

अब पुलिस जोड़ों में गश्त करती है, मानो कि अकेले घूमने से डरती हो। परिस्थितियॉ और हालात जो भी हों, अब वे बिना किसी सोचविचार के, अपने रास्ते पर घुस पड़ते हैं। वे ''आर.सी.एम.पी. (RCMP)'' बिल्ले को किसी की तरफ ढ़केलते हुए, और बिना बुलाये मेहमान की तरह प्रवेश करते हुए, बड़बड़ाते हैं।

''कोई आदमी बेकसूर है, जबतक कि उसे दोषी सिद्ध न कर दिया जाये।'' परंतु पुलिस हर एक के साथ ऐसे व्यवहार करती है, मानो कि वह, मात्र इस कारण से कि, उसने पुलिस का ध्यान आकर्षित किया है, दोषी था! वास्तव में, यदि किसी आदमी को दूसरे को मारते हुए देखा गया था, तो स्वाभाविकरूप से पुलिस को उसे ''गोली मार देनी चाहिए''। निश्चितरूप से, यद्यपि, रोजमर्रा की पूछताछ के मामलों में, पुलिस को चातुर्य दिखाना चाहिए? क्या हुआ यदि कोई अपंग स्नानगृह में है, या कुछ इलाज ले रहा है, क्या पुलिस को अपने बिना स्वागत किये गये ढ़ंग से, अंदर घुसना चाहिए? हम व्यक्तिगत अनुभव से जानते हैं कि वे ऐसा करते हैं!

अब पुलिस से घृणा की जाती है, रंगीन वर्दी के स्वप्न में रहते हुए, उसे अलग रखा जाता है, घोड़े की लीद और भदगड़ मचाते हुए पैर। ये समय है, उनको पुनर्गठित करने का, उन्हें ये दिखाने का कि वे भगवान के द्वारा चुने हुए नहीं हैं, परन्तु जनता के सेवक हैं।

पुलिस को सौहार्द्रता, नम्रता, शिष्टाचार सिखायें, उन्हें अपराधियों का पीछा करने दें, (और पकड़ने दें), और कानून मानने वाले सामान्य प्रतिष्ठित नागरिकों को अकेला छोड़ दें। केवल तभी, उन्हें वह सम्मान पुनः प्राप्त हो सकेगा, जिससे वे, सर्वाधिक निश्चित रूप से, अब पिछड़ गये हैं।

और, मेरे विचार से, अपने गर्वीले दिखावे के कारण, माउंटीज (mounties)[9], सबसे ज्यादा खराब हमलावर हैं। पुलिस के द्वारा विवेकहीन तरीके से परेशान होने के बाद, दूसरे अनेक लोगों की तरह, मैं कहता हूँ, ''पुलिस की सहायता करें? नहीं श्रीमान्! मैं उन्हें मदद करने के लिए, कोई काम नहीं करूँगा, वे बदले में आपके ऊपर सबार हो जाते हैं!'' और उनके पास है!!

---

9 अनुवादक की टिप्पिणी : कनाडा की शाही घुड़सवार पुलिस (The Royal Canadian Mounted Police), को 1920 में रॉयल नार्थ वेस्ट माउन्टेड पोलिस (The Royal Northwest Mounted Police) और डोमिनो पुलिस (The Dominion Police) को मिलाकर बनाया गया था। इसकी वर्दी सबसे अलग हटकर, गहरे लाल रंग की होती है। 4 जुलाई 1973 को महारानी एलिजाबेथ द्वितीय (Queen Elizabeth II) ने इस बल को एक नया वैज प्रदान किया। 23 मई 1974 से इसमें महिलाओं को भी भरती किया जाता है।

अध्याय दो

श्रीमान् 'नहीं' ने, शायद उनको नाम नहीं देना ही अच्छा होगा। बदले में, मुझे उन्हें ''सज्जन'' कहने दें, ये कहते हुए मुझे लिखा, ''मैंने आपके उपन्यासों में से कुछ में, ये कहते हुए कि, आप किसी भी विषय पर, किसी भी प्रश्न का निःशुल्क उत्तर, कैसे देंगे, आपके विज्ञापन पढ़े हैं। ठीक है, ठीक है, मेरे लिए ये ठीक है। मैंने उन लोगों को, जिन्होंने विज्ञापन दिया था कि वे प्रश्नों का उत्तर देंगे, लोगों को सैकड़ों पोंड दिये हैं, परंतु उन्होंने मुझे कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया, परंतु आप लोगों को अपने प्रति लिखने के लिए आमन्त्रित कर रहे हैं, इसलिए मेरा क्या नुकसान होने वाला है।

ठीक है, मैंने खुद सोचा, ये बेचारा गरीब, ढ़ेर सारी गलतियॉ करता है, क्या वह नहीं करता? पहले मामले में, मैंने अपने जीवन में कभी कोई उपन्यास नहीं लिखा। उपन्यास गल्पकथा होती है। मैं केवल सत्य लिखता हूँ और सत्य को छोड़कर कुछ नहीं। तब वह कहता है, मैंने विज्ञापन दिया कि मैं किसी भी विषय पर प्रश्नों का निःशुल्क उत्तर दूँगा। ठीक है, ये मेरे लिये नई बात है। मैंने सोचा कि निरर्थक पत्र लेखन को निरुत्साहित करने के लिए, मैंने अपना सर्वोत्तम किया, और मैंने जीवन में कभी नहीं कहा कि, मैं किसी भी विषय पर, किसी भी प्रश्न का, निशुल्क या अन्यथा, उत्तर दूंगा। मैं केवल अपने निजी विषयों को जानता हूँ और मैं स्वयं पर गर्व करता हूँ कि मैं उन्हें अच्छे से जानता हूँ, और मैं ऐसे प्रश्नों का उत्तर दे सकता हूँ। दुर्भाग्यवश, इस विशेष व्यक्ति की तरह से, लोग मुझे ये सोचते हुए लिखते हैं कि, टाईप के खर्चे, डाक–खर्च, स्टेशनरी की लागत और वैसी ही अन्य सभी चीजों का भुगतान करने में, मुझे प्रसन्नता होगी। वे किसी के खर्चे को वापस भुगताने की, कभी नहीं सोचते। किसी को, उनको, लगभग कंजूस व्यक्ति कहना चाहिए!

हॉ, ये पूरी तरह सही है, यद्यपि, भविष्य देखने वाले, जाली, कुछ निश्चित लोग हैं, जो विज्ञापन देते हैं कि वे कुछ डॉलर या कुछ सौ डॉलर के लिए, प्रश्नों का उत्तर देंगे। मैं उस तरह का कुछ नहीं करता, ये मूर्खतापूर्ण प्रश्नों के आकार को, कुछ हद तक छॉट सकता है परंतु, चूँकि ये आदमी ऐसे विषय के ऊपर प्रश्न लिखता है, जो निकट भविष्य में बिल्कुल सामने आ जायेंगे, तो ये, इस मामले में देखने लायक बनता है। अब यह वह है, जिसे वह वास्तव में, बजनदारी के साथ कहता है, क्योंकि उसका पत्र, कोई साहित्य की कृति नहीं है; जिस तरीके से वह लिखता है, उससे लगता है कि, वह कभी स्कूल में भी नहीं गया होगा।

प्रभाव में वह कहता है, ''काफी लोग सोचते हैं कि इस विश्व के अंदर भी एक विश्व हो सकता है। पृथ्वी खोखली हो सकती है। आपको इस बारे में क्या कहना है? आप धर्म के बारे में बहुत कुछ जानने का दावा करते हैं। आपने ऐसी चीज का, अभी तक, उल्लेख कभी क्यों नहीं किया? कभी किसी धार्मिक पुस्तक में, ऐसी चीज का उल्लेख क्यों नहीं किया जाता?''

ठीक है, वह पर्याप्तरूप से गलत है, क्योंकि धर्म (बौद्ध धर्म) अथवा विश्वास, जिसके बारे में मुझे सर्वाधिक जानकारी है, वास्तव में, किसी आंतरिक विश्व को सन्दर्भित नहीं करता। वहॉ इसके लिए एक विशेष शब्द है। इसे ''अघार्ता (Agharta)'' कहा जाता है। ये शब्द, बार–बार बौद्ध धर्म के पवित्र ग्रंथों में उपयोग में आता है, वास्तव में, तिब्बती लोकगीतों में शम्भाला (Shamballa)[10], जहॉ सभी विश्वों का

10 अनुवादक की टिप्पिणी : तिब्बती बौद्ध और हिन्दू परंपराओं में, शम्बाला (Shamballa), जिसे संस्कृत शम्भल भी कहते है। एक मिथकीय साम्राज्य है, जिसका उल्लेख कालचक्र तंत्र और पश्चिती तिब्बत के सांगसुंग पुस्तकों में अत्यधिक हुआ है। हिन्दू ग्रंथ जैसे कि विष्णु पुराण में शम्भल गॉव को कल्की अवतार, जो विष्णु का अंतिम अवतार होगा, के जन्म स्थान के रूप में वर्णित किया गया है और तब कलयुग की समाप्ति होकर नया सतयुग आ जायेगा। स्वामी विशुद्धानन्द भारती, या 'गंधबाबा,' जिन्हें सूर्यविज्ञान का प्रणेता कहा जाता है, ने शम्भाला का उल्लेख विशेष रूप से किया है उनके अनुसार शम्भाला, तिब्बत के आंतरिक पहाड़ी क्षेत्रों में स्थित एक स्थान है, जहॉ हजारों साल के सिद्ध पुरुष अभी भी निवास करते हैं। उनके कथनानुसार वे स्वयं शम्भाला गये थे और उन्होंने वहॉ दीक्षा लेने के बाद, सूर्यविज्ञान की शिक्षा प्राप्त की थी। कालचक्र के अनुसार मैत्रेय, जो भविष्य के बुद्ध हैं, के द्वारा शम्भाला का शासन किया जाता है। कालचक्र तंत्र के भविष्यकथनानुसार जब विश्व, युद्ध और लोभ में पूरी तरह डूब जायेगा, तो शम्भल में पच्चीसवॉ कल्की अवतार होगा। कुछ विद्वान इसको सन् 2424 के आसपास होना बताते है। शम्भाला को केंद्र में रखते हुए अनेक गल्प साहित्य भी लिखे गये हैं। अनेक अन्वेषकों ने इसको खोजने का प्रयास किया परंतु इसकी भौतिक

राजा, राजा जो इस पृथ्वी की सतह पर, लाखों की नजर से छिपा हुआ है, रहता है, का अत्यधिक उल्लेख किया गया है।

तिब्बती दृढ़ विश्वास करते हैं कि विश्व का राजा, दैत्य के प्रकार का नहीं परंतु, एक अत्यधिक अच्छा राजा, एक अच्छा आध्यात्मिक शासक, जो जीवित है, विश्व के अंदर रहता है।

वह समान रूप से दो तलों पर एक साथ रहता है, भौतिक तल, जहॉ वह हमेशा और हमेशा के लिए रहता है, और आध्यात्मिक या सूक्ष्मतल, जहॉ भी, वह हमेशा और हमेशा के लिए रहता है।

तिब्बती लोग विश्वास करते हैं कि विश्व के राजा ने, अपने प्रथम निर्देश, प्रथम दलाईलामा को दिये थे और दलाईलामा, वास्तव में, आंतरिक विश्व के राजा का, बाहरी विश्व का प्रतिनिधि था।

निश्चित रूप से, तिब्बत में सुरंगें हैं, जो गहरी, और गहरी, और गहरी, चलती चली जाती हैं, और इन सुरंगों से ऊपर आने वाले, और उच्चश्रेणी के लामाओं के साथ वार्तालाप करने वाले, अजीब लोगों के सम्बन्ध में, अनेक लोकोक्तियॉ हैं। जैसा कि मैंने अपनी कुछ पुस्तकों में लिखा है, मैं इनमें से कुछ सुरंगों में गया हूॅ, और मैं अल्टिमा थुले (Ultima Thule)[11] की सुरंगों में भी गया हूॅ। पृथ्वी में, कुछ निश्चित स्थान हैं, जहॉ दीक्षा प्राप्त लोगों का, पृथ्वी के केन्द्र में यात्रा करना और आंतरिक सभ्यता के अपने प्रतिनिधियों से मिलना, सम्भव है, और काफी संख्या में, लोगों के बीच, एक निश्चित ज्ञान है कि, लोग आंतरिक विश्व से बाहर, उन लोगों से बातचीत करने के लिए, सतह पर आते हैं। वास्तव में, यथार्थतः, कुछ उड़नतश्तरियॉ, इस आंतरिक विश्व से आती हैं।

तब, वहॉ, तिब्बत से आंतरिक विश्व तक, और ब्राजील[12] से आंतरिक विश्व तक सुरंगें हैं। ब्राजील और तिब्बत, बाहरी विश्व के दो सजीव महत्वपूर्ण भाग हैं, जिनमें आंतरिक विश्व के लोगों का

उपस्थिति अभी तक ज्ञात नहीं हुई है। फ्रांसीसी बौद्ध महिला, एलेक्जेंडरा डेविड नील (Alexandra David Neel), ने शम्भाला को अफगानिस्तान के बाल्क (Balk), नामक स्थान से जोड़ने का प्रयास किया है। इसे संगरिला के नाम से जेम्स हिलटन के 1933 के उपन्यास 'लॉस्ट हॉरीजन (Lost Horizon)' में वर्णन किया गया था। 1930 के बाद, ये अनेक वैज्ञानिक गल्प साहित्य की कहानियों के रूप में लोकप्रिय हुआ। इस कथानक के ऊपर, फुलमैटल एलकेमिस्ट (Fullmetal Alchemist), शम्भाला की विजय (Conqueror of Shamballa), नामक दो फिल्में भी बनाई गई। 1923 से थुले सोसाइटी भी शम्भाला की खोज में लगातार जुटी हुई है।

11 अनुवादक की टिप्पिणी : अल्टिमा थुले (Ultima Thule), आर्यों द्वारा बसाये गये पहले महाद्वीप का, एक रहस्यमय शहर था। ये महाद्वीप हाइपरबोरिया (Hyperborea) कहलाता था और लेमूरिया (Lemuria) तथा ऐटलांटिस (Atlantis) से भी अधिक पुराना था। माना जाता है कि समुद्र के गर्त में समाने से पहले, इसकी सभ्यता पर्याप्त उन्नत थी। वर्तमान गणनाओं के आधार पर नार्वे (Norway) को थुले माना जाता है, अन्य कयासों के अनुसार ऑर्कनी (Orkney), शैटलैंड (Shetland), ग्रीनलैंड (Greenland), तथा स्कैंडिनेविया (Scandinavia) को भी थुले माना जाता है। स्कैंडिनेवियन लोगों के बीच, अल्टिमा थुले के संबंध में प्रचलित कहानी के अनुसार, ये धुर उत्तर में, जहॉ सूर्य कभी अस्त नहीं होता, एक आश्चर्यजनक क्षेत्र था, जहॉ आर्य जाति के पुरातन लोग रहते हैं। ब्रिटिश खोजकर्ता चार्ल्स वैलेंसी (Charles Valancey), आयरलैंड के समर्थन में अपने तर्क प्रस्तुत करते हैं। ग्रीनलैंड के स्थानीय डाक टिकट (1936) पर थुले छापा गया था। उत्तर–पश्चिमी महासागर क्षेत्र में ब्रिटेन के परे एक द्वीप है, अल्टिमा थुले (Thyle Ultima), जो अपना नाम सूर्य से प्राप्त करता है, ऐसा कहा जाता है कि इसके आगे सूर्य का प्रकाश नहीं मिलता, जिसके कारण समुद्र मंद और जमा हुआ है। मिथिकीय आधार पर, उत्तरी ग्रीनलैंड में एक नगरपालिका अवाना (Avannaa), का नाम थुले रखा गया था। 1953 में अमरीकी वायुसेना ने, थुले के अपने हवाई अड्डे का नाम, 'थुले हवाई अड्डा (Thule air base)' रखा। केंटुकी, अमरीका की मेंमथ गुफा (Mammoth cave), का नाम भी अल्टिमा थुले रखा गया है। इसके अतिरिक्त, आवर्तसारिणी (Periodic Table), के 69वें तत्व, थुलियम (Thulium) का नाम भी थुले पर आधारित है।

12 अनुवादक की टिप्पिणीः ब्राजील (Brazil), दक्षिणी अमेरिका और लैटिन अमेरिका का एक बड़ा देश है। आबादी और क्षेत्रफल दोनों के हिसाब से दुनियॉ का पॉचवां सबसे बड़ा देश है। जिसकी अधिकारिक भाषा पुर्तगाली है। ब्राजील की समुद्री सीमा 7191 किलोमीटर लंबी है। इसमें अनेकों जनजातियॉ रहती हैं। ये संभावना है कि ब्राजील का नाम पुर्तगाली भाषा के ब्राजीलवुड से आया हो, जो ब्राजील के तटीय क्षेत्र में बहुतायत से पाया जाता है। पुर्तगाली भाषा में ब्राजीलवुड को पाउ–ब्राजील (Pau-brasil) भी कहते है। ब्राजील की सरकार राष्ट्राध्यक्ष प्रकार की गणतंत्रीय संघीय सरकार है। राष्ट्रपति, जिसका कार्यकाल चार वर्ष का होता है और जो लगातार दूसरी बार भी चुना जा सकता है, राज्य और शासन का प्रमुख होता है। ब्राजील के वर्तमान राष्ट्रपति, माइकल टेमर (Michel Temer) हैं। ब्राजील में लगभग 2500 हवाई अड्डे हैं, जो संयुक्त राज्य (United States of America) के बाद, दूसरी सबसे बड़ी संख्या है। (Sao Paulo Guarulhos Internationa Airport) हवाई अड्डा देश का सबसे बड़ा और व्यस्ततम हवाई अड्डा है। यहॉ से लगभग 2 करोड़ यात्री प्रतिवर्ष आते जाते हैं। ब्राजील में शिक्षा की स्थिति बहुत अच्छी है, 2011 के ऑकड़ों के अनुसार, यहॉ की साक्षरता दर 90.4 प्रतिशत थी। लैटिन अमेरिका के दस प्रमुख विश्वविद्यालयों में से आठ, ब्राजील में हैं। ब्राजील की राजधानी रियो–डी–जेनेरियो (rio de janerio) तथा आबादी 20 करोड़ है। ब्राजील की वास्तुकला मुख्य रूप में यूरोप से, तथा विशेष रूप से पुर्तगाल से प्रभावित है। यहॉ के प्रिय खेलों में वालीबॉल, बास्केट बॉल, ऑटोदौड़ और मार्शल आर्ट प्रमुख है। यहॉ का सर्वाधिक लोकप्रिय खेल फुटबॉल है।

विशेष आकर्षण है।

ये बहुत दुर्भाग्यशाली बात है कि इतने सारे अंधविश्वास हैं, जिनकी पड़ताल, कभी ठीक ढंग से नहीं की गई क्योंकि ये ''संवेदनशीलों (sensitives)'' में से केवल कुछ को ही पता है कि बृहद पिरामिडों के नीचे, यहॉ कोई सुरंग है। अब, पिरामिडों से, खास तौर से मैं, मिस्र के परामिडों का सन्दर्भ नहीं कर रहा हूँ, उससे कहीं अधिक हैं। ये सभी पिरामिड, पृथ्वी के बागवानों, और उनके प्रतिनिधियों को, जो अपने अंतरिक्षयानों में, अंतरिक्ष की यात्रा करते हैं, की ओर संदेशों को भेजने के लिये, चिन्हित करने वाले प्रकाश द्वीपों की तरह, उपयोग में लाये जाते थे। मिस्र (Egypt), और दक्षिणी अमरीका के कुछ निश्चित भागों में भी पिरामिड हैं, गोबी मरुस्थल (Gobi Desert)[13] में भी, अत्यन्त महत्वपूर्ण पिरामिड हैं, परन्तु, आजकल, साम्यवादी चीन के द्वारा नियंत्रित किये जाने के कारण, गोबी मरुस्थल के बारे में, बाहरी विश्व को, उतना अधिक ज्ञात नहीं है। ये सभी पिरामिड आंतरिक विश्व से जुड़े हुए हैं, और फराओओं (Pharaos) के दिनों में, मिस्र के अनेक जादुई रिवाज, उन लोगों के द्वारा, जो विशेषरूप से, उस उद्देश्य के लिए, अपने आंतरिक विश्व से बाहर आते थे, संचालित किये जाते थे।

परंतु मूल प्रश्न पर वापस आते हुए, बुद्ध धर्म की धार्मिक पुस्तकों के अनुसार, पृथ्वी के ऊपर बड़ी हलचलें थीं और पृथ्वी के देशों का जलवायु बदला, और बदला, और बदला, और जैसे जैसे ये बदला, वैसे वैसे ही जनता की जातियॉ, ठण्डे प्रक्षेत्रों से कुछ गर्म प्रक्षेत्रों में भगा दी गयीं और लगभग पच्चीस हजार वर्ष पहले, ऐसे ही किसी पर्यटन के बीच, पृथ्वी पर, जिसे अब हम उत्तरी ध्रुव कहते हैं, पर एक जनजाति उभरी। वे चलते गये और चलते गये, और अंत में उन्होंने पाया कि सूर्य हमेशा उनके सिर के ऊपर ही रहता है, पीछे कभी नहीं होता, न कभी उगता है, और न कभी अस्त होता है। अंत में, समय के अंतराल में, उन्होंने पाया कि वे पृथ्वी के अंदर थे। उन्होंने पाया कि पृथ्वी खोखली थी, और वे वहॉ बस गये। ऐसा सोचा जाता है कि, मुझे भी इसे कोष्टकों में रखना चाहिए था! कि सभी घुमक्कड जातियॉ, (जिप्सी लोग, Gypsies) पृथ्वी के अंदर से आये।

मैंने कई लोगों को, खोखली के पृथ्वी के सम्बन्ध में बातें करते हुए सुना है, और इस सिद्धान्त के विरोधी हमेशा कहते हैं, ''ठीक है, यदि पृथ्वी खोखली है, तो ये कैसे है कि व्यावसायिक हवाई जहाज की कम्पनियॉ, जो उत्तरी ध्रुव पर उड़ान भरतीं हैं, उसके खुले हुए मुंह को नहीं देख पातीं; व्यावसायिक हवाई जहाज, आजकल वास्तव में, उत्तरी ध्रुव, और शायद दक्षिणी ध्रुव के ऊपर भी, उडान भरते हैं और यदि वहॉ, पृथ्वी में बड़ा खुलाव होता, तब स्पष्टरूप से, विमान चालकों को ऐसा

---

13 अनुवादक की टिप्पिणीः तेरह लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में विस्तारित, गोबी मरुस्थल (Gobi Desert), विस्तार के हिसाब से दुनियॉ में पांचवॉ है। ये मरुस्थल, चीन के उत्तरी और उत्तरी पूर्वी भाग तथा दक्षिणी मंगोलिया, दोनों देशों, के बीच विस्तृत है। ये वर्षा का छाया क्षेत्र है, जिसकी अधिकांश वर्षा, हिमालय पर्वत के द्वारा रोक दी जाती है। फिर भी, यहॉ एक वर्ष में, लगभग सात इंच तक वर्षा होती है। गोबी एक ठंडा मरुस्थल है, जिसकी समुद्रतल से ऊँचाई, अनुमानतः 1520 मीटर है। परिणामस्वरूप, इस क्षेत्र में, सर्दियों में, कई बार, कोहरा और बर्फ भी जमी हुई देखी जा सकती है। सर्दियों में तापक्रम –40 डिग्री फेरेनहाइट (–40 डिग्री सैंटीग्रेड) तक पहुॅच जाता है। यद्यपि गर्मियों में अधिक परेशानी नहीं होती, परंतु फिर भी, तापक्रम 122 डिग्री फेरेनहाइट (50 डिग्री सैंटीग्रेड) तक पहुॅच जाता है। मरुस्थल, दूसरे मरुस्थलों की तुलना में कम रेतीला है। बदले में, यहॉ अधिक तीव्र चलती हुई हवाओं के साथ, अधिकांशतः चट्टानें हैं। अन्य महत्वपूर्ण जीवाष्म की खोजों के साथ साथ, फोसिल के रूप में डायनासोर के अण्डे, सबसे पहले यहॉ गोबी मरुस्थल में ही प्राप्त हुए थे। ये प्रारम्भ में, तेरहवीं और चौदहवीं शताब्दियों के मध्य, सबसे अधिक लंबे समय तक चलने वाले, महान मंगोल साम्राज्य का भाग था। यूरोप से चीन तक जाने वाली सिल्क रोड पर, गोबी मरुस्थल में, व्यापारियों के रुकने और विश्राम करने के लिए कई शहर भी हैं। अपनी चौबीस वर्षीय यात्राओं में, एशिया से होकर, वापस वेनिस (Vanice) जाते हुए, इटली का प्रसिद्ध अन्वेषक यात्री, मोरकोपोलो (Marcopolo), इन शहरों में से होकर गुजरा था, जिसका वर्णन उसने अपनी पुस्तक ''मारकोपोलो की यात्रायें'' (The travels of Marcopolo) में किया है।

गोबी का मरुस्थल लगातार बढ़ता जा रहा है और इसका तेजी से बढ़ना, चीन के लिए सबसे अधिक घातक है, जिसकी अमूल्य तृणभूमि (grass land) को, विस्तारित होता हुआ ये मरुस्थल, निगलता जा रहा है। यद्यपि चीन की सरकार ने इसके विस्तार को रोकने के लिए नये घने जंगल लगाये हैं, तथापि, इसके विस्तार का विचार भी, मनुष्यों की बसाहट के लिए खतरा पैदा करता है। फिर भी, गोबी, पृथ्वी का एक विशिष्टता प्राप्त सुंदर क्षेत्र है, जिसके गर्त में काफी इतिहास समाया हुआ है। यहॉ स्थानीय वनस्पतियों में, सेक्सोल पेड़, साल्टवर्ट, जंगली प्याज, मरुस्थलीय श्रबबैरी (shrubberry) और घास मिलते हैं। यहॉ काली पूंछ वाले गैजल्स (Black tailed gazelles), बैक्टीरियन ऊॅट (Bactrian camels), भेड़िये (Wolves), मारवल्ड पोल केट (marbled pole cats), मंगोलियाई जंगली गधे (Mongolian wild ass), भूरे भालू (Brown bears), हिम चीते (Snow leopards), और सेंड प्लोवर (Sandplovers) पाये जाते हैं।

खुलाव दिखना चाहिए था।''

आप जानते हैं, ये सत्य नहीं है। व्यावसायिक हवाईजहाज कम्पनियॉ, न तो उत्तरी ध्रुव के ऊपर और न ही दक्षिणी ध्रुव के ऊपर उड़ान भरती हैं; वे एक साधारण से कारण, कि वे वास्तव में, ध्रुवों के ऊपर उड़ नहीं सकतीं, की बजह से, उससे काफी दूरी पर उड़ान भरती हैं। ये उनके दिशासूचक उपकरणों को, अत्यन्त गम्भीरता से बाधित करेगा, इसलिए व्यावसायिक उड़ानें, हमेशा उस रास्ते से जाती हैं कि, मिथिकीय उत्तरी या दक्षिणी ध्रुव, अनेक अनेक मीलों दूर तक, बचा दिया जाता है, और इसप्रकार, द्विकसूचक यंत्रों के साथ होने वाले हस्तक्षेपों का भी निवारण हो जाता है।

तब वहॉ दूसरे लोग भी हैं, जो कहते हैं, ''ठीक है, सारे अन्वेषकों को, जो उत्तरी ध्रुव या दक्षिणी ध्रुव में रहे हैं, यदि पृथ्वी में कोई छेद होता, तो उन्हें ये छेद मिल गया होता।'' परंतु तब फिर, नहीं, ये सही नहीं है, कोई भी उत्तरी ध्रुव तक गया ही नहीं। कोई भी दक्षिणी ध्रुव तक नहीं गया। हमें उन लोगों से, जो कुछ कुछ, अमुक अमुक ध्रुव के पास पहुंचे थे, और अनेक मीलों तक बढ़ते गये थे, दूसरे शब्दों में वे कमोवेश गुम गये थे, सूचना प्राप्त हुई है। पुरातन इतिहास, आधुनिक इतिहास भी, हमें सिखाता है कि अधिकांशतः नाविक, ध्रुवों पर (मैं ''ध्रुव का उपयोग, मात्र स्थिति को स्पष्ट बनाने के लिए करता हूॅ।) मलवा तैरते हुए पाते हैं। वहॉ तैरते हुए जानवर, या पक्षी भी मिलते हैं। अब, हर आदमी जानता है कि आप, उत्तरी ध्रुव या दक्षिणी ध्रुव पर, पक्षी और कीट उड़ते हुए नहीं पा सकते, आप हरी पत्तियों को तैरते हुए नहीं पा सकते, इसलिए ये कहॉ से आती हैं? वास्तव में, धरती के अंदर से।

मैं इसमें विश्वास करता हूॅ; मान लो, किसी के पास एक वाहन है और कोई यहॉ से यात्रा कर सकता है, आप इस क्षण में कहीं भी हों, यहॉ का अर्थ उत्तरी ध्रुव है। आप चलते जायेंगे, चलते जायेंगे और आप पहॅुचेंगे, जहॉ आप उत्तरी ध्रुव के स्थित होने का विश्वास करेंगे, और तब आप जारी रखेंगे और अंत में, आप एक भिन्न प्रकार के सूर्य को, अपने ऊपर पायेंगे। न केवल इस पृथ्वी के केन्द्र में, परंतु वैसे ही दूसरी अनेक पृथ्वियों में भी, प्राकृतिक रूप से पाये जाने वाली, परमाणु प्रकार की चीज होने के कारण, सूर्य का अस्तित्व है। खगोलशास्त्रियों ने पाया है कि चन्द्रमा पर, उदाहरण के लिए, कई बार ध्रुवों के आसपास, कुछ अजीब रोशनियॉ देखी गई हैं। आप कह सकते हैं, ''ओह! हॉ, परंतु मनुष्य चन्द्रमा पर रहे होंगे।'' पक्का, वे थे, परंतु वे चन्द्रमा पर एक अत्यन्त सीमित स्थान पर थे, एक स्थान, लगभग पॉच मील त्रिज्या का एक वृत। ओह नहीं, उन्होंने चन्द्रमा पर खोज नहीं की, और उन्होंने इस पृथ्वी को भी, अभीतक, खोजा नहीं है। इस पृथ्वी का काफी हिस्सा है, जो अभी भी खोजा जाना है।

यदि आपकी रुचि हो, और यदि आप अपने सार्वजनिक पुस्तकालय में जायें, मुझे विश्वास है कि आपको आंतरिक भूलोक, और लोगों की कहानियॉ, जो गुम हो गये और एक अनजान विश्व में नावें खेते रहे, और अंत में उन्होंने अपने आपको, ठीक नीचे, आंतरिक विश्व में पाया, के बारे में बताते हुए काफी पुस्तकें मिलेंगी। पुस्तकालय से अधिक अच्छा है, किताब की अच्छी दुकान से कुछ अच्छी किताबें खरीदें।

लोगों ने मुझे, ऐसा विश्व कैसा दिखाई देगा, स्पष्ट करने के लिए कहा है, एक ऐसा विश्व कैसे हो सकता है, जो अंदर से खोखला है? सबसे अच्छा तरीका, जिसमें मैं समझा सकता हूॅ, कुछ इस तरह का हैः कल्पना करें कि आपके पास एक नारियल है। नारियल की बाहरी सतह, बाहर की पृथ्वी है, और इसको याद रखें, कि यदि आपके हाथ गर्म हैं, तो नमी, जो केवल छूने मात्र से, आपने नारियल के बाहर की तरफ जमा की है, इस पूरे आकार की पृथ्वी पर सबसे गहरे समुद्र की गहराई के बराबर है। ये विचार मन में रखने लायक है।

कैसे भी, आपके पास अपना नारियल है और आप इससे बाहर की ओर देख रहे हैं। ये हमारे पारम्परिक विश्व को निरूपित करता है। अब, उस स्थान पर छेद बनाऐं, जिन्हें ऑखें कहा जाता है और दूसरा छेद उस भाग में बनाऐं, जो ऑखों के ठीक सामने है। आप इन्हें उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव समझ

सकते हैं। तुमको ये छेद लगभग एक इंच ब्यास का बनाना चाहिए और नारियल के पूरे पानी को निकाल लेना चाहिए। तब तुम्हारे पास एक बाहरी कड़ा खोल होगा, जो कि पृथ्वी का ऊपरी भाग है, अंदर तुम्हारे पास नारियल का सफेद पदार्थ (गिरी) होगा, जो अंदर के विश्व की सतह को निरूपित करता है। नारियल के ठीक बीच में, तुम्हें कैसे भी, हमेशा जलते रहने वाले आंतरिक सूर्य को निरूपित करने के लिए, एक रोशनी देने वाले बल्व को फिट कर देना है।

अब कठोर शैल, जो ऊपरी पपड़ी है और मुलायम अंदर वाला किनारा, जो अंदर वाले संसारियों को पैर रखने की जगह उपलब्ध कराता है, गुरुत्व का स्रोत भी उपलब्ध कराता है, जो लोगों के पैरों को नीचे रखता है, बाहरी सतह के ऊपर, और अंदर की सतह पर नीचे की ओर। इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि पृथ्वी के अंदर की सतह पिघली हुई गैस है या पिघला हुआ लोहा या पिघली हुई चट्टान या पिघली हुई कोई दूसरी चीज। ये ''वैज्ञानिकों'' जिन्होंने अनेक दूसरी झूठी कल्पनायें की हैं, की मात्र एक कल्पना है, उसी तरीके से, जैसे कि जब उन्होंने कहा था कि यदि कोई व्यक्ति तीस मील प्रतिघंटे की चाल से अधिक तेज चला, तो हवा के दवाब के कारण, उसके फैंफड़े फट जायेंगे और ठीक वैसे ही, जैसे उन्होंने कहा था कि किसी भी अंतरिक्ष यान से, चन्द्रमा पर उतरना, असम्भव होगा क्योंकि वह चन्द्रमा की दुर्बोध धूल में, सीधा सीधा डूब जायेगा। ओह नहीं, वैज्ञानिक, केवल विश्वविद्यालय की शिक्षा के साथ, अनुमान लगाने वाले हैं। वे अक्सर, विश्वविद्यालय की शिक्षा से रहित लोगों की तुलना में, बुरा अनुमान लगाने वाले होते हैं, क्योंकि, वैज्ञानिकों को पढ़ाया जाता है कि यदि यह या वह व्यक्ति कहता है कि कोई चीज असम्भव है, तो ये वास्तव में असम्भव है। इसलिए सोचना सिख़ाये जाने के बजाय, उन्हें मात्र ये सोचने के लिए पढ़ाया जाता है कि, अमुक–अमुक लेखक ने अचूक कह दिया है, और यदि वह कहता है कि कोई चीज असम्भव है, तो वह वास्तव में ऐसी ही है।

मेरा विश्वास है कि पृथ्वी के अंदर के लोग, वास्तव में, बहुत–बहुत उच्चस्तर तक उन्नत लोग हैं, जो कि लेम्यूरिया (Lemuria)[14], म्यू (Mu)[15], एटलांटिस (Atlantis)[16], और भी दूसरी पुरानी

---

14 अनुवादक की टिप्पिणी : लेम्यूरिया (Lemuria), एक गुमी हुई काल्पनिक भूमि का नाम है, जो हिन्द महासागर और प्रशान्त महासागर में कहीं स्थित थी। यद्यपि प्रशान्त महासागर में जीलेंडिया (zealandia) और हिन्द महासागर में मोरीशिया (Moritia) तथा केर्ग्यूलेन पठार (Kerguelen Plateau) जैसे डूबे हुए महाद्वीप अभी अस्तित्व में हैं, तथापि, लेमूरिया का विचार बर्तमान में अमान्य कर दिया गया है, क्योंकि इस सम्बन्ध में कोई ठोस प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं। भारत के तमिल लेखक देवानेया पवनार (Devaneya Pavnar, 1902-1981) और अनेक रहस्य लेखकों के द्वारा इसका बर्णन किया गया है। 1864 में प्राणिविज्ञानी फिलिप स्क्लेटर (Philip Sclater) ने 'मेडागास्कर के स्तनपायी (Mammals of Medagaskar),' नामक लेख में, लेमूर के वर्गीकरण के साथ लिखा था कि उनके जीवाष्म मेडागास्कर और भारत दोनों स्थानों में मिलते हैं परन्तु अफ्रीका या मध्यपूर्व में नहीं मिलते,। इस पर फिलिप स्क्लेटर ने प्रस्तावित किया था कि किसी समय मेडागास्कर और भारत दोनों ही किसी बड़े महाद्वीप के भाग रहे होंगे और वह महाद्वीप छोटे छोटे द्वीपों में टूट गया, जिनमें से कुछ अफ्रीका और कुछ एशिया के साथ जुड़ गये और उनके अवशेष मेडागास्कर तथा मस्कारेन (Mascarene) द्वीपों में मिलते हैं, जिसके लिये उन्होंने लेमूर का स्थान होने के कारण लेम्यूरिया नाम प्रस्तावित किया। देवानेया पवनार ने बताया कि तमिल और संस्कृत साहित्य में वर्णित मिथिकीय हिन्द महासागर में गुमा हुआ पुरातन महाद्वीप, कुमारी कंदम या कुमारी कंतम या कुमारी नाडू, जहॉ शिव की उपासना की जाती थी तथा वेदों का पाठ किया जाता था, बर्तमान भारत के दक्षिण में स्थित था। इन लेखकों के अनुसार, लेम्यूरिया में, इसके सागर में विलीन होने से पहले, तमिल सभ्यता निवास करती थी। वर्तमान कन्याकुमारी नगर, किसी समय कुमारी कंदम का एक भाग था। 1899 में फैडरिक स्पेंसर ओलिवर (Fredrick Spencer Oliver) ने अपने 'दो ग्रहों का निवासी (A Dweller on Two Planets)' लेख में दावा किया कि डूबे हुए लेम्यूरिया के कुछ निवासी शास्ता पर्वत में या उस पर निवास करते थे। वे शास्ता पर्वत में सुरंगें गना कर रहते थे और यदाकदा सफेद वस्त्रों में घूमते दिखते थे। एक अन्य किवदंती के अनुसार 1904 में एक ब्रिटिश नागरिक जे सी ब्राउन (J. C. Brown) ने शास्ता पर्वत के नीचे एक नगर खोजने का दावा किया था।

15 अनुवादक की टिप्पिणी : म्यू (Mu), एक गुमे हुए महाद्वीप का सुझाया हुआ नाम है। जिसका विचार और नाम 19वीं शताब्दी के पर्यटक और लेखक आगस्टस ल प्लोजिओन (Augustus Le Plogeon), द्वारा सुझाया गया था, जिन्होंने दावा किया कि अनेक पुरातन सभ्यतायें जैसे कि मिस्र और मैसोअमेरिका (Mesoamerica), म्यू महाद्वीप, जो एटलांटिक महासागर में स्थित था, के बचे हुए शरणार्थियों द्वारा पैदा की गईं थीं। इस विचार को जेम्स चर्चवार्ड (James Churchward), जिन्होंने 'द लॉस्ट कॉन्टीनेंट ऑफ म्यू (The Lost Continent of Mu),' नामक पुस्तक भी लिखी, के द्वारा अधिक विस्तारित और प्रचारित किया गया। उनका कहना था कि किसी समय म्यू, प्रशांत महासागर में स्थित था। वर्तमान में वैज्ञानिक म्यू और लैमूरिया (Lemuria) जैसे विचारों को पूर्णतः खारिज कर देते है। जेम्स ब्रामबैल (James Bramwell) और विलियम स्कॉट–इलियट (William Scott-Elliot) ने दावा किया कि म्यू का आपत्तिकाल अस्सी लाख वर्ष पूर्व प्रारंभ हुआ। जापानी अन्वेषक मसाकी किमूरा (Masaaki Kimura) ने सुझाव दिया है कि जापान के योनागुनी द्वीप (Yonaguni Island), जिसे योनागुनी मोनूमेंट (Yonaguni Monument) भी कहा जाता है, वास्तव में म्यू के भग्नावशेष हैं।

16 अनुवादक की टिप्पिणी : एटलांटिस (Atlantis), एक द्वीप है, जिसका उल्लेख प्लेटो (Plato), के कार्य में किया गया है।

सभ्यताओं के अवशेष हैं। उथल–पुथल, तूफान, उल्का पिण्ड, और शेष अन्य सभी चीजों के द्वारा, पृथ्वी को चटकाया जा चुका है और अक्सर, सतह के ऊपर वाले भाग को तबाह किया गया है, परंतु फिर भी, अंदर का जीवन, उन चीजों के द्वारा, जो कि बाहर की ओर घटित हो रही हैं, बिना किसी परेशानी के, शांत भाव से चलता रहता है, और इसलिये, वहॉ आध्यात्मिकता और वैज्ञानिक ज्ञान ने उन्नति की है।

आपको ये जानकारी नहीं होगी कि चिली के लोगों ने (Chileans), जिनकी दक्षिणी ध्रुव के क्षेत्रों में महान दिलचस्पी है, उस क्षेत्र में से शुरुआत करते हुए, उड़नतश्तरियों (Unidentified Flying Objects; UFOs) के फोटो लिये हैं। चिली के भौगोलिक वैज्ञानिकों के एक दल के द्वारा, सर्वाधिक दिलचस्प चित्र लिये गये थे। दुर्भाग्यवश, काफी दवाब के कारण, वे फोटो अमरीकी अधिकारियों को सौंप दिये गये थे, और यही अंतिम है, जो कुछ उनसे सुना गया।

उड़नतश्तरियॉ, विविध प्रकारों की होती हैं, परंतु उनमें से एक प्रकार, पृथ्वी के अंदर से आता है, और आजकल अनेक उड़नतश्तरियॉ देखी जाती हैं, क्योंकि पृथ्वी की बाहरी सतह पर, परमाणु विस्फोटों के कारण, अंदर के लोग, बुरी तरह से चिन्तित हैं, क्योंकि कुल मिलाकर, यदि ये विस्फोट काफी बड़े हों, तब शायद पृथ्वी की ऊपरी पपड़ी चटक जायेगी और उससे भी खराब, जितनी कि ये वर्तमान में है, हो जायेगी और पूरी पृथ्वी नष्ट हो जायेगी। यही कारण है कि अंदर के लोग इतने चिंतित हैं, वे इस पृथ्वी पर परमाणु शोधों को नियंत्रित करने का प्रयास क्यों कर रहे हैं।

क्या आपने, वास्तव में, उन अन्वेषकों, जो दावा करते हैं कि वे उत्तरी ध्रुव या दक्षिणी ध्रुव में रहे हैं, की यात्राओं का अध्ययन किया है? वे बिना किसी अपवाद के, विवरण देते हैं कि जैसे–जैसे वे उत्तर की तरफ चले, उन्हें तापक्रम बढ़ता हुआ मिला, उनकी आशा की अपेक्षा, उन्हें अधिक खुले हुए समुद्र मिले, जैसे जैसे, ध्रुव समीप आते गये, उन्हें अधिक चीजें मिलीं, जो उत्तरी या दक्षिणी ध्रुव, जहॉ चीजों को ठण्डा और अधिक ठण्डा माना जाता है, के सैद्धान्तिक तथ्यों से पूरी तरह से बदली हुई थीं। वास्तव में, हवा में ऊपर, खुलाव के केन्द्र में, जो पृथ्वी के अंदर जाता है, कुछ मिथिक चिन्हों के सिवाय, शायद, ध्रुव अस्तित्व में नहीं हैं।

अरोरा बेरियालिस (aurora borealis)[17], जब हालात सुविधाजनक हों, सरलता से, आंतरिक

अटलांटिस के बारे में प्लेटो ने लिखा है कि अटलांटिस स्वर्ग था। वहॉं आलीशान महल और मंदिर थे, जिन पर सोने चांदी की परतें चढ़ी होती थी। मंदिरों की दीवारें और आधार स्तंभ भी बहुमूल्य धातुओं से बने थे। प्लेटो ने भगवान की एक मूर्ति का भी उल्लेख किया है, जो पूरी तरह से सोने की बनी है। आगे रथ खींचते पांच घोड़े भी दिखाये गये है। मूर्ति को समुद्र के देवता के रूप में पूजा जाता था। एटलांटिस को उस समय धरती की सबसे खुशहाल जगह माना जाता था। वहॉं सोने और चांदी के साथ–साथ बहुमूल्य पत्थरों की भरमार थी। द्वीप पर दूर दूर तक हरे–भरे मैदान फैले थे। जमीन बहुत उपजाऊ थी। बड़ी तादाद में पशु पक्षी तथा फलों के बगीचे भी थे। शहर को पांच भागों में बांटा गया था। इस प्रकार शासन व्यवस्था भी आदर्श थी।

प्लेटो ने अटलांटिस को पृथ्वी का स्वर्ग तो करार दिया, लेकिन साथ ही कुछ नकारात्मक बातें भी लिखी हैं। प्लेटो ने एक स्थान पर बताया है कि अटलांटिस सभ्यता के राजाओं ने, अपने साम्राज्य का विस्तार करने के लिए, दूसरे राज्यों पर हमले किये। उन्होंने बड़ी संख्या में नरसंहार कर दूसरे इलाकों पर कब्जा किया परन्तु एथेंस (Ethens) से पार नहीं पा सके थे। प्लेटो के मुताबिक, इस काम के लिए भगवान ने अटलांटिस वालों को सजा भी दी। यह सजा तूफान, बाढ़, भूकंप और ज्वालामुखी के रूप में थी। इन प्राकृतिक आपदाओं से अटलांटिस को समय–समय पर भारी नुकसान पहुॅंचा।

तभी प्रलय हुई और सब कुछ समाप्त हो गया, और समूची सभ्यता इतिहास बनकर रह गई। दरअसल वहॉं कई आपदाओं ने एक साथ हमला किया था। इतिहास के मुताबिक, वहॉं ज्वालामुखी फटा तो समुद्र के पानी से उठी ऊंची लहरों ने समूचे द्वीप को अपने में समा लिया। ज्वालामुखी से निकली काली राख ने पूरे क्षेत्र में अंधेरा कर दिया। बड़ी मात्रा में समुद्र में राख मिलने से उसका रंग भी बदल गया। ज्वालामुखी से निकली बड़ी और गर्म चट्टानों की मानो बारिश ही होने लगी। कई जोरदार धमाके हुए। वर्षों बाद भी वैज्ञानिक इस घटनाक्रम की तह तक नहीं पहुंच सके हैं। केवल अनुमान ही लगाया जाता है कि उस समय 500 से 1000 एटम बम फटने जैसी स्थिति पैदा हुई थी। जिसके चलते समूची सभ्यता का इतने बड़े स्तर पर सफाया हो गया कि आज तक उसका कोई प्रमाण नहीं मिल पाया है। पूरी सभ्यता का नामोनिशान मिट गया।

वैज्ञानिकों का मानना है कि प्राचीन ग्रीक में कालीस्टे द्वीप ही एटलांटिस का एकमात्र अवशेष है, जो अटलांटिस के बारे में कुछ जानने की संभावना बनाये रखता है। हालांकि अभी तक यहां से भी कोई उल्लेखनीय जानकारी नहीं जुटाई जा सकी है।

17 अनुवादक की टिप्पिणी : अरोरा बोरियालिस (aurora borealis) या उत्तरी प्रकाश (northern lights) तथा अरोरा ऑस्ट्रियालिस (aurora austrealis) या दक्षिणी प्रकाश (southern lights) जिन्हें मेरुज्योति या ध्रुवीय प्रकाश (polar lights) भी कहते हैं, रमणीय दीप्तमय छटाऐं हैं, जो ध्रुवीय क्षेत्रों के उपरी भाग में दिखाई पड़ती हैं। उत्तरी ध्रुव की ज्योति को, सुमेरु ज्योति या उत्तर ध्रुवीय प्रकाश तथा दक्षिणी ध्रुव की ज्योति को कुमेरु ज्योति या अरोरा ऑस्ट्रियालिस या दक्षिण ध्रुवीय प्रकाश कहते हैं। प्राचीन रोमवासियों और यूनानियों को इन घटनाओं का ज्ञान

सूर्य से होने वाले परावर्तन हो सकते थे या वे आपके विश्व के नाभिकीय जीवन के विकरण भी हो सकते थे।

लेकिन कोई सुनिश्चित हो कर यह कहता है कि ये सब असम्भव है, वास्तव में, पृथ्वी में से अंदर की ओर जाने वाला, कोई छेद नहीं है, यह विचार पूरी तरह बकवास और हास्यास्पद है। यदि वहाॅ, एक उत्तरी ध्रुव पर और दूसरा दक्षिणी ध्रुव पर कोई बहुत बड़ा छेद होता, तब हवाई जहाजों के चालकों को स्पष्टरूप से, उन्हें देख लेना चाहिए था, अंतरिक्षयात्रियों को भी ये छेद दिख जाने चाहिए थे, और वास्तव में, कोई भी देखने वाला, इन्हें पृथ्वी में होकर, ठीक वैसे ही देखने में समर्थ होगा, जैसे कि कोई, एक फुलाये हुए अण्डे के दूसरे सिरे में होकर दिन के प्रकाश को देखता है। नहीं, कोई ये कहने के लिए सुनिश्चित है कि, ये लेखक, अंत में, मोड़ के आसपास गया है, यदि वह वर्षों पहले नहीं गया था।

आप जानते हैं, ये रवैया पूरी तरह गलत है। ये प्रदर्शित करता है कि व्यक्ति तथ्यों को नहीं जानता। आप में से कितने, उत्तरी ध्रुव पर गये हैं? आप में से कितने, दक्षिणी ध्रुव पर गये हैं? आप में से कितने, वहाॅ की जलवायु के हालातों को जानते हैं? उदाहरण के लिए, बादलों के ढ़कने को? हालातों को देखने के सम्बन्ध में क्या? नहीं, आलोचनात्मक पाठक, मैं कभी मोड़ के आसपास नहीं गया, यदि आप सोचते हों कि ये सब असम्भव है; यदि आप सोचते हैं कि ये सब असम्भव है तब आप न केवल मुड़ाव के आसपास हैं, आप घर के ठीक साथ साथ, कदमताल कर रहे हैं, जो कि खौफनाक तरीके से खराब है।

सोचें, महान गुफायें, घनी आबादी वाले क्षेत्रों में, सैंकड़ों या हजारों वर्षों तक, कैसे छिपी रहीं। एक गुफा को देखें, जिसमें मृतसागर के कच्चे चिट्ठे (Dead Sea Scrolls)[18] पाये गये थे। वह

था, और उन्होंने इन दृश्यों का बेहद रोचक और विस्तृत वर्णन किया है। फिनलैंड में इसे लोमड़ी की ज्वाला कहा जाता है, ऐसी मान्यता है कि हिमाच्छादित भूमि पर दौड़ती हुई लोमड़ी जब अपनी पूॅछ से बर्फ को उछालती है, तो बर्फ की यह बौछार चिनगारियों के रूप में आसमान तक पहुॅच जाती है और वही रंगबिरंगी रोशनी बिखेरती है। चुबंकीय निम्न अशांक्षों से, उच्च अशांक्षों तक बढ़ने पर, मेरु ज्योति की आकृति, क्रमशः बढ़ती जाती है और ध्रुवीय क्षेत्रों में सर्वाधिक होती है। मेरु ज्योतियों की घटना 90 से 130 किलोमीटर के बीच होती है, जिसकी निम्नतम सीमा अस्सी किलोमीटर की ऊॅचाई है। मेरु ज्योति की सक्रियता, ग्यारह वर्षीय सक्रियता, जब बड़े बड़े सूर्य धब्बों के समूह, सूर्य के केंद्रीय याम्योत्तर के निकट से गुजरते हैं, का अनुसरण करती है। इन ज्योतियों का कारण, पार्थिव चुंबकीय विक्षोभ और तीव्र वेग से गतिमान, सूर्य की आविष्ट कणिकाओं को माना जाता है। इन दृश्य घटनाओं की व्याख्या के लिए, अनेक सिद्धान्त प्रतिपादित हुए हैं, जिनमें चैपमैन (Chapman) और फेरारो (Ferraro) का सिद्धान्त, जिसको बाद में मार्टिन (Martyn) ने विकसित किया, सर्वाधिक संतोषपूर्ण है।

18 अनुवादक की टिप्पिणी : मृतसागर (Dead Sea), जार्डन और इजरायल के बीच में स्थित है। इसकी लंबाई अड़तालीस मील और चौड़ाई तीन से ग्यारह मील तक है। ये संसार में पानी का सबसे निचला क्षेत्र है। इसकी सतह समुद्र तल से 400 मीटर नीचे है। इसका दक्षिणी सिरा तो बहुत ही उथला है, लेकिन उत्तरी सिरे पर गहराई लगभग चार सौ मीटर है। इसमें से कोई नदी नहीं निकलती, लेकिन जार्डन नदी और कुछ छोटी छोटी नदियाॅ इसमें गिरती हैं। इसमें से पानी निकलने का कोई तरीका नहीं है, अतः पानी यहाॅ से केवल वाष्प बनकर उड़ता है, जिससे इसमें खनिजों जैसे नमक, पोटाश, मैग्नीशियम क्लोराइड, और ब्रोमाइड की मात्राऐं बढ़ती जाती हैं। अतः यहाॅ का पानी, अन्य समुद्रों की तुलना में, छै गुना खारा है। इसमें खनिजों की मात्रा इतनी अधिक है कि कोई व्यक्ति इसमें डूब नहीं सकता। ये खनिज मनुष्य के लिए लाभकारी हो सकते हैं। अनुमान है कि इसमें बीस लाख टन पोटाश है, जो कृत्रिम खाद बनाने के काम में आता है। खनिजों की अत्यधिक मात्रा के कारण, कोई प्राणी इसमें जीवित नहीं रह सकता, अतः यूनानी लेखकों ने इसे मृतसागर का नाम दिया था। हिब्रू लोग इसे साल्ट सी (Salt Sea) और अरब लोग इसे बदबूदार समुद्र (Stinking Sea) कहते हैं।

मृतसागर के कच्चे चिठ्ठे (Dead Sea Scrolls), या सही अर्थों में कुमरान गुफाओं के कच्चे चिठ्ठे (Qumran Caves Scrolls) लगभग 981 अलग–अलग हस्तलिपियों का एक संकलन है, जो सन् 1946–47, 1956 और 2017 में बारह कुमरान गुफाओं में खोजे गये थे। ये यहूदी मरुस्थल (Judaean Desert), के खीरबेट कुमरान (khirbet Qumran) क्षेत्र में, यहूदी बसाहट, जिसे आजकल पश्चिमी किनारा कहा जाता है, के एकदम समीप पाये गये थे। गुफायें मृतसागर से उत्तर पश्चिम की ओर, स्थल में, लगभग दो किलोमीटर तक स्थित हैं। इसी के कारण इसे मृतसागर के कच्चे चिठ्ठे नाम दिया गया। आम राय यह है कि कुमरान गुफाओं के कच्चे चिठ्ठे, ईसापूर्व तीसरी शताब्दी से लगाकर ईसा की पहली शताब्दी तक के हैं। उसी स्थान पर कांसे (Bronz) के सिक्के भी पाये गये हैं, जिनकी श्रृंखला, 135–104 ईसापूर्व से लगाकर, प्रथम यहूदी रोमन युद्ध (66–73 ईस्वी) तक है। कच्चे चिठ्ठों का रेडियो कार्बन (Radio Carbon) और पेलियोग्राफिक (Paleographic) विधियों से समय निर्धारण किया जा चुका है। इन पर लिखे गये लेख, महान ऐतिहासिक और भाषाई महत्व के हैं, क्योंकि इन में दूसरी, सबसे पुरानी ज्ञात जीवित हस्तलिपियाॅ हैं, जो बाद में हिब्रू बाइबल में जोड़ी गईं थीं। इन में से अधिकांश लेख, हिब्रू भाषा में और थोड़े से ग्रीक भाषा में लिखे गए हैं। इन्हें भोजपत्रों, चर्मपत्रों (perchments) और तांबे की पट्टिकाओं पर लिखा गया है। ये स्क्रॉल्स, पारंपरिक रूप से, यहूदी ऐसेनेस (Essenes) संप्रदाय से संबंधित हैं। ये स्क्रॉल काफी खराब अवस्था में हैं। इनमें से कुछ हिब्रू ग्रंथों की प्रतिलिपियाॅ हैं। कुछ, जैसे कि (Book of Enoch, Book of Jubilee, The book of Tobit, The Wisdom of Sirach, Psalms152-155 etc..),,,,,द्वितीय मंदिर काल (second temple

गुफा, पूरी तरह, केवल दुर्घटनावश पाई गई थी।

कनाड़ा को देखें। अभी क्यूवेक के बड़े क्षेत्र नहीं खोजे गये हैं, और ये मानते हुए कि एक हवाई जहाज, क्यूवेक के इन निश्चित क्षेत्रों के ऊपर, जो कि वर्ष के अधिकांश भाग में बर्फ से ढ़के रहते हैं, उड़ा। तब फोटोग्राफ, परावर्तनों को एकदम सही तरीके से दिखा सकते हैं, जैसा कि बर्फ और बर्फ से परावर्तनों को दिखाना चाहिए था, या फोटोग्राफ, ठीक ठीक तरीके से, जैसा कि उन्हें बर्फ के धब्बों को दिखाना चाहिए था, गहरे धब्बों को दिखा सकते हैं। बर्फ, अनेक विभिन्न रंगों की हो सकती है, आप जानते हैं, ये पूरी सफेद या सोने या चॉदी की चमक वाली नहीं होती, जैसी कि आप क्रिसमस के पेड़ों के ऊपर लगाते हैं। आप कुछ निश्चित क्षेत्रों में लाल बर्फ भी पा सकते हैं; मैं जानता हूँ, क्योंकि मैंने इसे देखा है। परंतु कुल मुद्दा ये है कि उत्तरी या दक्षिण ध्रुव की स्थिति के लगभग, लिये गये फोटोग्राफ, अनजान छायाओं को दिखा सकते हैं, परंतु यदि लोगों के पास, इन छायाओं की गवेषणा करने का कोई कारण नहीं है, तब न तो वे वहॉ जायेंगे और न जॉच पड़ताल करेंगे, क्या वे करेंगे? मिथिकीय उत्तरी या समानरूप से मिथिकीय दक्षिणी ध्रुव पर, अभियान की शुरूआत करने के लिए, काफी बड़े धन की आवश्यकता भी होगी। इसमें काफी धन लगता है, इसमें विशेष नस्ल के लोगों की आवश्यकता होती है, इसके पीछे समर्थन करने वाली तमाम आपूर्तियॉ चाहिए, और बीमा का पैसा देने के लिए, बैंक में काफी बड़ा खाता होना चाहिए!

परंतु कनाडा में वापस; उत्तरी क्षेत्रों में अनेक अनेक क्षेत्र, अभी नहीं खोजे गये हैं। कुछ क्षेत्र मनुष्यों के द्वारा, कभी भी, देखे तक नहीं गये हैं। जब कोई वहॉ गया ही नहीं है, आप ये कैसे जानते हैं कि उत्तरी क्षेत्रों में कैसे छेद हैं? जबतक कि आप सभी तथ्यों को नहीं जानते हैं, जबतक कि आप फोटोग्राफी करने में माहिर नहीं हैं, जबतक कि आप भूगर्भविज्ञान के विशेषज्ञ नहीं हैं, ये कहना मूर्खता होगी कि चीजें असम्भव हैं।

अंतरिक्ष यात्रियों या ब्रह्माण्ड यात्रियों, या जो कुछ भी शब्द उनके लिए प्रचलित हों, के सम्बन्ध में सोचें; ठीक है, तब वे उड़ान भर रहे हैं और तार्किकरूप से, पृथ्वी के समीप हैं, अनुमानतः जहॉ उत्तरी ध्रुव या दक्षिणी ध्रुव होने चाहिए, उनके पास एक छेद पर देखने के अलावा, कुछ और चीज भी करने को है, और ध्रुवीय क्षेत्रों में देखना, अक्सर, भयानकरूप से असंतोषजनक होता है, कोहरा, बर्फीले तूफान, बर्फ और पानी से, भ्रमित करते हुए परावर्तन। ये ध्यान देने लायक है कि, जब भी अंतरिक्षयात्री परिक्रमा में होते हैं, उन्हें कई विशेष काम करने को होते हैं। रूसी क्षेत्र पर निगाह मारना, चीनी क्षेत्र पर और कड़ी निगाह मारना, क्या वहॉ छायाऐं हैं, जो प्रदर्शित करतीं हैं कि खंदकें (silos), जो अंतर महाद्वीपीय प्रक्षेप मिसाइलों (intercontinental ballistic missiles) के प्रारम्भिक बिन्दु हो सकतीं हैं, बना लीं गईं हैं? और यदि ऐसा है, ये खत्तियॉ किस दिशा में झुकी हुईं हैं? ऐसी चीजों को जानने के द्वारा, अमरीकी लोग बता सकते हैं कि क्या पीकिंग के युद्ध के स्वामियों ने अपने रॉकेट न्यू यार्क (New York)[19] या

period) से संबंधित हैं, जिन्हें हिब्रू बाइबल में सम्मिलित नहीं किया गया। बाद में, इनमें से अधिकांश स्क्रॉल और उनके टुकड़ों को फिलिस्तीन के पुरातात्विक संग्रहालय (Palestine Archaeological Museum) में 1953 में रखा गया। इनमें से अधिकांश को 1950 से 1965 की अवधि में प्रकाशित भी किया चुका है। सन् 2005 में, लगभग 2400 पृष्ठों की छै अंकों की श्रंखला में, इसे सीडी रोम (CD ROM) पर भी अभिलेखित किया जा चुका है। मृतसागर के स्क्रॉल के संकलन में कुछ, जार्डन की सरकार द्वारा हथिया लिये गये थे और उनको फिलिस्तीन के पुरातात्विक संग्रहालय के बजाय, अमन के संग्रहालय में संग्रहित किया गया है। वर्तमान में, मृतसागर स्क्रॉल के लगभग सभी संचयन, इजराइल सरकार के स्वामित्व में हैं और उन्हें इजराइल के संग्रहालय में रखा गया है। वर्तमान में, इस सॅबन्ध में जार्डन और फिलिस्तीन दोनों देशों के बीच स्वामित्व का विवाद चल रहा है।

19 अनुवादक की टिप्पिणी : न्यू यॉर्क (New York), अमरीका के न्यू यॉर्क राज्य, जो अमेरिका के उत्तर–पूर्वी भाग में स्थित है, का एक प्रमुख शहर है। 1790 से, न्यूयार्क नगर, अमेरिका का सर्वाधिक जनसंख्या वाला शहर रहा है, जबकि न्यूयार्क महानगरीय क्षेत्र, विश्व के सर्वाधिक जनसंख्या वाले महानगरीय क्षेत्रों में से एक है। यह विश्व का एक प्रमुख महानगर है और विश्व व्यापार, वाणिज्य, संस्कृति, फैशन, और मनोरंजन पर, इसका बहुत प्रभाव है। संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO; United Nations Organisations) का मुख्यालय यहॉ स्थित होने के कारण, ये अंतर्राष्ट्रीय मामलों का भी एक प्रमुख केन्द्र है।

अटलांटिक की ओर मुख किये हुए विशाल बंदरगाह वाले इस महानगर में, पॉच बरोस (Burroughs) (प्रशासनिक इकाईयॉ) हैं: ब्रॉन्क्स (the Bronx), ब्रुक्लिन (Brooklyn), मैनहट्टन (Manhattan), क्वींस (Queens), और स्टेटन द्वीप (Staten Island)। नगर की अनुमानित

लॉस ऐंजलिस (Los Angeles)[20] या कहीं दूसरी तरफ भी लक्षित कर रखे हैं। उन्हें झुकाव के कोण और पृथ्वी के घूर्णन को भी ध्यान में रखना है ताकि वे, केवल कुछ मील के अंदर, आई.सी.बी.एम. मिसाईलों के लक्ष्यक्षेत्र की भविष्यवाणी कर सकें। अमरीकी लोग, पृथ्वी के छेद के सम्बन्ध में जानने के बजाय, ये जानने में कि रूसी लोग, पोलेंड के लोग, चीनी और चेकोस्लोवाकिया के लोग क्या कर रहे हैं, तुलनात्मक रूप से, अत्यधिक दिलचस्पी रखते हैं। कुछ अमरीकी, उदाहरण के लिए, पृथ्वी के छेद के बजाय, सिर में एक छेद की जॉच करने में अधिक दिलचस्पी रखते होंगे!

इसलिए, जबतक कि कुछ अत्यन्त विशेष अवस्थायें और अत्यन्त विशेष परिस्थितियॉ न हों, आप इसे ऐसे ही ले सकते हैं। पृथ्वी के इन विशिष्ट खुलावों के फोटो नहीं लिये जा सकेंगे, और यह सोचने के लिए कि जैसे आप रेलवे सुरंग मे देखते हैं, ठीक वैसे ही, आप एक सिरे में देखेंगे और दूसरे सिरे से बाहर देख पायेंगे, ये विचार सनकी है, आप इसे नहीं कर सकते। पूरी तरह एकदम सीधी, रेल की एक सुरंग पर विचार करें। आप एक सिरे में से देखें और यदि आप बहुत, बहुत सावधान हों, सम्भवतः आप, दूसरे सिरे पर, प्रकाश का एक छोटा बिन्दु देख सकते हैं और तब रेल की सुरंग, आधे मील से भी अधिक लम्बाई की नहीं होगी। यदि आप पृथ्वी के छेद में होकर, किसी चीज पर देख रहे होते, तो लगभग आठ हजार मील लम्बा देखना पड़ता अर्थात् सुरंग, जिसमें होकर आप (पृथ्वी में होकर) देख रहे होते, इतनी लम्बी होती कि आप इसके दूसरे सिरे पर, कोई प्रकाश नहीं देख पाते। इतना ही नहीं परंतु यदि आपकी नजर अच्छी हो कि आप पूरे रास्ते पर देख सकें और एक छोटे छेद को पहचान सकें, तब आप अंधेरे में देख रहे होंगे क्योंकि जबतक सूर्य उल्टी दिशा में होगा, आपको प्रकाश के कोई परावर्तन नहीं मिलेंगे, मिलेंगे क्या?

यदि आप, इस सम्भावना कि, पृथ्वी खोखली है, को मना करने वाले हैं, तब आप, उन लोगों की तरह, जो सोचते हैं कि पृथ्वी सपाट है, उतने ही बुरे हैं! गुजरने में, मैं आश्चर्य करता हूँ कि कैसे ''सपाट–पृथ्वी–समाज (Flat-Earth Society)'' लंदन, इंग्लैण्ड, अब अंतरिक्षयात्रियों के फोटोग्राफों में से कुछ को, समझाता है। जहॉ तक मुझे जानकारी है, वहॉ इंग्लैण्ड में एक सोसायटी भी है, जो कौमिकों के एक ढेर के ऊपर (कोमिक होने चाहिए!) कसम खाती है कि पृथ्वी सपाट है और सभी फोटोग्राफ नकली हैं। मैंने इसके सम्बन्ध में कुछ चीज पढ़ी और काफी हॅसा और मेरी इच्छा है कि मैं याद कर सकूँ कि ये लेख (article) मैंने कहॉ पढ़ा था। कैसे भी, यदि आप पक्की तरह सुनिश्चित नहीं हैं, तो अपना दिमाग खुला क्यों न रखें, तब आपकी कमी पकड़ी नहीं जायेगी, जबकि प्रमाण आने ही वाला है?

जनसंख्या लगभग 85.5 लाख है, जो 710 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्रफल में बसी हुई है, जो न्यूयार्क को अमेरिका का सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला नगर बनाता है। न्यूयार्क महानगरीय क्षेत्र की अनुमानित 1.88 करोड़ की जनसंख्या भी अमेरिका में सर्वाधिक हैं, जो 17,400 किलोमीटर क्षेत्रफल में बसी हुई है। न्यूयार्क में 62 काउंटियॉ (counties) हैं, जो नगरों और उपनगरों में विभाजित है। यहॉ वाल स्ट्रीट (Wall Street) में न्यूयार्क स्टॉक एक्सचेंज (New York Stock Exchange) और ब्राडवे (broadway) में नासडाक (NASDAC) हैं, जो दुनियॉ में बड़े स्टॉक एक्सचेंजों में क्रमशः पहले और दूसरे नंबरों पर आते हैं। न्यूयार्क में, न्यूयार्क राज्य विश्वविद्यालय (New York State University), न्यूयार्क नगर विद्यालय (New York City University), बिंगहाम्टन विश्वविद्यालय (Binghamton University), स्टोनी ब्रुक यूनिवर्सिटी (Stony Brook University) आदि प्रमुख विश्वविद्यालय है। न्यूयार्क, 24 जून 2011 को, समलेंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने वाला, पॉचवॉ राज्य है। नियाग्रा फॉल (Niagra fall), स्वतंत्रता की प्रतिमा (Statue of Libery) यहॉ के प्रमुख आकर्षण हैं।

20 अनुवादक की टिप्पिणी : लॉस ऐंजेलिस (Los Angeles) अमेरिका के केलीफोर्निया (California) प्रान्त का सबसे बड़ा शहर एवं पूरे देश का दूसरा बड़ा शहर है। शहर को, बोलचाल में, अक्सर, एल.ए. (LA) कहा जाता है। इसकी अनुमानित जनसंख्या 3 करोड़ 80 लाख एवं क्षेत्रफल 469.1 वर्गमील (1,214.9 वर्ग किमी) है। यदि इसमें ग्रेटर लॉस एंजेलिस की आबादी शामिल की जाए, तो इसकी आबादी लगभग 12 करोड़ 90 लाख हो जाती है, जिनमें पूरी दुनियॉ से आए हुए लोग, जो 224 अलग–अलग भाषाऐं बोलते हैं, शामिल हैं। लॉस एंजेलिस, लॉस एंजेलिस काउंटी, जो अमेरिका में अत्यंत सघन बसा हुआ एवं काफी विविधता वाला काउंटी है, का प्रशासनिक मुख्यालय भी है। इस काउंटी में रहने वालों को ''ऐंजेलियंस'' कह कर संबोधित किया जाता है।

लॉस ऐंजेलिस की स्थापना, 4 सितम्बर, 1781 को स्पेनिश गवर्नर, 'फेलिपे द नेवे (Felipe de Neve), द्वारा की गयी थी। स्पेन से आजाद होने के बाद, यह शहर 1821 में मैक्सिको का हिस्सा बना एवं 1848 में मेक्सिकन अमरीकी युद्ध के समाप्त होने के बाद, अमरीका एवं मेक्सिको के बीच हुई एक संधि के अंतर्गत अमरीका द्वारा खरीद लिया गया। 1850 में कैलिफोर्निया के पूर्ण राज्य घोषित होने से पॉच महीने पूर्व, 4 अप्रैल को इसे नगर निगम का दर्जा भी हासिल हुआ। आज लॉस एंजेलिस, पूरी दुनियॉ में संस्कृति, तकनीक, मीडिया, व्यापार के क्षेत्र में एक प्रमुख शहर के रूप में स्थापित है। डिजनीलेंड (Disneyland) यहॉ का प्रमुख आकर्षण है।

यहॉ एक और चीज है, जिस पर आपको विचार करना है; विश्व की सरकारें, या उच्च शक्तियों वाली सरकारें, उड़नतश्तरियों के बारे में, हर चीज को छिपाने में, अपने आपको लगभग मार रही हैं। क्यों? लाखों लोगों ने उड़नतश्तरियॉ देखी हैं। केवल कल ही, मैं एक लेख पढ़ रहा था, जिसमें ये कहा गया था कि सांख्यिकी सिद्ध करती है कि डेढ़ करोड़ अमरीकियों ने उड़नतश्तरियॉ देखी हैं। इसलिए यदि केवल एक देश में, डेढ़ करोड़ लोग उन्हें देख चुके हैं, तब ये एक सुनिश्चित चीज है कि उड़नतश्तरियों जैसी कुछ चीज होनी चाहिये। अर्जेन्टीना (Argentina)[21], चिली (Chile)[22] और दूसरे संवेदनशील देश, इनके अस्तित्व को स्वीकार करते हैं। आवश्यकरूप से, वे ये नहीं समझते कि वे क्या हैं और क्यों हैं, परंतु वे इन्हें स्वीकार करते हैं, जो एक बड़ा कदम आगे है।

सरकारें, उड़नतश्तरियों के बारे में खामोश रहतीं हैं और सभी तथ्यों को छिपाती हैं; अब मान लीजिये, उदाहरण के लिए, अमरीकी सरकार के पास, पृथ्वी में प्रवेश करती हुईं या पृथ्वी से उड़ती हुईं, उड़नतश्तरियों के खराब फोटो हैं, ये मानते हुए कि उनके पास पक्के सबूत हैं कि पृथ्वी खोखली थी और उसके अंदर एक उच्च सभ्यता थी, तब निस्संदेह सरकारें सत्य की जानकारी को छिपाने का प्रयास करेंगी अन्यथा लोग भगदड़ मचायेंगे, लूटपाट करेंगे, आत्महत्यायें करेंगे, और उन सभी अजीब चीजों को, जिन्हें मनुष्य तब करते हैं, जब वे भय में होते हैं, करेंगे। हमें केवल, कुछ वर्षों पहले का, ओरसन वेल्स रेडर्स (Orson Wells Raiders) का मंगल रेडियो से प्रसारण (Mars radio broadcast), उद्‌घोषकों के द्वारा ये कहने के बावजूद, कि ये मात्र एक नाटक था, ध्यान रखना है, जब अमरीकी लोगों में, वास्तव में, एकदम भय व्याप्त हो गया था।

इसलिए सरकारें सत्य को छिपाती हैं, क्योंकि वे भगदड़ से डरती हैं, परंतु शायद, बहुत अधिक दूर भविष्य में नहीं, उन्हें सत्य को स्वीकार करना ही होगा, सत्य ये है कि पृथ्वी खोखली है और उस खोखली पृथ्वी के अंदर, एक उच्चरूप से विकसित, प्रबुद्ध प्रजाति रहती है, और कि उड़नतश्तरियों का

21अनुवादक की टिप्पिणी : दक्षिणी अमेरिका महाद्वीप में स्थित, अर्जेंटीना या अर्जेंटाइना (Argentina), क्षेत्रफल (27,76,656 वर्ग किमी) और जनसंख्या (सन् 2008 में, 4,06,77,348) की दृष्टि से, ब्राजील के बाद, दक्षिणी अमेरिका का, द्वितीय विशालतम देश है। इसके उत्तर में ब्राजील, पश्चिम में चिली तथा उत्तर–पश्चिम में पराग्वे है। इसकी आकृति एक अधोमुखी (inverted) त्रिभुज, जो लगभग 2,600 किमी चौड़े आधार से, दक्षिण की ओर संकरा होता चला गया है, के समान है। उत्तर में ये बोल्विया (Bolvia) एवं पराग्वे (Paraguay), उत्तर–पूर्व में यूरुग्वे (Uruguay) तथा ब्राजील (Brazil) तथा पश्चिम में चिली (Chile) से घिरा हुआ है। इसमें 24 प्रांत हैं।

अर्जेंटीना का नाम अर्जेंटम (Argentum), जिसका लैटिन भाषा में अर्थ चांदी होता है, से पड़ा। लैटिन तथा स्पेनिश भाषा के, चांदी के पयार्यवाची शब्दों, जो क्रमशः ''अर्जेंटम (Argentum)'' तथा ''किराटा (Kirata)'' हैं, से ही, अर्जेंटीना और ''रियो डे ला प्लाटा (Rio de la Plata)'' (देश की एक नदी, रजत नदी, के मुहाने (estuary)) का नामकरण हुआ है। प्रारंभ में, ये एक उपनिवेश था, जिसकी स्थापना स्पेन के चार्ल्स तृतीय (Charles III) ने, पुर्तगाली दबाव को रोकने के लिए की थी। सन् 1810 ईसवी में, देश की जनता ने स्पेन की सत्ता के विरुद्ध आंदोलन प्रारंभ किया, जिसके परिणामस्वरूप, ये देश 1816 ईसवी में स्वतंत्र हुआ, परंतु स्थाई सरकार की स्थापना 1853 ईसवी से ही संभव हुई। अर्जेंटीना गणतंत्र के अंतर्गत, बाईस राज्यों के अतिरिक्त एक फैडरल जिला, तथा टियेरा डेल फ्यूगो (Tierra del Fuego), अंटार्टिका महाद्वीप के कुछ भाग और दक्षिणी एटलांटिक महासागर के द्वीप हैं। पश्चिम के पर्वतीय क्षेत्र को छोड़कर, देश का शेष भाग मुख्यतः निचलीभूमि (low land) है। देश के लगभग तीस प्रतिशत भाग में, एंडीज (Andes) पर्वत, जो चिली के साथ प्राकृतिक सीमा निर्धारित करता है, फैला हुआ है। नदियॉ, एंडीज पर्वत तथा उत्तर की उच्च भूमि से निकल कर, पूर्व की ओर प्रवाहित होती हैं और एटलांटिक महासागर में गिरती हैं। पराना (Parana), पैराग्वे (Paraguay), सलाडो (Salado), नेग्रो, (Negro) सैंटा क्रूज (Santa Cruz), कोलोराडो (Colorado) और यूरुग्वे (Uruguay) यहॉ की प्रमुख नदियॉ है। यहॉ की राजधानी ब्यूनस आयरस (Buenos Aires) है। न्यूयार्क के बाद, ब्यूनस आयरस, पश्चिमी गोलार्द्ध का दूसरा विशालतम बंदरगाह है। अर्जेंटीना विश्व का महत्वपूर्ण खाद्यउत्पादक और निर्यातक देश है। गेहूँ यहॉ की मुख्य व्यवसायिक फसल है। मक्का, जौ, जई, पटुआ, अल्फाल्फा (Alfalfa) भी यहॉ पर्याप्त मात्रा में पैदा होते हैं। मांस, चमड़ा, तथा ऊन के उत्पादन एवं निर्यात की दृष्टि से, यह विश्व का एक महत्वपूर्ण देश है। आर्थिक रूप ये देश निर्धन है। सीसा, जस्ता, टंगस्टन (Argentum), मैगनीज, लोहा और बेरिलियम (Argentum) यहॉ के प्रमुख खनिज है। मिट्टी का तेल (केरोसिन) भी यहॉ का प्रमुख खनिज है। यहॉ का मुख्य व्यापार, संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, ब्राजील, पश्चिमी जर्मनी, नीदरलैंड, इटली, वेनेजुएला (Venezuela) तथा फ्रांस के साथ होता है।

22 अनुवादक की टिप्पिणी : आधिकारिक रूप से, चिली गणराज्य (The Republic of Chile), के नाम से जाना जाने वाला देश चिली, दक्षिण अमेरिका महाद्वीप में, एंडीज (Andes) पर्वत और प्रशांत महासागर के बीच स्थित, लंबा और संकरा देश है। देश के उत्तर में पेरू (Peru), उत्तर–पूर्व में बोल्विया (Bolvia), पूर्व में अर्जेटीना (Argentina) और दक्षिण छोर पर, ट्रेक पैसेज (trek passage) है। ये दक्षिण अमेरिका के उन दो देशों (दूसरा है, एक्वाडोर (Aquador)) में से एक है, जिसकी सीमाऐं ब्राजील से नहीं मिलती। देश का पूरा पश्चिमी भाग, जिसकी लंबाई 6400 किमी से अधिक है, पश्चिमी महासागर से लगा हुआ है। देश की आबादी, लगभग 15 लाख है। स्पेन ने सोलहवीं शताब्दी के मध्य चिली को जीत कर उपनिवेश बनाया था, अतः यहॉ की आधिकारिक भाषा स्पेनिश है। चिली की राजधानी सेंटियागो (Santiago) है।

एक विशेष प्रकार, खोखली पृथ्वी के अंदर से आता है। ध्यान रखें कि, उड़नतश्तरियॉं एक से अधिक प्रकार की होती हैं। जिन में से एक प्रकार, बाहरी अंतरिक्ष से आता है, और दूसरा प्रकार, आंतरिक आकाश, अर्थात् पृथ्वी के अंदर वाले भाग से आता है।

परंतु फिर, मानते हुए कि आप कहते हैं, ''मैं फिर भी, लोगों को सनकी कहता हूँ, क्योंकि, पृथ्वी के अंदर सभ्यता के लिए, कोई भी जगह नहीं होगी।'' श्रीमान् अथवा श्रीमती, ठीक है, जैसा भी मामला हो, इसका अर्थ ये है कि आपने अभी तक अपना गृहकार्य (homework) नहीं किया है। हम कुछ आंकड़ों के ऊपर एक नजर ड़ालें। मैं सही–सही ऑकड़े प्रस्तुत करने नहीं जा रहा हूँ या कोई ऐसा कहने के लिए सुनिश्चित नहीं है, ''ओह! उसे देखो, अब हम जानते हैं कि वह एक धोखेबाज है, वह विश्व के व्यास से छैः इंच छोटा है!'' ओह हॉं, प्रिय पाठक, लोग ऐसी चीजें लिखते हैं और कहते हैं, और वे अपने आपको अत्यधिक चतुर समझते हैं। परंतु कैसे भी, हम कुछ मोटे ऑकड़े देखें।

अब मोटे तौर पर, पृथ्वी का व्यास सात हजार नौ सौ सत्ताईस (7927) मील है। अब, मान लीजिये, हम कहते हैं (हमें कुछ ऑकड़े देने हैं, क्या हमें नहीं देने?) कि पृथ्वी की तरफ, पृथ्वी की पपड़ी की मोटाई, और आंतरिक विश्व की तरफ मिट्टी की मोटाई, लगभग 800 मील आती है। ठीक है, यदि आप इन दो 800 को आपस में जोड़ दें, तो आपको एक हजार छैः सौ (1600) मिलते हैं, और यदि आप इसे 7927 मील में से घटाऐं तो आपको 6327 मील मिलते हैं तब, हम कह सकते हैं कि यह लगभग, लगभग, इस पृथ्वी के अंदर के संसार का व्यास है।

इसका मतलब ये है कि आंतरिक विश्व, (फिर से मोटे तौर से?) चन्द्रमा से 2.9 गुना बड़ा है, ताकि यदि कैसे भी आप चन्द्रमा को पृथ्वी के अंदर ला सकें, तो वह बेचारी तकलीफदेह चीज, मटर के एक दाने की तरह से, जो कि रेफरी की सीटी (referee's whistle) में होती है, आसपास टकरायेगी। चन्द्रमा का व्यास, याद रखें, मोटे तौर से 2160 मील है, और इस पृथ्वी के अन्दर वाली पृथ्वी का अनुमानित व्यास, हमने तय किया है, 6327 मील। इसलिए, परिवर्तन के लिए, अब किसी प्रकार का गणित लगायें। मैं ठीक हूँ, क्या मैं नहीं हूँ ?

दिलचस्पी का दूसरा बिन्दु ये हैः पृथ्वी की सतह का केवल आठवॉं भाग ठोस है, 7/8 वॉं भाग पानी समुद्र, महासागर, झीलें और वैसा ही सब कुछ है, इसलिए आसानी से ये माना जा सकता है कि इसमें बाहर की तुलना में, अंदर की जमीन अधिक ठोस है। और यदि अंदर जमीन अधिक है, तो उसमें अंदर, लोग भी अधिक होने चाहिए और यदि वे नियमित रूप से ''गोलियॉं (the pills)" लेते हों, तो उन्होंने संख्यात्मक प्रजनन के बजाय, गुणवत्तापूर्ण प्रजनन किया होगा।

आप जानते हैं, मैं इस सब में विश्वास करता हूँ, मैंने इस पर, वर्षों तक, विश्वास किया है और मैंने, बहुत, बहुत गहराई के साथ, इसका अध्ययन किया है। जो कुछ भी मैं इस सम्बन्ध में कर सकता था, मैंने इसे पढ़ा है। और यदि आप भी ऐसा ही करें, बिना किसी संदेह के, आप भी उसी निष्कर्ष पर पहुँचेंगे, जिस पर मैं पहुँचा हूँ, जो है कि हमारे पृथ्वी के अंदर एक और संसार है, जो कि चन्द्रमा के आकार से 2.9 गुना बड़ा है और यह कि ये बहुत ही प्रखर बुद्धि वाली प्रजाति से आबाद है।

दिलचस्पी की दूसरी चीज ये है; सभी अन्वेषकों, जो ''ध्रुव पर गये हैं'' के ऊपर, ध्यान दें। उनमें से किसी ने भी, जो उसने वहॉं पाया, कभी सिद्ध नहीं किया। एडमिरल पियरी (Admiral Peary) की सोचें, विल्किन्सन (Wilkinson), एमन्ड्सेन (Amundsen), शेकलेटन (Shackleton), स्कॉट (Scott), इत्यादि, इत्यादि की सोचें। ये सभी आदमी, जो सैद्धान्तिकरूप से, पानी के द्वारा या पैदल या उस क्षेत्र में उड़ कर वहॉं गये, उनमें से कोई भी, कभी भी, सत्यतापूर्वक प्रदर्शन करते हुए सिद्ध नहीं कर सका कि वह स्वयं ध्रुव पर पहुँचा है। मैं विश्वास करता हूँ कि वे नहीं पहुँचे, क्योंकि ''ध्रुव,'' सतह के ऊपर, आकाश में, कहीं दूर का एक क्षेत्र है और जैसा कि सिद्ध किया गया है, इसकी स्थिति, बहुत कुछ बदलती रहती है।

इसलिए ऐसा है। यदि आप दिलचस्पी रखते हैं, तो इस सम्बन्ध में मुझे न लिखें, क्योंकि मैं वह सब कह चुका हूँ, जो मैं, इसके सम्बन्ध में, कहने वाला था। ओह हॉ, मैं और अधिक जानता हूँ, जो मैंने लिखा है, मैं उससे भी अधिक जानता हूँ परंतु वास्तव में, आप धीमे–धीमे एक अच्छे पुस्तक भण्डार की ओर जायें और खोखली पृथ्वी के बारे में कुछ पुस्तकें खरीदें। सार्वजनिक पुस्तकालय में से उन्हें पढ़ने की अपेक्षा, उन्हें खरीदना, लेखक के ऊपर मेहरबानी होगी, क्योंकि, गरीब बेचारे लेखक को भी जिंदा रहना है और जबतक कि लोग चीजों को केवल मुफ्त में पढ़ लेते हैं, वह जिंदा नहीं रह सकता। वह अपनी रॉयल्टी (royalty) के ऊपर निर्भर रहता है। कुल मिलाकर, यदि ये पढ़ने लायक है, तो ये भुगतान करने लायक भी है।

अध्याय तीन

केलगेरी में ठण्ड थी। रेल की पटरियों को वाधित करते हुए, जमी हुई नदियों को ढ़कते हुए, आसपास सभी तरफ बर्फ पड़ी थी। शीत भयानक था, ऐसा शीत, जो हर जगह घुसता हुआ दिखता था, एक शीत, जो जमी हुई गलियों में से आवाज को बढ़ाता दिखता था। संसार में बिना किसी चिंता के दिखते हुए से परिचालक, अभी भी घूम रहे थे। केलगेरी, हमें बताया गया था, अपनी प्रसिद्धि के सम्बन्ध में दो दावे करता है; यहॉ, उत्तरी अमरीका महाद्वीप के किसी भी दूसरे स्थान की तुलना में, प्रतिव्यक्ति (per capita) अधिक कारें हैं, "प्रति व्यक्ति (per person)" क्यों न कहें ? और प्रसिद्धि, यदि इसे प्रसिद्धि कहा जा सकता है, का दूसरा दावा यह है कि उत्तरी अमरीका महाद्वीप के दूसरे परिचालकों की तुलना में, केलगेरी के परिचालक अधिक खतरनाक होते हैं। लोग दौड़ते हैं, मानो कि उन्हें दुनियॉ की चिंता नहीं है। तब, सम्भवतः, वे स्वर्ग या कहीं दूसरे स्थान में जगते हैं, और यदि उनके पास हो, उन लोगों का, जो उन्होंने दुर्घटना में मारे, के कर्म का एक भार पाते हैं!

परंतु आज के दिन, शीत बहुत भयंकर था और जब आकाश के आरपार एक विशेष प्रकार का पट्टीदार बादल आया, या मुझे कहना चाहिए, बादल और रोशनी एक दूसरे में मिली हुई, और हवा तुरंत ही थोड़ी गर्म हो गई, मानो कि, किसी "ऊपर वाले ने" केलगेरी के बेचारे मृत्यों (mortals) के ऊपर दया की हो और किसी बड़े दक्ष विद्युत ऊष्मक का बटन दबा दिया हो।

हवा अचानक गर्म हो गई। भुरभुरी हिम, लिजीलिजी हो गई, और छत की चोटियों से पानी टपकने लगा। चिनूक (Chinook)[23] हवायें आ चुकी थीं; केलगेरी का सबसे बड़ा आशीर्वाद, एक विशिष्ट मौसमी रचना, जो अचानक ही, वेंकोवर से, गर्म हवा की एक पूरी थप्पी लाती है (ठीक है, उनकी सरकार को देखो!), गर्म हवा, जो एक जमे हुए दिन को, एक तनावमुक्त दिन में बदल देती है।

बर्फ शीघ्र ही पिघल गई, चिनूक हवायें, दोपहर बाद, शाम तक चलती रहीं और अगले दिन, केलगेरी में हिम का कोई चिन्ह वहॉ नहीं था। परंतु चिट्ठियॉ, गर्म मौसम का इंतजार करने के लिए परेशान नहीं होती, वे, बिलों और इनकम टैक्स के मांग पत्रों की तरह से, हर समय आती रहती हैं, वे किसी आदमी की प्रतीक्षा नहीं करतीं। चटकीली स्फुरदीप्ति वाली लाल स्याही (bright fluorescent red ink) में चीखता हुआ, एक पत्र है। किसी चिड़चिड़ी महिला ने लिखा है, "आप हमें मंत्रों के बारे में बतायें, परंतु जो चीजें आप हमें बताते हैं, किसी भलाई की नहीं हैं, आपके मंत्र काम नहीं करते, मैं घुड़दौड़ की बाजी को जीतना चाहती थी और मैंने अपना मंत्र तीन बार कहा, और मैं उसे जीत नहीं सकी। आपको उस सम्बन्ध में क्या कहना है?"

अब ठीक है, इन बूढ़ी मुर्गियों में से कुछ, क्यों ऐसी अवस्था में आ जाती हैं? ये उनके रक्तचाप के लिए, हिला देने वाले की तरह से बुरा है। ये उनके आध्यात्मिक विकास के लिए अत्यधिक बुरा है। किसी भी मामले में, वह मेरे मंत्र को नहीं कह रही थी, स्पष्टरूप से वह एक चीज कर रही थी, जिसके विरोध में, मैं हमेशा विशेषरूप से चेतावनी देता हूँ। किसी जुए को, मंत्र के उपयोग के द्वारा जीतने का प्रयास करना ठीक नहीं है। ठीक वैसे ही, जुआ, जुआ है, और इससे अधिक कुछ नहीं, और यदि आप, जुए में जीतने के लिए, मंत्र का उपयोग करने का प्रयत्न करते हैं, तब आप अपने लिए बड़ा नुकसान करते हैं।

---

23 अनुवादक की टिप्पिणी : चिनूक (Chinook) उत्तरी अमेरिका के पश्चिमी आंतरिक भाग से आने वाली हवायें है। यद्यपि इसका सामान्य अर्थ, प्रशांत महासागर से आने वाली नम, उष्ण, तटीय हवायें होता है। स्थानीय भाषा में इसका अर्थ होता है, बर्फ को खाने वाली परंतु कई बार, वहॉ रहने वाले स्थानीय लोगों को भी चिनूक कहा जाता है। चिनूक हवा से तात्पर्य, अमेरिका के प्रशांत महासागर के उत्तर पश्चिमी भाग से, समुद्र से आंतरिक क्षेत्रों में आने वाली गर्म हवायें होता है। एक तीव्र चिनूक हवा, एक फुट गहरी बर्फ को, लगभग एक दिन में गायब कर सकती है। गर्म हवा के कारण, बर्फ आंशिक रूप से गल जाती है और आंशिक रूप से वाष्पीकृत हो जाती है। सर्दियों के मौसम में, चिनूक हवायें, केवल कुछ घंटों या दिनों के समय में, –20 डिग्री सेंटीग्रेड से नीचे के तापक्रम को, 10 से 20 डिग्री सेंटीग्रेड तक बढ़ा सकती है। 15 जनवरी 1972 को, लोमा मोंटाना (Loma Montana) में, चिनूक हवा के कारण, तापक्रम –48 डिग्री सेंटीग्रेड से, 9 डिग्री सेंटीग्रेड तक, पहुँच गया था। ये चिनूक हवा द्वारा, 24 घण्टे में पैदा की गई सबसे बड़ी तापवृद्धि थी।

यद्यपि, यहॉ काफी लोग रहे हैं, जो अपने मंत्रों को सही, चालू हालत में न पाने के लिए, दुर्भाग्यशाली थे। ऐसा इसलिए है कि शायद, उन्होंने इस सम्बन्ध में, ठीक तरीके से व्यवस्था नहीं की। निस्संदेहरूप से ऐसा इसलिए है, क्योंकि वे अपने अवचेतन को ऊपर लाने के लिए, इसको दृष्टि में नहीं ला सके कि ये क्या है। देखें, आपको ये जानना है कि आप क्या कह रहे हैं, आपको स्वयं को समझाना है, सहमत कराना है कि आप क्या कह रहे हैं, और अपने आपको सहमत कराते हुए, आपको अपने अवचेतन को भी सहमत कराना है। इसे एक व्यापारिक प्रस्ताव की तरह देखें।

आप कुछ विशिष्ट चीज चाहते हैं। ये कुछ ऐसी होनी चाहिए, जिसे आपका अवचेतन भी ठीक से चाहता हो। उदाहरण के लिए हम कहें, और याद रखें, कि ये एक फालतू उदाहरण मात्र है, इसलिए, ये कहते हुए कि मैंने अपने आपका विरोध किया है, मुझे पत्रों का एक भार, और कुछ–कुछ वैसा ही न लिख दें, जैसे कि विशेषरूप से, आप में से अनेक, करने में प्रसन्न होते हैं। किसी भी प्रकार, अधिकांशतः आप गलत होते हैं!

हम कहें कि श्रीमान् स्मिथ (Mr. Smith), एक नौकरी चाहते हैं और वह कल या परसों, या उसके अगले दिन श्रीमान् ब्राउन (Mr. Brown) के साथ, एक साक्षात्कार के लिए जा रहे हैं। इसलिए श्रीमान् स्मिथ, यान्त्रिक रूप से एक मंत्र का जाप करते हैं, वह इन निरर्थक चीजों के ऊपर सोचते हुए, ताकि वह सिनेमा देखने या एक पेय पीने के लिये जा सकते हैं, या एक कन्या मित्र (girl friend) को या वैसा ही कुछ, पा सकते हैं, बड़बड़ाते हैं, बड़बड़ाते हैं, बड़बड़ाते हैं। वह इससे उबरने का प्रयत्न करते हैं और इसे तीन बार, कहने के बाद, वह निश्चिंत हो जाते हैं कि उन्होंने हर आवश्यक चीज कर ली है और यहॉ से आगे, हर चीज के लिए, शक्तियॉ इसके लिए जिम्मेदार हैं। तब श्रीमान् स्मिथ बाहर दौड़ते हैं, सिनेमा देखने जाते हैं, शायद एक बार (bar) में जाते हैं और बियर का एक या दो घूंट लगा लेते हैं, और एक कन्या को पकड़ लेते हैं, और जब वह श्रीमान् ब्राउन के साथ अपने साक्षात्कार के लिए जाते हैं, ठीक है, वह अत्यधिक प्रभाव नहीं ड़ालते। वास्तव में, वह नहीं ड़ालते, क्योंकि उन्होंने इसकी तैयारी नहीं की है, उन्होंने इसके लिए अपना गृहकार्य नहीं किया है। उन्हें जो करना चाहिए था, वह ये हैः

श्रीमान् स्मिथ एक नौकरी चाहते हैं, इसलिए उन्होंने, अपने आपको आश्वासित करते हुए कि उनके पास आवश्यक योग्यतायें और क्षमतायें हैं, जिनके साथ वह नौकरी, यदि वह पा जाते हैं, के द्वारा ड़ाले गये कार्यों को निभा सकते हैं। उन्होंने किसी श्रीमान् ब्राउन को ये कहते हुए सुना है कि, श्रीमान् ब्राउन, अमुक–अमुक समय पर, अमुक–अमुक दिन, उनको साक्षात्कार दिला देंगे।

एक संवेदनशील श्रीमान् स्मिथ, मिस्टर ब्राउन के सम्बन्ध में, यदि वह कर सके, कुछ चीज पता लगाने का प्रयत्न करता है। ये आदमी कैसा है? ये कैसा दिखता है? फर्म में इसकी स्थिति क्या है? क्या वह मित्रवत् प्रकार का आदमी है? ठीक है, सामान्यतः, आप इन चीजों को, फर्म की सम्बन्धित लड़की को फोन करके, और उसे पूछते हुए, टेलीफोन पर पा सकते हैं। इन लड़कियों में से तमाम, वास्तव में, बहुत चापलूसी करने वाली होती हैं। इसलिए, यदि श्रीमान् स्मिथ कहते हैं कि वह फर्म के साथ नौकरी पाने की कोशिश कर रहे हैं और उन्हें इस इस दिन को एक साक्षात्कार देना है और क्या लड़की उसे साक्षात्कार लेने वाले, श्रीमान् ब्राउन के सम्बन्ध में बतायेगी। कुल मिलाकर, वह कह सकता है। मैं जल्दी ही तुम्हारे साथ काम करूँगा, इसलिए अभी से दोस्ती कर लो, मुझे बताओ, जो तुम बता सकती हो। यदि उस तक सही तरीके से पहुॅच की जाये, लड़की, स्वाभाविकरूप से, पक्ष में जवाब देती है। उसकी चापलूसी की जाती है कि, किसी ने उससे मदद मांगी है, उसकी चापलूसी की जाती है क्योंकि कोई सोचता है कि वह चरित्र की इतनी अच्छी निर्णायक है, उसकी चापलूसी की जाती है, ये सोचने के लिए कि फर्म के नये सदस्य में, पर्याप्त उसके सम्पर्क में रहने की, समझदारी है। इसलिए वह जानकारी दे देती है। शायद वह श्रीमान् स्मिथ को बतायेगी कि मिस्टर ब्राउन का चित्र, कुत्ते नहलाने

वाली मासिक पत्रिका में प्रकाशित हुआ था, या वैसे ही कुछ, जब उसने फर्म में अपनी नयी नियुक्ति ली थी। इसलिए श्रीमान् स्मिथ, श्रीमान् ब्राउन के चित्र पर तीखी नजर ड़ालने के लिए, अपने स्थानीय पुस्तकालय में जाता है। वह चित्र को देखता है और देखता है और उसे अपने दिमाग में जमा लेता है। तब वह, श्रीमान् ब्राउन के चेहरे को अपने मन में रखते हुए, अपने घर को जाता है। वह वहॉ बैठता है और कल्पना करता है कि बात करने में अक्षम, श्रीमान् ब्राउन उसके सामने हैं, बेचारे गरीब, को केवल बैठना और सुनना है। इसलिए श्रीमान् स्मिथ, स्वयं के बारे में, अपनी खुद की योग्यताओं के विषय में, एक वार्ता को उतार देते हैं। वह, वह कहता है जो कि उसे, सहमत कराने वाले ढंग से, कहनी चाहिए, और यदि वह अकेला है, तो वह इसे नीची आवाज में कह सकता है। यदि वह अकेला नहीं है तो वह, ये सोचेगा कि अच्छा हो, घर का कोई दूसरा व्यक्ति, श्रीमान् स्मिथ की जगह ले सके, जहॉ ''उस जैसे व्यक्ति रहते हैं, क्योंकि हर आदमी, दृष्टि मंत्रों को, नहीं समझता, इत्यादि।

यदि ये ठीक तरीके से किया जाता है, तब जबकि श्रीमान् स्मिथ, श्रीमान् ब्राउन को मिलने जाते हैं, मिस्टर ब्राउन का एक अलग प्रभाव होता है कि उसने मिस्टर श्रीमान् स्मिथ को, काफी अधिक समर्थनयुक्त शब्दों के साथ, पहले देखा है और क्या तुम उसे जानते हो क्यों ? मैं आपको बताऊॅगा?

यदि ये ठीक से किया जाता है, तो श्रीमान् स्मिथ, ''ईथर में अपने चिन्ह बना चुके होंगे,'' और उनका अवचेतन मन, यात्रा की अवधि में सूक्ष्मशरीर से मिलेगा और श्रीमान् ब्राउन के अवचेतन के साथ, चीजों के ऊपर चर्चा करेगा। ओह अच्छा भव्य मैं, ये वास्तव में, काम करता है, मैंने समय–समय पर, इसका प्रयास किया है। मैं लाखों लोगों को जानता हॅू, जिन्होंने भी इसको जॉचा परखा और ये कार्य करता है, यदि आप अपना काम ठीक से करते हों!

परन्तु, यदि कोई आलसी श्रीमान् स्मिथ, केवल लड़की का पीछा करने, फिल्म देखने और बीयर पीने की सोचता है, तब उसका दिमाग उन चीजों पर है, लड़की का पीछा करना, फिल्म देखना और बीयर पीना और तब वह श्रीमान् ब्राउन के अवचेतन से कोई प्रत्युत्तर नहीं पाता।

मैं आपको बताऊॅगा कि मैं क्या करूॅगा; मैं आपको, आप में से उनको, जो ठीक तरह से एकाग्र होने में, मुश्किल पाते हैं, एक मूल्यवान सुझाव दूंगा। अब, वहॉ कुछ ऐसी चीजें हैं, जैसे कि माला, कैथोलिक लोगों के पास ये होती हैं, बौद्ध उनको रखते हैं, और हर एक नहीं, हिप्पियों की तरह से अपने ऊपर छोटी चीजें लटकाने मात्र के लिए, अपने आपको अलग दिखाने के लिए, दूसरे अन्य भी उन्हें रखते हैं। इसलिए, अब हमें मोतियों की एक माला को सोचें। ठीक है, हम मोतियों के साथ क्या करने वाले हैं? सबसे पहले हमें धागे का चुनाव करना होगा, जो हम चाहते हैं। कितने–कितने दाने हमें उसमें ड़ालने हैं और क्या इसका प्रभाव पड़ता है कि कितने मोती उसमें हैं? यदि यह निश्चितरूप से, सर्वाधिकरूप से, पड़ता है!

मनोचिकित्सक, वास्तव में, बड़े बहरे होते हैं और उनमें से अधिकांश, मैं सोचता हॅू उनसे, जिन लोगों का वे इलाज करते हैं, ज्यादा सनकी होते हैं। ये एक चोर को पकड़ने के लिए, चोर को लगाने जैसा है। तुमको एक पागल का इलाज करने के लिए, एक पागल की जरूरत है, इसलिए मेरे सोचने के तरीके से, अधिकांश मनोचिकित्सक उतने सनकी होते हैं, जितने हो सकते हैं। परंतु कई बार, घटनावश, वे एक जानकारी के साथ आते हैं, जो किसी के लिए उपयोगी हो सकती है। इन मनोचिकित्सकों के गिरोह के पास, इस विचार की चर्चा छिड़ी रहती है कि किसी चीज को, किसी के अवचेतन में सुरक्षित रूप से जमा कर के रख देने के लिए, उसे पैंतालीस बार दोहराना होता है। इसलिए आप में से वे लोग, जो किसी चीज के ऊपर ठीक से केन्द्रित नहीं कर सकते, हम मोतियों की एक माला लें, अच्छे उपाय के लिए, हम पचास मोतियों की एक माला लें। इसलिए आप, अपने सबसे अच्छे शौक या हस्तकला के भण्डार से, जो आपको मिल सकता है, और खुले मोतियों के भण्डार में रूखेपन से झपटना शुरू करें, जबतक कि आपको उसी प्रकार का शैली, नमूने और आकार का, जो

आपको सबसे अच्छा लगता है, न मिल जाये, प्रारम्भ करें। मैंने पाया कि मेरे लिए, औसत मटर के आकार के सर्वोत्तम होते हैं और जो मेरे पास हैं, वे पॉलिशदार लकड़ी के हैं। तब आप नायलोन के एक धागे की थोड़ी सी लम्बाई लें, जिसके ऊपर मोती आसानी से खिसक सकते हैं। तब आप अपने पचास मनके (beeds) खरीदें, और वे आकार में एक जैसे होने चाहिए। यदि तब आप चाहते हैं, तो चिन्ह के रूप में, आप तीन मनके, बड़े भी ले सकते हैं। जब आप घर आयें तो पचास मोतियों को, इस नायलॉन के धागे के ऊपर पिरो लें। सुनिश्चित करें कि ये आसानी से सरकते हैं, और तब एक गांठ बांध दें, और धागे के दोनों लटकते हुए सिरों पर, शायद, गांठ के नीचे, तीन बड़े मोतियों को पिरो दें और फिर से, सिरे पर एक और गांठ बांध दें। जब आपकी माला का एक पूरा चक्कर हो जायेगा, तब यह केवल इसे बता देगा। इसलिए तब आप आराम से, जितना आराम से बैठ सकते हैं, एक कुर्सी पर बैठ जायें या लेट जायें, या अधिक आरामदायक हो तो अपने सिर पर खड़े रहें। जबतक कि आप आराम में हैं, और आपकी मांसपेशियॉ तनाव में नहीं आतीं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कैसे बैठते हैं या लेटते हैं।

तब आप निश्चय करें कि आप अपने अवचेतन से क्या कहना चाहते हैं। अब, ये महत्वपूर्ण है कि ये आप क्या कहते हैं और कैसे कहते हैं। ये पर्याप्त निश्चयात्मक रूप से, निश्चयात्मक रूप से सकारात्मक होना चाहिये, आप नकारात्मक विचार नहीं रख सकते, अन्यथा आपको गलत परिणाम मिलेंगे। ये होना चाहिए ''मैं ....करूँगा।'' ये संक्षिप्त एवं तीक्ष्ण तथा निश्चियपूर्वक कुछ ऐसी चीज, जिसको अपनी बुद्धि पर बिना किसी अधिक दबाव के दोहराया जा सके, होनी चाहिए। आपको ये जानकर आश्चर्य होगा कि कुछ प्रबुद्ध लोग कितने तनाव में हो जाते हैं!

श्रीमान् स्मिथ, श्रीमान् ब्राउन को प्रभावित करना चाहते हैं, ताकि वह कह सकें (ये मात्र एक उदाहरण है, ध्यान रखें, कहीं मेरा हवाला न दें!), ''मैं श्रीमान् ब्राउन को, अपने पक्ष में प्रभावित करूॅगा। मैं श्रीमान् ब्राउन को अपने पक्ष में प्रभावित करूॅगा। मैं श्रीमान् ब्राउन को अपने पक्ष में प्रभावित करूॅगा।'' ठीक है, बेचारे गरीब बूढ़े श्रीमान् स्मिथ को, इसे पचास बार दोहराना पड़ेगा, हर बार मानो कि वह श्रीमान् ब्राउन से कह रहा हो और इसीप्रकार जबतक कि वह पचास बार दोहरा नहीं लेता, और तब हर बार वह एक मनके को पीछे खिसका देगा। विचार ये है कि, मनकों को एक संगणक की भॉति उपयोग करना है। आप ऐसे नहीं कह सकते, ''मैं श्रीमान् ब्राउन को अपने पक्ष में प्रभावित करूॅगा, एक बार कहा गया, मैं श्रीमान् ब्राउन को अपने पक्ष में प्रभावित करूॅगा, दो बार कहा गया, मैं श्रीमान् ब्राउन को अपने पक्ष में प्रभावित करूॅगा, ये तीसरी बार कहा गया,'' क्योंकि आप कुल मिला कर, अपने शब्दों से और अपने अधिस्वयं के लिए अपने निर्देशों से, अटक जायेंगे।

पचास बार ये निश्चय करने के बाद, कि आप श्रीमान् ब्राउन को अपने पक्ष में प्रभावित करने जा रहे हैं, तब आप इससे नीचे आयें और उससे ऐसे बात करें, मानो कि वह वास्तव में आपके सामने हो, जैसा मैंने कई पैराग्राफ पहले कहा है। ये वास्तव में, वह सब है, जो किया जाना है।

आप अपने मनकों को, उन्हें अपने व्यक्तित्व के रंग में रंग जाने के लिये, उन्हें स्वयं का भाग बनाने के लिए, ये सुनिश्चित करने के लिए कि हर एक ठीक से खिसके, ये सुनिश्चित करने के लिए कि आप आसपास की गड़बड़ चीजों को, निश्चयपूर्वक उन्हें हटाने के सम्बन्ध में सोचे बिना, एक झटके में बंद कर सकते हों, बार–बार उपयोग में लाना चाहिये। इसे आपकी दूसरी आदत बन जाना है, और यदि आपके पास, उसी घर में, आपके साथ दूसरे लोग हैं, तब सबसे अच्छी चीज, जो आप कर सकते हैं, वह है, छोटे मनकों को, जिन्हें आप अपनी जेब में रख सकते हैं, रखना। तब आप अपना एक हाथ जेब में रख सकते हैं, और माला को फिरा सकते हैं और सिवाय इतने लापरवाही ढंग से सोचते हुए कि, आप अपना हाथ हमेशा जेब में ही रखते हैं, कोई जान भी नहीं पायेगा कि आप क्या कर रहे हैं।

अब, एक बार फिर, मैं आपको ये बताने जा रहा हूँ कि हॉ, मंत्र का उपयोग करते हुए, पूरी तरह से निश्चयपूर्वक, आप एक घुड़दौड़ का टिकिट ले सकते हैं, आप उसे जीत सकते हैं, परंतु केवल तभी, यदि आप ठीक तरह से जानते हैं कि लॉटरी का टिकिट कौन निकालने वाला है! यदि आप एक रचनात्मक कदम उठाना चाहते हैं, तो आपको जानना होगा कि आप किन पर क्रिया कर रहे हैं। किसी के लिए भी, ये कहना कि आप, अमुक अमुक चीज के, उस प्रभारी व्यक्ति के लिए, एक मंत्र का जाप कर रहे हैं, एकदम बेवकूफी होगा, ये कोई भला नहीं है। आपको, वास्तव में, उस व्यक्ति को, जो इस लॉटरी की व्यवस्था कर रहा है या जो लॉटरी के टिकिट को डिब्बे में से निकालने वाला है, या जैसा भी हो, जानना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं करते तो आप मंत्र में कोई विश्वास नहीं रख सकते। इसका मतलब ये है कि आपको, अपनी टिप्पिणयों को, किसी अवचेतन को सम्बोधित करना चाहिए केवल मात्र अपनी ऊर्जा को हवा में बेकार उड़ा नहीं देना चाहिए। क्या ये समझ में आया?

तब यदि आप जानते हैं, कि श्रीमती निकरबाउम (Mrs. Knickerbaum), रेंगते हुए सॉपों की सोसायटी (Slithering Snakes Society) के लिए दौड़ को चला रही हैं और आय उपयुक्त होने वाली है, तब आप अपनी टिप्पणियों को श्रीमती निकरबाउम के अस्तित्व के अवचेतन को सम्बोधित कर सकते हैं, और यदि आप इस अध्याय में सुझाए अनुसार ऐसा करते हैं, तो जबतक कि कोई दूसरा भी इसको न कर रहा हो, और उसकी चिंतन शक्ति आपकी से कुछ अधिक हो, आपको सफलता के अच्छे अवसर मिलेंगे। उस मामले में आप गॅवा देंगे।

परंतु एक चेतावनी, यहॉ हर एक के लिए चेतावनी है, आपको थोड़ा रुककर आने वाले परिवहन को रास्ता देना होगा, आपको यहॉ झुकना पड़ेगा, आपको वहॉ रुकना पड़ेगा, इत्यादि, हर चीज एक चेतावनी है, इसलिए वहॉ अच्छे उपायों वाला कोई दूसरा है; इस प्रकार के मंत्र के द्वारा जो धन अर्जित किया गया है, वह वास्तव में खुशहाली लाता है, बहुधा ये कंजूसी और आपदा भी लाता है और यदि आप इसे पूरी तरह से स्वार्थ के कारण, करना चाहें, तो आप पूरी तरह से निश्चिंत रहें कि आपको विपत्ति भी मिलने वाली है। इसलिए आप इसे न करें।

मुझे लोगों से ये कहते हुए पत्र मिले हैं, ''ओह डॉक्टर रम्पा, मै अमुक–अमुक घुड़दौड़ जीतना चाहता हूँ और मैं जानता हूँ कि आप मेरी मदद कर सकते हैं। आप मुझे एक लाख डॉलर की लॉटरी जीतने दें और मैं आपको बीस प्रतिशत दूँगा, ये आपके लायक काफी होगा, क्या नहीं होगा? मैं आपको टिकिट का नम्बर दे दूँगा– बगैरह, बगैरह''

इसका उत्तर है, ''नहीं श्रीमती जी, ये मेरे लिए उचित नहीं है। मैं जुए में विश्वास नहीं रखता, और यदि आपके साथ बीस प्रतिशत के लिए, मैं इस में पडूँगा, तब भी मैं उतना ही दोषी होऊँगा, जैसे कि आप, और कैसे भी करके श्रीमती जी, यदि मैं इसे करना चाहूँ तो मैं आपसे, मात्र बीस प्रतिशत के लिए क्यों करूँगा, मैं इसे खुद ही क्यों नहीं करूँगा और पूरा पैसा खुद क्यों नहीं ले जाऊँगा?''

अनेक लोग, ''घोड़ों पर'' जीतने वाली अचूक योजनाओं के विज्ञापनों को देखते हैं, और वे ये महसूस करते हुए नहीं लगते कि इस अमोघ योजना का चालू करने वाला, वास्तव में कुछ है, जिसके कारण वह सफल था। वह मात्र एक या दो डॉलर के लिए, इसका विचार, किसी दूसरे को नहीं देगा। अपने अचूक तंत्र का उपयोग करते हुए, वह इससे लाखों डॉलर बना रहा होगा। क्या ये ठीक नहीं है, क्या ऐसा नहीं है?

यहॉ उन लोगों के बारे में थोड़ा सा और अधिक कहना चाहता हूँ, जो किसी के लिए प्रार्थना करने के लिए अति व्यग्र हैं, ये एक अच्छा विचार हो सकता है। मुझे लोगों से, जो कहते हैं कि उनका समूह बड़ी मेहनत से मेरे लिए प्रार्थना कर रहा होगा, इत्यादि, ढेर सारे पत्र मिले हैं। अब, मैं नहीं चाहता कि कोई भी मेरे लिए प्रार्थना करे, वे नहीं जानते कि मैं किस चीज से पीड़ित हूँ, और अपनी प्रार्थनाओं को, बिना इस बात का विचार किये हुए कि वे क्या कर रहे हैं, मुंह बंद करके बोलना,

निश्चयात्मक रूप से, प्रार्थना करने वाले इन सभी लोगों के लिए हानिकारक है।

हमें किसी चीज का उल्लेख करने दें, जो ठोस अभिव्यंजना, उदाहरण के रूप में, कुछ चीज जो उपयोग में लाई जा सकती है, के लिए समर्थ है। ऋणात्मक रूप के सिवाय, प्रार्थना, अक्सर, लगभग निरर्थक होती है, और इसलिए इसका प्रदर्शन नहीं किया जा सकता, सम्मोहन कर सकता है।

हम कहें कि हमारे पास, किसी बीमारी से पीड़ित होती हुई, एक लड़की है। सदाशयी मित्र इस पर जोर देते हैं कि उसे एक सम्मोहक के पास जाना चाहिये। अब, थोड़ा सा कमजोर होने के कारण, वह इस सम्मोहक के पास जाती है। आदमी, वास्तव में, अपने आप में सदाशययुक्त हो सकता है, वह शुद्ध सोने से गढ़ा गया, नगीने जड़ा हुआ हो सकता है, परंतु, जबतक कि वह योग्यता प्राप्त चिकित्सीय व्यक्ति नहीं है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह कितने अच्छे आशय वाला है, वह लड़की की बीमारी के सम्बन्ध में कुछ नहीं जानता, इसलिए निरर्थक है; यद्यपि निस्सन्देह रूप से, वह लक्षणों को, जिनसे लड़की पीड़ित है, छिपाव जैसा कुछ भी, कर सकता है, वह उसका इलाज नहीं कर सकता, और यदि वह लक्षणों को छिपाता है या उन्हें इस तरह छिपा देता है कि एक पात्रता प्राप्त डॉक्टर, लक्षणों को नहीं देख पा सकता तब लड़की की हालत और खराब हो सकती है और सम्मोहक, और उन मूर्ख ''मित्रों'' के, जिन्होंने उस लड़की को सम्मोहक के पास भेजा था, कर्म के ऊपर, भार ड़ालते हुए, मर भी सकती है।

जैसा कि मैं, अत्यधिक ठीक से जानता हूँ, यदि कोई, नई पीड़ा के सम्बन्ध में, किसी अस्पताल में जाता है, तो वहाँ का चिकित्सा सम्बन्धी स्टाफ, उसे पीड़ाओं में से एक से, आराम पाने के लिए, तबतक दवाई नहीं देगा, जबतक कि उन्होंने पूरे लक्षणों का अध्ययन न कर लिया हो। केवल तब, जब वे सभी लक्षणों के साथ परिचित हो चुके हैं, पीड़ा से मुक्त करने के लिये, वे कुछ करेंगे। स्पष्ट रूप से लक्षण, वे चीज हैं, जो डॉक्टर को बताते हैं कि मरीज किस चीज से पीड़ित है। इसलिए जब हम लोगों को, रोग को रोकने की प्रार्थना करते हुए पाते हैं, वे अतीन्द्रियज्ञान की किसी दुर्घटना के फलस्वरूप, एक प्रकार का सम्मोहक प्रभाव पैदा कर सकते हैं, और किसी प्रमुख लक्षण को दबाने को प्रेरित कर सकते हैं। मैं हमेशा ऐसे लोगों को देखता हूँ, जो मेरे सबसे बड़े शत्रुओं के रूप में, मेरे लिए प्रार्थना करना चाहते हैं, मैं हमेशा कहता हूँ, ''भगवान, मेरे मित्रों, मेरे दुश्मनों, जिनसे मैं निपट सकता हूँ, से मुझे बचाओ।'' इसलिए अब और अधिक प्रार्थनायें नहीं, जबतक कि पीड़ित द्वारा, आपको निश्चयात्मक और रचनात्मक ढंग से, प्रार्थना करने के लिए न कहा जाये। यदि पीड़ित व्यक्ति, प्रार्थना करने के लिए कहता है, तब आप मुक्त हैं, परंतु तबतक आप अपने लिए प्रार्थना करें, आपको शायद, किसी दूसरे की अपेक्षा, इसकी अधिक आवश्यकता है!

किसी ने मुझे लिखा और ये कहते हुए कि मेरे कोई मित्र नहीं हो सकते, यह कहते हुए कि शायद मुझे कोई पसन्द नहीं करता होगा क्योंकि, मैं केवल उन लोगों का उल्लेख करता हूँ, जो मुझे रुखाई से लिखते हैं, बुरी तरह से फटकार लगा दी। तथ्य के रूप में, मानवीय अस्तित्व का निम्नतम रूप, वह नारी मुक्ति वादी विचारों की थी, जहाँ तक मेरा सम्बन्ध है, इसलिए, शायद, अपने मित्रों में से कुछ के बारे में, आपको बताना, एक अच्छी चीज हो सकती है। दूसरे कुछों, जैसे कि हाई मेडलसन (Hy Mendelson) ने मुझे लिखा, जिनके बारे में, उस मामले में, जो मैंने उन्हें लिखा, उसे मैं आपको बाद में बताऊँगा!

मैं समझता हूँ, अपने मित्रों के बारे में लिखने में, इसकी अपनी परेशानियाँ हैं, क्योंकि यदि मैं उनका मात्र इसलिए उल्लेख करूं चूँकि वे मेरे दिमाग में आते हैं, वह मूर्ख नारी मुक्ति वाली व्यक्ति, जो (हमेशा घृणा से भरी हुई) अक्सर मुझे लिखती हैं, कहेंगी कि मैं आदमियों का उल्लेख, औरतों के पहले या कुछ वैसे ही कर रहा हूँ। इसलिए मैं सोचता हूँ कि मैं अपने कुछ मित्रों का उल्लेख, वर्णक्रम से करूँगा। उस तरीके से कोई भी आक्रामित महसूस नहीं करेगा।

कुछ लोगों के हित के लिए, अब मैं कहूंगा कि मैं इनमें से किसी भी व्यक्ति का, जिनका मैं उल्लेख कर रहा हूँ, पता नहीं दूंगा। अब, मात्र एक या कुछ हफ्तों पहले, मुझे एक आदमी से, बिना टिकिट लगा एक पत्र प्राप्त हुआ, जिसने कहा, ''उन लोगों के नाम और पते बताओ, जो सूक्ष्मशरीर से यात्रा कर सकते हों, ताकि मैं तुम्हारी जॉच कर सकूँ,'' बेचारा गरीब इतना घटिया था कि, वह न केवल पत्र पर टिकिट लगाना भूला, वल्कि उसने उस पर हस्ताक्षर भी नहीं किये और अपना पता भी नहीं लिखा। इसलिए मैं आशा करता हूँ कि वह इसे पढ़ता है, और शायद मेरे स्पष्टीकरण की सराहना करता है कि, मैं कभी भी, बिना उनकी लिखित अनुमति पहले प्राप्त किये, दूसरे लोगों के नाम और पते नहीं देता। दूसरे के बारे में पूछते हुए लोगों के मेरे सम्पर्क में आने से, मुझे अत्यधिक परेशानियॉ हो चुकी हैं और ऐसे सभी मौकों पर, मैं हमेशा खिन्न हो जाता हूँ, और उन्हें बहुत रूखा, तीखा प्रत्युत्तर, जिसके बारे में मैं सोच सकता हूँ, देता हूँ। इसलिए मैं निश्चित मित्रों के, केवल निश्चित लोगों के, जो मेरे दिमाग में जल्दी से उभर आते हैं, नाम दूँगा, सभी मित्रों के नहीं, परंतु किसी भी परिस्थिति में उनके पते नहीं दूँगा, क्योंकि मैं कोई टेलीफोन निर्देशिका नहीं बना रहा हूँ।

कल हमारे यहॉ एक आगन्तुक, एक वह, जिनकी हम अपेक्षा कर रहे थे, आये। 'हम' का आशय है, श्रीमती रम्पा (Mrs. Rampa), श्रीमती राउस (Mrs. Rouse), कुमारी क्लीयोपेट्रा रम्पा (Miss Cleopatra Rampa) और कुमारी टाडालिंका रम्पा (Miss Tadalinka Rampa) और उनके साथ मैं। शीघ्र ही, एक बड़ी महान स्टेशन वेगन चलती हुई आई और जोन बिगरास (John Bigras) बाहर निकले। हम उन्हें काफी लम्बे समय से जानते थे। उनसे हमारा पहला परिचय तब हुआ था, जब हम मोंट्रियल (Montrial) शहर की बसाहट में थे। बिग्स (Biggs), जैसा कि हम उन्हें कहते थे, मुझे वहीं टकरा गये, और ये कहना अधिक सही होगा कि मैं उनसे टकरा गया? कैसे भी, हम एक दूसरे को पसन्द करते थे और हमने हमेशा से नजदीकी सम्बन्ध रखे थे। बिग्स, दवाईयों के उत्पाद की एक सर्वोच्च कम्पनी के सेल्समेन हुआ करते थे। उन्हें दो या तीन मौकों पर, इतने सामान बेचने के लिए, किसी प्रकार का पुरुस्कार मिला था। परंतु तब, जब हमने मोंट्रियल छोड़ा, वह इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि मोंट्रियल में उनके लिए अच्छा भविष्य नहीं था, इसलिए उन्होंने कनाडा के पूरे रास्ते पर, अपने और अपनी दो बिल्लियों के साथ, गतिशील घर को चलाते हुए, हमारा साथ दिया; वेफारर (wayfarer), सभ्य बिल्ला, एक महान बड़ा, और एकदम दयालु हृदय वाला प्राणी है। उसकी पत्नी–बिल्ली, एक सभ्य प्राणी है, जो वेफारर के आकार से लगभग आधी है।

वे सभी बड़े आराम से वेंकोवर में, जहॉ बिग्स काम करते हैं, काम जिसे वह पसंद करते हैं, एक काम जो उन्हें पर्याप्त मात्रा में गति प्रदान करता है, व्यवस्थित हो गये। पर्याप्त यात्रायें, और लोगों से मिलने का एक अवसर और उनकी बिल्लियॉ ''घर की रखवाली करती हैं।''

तब, कल, बिग्स और उनकी दो बिल्लियॉ, यहॉ केलगेरी में आईं और लगभग एक सप्ताह के लिए, जब कि उनकी छुट्टियॉ हैं, वे हमारे समीप ही ठहरे हुए हैं। बिग्स सोचते हैं कि केलगेरी एक सुंदर स्थान है परंतु, वास्तव में, ये वेंकोवर की तुलना में काफी छोटा है। कोई बात नहीं, हीरे छोटी वस्तु ही होते हैं, क्या वे नहीं होते ? और कोयले के डेले नहीं होते! बिग्स को, तब हमारे निकटतम मित्रों में वर्गीकृत किया जा सकता था, क्योंकि हम उन्हें अक्सर देखते थे और सप्ताह में एक या दो बार टेलीफोन पर उनके सम्पर्क में रहते थे।

वहॉ दो महिलायें हैं, जो मुझे सबसे पहले लिखने वाली, कुछों में से हैं, जब ''तीसरी ऑख'' बाहर आई। उनमें से एक हैं, श्रीमती कथवर्ट (Mrs. Cuthbert), इसलिए मैं अपने आपको भला भव्य कह सकता हूँ! मैं श्रीमती कथवर्ट को लगभग सत्रह सालों से जानता रहा होऊँगा। हम काफी जल्दी–जल्दी पत्र व्यवहार करते हैं, परंतु मैं उससे कभी मिला नहीं हूँ। इसीप्रकार, मेरे दोस्तों में से एक दूसरी, तब, श्रीमती कथवर्ट हैं, और मैं दूसरी महिला का उल्लेख, वर्णक्रमानुसार, बाद में करूँगा। मुझे

उस महिला मुक्तिवादी को याद रखना है, जो मेरी कटु आलोचक है। अब हम एक वास्तविक, अपरिष्कृत, हीरे की तरफ आते हैं, एक आदमी, जिसे हम बहुत अच्छी तरह पसंद करते हैं, फ्रॉग्स फ्रेनॉक्स (Frogs Frenneaux)। फ्रॉग्स, क्योंकि वह एक पुराने फ्रांसिसी मूल के परिवार से, उतरता हुआ (descending) (चढ़ता हुआ कहना अधिक अच्छा लगता है), थोड़ा सा, अंग्रेज है। कैसे भी, इसको यहाँ हमेशा फ्रॉग्स कहकर पुकारा जाता है। अब वह न्यू ब्रुन्सविक (New Brunswick) में रहता है। हम उससे तब मिले, जब हम भी वहाँ रहते थे। वह एक अच्छा इंजीनियर है और यद्यपि वह कई बार बहुत खराब, बुलडॉग की तरह घुर्राते हुए या और भी खराब, बोलता है, परंतु फिर भी, उसका दिल सोने का है। आप ध्यान रखें, अब चूंकि मैंने लिख दिया है ''सोने का दिल'' मैं आश्चर्य करता हूँ कि ऐसी धातु का दिल, एक मानव शरीर में, कैसे काम कर सकता है। बुरा न मानें, उत्प्रेक्षा के रूप में (metaphorically) कहने पर, ''सोने का दिल'' फ्रॉग्स फ्रेनॉक्स के ऊपर लागू होता है। मुझे याद है, जब मैं, सेन्ट जॉन, न्यू ब्रून्सविक के एक होटल में रुका हुआ था, फ्रॉग्स मुझे गाड़ी चलाकर ले गये थे और उन्होंने आहें भरीं और उन्होंने मुझे जोर लगाकर उठाया और वे जोर से दहाड़े, और उन्होंने मेरी पहिये वाली कुर्सी, सीढ़ियों पर पीछे की तरफ खींची। इसने उनको लगभग मार दिया, और ध्यान दें कि, इसने मुझे भी लगभग मार ड़ाला परंतु, बेचारे बूढ़े फ्रॉग के साथ, एक मेढ़क, जब वह पूरी तरह हॉफता है, जैसा दिखना चाहिए वैसे दिखाई देते हुए, हम उस जीने पर से उठे। इसलिए मुझे कहने दें, ''आपका अभिवादन, फ्रॉग्स।''

हे, मैं अभी भी, केनाडा के महाद्वीप पर हूँ, इसलिए मुझे एक दूसरे का उल्लेख करने दें। मेरे अच्छे मित्र, बर्नार्ड गोबील (Bernard Gobeille)। ओह हॉ, हम बर्नार्ड को अच्छी तरह जानते हैं, वह वास्तव में, अच्छे आदमी हैं, वह, कहने के एक ढंग से, मेरे मकान मालिक हुआ करते थे, क्योंकि जब मैं बसाहट में रह रहा था, वह प्रभारी व्यक्ति थे। वह चीजों की देखभाल करते थे। वास्तव में, वह चीजों की अत्यधिक अच्छी देखभाल करते थे क्योंकि वह प्रशासक के रूप में इतने कुशल थे कि वह बसाहट से चले गये और उन्होंने, परेशानी दूर करने वाले प्रकार के आदमी को, दूसरे बड़े अपार्टमेन्ट कॉम्प्लेक्स में भेजा, जहाँ उन्हें परेशानियाँ थीं। बर्नार्ड गोबील को खोते हुए, बसाहट वही नहीं थी, इसलिए मुझे प्रेस के साथ, सामान्यरूप से परेशानी हो रही थी, जिसने मुझे अंतिम बेकार, सिद्ध कर दिया था और अपने परिवार से दूर और परिवार के बाद, मैं उन बसाहट के भूतों से दूर चला गया परंतु, बर्नार्ड गोबील और मैं सम्पर्क में बने रहे, वास्तव में, आज सुबह, मेरे पास उनका एक पत्र था, मैंने सोचा कि वह यहाँ थे, मैंने कामना की, कि वह अब भी मेरे मकान मालिक होते, परंतु केलगेरी, मोंट्रियल से लम्बे रास्ते पर है।

परंतु हम एक यात्रा क्यों न कर लें? हम, कनाडा की तुलना में और अधिक दूर चलें, हम एक परिवर्तन के लिए,............ ब्राजील (Brazil) चलें। ब्राजील में एक अत्यधिक प्रख्यात सज्जन हैं, श्रीमान् अडोनाई ग्रासी (Mr. Adonai Grassi), वास्तव में, एक बहुत अच्छे दोस्त। वह विशेषरूप से, अंग्रेजी सीख रहे हैं, ताकि हम बिना किसी तीसरे आदमी के हस्तक्षेप के पत्रव्यवहार कर सकें। अडोनाई ग्रासी, एक असामान्य बुद्धि के व्यक्ति हैं, दमखम और करुणा वाले एक व्यक्ति। ये उन निर्मम तानाशाहीं प्रकार के लोगों में से नहीं हैं, यह वह आदमी है, जो सर्वाधिक अच्छे प्रकार के लोगों में से एक है, और मैं भविष्यवाणी करता हूँ कि वह अपना नाम, ब्राजील में और दूसरी जगह भी खूब प्रसिद्ध करायेंगे। इसलिए, मैं पुर्तगाली भाषा में उन्हें अपने ''अभिवादन (saludos)'' कैसे भेज सकता हूँ? परंतु वह जानते हैं कि मैं उनके बारे में क्या सोचता हूँ, और मैं उनके बारे में काफी कुछ सोचता हूँ।

क्या हम, मैक्सिको (Maxico) से एक सज्जन, श्रीमान् रोजेण्डो गार्सिया (Mr. Rosendo Garcia), का अभिवादन करने के लिए, थोड़ा सा और आगे जायेंगे? मान लिया, कि वह अभी, डेट्रॉइट अमरीका, (Detroit, U.S,A.) में रह रहे हैं, परंतु वह अभी भी, मैक्सिकोवासी हैं, निश्चितरूप से, मैक्सिको के लोगों में, सर्वोत्तम प्रकार के लोगों में से एक; सभ्य, शिक्षित, एक आदमी, जो ''मक्खी को

भी नहीं मार सकता।'' विश्व का एक सभ्य पुरुष, जिसे निश्चितरूप से, काफी काफी कठिनाईयॉ हुईं, उसके खुद के कारण से नहीं, उस किसी कारण से, जिसे हम, उनके पिछले जीवन के एक निरपेक्ष सत्य के साथ, कह सकते थे। अगली बार, वह वास्तव में, वह अस्तित्व के अच्छे–और अच्छे चक्र में जायेंगे।

फिर हम, अपने ब्राजील के मित्र, श्रीमान् फ्राइडरिक कोसिन (Friedrich Kosin) का अभिवादन करने के लिए वापस चलते हैं। वह एडोनाई ग्रासी का मित्र है। दुर्भाग्यवश, मैंने श्रीमान् कोसिन के बारे में काफी कुछ लिख दिया परंतु, जो मैंने उसके बारे में कहा था, उसका विरोध करते हुए, उसने मुझे कई पत्र और एक तार भेजा। वह अत्यधिक नर्म, अथवा या कुछ कुछ वैसा ही है। बेहिचक, मैं नहीं जानता, ये सब किस सम्बन्ध में है, परंतु मैं केवल ये कहूँगा कि वह मिस्टर ग्रासी के साथ नजदीकी से जुड़ा हुआ आदमी है।

अब, वापस एक वास्तविक बूढ़े अनुभवी व्यक्ति, मेरे पुराने प्रिय मित्र, पैट लोफ्टस (Pat Loftus) पर, ओह! जिनको मैं इतने वर्षों पहले मिला था। श्रीमान् लोफ्टस, स्वभाव से सज्जन हैं, उन अच्छे लोगों में से एक, जिनको कोई मिल सकता है। अब वह सेवानिवृत्त हो गये हैं, परंतु वह आयरिश पुलिस के सिपाही, ''गार्डियास (Gardias)'' में से एक, हुआ करते थे और पुलिस के सिपाही के रूप में, एक दयालु व्यक्ति के रूप में, पंरतु एक कठोर व्यक्ति के रूप में भी, उनकी सर्वाधिक ईर्ष्या करने योग्य ख्याति थी।

मैं, श्रीमान् लोफ्टस की, वास्तव में, अत्यधिक प्रशंसा करता हूँ। हम नजदीकी सम्पर्क में रहे और यदि मैं अपनी इच्छा को स्वीकृत किया जाते हुए पाऊॅ, तो वह इच्छा होगी कि, इससे पहले कि हम दोनों में से कोई भी, इस दुनियॉ को छोड़े, मैं उन्हें फिर देख सकूॅ। अब हम, दोनों में से कोई भी, उतने जवान नहीं हैं, और अब अधिक समय नहीं बचा है, इसलिए मैं डरता हूॅ कि शायद, ये इच्छा अपूर्ण ही रहेगी।

श्रीमान् लोफ्टस, आदमियों के उस शानदार समूह में से एक थे, जिन्होंने आयरलैण्ड के गणतंत्र को स्थापित किया, वह प्रारम्भिक दिनों के उन नायकों में से एक थे, परंतु अवसरों ने, भाग्य के द्वारा, उनको कभी समर्थन नहीं दिया, जैसे कि दूसरों में से अनेक को दिया था। यदि सौभाग्य उनके ऊपर थोड़ा सा मुस्कुराया होता तो लोफ्टस, एक सेवानिवृत्त पुलिसमेन होने के बजाय, आयरलैण्ड के राज्य में प्रमुख हुए होते।

हॉ, श्रीमान् लोफ्टस, मेरे सबसे पुराने मित्रों में से एक, सर्वाधिक मूल्यवान मित्रों में से एक हैं, और मुझे पक्का विश्वास है कि आयरलैण्ड के समुद्र के बगल में रहने के साथ, जैसा कि वे मुझे बताते हैं, वह अक्सर, बाहर की तरफ देखते हैं और तीन हजार मील दूर से, मेरे बारे में विचार करते हैं। ठीक है, पैट लोफ्टस, मैं आपकी याद करता हूॅ, मेरे दोस्त, मैं आपकी याद करता हूॅ।

परंतु श्रीमान् लोफ्टस के सम्बन्ध में, और उस तरीके से, जिससे कि वह, समुद्र के बगल से कनाडा को देखते हुए बैठते हैं, पर विचार करते हुए, हमें वापस कनाडा आना होगा, और यह मुझे शेलाघ मेक मोरन (Shelagh Mc Morran) का ध्यान दिला देता है। वह उन लोगों में से एक है, जिसने मुझे लिखा था, और जिससे मैं मिल चुका हूॅ और हॉ, वह एक मित्र है। वह विभिन्न क्षमताओं, अनेक प्रतिभाओं वाली महिला है, सर्वाधिक समर्थ महिला, और ऐसी महिला, जिसको कोई भी पसंद कर सकता था।

फिर से, आपकी यात्रा पर, थोड़ा सा और आगे, (मेरे मित्र विभिन्न प्रकार के दिखते हैं, क्या वे नहीं दिखते?), और अब हम, फिर से, मोंट्रियल की तरफ वापस चलें और एक अत्यन्त विशिष्ट दोस्त, हाइ मेंडलसन (Hy Meldenson), जिनको मैंने, मांट्रियल में, सर्वाधिक ईमानदार व्यक्ति होने के लिये सन्दर्भित किया था, हॉ, और निश्चितरूप से, मैं इसमें विश्वास करता हूॅ, की चर्चा करें। कुछ समय

पहले, जब मैं न्यू ब्रुंसविक में था, मैं एक उपयोग में लाया हुआ (पुराना), कैमरा चाहता था। मेरी पत्नी आलस्यपूर्ण ढंग से, सांध्य समाचारपत्रों की उलटपलट कर रही थी और उसने कहा, ''ठीक है, यहाँ क्यों न लिखें, सीमन्स का कैमरा, क्रेग स्ट्रीट वेस्ट, मॉन्ट्रियल?'' इसलिए मैं बुद्धि में थोड़ा सा कुंद था, परंतु अंत में, मैंने साइमन कैमरा को लिखा, और मुझे हाइ मेंडलसन से एक अत्यन्त संतोषजनक जवाब मिला। उसने मुझे एक ईमानदार आदमी समझा, अग्रिमरूप से कोई धन नहीं, कोई नगद राशि नहीं, उनके साथ व्यापार में, जबतक चैक का भुगतान न हो जाये, कोई प्रतीक्षा या ऐसी ही कोई दूसरी चीज नहीं। उन्होंने मुझे ऐसा व्यवहार किया, जैसा व्यवहार किया जाना, मैं पसन्द करता हूँ, और न केवल मैंने उनके साथ विनिमय किया परंतु अब हमने काफी गर्मजोशी भरी मित्रता बना ली है और मुझे आशा है, वह मुझे उतना अधिक पसन्द करते हैं, जितना अधिक, मै उन्हें पसन्द करता हूँ।

उनका जीवन काफी कठिन रहा था, अपने पिताजी से व्यापार संभालना और उसे उठाना। अब तक, मैं निश्चितरूप से सकारात्मक हूँ कि उनके पास, कनाडा के किसी भी दूसरे फोटोग्राफी भण्डार की तुलना में, काफी बड़ा भंडार (stock), विभिन्न प्रकार के भण्डार हैं। कई बार, केवल आनन्द के लिए, मैंने उनसे पूछा, क्या उनके पास स्टॉक में, ऐसी–ऐसी कोई चीज है, और हमेशा उनका उत्तर था, ''हॉ'' इसलिए, हाइ मेंडलसन, आपको दोस्त के रूप में जानकर मुझे आनन्द हो रहा है और आप इस मामले में एक विशिष्टता रखते हैं, कि मैंने आपको लिखा, आपने मुझे नहीं लिखा।

क्या हम एक दूसरे ''एम'' को लेंगे ? ठीक है, अब हम यू.एस.ए. की सीमा के पार चलें और श्रीमान् कार्ल मोफेट (Mr. Carl Moffet) को हेलो कहें, क्योंकि उनकी रुचियों के कारण, मैंने उनको पैडल (Paddle), ईसाई बनाया।

बोट मोफिट। वह प्रादर्श (models) बनाते हैं, वास्तव में, शानदार ढंग के, एकदम सही प्रादर्श, जलयान के प्रादर्श। परंतु जैसा कि मैंने उन्हें बताया, बेवकूफी भरे पुराने जहाजों और पुराने पानी के जहाजों को, जो हवा के सहारे चलते हैं, बनाने में कोई तुक नहीं है। उन्होंने एक पेडलबोट बनाने की इच्छा की, और इसलिए अब वो ठीक वैसा कर रहे हैं।

कुछ महीनों पहले उन्होंने एक पेडल बोट का सुंदर सा प्रादर्श बनाया और उसके कुछ फोटोग्राफ मुझे भेजे, तब उन्होंने उपहार के रूप में एक पेडल बोट भेजा और क्या आप जानते हैं कि, यहाँ केलगेरी में, हमारे तटकर अधिकारी लोगों ने उस पर इतना बड़ा मूल्य लेना चाहा कि न तो मैं और न ही वह पेडल बोट मोफेट, उसे बर्दाश्त कर सकता था। इसलिए मैं, अपने लिए बचे हुए कुछ आनन्दों में से एक से, वंचित रह गया; मैं इस प्रादर्श को अपने साथ रखने से वंचित हो गया, जो अमरीका में मेरे एक बहुत अच्छे मित्र, पैडल मोफेट के द्वारा, मेरे लिए इतना प्रेमपूर्ण बनाया गया था। प्रादर्श को वापस जाना पड़ा, क्योंकि तटकर अधिकारियों ने, हाथ की बनाई हुई एक चीज के ऊपर, तटकर के बदले में सैंकड़ों डॉलर मांगे थे, और वे इस सम्बन्ध में काफी अयुक्तिसंगत थे।

फिर भी, ये केवल वह है, जो कोई, तटकर के लोगों से आशा कर सकता है; मैं उन लोगों से बिल्कुल भी, कभी नहीं मिला।

इस बार, हम, कुछ महासागरों पर कुलांचें भरते हुए चल रहे हैं। हम उत्तरी अमरीकी महाद्वीप (North American Continent) पर रुकने वाले नहीं हैं, यद्यपि, वास्तव में, हमें वापस आना है। बदले में हम टोकियो (Tokyo)[24], जापान जा रहे हैं। यहाँ मेरी एक बहुत अच्छी दोस्त रहती है, एक वह,

24 अनुवादक की टिप्पिणी : टोकियो (Tokyo) जापान की राजधानी है। टोकियो, मूलतः इडो (Edo) नाम का मछुआरों का गॉव था। 1868 से पहले इसका नाम क्योटो (Kyoto) था, जो बदल कर टोकियो हो गया। बृहत्तर टोकियों (Greater Tokyo) का क्षेत्र, दुनियॉ में सर्वाधिक आबादी वाला महानगरीय (metropolitan) क्षेत्र है। जापान के सम्राट और जापानी सरकार का मुख्यालय यहाँ है। जापान स्वयं में कोई बड़ा देश नहीं है बल्कि छोटे छोटे टापुओं से मिलकर बना हुआ एक देश है। जापान में अक्सर भूचाल आते रहते हैं, इसलिए यह भूचाल प्रभावित क्षेत्र है। बीसवीं शताब्दी में टोकियो को दो बड़ी आपदायें, 1923 का भयानक भूकंप, जिसमें एक लाख चालीस हजार लोग मरे या गायब हुए और दूसरा विश्वयुद्ध द्वितीय, जिसमें 6 अगस्त 1945 को जापान के दो नगरों हिरोशिमा और नागासाकी पर, दो परमाणु बम गिराये गये, झेलनी पड़ीं। 1944 और 1945 में टोकियो पर हुई बमबारी में टोकियो में 75000 से लेकर 2 लाख तक, नागरिक मारे जाने का अनुमान है। 1940–45 के बीच,

जिसने पहले मुझे लिखा, और तब कैथलीन मुराता (Kathleen Murata), जापान से पूरी तरह से, मुझसे मिलने आयी। वह एक छोटी, अत्यन्त प्रखर बुद्धि वाली है परंतु अपनी खुद की क्षमताओं की प्रशंसा नहीं करती है। यदि वह केवल, इन क्षमताओं को महसूस कर सके, तो वह, पुस्तकों में चित्र इत्यादि बनाने में सफल हो सकती है क्योंकि, जैसा मैं कहता हूँ, वह निहायत प्रखर बुद्धि वाली है।

कैथलीन मुराता, जापान के एक सज्जन के साथ विवाहित, एक अमरीकी महिला है। मेरा ख्याल है कि वह घर की याद की बीमारी से, महान रूप से पीड़ित है। मैं सोचता हूँ, वह अमरीका वापस आना चाहती है, यद्यपि वह देश, पिछले वाटरगेट के परिणामों की बाढ़ से भरा हुआ है। परंतु मेरा ख्याल है, उसने मुझे, उत्तरी अमरीकी महाद्वीप के अंदर, उसको पत्रव्यवहार करने के लिये, किसी को, एक कड़ी (link), के रूप में पाने की आशा में लिखा था, और हमने एक बड़ी पक्की मित्रता स्थापित कर ली है। जब हम मोंट्रियल की बसाहट में थे, तब वह मुझे मिलने आई थी और कुछ समय के लिए, वह हमारे अपार्टमेन्ट में रुकी थी। हम उसे बहुत अधिक पसन्द करते थे।

परंतु वापस कनाडा की तरफ। इस बार, कनाडा के प्रायद्वीपों में से एक पर, जहॉ श्रीमान् और श्रीमती ओर्ल्वोस्की ऐड और पेट ओर्ल्वोस्की (Mr. and Mrs. Orlowski Ed and Pat Orlowski) रहते हैं। वे भी प्रखर बुद्धि के हैं। एड, बहुत कुशल दस्तकार हैं, वह प्रतिरूपण (modelling) कर सकते हैं, वह सभी प्रकार की कलात्मक चीजों को कर सकते हैं, परंतु उन्हें जीवन में, कभी भी, इसका मौका नहीं मिला।

वह पुराने यूरोप से आये थे और मेरा ख्याल है, कनाडा में बस गये हैं, और वह अपने साथ, पुरानी यूरोप की अपनी अनेक कुशलताओं को लाये हैं। परंतु मेरा ख्याल है, वह इस पृथ्वी पर अपने अंतिम जीवन में हैं, और उसी रूप में, अपने भाग की कठिनाइयों से अधिक पा रहे हैं। उनका काम बहुत छोटा है, अत्यन्त–अत्यन्त कम आय वाला, और फिर भी, मैं आपको सत्यता से कहता हूँ, आदमी प्रतिभावान है। उसे केवल एक अवसर की आवश्यकता है, उसे केवल थोड़े से वित्तीय प्रबंध की आवश्यकता है ताकि वह छोटी–छोटी मूर्तियॉ (statuettes), अपनी छोटी मूर्तियॉ बना सके। वर्तमान में मैंने उसे कुछ डिजाइन दिया है ताकि वह पेंडुलमों (pendulums) को, स्पर्श पत्थर (touch stones), और पूर्वी प्रकार (eastern type) के, गले में लटकाने वाले पेंडेंट (pendants), चीजें जिनमें उसकी महारथ है, बना सकें। हॉ, जो मैं करूँगा, आपको बताऊँगा। मैं आपको उसका पता भी दूँगा, मैं अपने नियम को तोड़ दूँगा, ताकि यदि आप उसे आश्चर्यजनक चीजों के कुछ आदेश देना चाहें, आप ऐड ओर्ल्वोस्की को लिख सकें और पता कर सकें कि उसके पास क्या उपलब्ध है। ठीक है, तब, यहॉ उसका पता है।

श्रीमान् ऐड ओर्ल्वोस्की,
केव हेड,
योर्क पी. ओ.,
प्रिंस ऐडवार्ड द्वीप, कनाडा

एक बहुत अच्छा अमरीकी, मेरा अत्यधिक प्रशंसित एक मित्र, कैप्टेन जॉर्ज 'बड' फिलिप

जापान की राजधानी टोकियो की आबादी 67 लाख से घटकर, 28 लाख से भी कम रह गई। शहर पूरी तरह तहस नहस हो गया था। विश्वयुद्ध के बाद टोकियो को पूरी तरह दोबारा बनाया गया। टोकियो का सब वे (sub way) और स्थानीय रेल की व्यवस्था, विश्व की व्यस्ततम व्यवस्था है। टोकियो का स्टॉक एक्सचेंज, जापान का सबसे बड़ा स्टॉक एक्सचेंज है, और मार्केट केपीटालाइजेशन की दृष्टि से दुनियॉ का तीसरा सबसे बड़ा स्टॉक एक्सचेंज है। नरीता अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डा (Narita International Airport), टोकियो शहर के बाहरी भाग में है। टोकियो में अनेक विश्वविद्यालय और शिक्षा एवं शोध संस्थान हैं। जिनमें प्रमुख हैं, यूनिवर्सिटी ऑफ टोकियो (University of Tokyo), टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ आर्ट्स (Tokyo University of Arts), टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज (Tokyo University of Forign Studies), टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ मेरिन साइंस एण्ड टेक्नॉलाजी (Tokyo University of Marine Science and Technology), टोकियो मेडीकल एण्ड डेंटल यूनिवर्सिटी (Tokyo Medical and Dental University), आदि। 1964 में बीसवें ओलंपिक खेलों का टोकियो में आयोजित करने वाला, जापान, पहला एशियन देश था। 7 सितम्बर 2013 को 'अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक महासंघ ने 2020 का ग्रीष्म ओलंपिक वहॉ कराया जाना स्वीकार किया है।

(George 'Bud' Phillip), एक आदमी, जो एक लीयर जेट (Lear Jet) में, महाद्वीपों के आरपार दौड़ता जाता है, उस स्थान से बहुत दूर नहीं है। वह एक बड़ी फर्म में, वरिष्ठ वायुयान चालक है और वह निश्चितरूप से जीवन को सामान्यतः तीस हजार फुट की ऊँचाई से देखता है! मैं कैप्टन फिलिप को अच्छी तरह जानता हूँ, और जितना अधिक, मैं उसे जानता जाता हूँ, उतना ही अधिक, मैं उसके असली गुणों की प्रशंसा करता हूँ।

अब हम थोड़ा सा ''दांयी ओर'' चलें और तब हम श्रीमती मारिया पियन (Mrs. Maria Pien) को आमंत्रित करें। वह एक चीनी से विवाहित, एक स्विस महिला हैं और मुझे ठीक से कहना चाहिए कि चीनी आदमी से विवाहित, अन्यथा हमारे नारी मुक्ति आंदोलनवादी लिखेंगे और पूछेंगे कि एक महिला दूसरी महिला से कैसे शादी कर सकती है। यद्यपि मैं समझता हूँ कि वे आजकल करती हैं, वास्तव में, मैंने इस सम्बन्ध में हाल में ही, कुछ पढ़ा है। कैसे भी, मारिया पियन, काफी अधिक क्षमताओं वाली एक महिला हैं, परंतु दुर्भाग्यवश, उनका एक परिवार है और परिवार, उनका काफी अधिक समय ले लेता है। और जब आपके पास, समय लेने वाला एक परिवार होता है, तब आप को अपने खुद के रुझानों को छोड़ना पड़ता है, और अपनी जिम्मेदारियों को निभाना पड़ता है, क्या आप नहीं निभाते। इसलिए हेलो मारिया, मैं तुम्हें अपने मित्र के रूप में उल्लेख करते हुए, प्रसन्न हूँ।

दूसरा कोई, इस बार एक आदमी, ब्रियान रूश (Brian Rusch)। वह मेरा भी पुराना संवाददाता है। ओह, मैं बताना नहीं चाहूँगा, कितने लम्बे समय से, पूरी ईमानदारी के साथ, मैं ये याद नहीं कर सकता, कितने लम्बे समय से, हम एक दूसरे को लिखते रहे हैं। परंतु वह, मेरे सबसे पहले संवाददाताओं में से एक है।

रूबी सिमन्स, एक दूसरी है। वह एक है, जिसने मुझे ठीक लिखा था, मेरा ख्याल है, उसने मुझे वास्तव में, श्रीमती कथवर्ट के लिखने से पहले लिखा था। अब जहॉ तक मुझे याद है, रूबी सिमन्स वास्तव में, संयुक्त राज्य अमेरिका में पहली संवाददाता थी, और हम नियमित रूप से लिखते हैं, और यही कारण है कि वह यहॉ मेरे मित्रों में से एक के रूप में, सूचीबद्ध की गई है।

वेंकोवर से दूर एक महिला है, जिसने मुझे, बोनसाई (Bonsai) में अपनी अभिरुचि के कारण, काफी हद तक आकर्षित किया, जैसा कि आप जानते हैं, जापानी पेड़ बोने होते हैं। श्रीमती ऐडिथ तियारो (Mrs. Edith Tearo) बगीचों और पौधों और उस सब के बारे में बहुत कुछ जानती हैं और बोने पेड़ों में अपनी पारस्परिक दिलचस्पी के कारण, हम ने अच्छी दोस्ती बना ली है। अभिरुचि के कारण, वे पिछले सप्ताह के सप्ताहान्त में, वे मुझे मिलने आयीं। एक शुक्रवार शाम को, उन्होंने सभी कौतूहलपूर्ण चीजों को अपनी कार में रखा और कार को वेंकोवर से केलगेरी तक, छैः सौ सत्तर मील या करीब–करीब इतना ही, चलाया। वास्तव में, वह मेरे घर में काफी कम समय के लिए रुकीं, और अपनी कार में वापस फुदक लीं और वेंकोवर से अपने घर तक, पूरे रास्ते भर कार चलायी ताकि, वह सप्ताह के प्रारम्भ में, काम पर जाने के लिए तैयार हों। अब, क्या वह आपके लिये भी अच्छी मित्र नहीं हैं? कोई ऐसा, जो कार में जायेगा और छैः सौ सत्तर मील, दो बार कार चलायेगा, ठीक है, मैं मानता हूँ, ऐसा करने में, उन्होंने ताजी हवा में सांस ली परंतु कैसे भी, निश्चय ही, उनका यहॉ स्वागत किया गया।

अब, दूसरे महासागर के पार, फिर से, एरिक टेडी (Eric Tedey) के पास, इंग्लैण्ड में चलें, उसने मुझे कुछ समय पहले लिखा था और मैं उसके नाम से बहुत आनंदित हुआ था, इसने मुझे टेटली चाय के पेकेटों (Tetley teabags), जिनका हम यहॉ उपयोग करते हैं, की याद दिला दी, इसलिए वास्तव में, मैंने उसे उत्तर दिया और सामान्य सीधे तरीके से, उन्हें टेटली चाय के पेकेटों की याद दिलायी। उस समय से हम दोनों के बीच में काफी अच्छी मित्रता पक गई है। हम एक दूसरे को पसंद करते हैं, हम एक दूसरे को लिखते हैं, कई बार हम आपस में शरारती मजाक भी करते हैं। वास्तव में, हमें सावधान रहना होता है, हम अपने सर्वोत्तम मजाकों को एक दूसरे को नहीं कह सकते, क्योंकि ठीक

है, जैसा आप जानते हैं, तब क्या होगा जबकि घर में महिलायें हों, कई बार वे पत्रों को पढ़ेंगीं, और वे अकेले नर का ये देखना कि वे, आखिरकार लजा नहीं सकतीं है, नहीं चाहेंगीं। कैसे भी, ऐरिक टेटली और मैं, पत्राचार के द्वारा, अच्छे दोस्त हैं।

जिम थॉम्पसन (Jim Thompson), एक दूसरे अच्छे दोस्त हैं। वह केलीफोर्निया (California) के जंगलों में रहते हैं। मैं हमेशा सोचता था कि पूरा केलीफोर्निया ही जंगल था, विशेषरूप से, चूंकि मैं कई बार वहॉ रह चुका हूॅं। मेरे भगवान! वे वहॉ काफी जंगली हैं, क्या वे नहीं हैं? अच्छा होगा कि मैं आपको नहीं बताऊॅ कि कितने लोग, जिनका मैंने यहॉ उल्लेख किया है, केलीफार्निया से आते हैं!

परंतु जिम थॉम्पसन और मैं, भयानक लम्बे समय से पत्राचार करते रहे हैं, हम एक दूसरे को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं, और जिम थॉम्पसन की एक विशेषता है, जो मैं आपके साथ अवश्य बांटना चाहूॅंगा; वह कलेण्डर के पन्नों पर 1907 तक पीछे जाते हुए, विश्व के बाजार पर दुखी दिखाई देते हैं और सामान्यतः, वह मुझे 1960 के कलेण्डर के एक पेज पर लिखते हैं। मैं नहीं जानता कि इतने सारे पुराने कलेण्डर, अभी भी, दुनियॉ में बचे हुए हैं। कैसे भी, जिम थॉम्पसन और मैं, बहुत अच्छे मित्र हैं।

गर्व है, क्या आप जानते हैं कि मैंने अब तक, पहले से ही बीस लोगों का उल्लेख कर दिया है? बीस, उसको सोचो। फिर भी, आपमें से कुछ लोगों ने, मेरे मित्रों के बारे में पूछा था, इसलिए अब आप, उनमें से कुछ के सम्बन्ध में, कुछ सूचना पा रहे हैं। मैं सोचता हूॅ, हम केवल एक का उल्लेख और करेंगे क्योंकि ये दोस्त, कुमारी एल. सी. वाण्डरपूर्टेन (Vanderpoorten), बेल्जियम में हैं। वास्तव में, वह विविध व्यापारिक अभिरुचि रखने वाली, बहुत महत्वपूर्ण महिला हैं, और हम एक दूसरे को अक्सर नहीं लिखते हैं परंतु, इसे पर्याप्त सुनिश्चत करने के लिए कि दोस्ती अच्छी है। वह अपनी व्यापारिक रुचियों के साथ, इतनी व्यस्त महिला हैं कि मैं सोचता हूॅ कि उनके पास निजी पत्राचार के लिए, अत्यधिक समय नहीं होता। मैं केवल यह जानता हूॅ कि वह कैसा अनुभव करती हैं, तब मैं, बेल्जियम में काफी दूरी पर, कुमारी वाण्डेरपूर्टेन को, हेलो कहना चाहता हूॅ।

ठीक है, आप लोगों में से वे, जिन्होंने मुझे मेरे मित्रों के बारे में पूछा था और अति विनम्र तरीके से सूचित किया था कि मेरे कोई दोस्त नहीं हो सकते, आप थोड़े आश्चर्य में हो सकते हैं, एह? ध्यान दें, मैं जानता हूॅ कि इस छोटे से सन्दर्भ में, मैंने काफी लोगों को छोड़ दिया है, परंतु यदि मैंने इसमें और अधिक जोड़े, तो मैं सुनिश्चित हूॅ कि मेरे प्रकाशक के पास, मुझे कहने के लिए कुछ होगा!

हे! यद्यपि, श्रीमान् प्रकाशक, आखिरकार मैंने आपको समझ लिया है! आपने कहा था कि आप पाठकों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए, एक पुस्तक चाहते हैं। ठीक है, आदरणीय श्रीमान्, ये वही है, जो मैं कर रहा हूॅं; एक महिला मुक्तिवादी (खेद है, उनकी खुद के स्वीकारोक्ति के द्वारा, कोई नारी मुक्तिवादी, एक महिला नहीं हो सकती) ने पूछा था, क्या मेरे कोई मित्र नहीं है; और यदि मेरे पास थे, तो एक डाक टिकिट की पीठ पर उनकी सूची बनाने के लिए कहा था। इसके लिए काफी बड़ा डाक टिकिट लेना पड़ेगा, क्या नहीं लेना पड़ेगा? परंतु मैंने केवल थोड़े से ही नाम लिये हैं, इसलिए मैंने किन्हीं नियमों को नहीं तोड़ा है, श्रीमान् प्रकाशक। मैं पाठकों के प्रश्नों का उत्तर दे रहा हूॅ!

अध्याय चार

ये बहुत सुंदर, धूप भरी शाम थी। वेंकोवर से आये हमारे अतिथि बिग्स, ने कहा, ''मैं आज शाम को, आपको, कहीं भी, जहॉ आप चाहें, क्यों नहीं ले जा सकता?'' मैंने किये जाने वाले काम के सम्बन्ध में सोचा, मैंने उत्तर दिये जाने वाले सभी पत्रों के सम्बन्ध में सोचा क्योंकि, मैं अस्पताल में रहा था और इस सम्बन्ध में, ये समझाते हुए कि उनके पत्रों का जवाब देने में क्यों विलम्ब हुंआ, काफी संख्या में लोगों को सूचना दी गई थी। इसलिए हर आदमी ने, सभी प्रकार के प्रश्न पूछते हुए, वापस लिखना शुरू कर दिया था और तब लोग मुझे अधिक और अधिक प्रश्न पूछते रहे थे। इसलिए, जब मैं अस्पताल से बाहर आ गया हूँ, मुझे कुछ करना पड़ेगा। हॉ, मुझे काफी कुछ करना है!

तब एक पुस्तक लिखी जानी थी। यदि मैंने अपनी टंकणलिपि **(typescript),** को समाप्त नहीं किया, तो प्रकाशक, छापने के लिए, इसे मुद्रक को नहीं दे सकेगा। तब मैंने सोचा, ''ओह ठीक है, कहीं ये कहा गया है कि केवल काम ही काम, और खेल बिल्कुल नहीं, जेक को एक मंद बुद्धि बच्चा बना देता है। कैसे भी मैं एक सुस्त बच्चा हूँ, इसलिए मैं बाहर जाऊँगा।''

मैं अपनी पहिये वाली कुर्सी में, भारी कदमों से, कार पर चढ़ा, और सामान्य परेशानी के साथ कार में गया। पहिये वाली कुर्सी को मोड़कर बांध दिया गया और कार के पीछे ट्रंक में रख दिया गया और हम चले गये।

कुछ समय पहले, अस्पताल छोड़ने के बाद, ये घर से बाहर मेरी पहली यात्रा थी। वास्तव में, ये पहला मौका था, जब मुझे केलगेरी में किसी चीज को देखना पड़ा क्योंकि, मेरे पास कोई कार नहीं थी। न मेरे पास टेलीविजन था। कई बार, मेरा विश्वास है कि टेलीविजन पर शहर के बारे में कुछ कार्यक्रम होते हैं, परंतु मुझे उन्हें देखने से भी रोक दिया गया था। तब, आज के दिन, हमने विदा ली और शहर को अपने पीछे छोड़ते हुए, पर्वतों की तरफ अपना मुँह किया और निचली पहाड़ियों से ऊँचाई तक चलते चले गये। यद्यपि, पहले मैंने, एक बहुत सुंदर, अत्याधुनिक अस्पताल, 'केलगेरी फुट हिल्स हॉस्पिटल' की, अस्पताल के चारों ओर, एक परिक्रमा की और पहली चीज, जो हमने देखी, वह थी मुर्दाघर से, एक शववाहन में लादे जाने वाली लाश!

हम पीछे मुड़े और हमने नदी के ऊपर चढ़ते हुए मैदान में, आगे बढ़ना जारी रखा। मैं बहुत अधिक दूर नहीं जा सका क्योंकि, अब मैं इतनी आसानी से थक जाता हूँ और दर्द से इतना अधिक परेशान होता हूँ। इसलिए हम थोड़े समय के लिए, ऊँचे मैदान पर, जहॉ से हम शहर को देख सकते थे, रुके। ये शहर में होकर अपना रास्ता बनाती हुईं, धनुष और कोहनियों के रूप में घेरती हुईं नदियों के साथ, बहुत आनन्ददायक शहर भी है।

आवागमन आश्चर्यजनक था। हमें बताया गया है कि उत्तरी अमरीका के किसी भी स्थान की तुलना में, यहॉ केलगेरी में प्रति व्यक्ति कारें अधिक हैं और मैं इस पर ठीक से विश्वास करता हूँ। दुनियॉ में बिना किसी चिंता के, लोग इकट्ठे होते हुए दिखाई देते हैं। ठीक है, यहॉ उनका स्वागत करने के लिए, काफी अच्छे अस्पताल हैं।

शीघ्र ही, घर वापस जाने का समय आया, इसलिए हमने एक बाजार में होकर, दूसरी सड़क पकड़ी और मुझे विचारणीय आनंद के साथ स्वीकार करना चाहिए कि रास्ते पर सभी दुकानें, आजकल नगर के केन्द्र को छोड़ती हुईं दिखाई देती हैं और बहुत दूरी तक, बाहरी स्थानों के लिये, शहर के केन्द्र को किसके लिए छोड़कर जाती हुईं दिखाई देती हैं? कार्यालयों के लिये? मैं मानता हूँ कि किसी चीज के लिए, इसका उपयोग किया जाना चाहिये।

परंतु हम पूरे दिन को व्यर्थ नहीं गंवा सकते, काम करने का समय आ गया है, और मैं दुबारा से, पुराना छप्पर होने जा रहा हूँ, क्योंकि मेरे पास एक पालतू खीज है।

वास्तव में, जब लोग मुझे लिखते हैं, मानो कि, मैं एक बेचारा, अनाड़ी काफिर, मोक्ष की तत्काल

आवश्यकता में हूँ, मैं इससे घृणा करता हूँ।

कुछ विशिष्ट कारणों के लिए, ''परोपकारी'' पवित्र जो (Joe's) और पवित्र जोएस (Joess's) मुझे बढ़ती हुई संख्या में सभी प्रकार के नये उपदेश (New Testament), पुराने उपदेश (Old Testaments), ''अच्छे शब्द (good words)'' और शेष सब लिखते रहे हैं और बाद में मुझे भेजते रहे हैं। कल एक औरत ने मुझे लिखा और कहा, ''मुझे आशा है कि भगवान जीसस, प्रिय मेमने का प्रकाश, आप के हृदय में, उत्तर के रूप में चमकता है। आपको केवल जीसस के खून द्वारा बचाया जा सकता है।'' ठीक है, अच्छा है। वैसे ही, वह, एक वास्तविक, खरेखोटे, पुराने अमुक अमुक, के लिये लिखती है कि वह लगभग काफिर है। उसे किसी की आवश्यकता है, जो उस मोक्ष को उसे दिला सके। कैसे भी, मैं बौद्ध हूँ, मैं बौद्ध धर्म में पैदा हुआ, मैं बौद्ध हूँ, और मैं बौद्ध के रूप मे मरूँगा। अब, बौद्ध धर्म, कोई धर्म नहीं है, ये जीवन का एक ढंग है, और सच्चे बौद्ध, कभी भी, किसी दूसरे को अपने मत में बदलने का प्रयास नहीं करते। अब, मैं समझता हूँ, किसी प्रकार का चलन है, जो अपने आपको बौद्ध कहते हैं, जो मिशनरियों की तरह से बाहर निकलते हैं और गलियों में चिल्लाते हैं। ठीक है, वे सच्चे बौद्ध नहीं है। हमारे पास कोई मिशनरी नहीं है और मैं किसी मिशनरी को, मुझे सिखाने नहीं देना चाहता। इनमें से एक, मुझे पिछली बार अस्पताल में, जहॉ मैं था, मिले थे, और मैंने उन्हें शीघ्र ही राजी कर लिया, मैं ईसाइयत के बारे में भी, थोड़ा–थोड़ा जानता था!

मैं पक्के रूप से विश्वास करता हूँ कि जबतक कि हमें इस संसार में, धर्म की तरफ से कोई वापसी न मिले तो शीघ्र ही, हमारे पास कोई संसार बचा हुआ नहीं रहेगा। परंतु मैं उतनी ही पक्की तरह से, ये भी विश्वास करता हूँ कि ये न्यूनतम रूप से भी प्रभावित नहीं करता कि वह किस प्रकार का धर्म ग्रहण करता है। इससे क्या फर्क पड़ता है कि कोई बौद्ध है, ज्यू (Jew) है, ईसाई है, हिन्दू है, या कोई दूसरा है, जहॉ तक हम कुछ निश्चित चीजों में विश्वास करते हैं? यदि हम करते हैं, तब हम एक निश्चित तरीके का व्यवहार करेंगे, और मेरा विश्वास है कि, ''आप दूसरों के साथ वैसा व्यवहार करें जैसा आप दूसरों से अपेक्षा करते हैं'' मैं कभी धर्म परिवर्तन कराने का प्रयास नहीं करता, और मैं नहीं चाहता कि लोग भी मेरे धर्म को परिवर्तित कराने का प्रयास करें। इसलिए सभी प्रारम्भिक, अच्छा करने वाले लोग, कृपया, क्या आप इसे याद रखेंगे ? यदि मैं इन पुस्तकों, पवित्र शब्दों, पवित्र आतंकों, पवित्र इन और पवित्र उन, को पा जाऊँ, वे बिना खोले हुए सीधे कूड़ेदान में जाते हैं क्योंकि मैं पाता हूँ कि इस तरह का व्यक्ति, जो इन चीजों को भेजने में कष्ट उठाता है, वास्तव में, सभी प्रकार के लोगों में, सर्वाधिक अज्ञानी और सर्वाधिक धर्मान्ध है। वे अपने धर्मों में इतने जमे हुए हैं, इसके द्वारा इतने सम्मोहित हैं कि वे इससे अलग खड़े होकर नहीं देख सकते, कि धर्म का वास्तविक मूल (origin) क्या है।

आपमें से कुछ, मेरी अंतिम पुस्तक, ''मोमबत्ती का प्रकाश (Candlelight)'' के सम्बन्ध में, जीसस के जापान जाने के बारे में, और बदले में, जीसस के भाई को क्रूस पर चढ़ाये जाने के सम्बन्ध में, विवरण जानने में, बहुत अधिक अभिरुचि रखने वाले दिखाई देते हैं। इसलिए शायद, मुझे वह करना चाहिये, जो कि आप लोगों में से अनेक ने मुझसे पूछा है, बाइबिल की कुछ पुरानी कहानियों के सम्बन्ध में थोड़ा अधिक बताने के लिए कहा है। आश्चर्यजनक संख्या में, लोगों ने मुझे अधिक, अधिक पूछते हुए लिखा है।

स्पष्टरूप से, आपको हर समय, यह अपने ध्यान में रखना चाहिए कि बाइबिल को छोड़कर, इसप्रकार की चीजों का बहुत उल्लेख नहीं है। उदाहरण के लिए, लगभग दो हजार साल पहले के, तत्कालीन महान लेखकों में से किसी ने भी, ईसा के सम्बन्ध में कुछ भी बात नहीं लिखी है। ये विचार आश्चर्य करने योग्य है; आजकल कोई भी घटना, हर जगह, गलत विवरण, और सभी कांटछांट, जो कि प्रेस कर सकता है, के साथ लिखी जाती है। परंतु महान लेखकों ने, उस क्षण की घटनाओं के सम्बन्ध

में, पूरे इतिहास में, सामान्यरूप से लिखा है, और ये तथ्य है कि लेखकों में से किसी ने भी, सूली पर चढ़ने के दिनों का, सूली पर चढ़ाये जाने के सम्बन्ध में कुछ भी नहीं लिखा। इसका अर्थ ये है कि केवल कुछ थोडे से लोगों को छोड़कर, जीसस किसी को ज्ञात नहीं था।

इसे केवल याद रखें; ईसाइयत ईसा के बहुत लम्बे समय बाद तक नहीं आई। वास्तव में, ईसाइयत की नींव, सूली चढ़ाये जाने की तथाकथित घटना के साठ साल बाद, कोस्टेनटिनोपल (Constantinople)[25] के समागम में, रखी गई। उस समय के महान ग्रीक और रोमन लेखकों की राय में, जीसस, एक प्रकार का परेशानी पैदा करने वाला आदमी था, कोई वह, जिसके कुछ निश्चित विचार थे और वर्तमान दिन में हमको कहना चाहिए, ''वह हिप्पियों या लुटेरों के गिरोह का, मात्र एक सदस्य या लुटेरों के गिरोह का नायक है।''

सदमा लगा ? ठीक है, आपको नहीं लगना चाहिए था, आप जानते हैं, क्योंकि आप वहॉ नहीं थे, आप तथ्यों को नहीं जानते, आप केवल वह जानते हैं जो बाइबिल और बाइबिल की कहानियों के माध्यम से आप तक फैलाया गया है। उस समय के महान लेखकों, जिनके शब्द जीवित बचे हैं और अब हम तक पहुँचे हैं, ईसा का कोई जिक्र नहीं करते।

दूसरी विचारणीय चीज यह है; यदि किसी व्यक्ति को सूली पर चढ़ाया जाना था, और तब दिन की समाप्ति पर, वह व्यक्ति क्रॉस पर से उतार लिया गया, उसे पुनर्जीवित किया जा सकता था, सूली पर चढ़ाने की क्रिया ने उसको मारा नहीं! वास्तव में, भुजाओं से क्रॉस पर लटकाये जाने पर, वहॉ काफी लम्बी परेशानियॉ रहीं होंगीं और सांस लेने में रुकावटें आई होंगी। पूरी लम्बी सांस लेना असम्भव था क्योंकि, लम्बी सांस का अर्थ है छाती को फुलाना, और जब कोई अपनी भुजाओं से लटकाया जाता है, वह ऐसा नहीं कर सकता। मुझे युद्धबंदियों के शिविर में ऐसे लटकाया गया था, इसलिए मैं अनुभव से ऐसा कह सकता हूँ कि सूली पर चढ़ाना मार नहीं ड़ालेगा। इसके बदले में, उसमें सीमान्त तक (extreme) थकान होगी और शीघ्र ही वह व्यक्ति बेहोशी (coma) में डूब जायेगा, जिसकी अवधि में उसकी सांस, धीमे धीमे एक दम उथली, और उथली होती जायेगी, ताकि अन्ततः, आप कह सकें कि वह दम घुटने से मर गया।

मैं समझता हूँ कि जब किसी व्यक्ति को बिजली से फांसी दी जाती है, बहुत कुछ ऐसी ही प्रकार की चीजें होती हैं। श्वसन की क्रिया को नियंत्रित करने वाली मांसपेशियॉ, लकवाग्रस्त हो जाती हैं, या कमजोर पड़ जाती हैं, इसलिए दिमाग को आवश्यक ऑक्सीजन, जिसके साथ चेतना को बनाये रखा जा सके, उपलब्ध कराने के लिए, काफी हवा अन्दर नहीं ली जाती। इसलिए उस अवस्था में, व्यक्ति अचेतन की तरफ कूद जाता है और यदि उपेक्षा की जाये, तो अंतिम रूप से, वह व्यक्ति मर जायेगा। यदि उसको बिजली के स्रोत से हटाया जा सके और उसे कृत्रिम सांस दिलायी जा सके, तो

---

25 अनुवादक की टिप्पिणी : कोन्सटेनटिनोपोल (Constantinople), जिसका वर्तमान नाम इस्तांबुल है, (330–1204, और 1261–1453) की अवधि में रोमन/वाईजेनटाइन के साम्राज्य (Roman/Byzantine Empire) और बाद में, (1453–1923) तक ओटोमेन (Ottoman) साम्राज्य की राजधानी थी। मध्य पॉचवी शताब्दी से, तेरहवीं शताब्दी के प्रारंभ तक, कोन्सटेनटिनोपोल, जो रोमन और वाइजेनटाइन समयों में ईसाइयत को फैलाने का सबसे बड़ा केन्द्र बना, यूरोप का सबसे बड़ा और धनी शहर था। कोन्सटेनटिनोपोल को अपनी गहनतम और जटिल सुरक्षा व्यवस्थाओं, जिनके कारण लगभग नौ सौ वर्षों तक यह अजेय बना रहा, के लिए जाना जाता है। शहर की पहली सुरक्षा दीवार, कोन्सटेनटाइन प्रथम (Constantine I), के द्वारा बनाई गई थी और नगर को समुद्र और भूमि दोनों ओर से घेरती थी। पॉचवी शताब्दी में थियोडोसियस द्वितीय (Theodosius II) ने दूसरी दीवार बनबाई, जो पहली दीवार से लगभग दो किलोमीटर पश्चिम की ओर है। शहर अपने वास्तुकला के भव्य भवनों, जैसे कि हाजिया सोफिया (Hagia Sophia) का ग्रीक आर्थोंडॉक्स केथेड्रल (Greek Orthodox Cathedral), के लिए भी जाना जाता है। कोन्सटेनटिनोपल विश्वविद्यालय पॉचवी शताब्दी में स्थापित किया गया था और 1204 और 1453 में डूबने से पहले तक, इसमें कलाकृतियों और साहित्य की अमूल्य निधियॉ थीं। एक बड़ी इम्पीरियल लाइब्रेरी भी थी, जिसमें एक लाख से अधिक पुरानी पुस्तकें और लाइब्रेरी ऑफ एलेक्जेंडरिया (Library of Alexandria) के अवशेष भी थे। सन् साठ में कोन्सटेनटिनोपोल में एक समागम हुआ, जिसमें पादरियों के बीच बाइबल की शिक्षाओं पर चर्चा हुई और पादरियों ने बाइबिल को अपने स्वार्थ की दृष्टि से तोड़मरोड़ कर प्रस्तुत किया। बाइबिल, जिसे हम आज जानते हैं, वह रोमन सम्राट कोन्सटेनटाइन महान, के द्वारा संकलित है। 325 ईसवी में कोन्सटेनटाइन में नीसिया काउंसिल (Nisea Council) बुलाई गई, जो ईसाई धर्म की पहली सामान्य सभा थी। कोन्सटेनटाइन ने कैनन को बनाने में कुछ नहीं किया, इसके बारे में चर्चा तक नहीं हुई और परिषद् ने इस पर निर्णय ले लिये। इसकी जानकारी द विन्सी कोड (The Vinci Code) नामक पुस्तक में विस्तार से दी गई है।

अधिकांश मामलों में, वह पुनर्जीवित हो जायेगा। मैं आपको कुछ अत्यन्त दिलचस्प चीजें बताने जा रहा था, जेल के जीवन के सम्बन्ध में सत्य चीजें, अमरीका में कुछ निश्चित दृश्य, परंतु किन्हीं कारणों से मेरे प्रकाशक ये सोचते हुए दिखाई देते हैं कि जो मैंने मूलतः लिखा, वह अमरीकी पाठकों को बड़े खतरे की सूचना देगा। अपने प्रकाशक के बचाव में, मुझे कुछ भावों को छोड़ देना पड़ा परंतु मैं आपको सुझाव दूँगा कि आप, अमरीकी जेलों के पुराने संचालकों के द्वारा लिखी गई एक या दो पुस्तकों को पढ़ें। इनमें से कुछ लोगों ने अमरीका में जेल के जीवन पर, कुछ पहलुओं के सम्बन्ध में बहुत अधिक उद्घाटन करते हुए पुस्तकें लिखी हैं और य़द्यपि, मेरे प्रकाशक, मुझे इन तथ्यों का यहाँ उल्लेख नहीं करने देंगे, तथापि, जेल के संचालकों की पुस्तकों को प्रकाशित करने वाले अमरीकी प्रकाशक, उतने अवसाद में नहीं हैं। इसलिए आप अपने सार्वजनिक पुस्तकालय में जायें और देखें कि आपको संयुक्त राज्य अमेरिका में, जेल के संचालकों द्वारा लिखे गयीं किताबों के कुछ शीर्षक मिल सकते हैं।

क्या आप जानते हैं कि गुजरे हुए दिनों में एक निश्चित कानून था कि जब किसी व्यक्ति को सूली पर लटकाया जाता है, रात गिरने पर उसकी लाश को हटा देना चाहिए? छाती पर और इसप्रकार सांस लेने वाली मांसपेशियों को एक और झटका देने, और उनपर अतिरिक्त दवाब ड़ालने के लिए, सूली पर से हटाने के पहले, लाश की टांगें तोड़नी पड़ती हैं। परंतु मैं आपको ध्यान दिला दूँ कि जीसस के मामले में, विशेष रूप से ये कहा गया था कि उसकी टांगें नहीं तोड़ी गई थीं, इसलिए यदि उसकी हड्डियाँ नहीं तोड़ी गई थीं और यदि उसे अतिरिक्त धक्का नहीं लगा, तब सम्भवतः उसके शरीर को पुनर्जीवित किया गया होगा।

जैसा मैंने ऊपर कहा, जीसस के मामले में, लाश को बिना टॉग तोड़े हुए हटाया गया था और किसी ने भी ये नहीं कहा कि शरीर लाश बन चुका था, ध्यान रखें, एक गुफा में जाने की जल्दी थी और अत्यन्त विशिष्ट, अत्यन्त उपहार युक्त आदमी और औरतों के एक समूह ने, वहाँ उसे प्राप्त किया।

आपने, ऐसैनैस (Essenes)[26] के सम्बन्ध में सुना है, आपने सुना है कि वह, अत्यधिक विद्वानों

---

26 अनुवादक की टिप्पिणी : 1946 में मृतसागर की पुरातत्वीय खोज (Dead Sea Scrolls) में, अनेक बहुमूल्य पांडुलिपियाँ पाये जाने के साथ ही, ऐसैन शब्द, दुनियाँ में प्रचलित हुआ। ऐसैन (Essenes), यहूदी धर्म के दूसरे मंदिर (second temple of Judaism) का एक पंथ है। लगभग दो हजार वर्ष पहले, पवित्र आदमियों और औरतों की बिरादरी (brorherhood of holy men and holy women), ने समाज में रहते हुए, ईसाइयत और भविष्य की पश्चिमी सभ्यता का बीजारोपण किया। ये बिरादरी, कमोवेश ऐसे लोगों को संरक्षण और प्रशिक्षण देती है, जो दुनियाँ के चेहरे और इतिहास के पथ को बदलने का इरादा रखते हैं। ईसाइयत के लगभग सभी प्रमुख संस्थापक ऐसैन थे। ऐसैन, अपने आपको, केवल इसलिए नहीं कि उनके कुछ बाहरी चिन्ह, जैसे कि त्वचा और बालों का रंग आदि, सामान्य मनुष्यों से अलग होते हैं, बल्कि इसलिए कि उनके आंतरिक जीवन की चमक, और प्रकृति के रहस्यों की उनकी जानकारी, दूसरे आदमियों की तुलना में, उनको अधिक है, भिन्न प्रकार के मनुष्य समझते हैं। वे अपने आपको, सभी मनुष्यों के केंद्रीय समूह का एक भाग समझते हैं, क्योंकि कुछ चुने हुए परीक्षणों को उत्तीर्ण कर लेने के बाद, कोई भी, उसका हिस्सा बन सकता है।

उनकी मान्यता है कि वे भगवान के पुत्रों और पुत्रियों एवं उनके उत्तराधिकारियों की महान पुरातन सभ्यता के उत्तराधिकारी हैं। वे अग्रज्ञान (advanced knowledge) रखते हैं और वे अंधकार पर, प्रकाश की विजय को देखने के लिए, मनुष्य के मन पर, गुप्त रूप से, परिश्रम के साथ कार्य करते हैं।

उनकी मान्यता है कि उन्हें, एक खास मिशन दिया गया है, जो उन्हें ईसाइयत और पश्चिमी सभ्यता का आधार बनाने में सहयोगी होगा। इसके लिये, उन्हें अपने प्रयासों में अत्यधिक उन्नत प्राणियों, जो बिरादरी को निर्देश देते हैं, का समर्थन मिलता है। वे सच्चे संत, बुद्धि के स्वामी, और प्राचीन कलाओं के सर्वोत्तम ज्ञाता होते हैं। उन्होंने पृथ्वी की बुराइयों के मूल प्रश्न को खोज लिया था।

वे किसी एक विशेष धर्म तक सीमित न रह कर, महान वैज्ञानिक सिद्धान्तों को निकालने के लिए, सभी धर्मों का अध्ययन करते हैं। वे हर धर्म को, एकल प्रगटन (single revelation) की भिन्न स्थिति मानते हैं। वे जोरोस्टस (Zoroaster) के प्राचीन चाल्डियनों (ancient Chaldeans), हरमैश ट्रिसमैजिस्टे (Hermes Trismegiste) की शिक्षाओं, मोसेस (Moses) के गुप्त निर्देशों और अपने क्रम के संस्थापक गुरुओं में से एक, जिन्होंने बौद्धमत जैसी तकनीकों को उन्हें बताया है, को महत्व देते हैं, साथ ही वे ईनोच (Enoch), के महत्व का भी, समर्थन करते हैं।

वे इन सभी प्रगटनों के सजीव विज्ञान को धारण करते हैं। इसलिए वे परी जैसे प्राणियों के साथ, संवाद करना जानते हैं।

अपनी आत्माओं की शुद्धता को बचाये रखना और अपने आपको बुरी आत्माओं के संपर्क मे आने से बचाना, उनके पूर्वाग्रहों में से सबसे बड़ा था। वे जानते हैं कि वे पृथ्वी पर बहुत थोड़े समय के लिए हैं, और वे अपनी शाश्वत आत्माओं को दुराचारी नहीं बनाना चाहते। उनका ये रवैया, कठोर अनुशासन, और झूठ बोलने या समझौता करने की पूरी तरह मनाही, वे मूल्य हैं, जिसने उन्हें लंबे युगों तक मुकाबला करने योग्य बनाये रखा।

ऐसेन, अपने आपको दैवीय शिक्षाओं का संरक्षक मानते हैं, पुरानी हस्तलिपियों, जो समय के युग के भोर तक पीछे जाती हैं, की बहुत बड़ी संख्या उनके पास है। इस परंपरा के अधिकांश सदस्यों का अधिकांश समय, उनको विकूटित (decode) करने और उनका अनेक भाषाओं में

का एक विशेष समूह था, जिनके पास, गली में चलने वाले सामान्य, औसत आदमी की तुलना में, समझ के परे,प्रशिक्षण और कौशल था।

उनके पास, जीवन और मृत्यु का बहुत ऊँचा, असाधारण ज्ञान था, वे जानते थे कि कौन से रसायनों का उपयोग करना है, वे जानते थे कि लाशों को कैसे पुनर्जीवित किया जाये। इसलिए सूली पर चढ़ाये हुए व्यक्ति को, गुफा में, अत्यन्त तेजी के साथ, कड़वे, कसैले सुगन्धित पदार्थ दिये गये और उसको रसायनों की सुईयॉ लगाई गईं, और अंततः, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, लाश चाहे वह जीसस की हो, या जीसस के भाई या किसी दूसरे की, पुनर्जीवित हो गई।

आपके विचारों को ताजा करने के लिए, थोड़ा आगे लेजारस (Lazarus)[27] के प्रकरण का स्मरण करें। ऐसा कहा जाता है, लेजारस को मृत्यु से पुनर्जीवित किया गया था, क्या उसे नहीं किया गया था? अब, एक निश्चित सूचना है। एक सूचना ये भी है कि जीसस ने उसे पुनर्जीवित किया। जीसस ऐसैनैस का एक सदस्य था, इसलिए इस बात की अधिक सम्भावना है कि जीसस, एक ''श्वेत जादूगर'' के पास, कुछ जड़ीबूटियॉ या शक्तियॉ हों, जिनसे वह चमत्कार दिखने वाली इन घटनाओं को प्राप्त कर सका, और ऐसा ही चमत्कार, लेजारस के ऊपर भी किया गया, जो हो सकता है, अच्छी अवस्था में रहा हो। कुल मिलाकर, एक सम्भावना है कि, ये मधुमेह की बेहोशी (diabetic coma) भी हो सकती थी। मुझे आपको कुछ चीज कहने दें; मैं मधुमेह से पीड़ित हूँ, मैं मधुमेह की अचेतन अवस्थाओं में रह चुका हूँ और ऐसी अवस्था में, कुछ निश्चित परिस्थितियों में, किसी भी आदमी को, आसानी से मरा हुआ समझा जा सकता है।

दूसरे प्रकार की शिकायत, जो कि मृत्यु को उत्तेजित करती है, मिर्गी के दौरे (catalepsy) की शिकायत है। उससे पीड़ित हुए अनेक लोग, वास्तव में, जिंदा दफन कर दिये हैं, क्योंकि मिर्गी का एक सच्चा मरीज, एक को छोड़कर सभी जॉचों से गुजर सकता है; वह कोई अनुक्रिया (response) नहीं देता, उसकी कोई अनैच्छिक क्रियायें (reflexes) नहीं होतीं, और उसके ओठों के पास लाये गये दर्पण पर धुंध (fog) जमा नहीं होती। वहॉ, मिर्गी के मरीज के सम्बन्ध में, केवल एक ही अचूक परीक्षा है, लाश की विखंडन (decay) की परीक्षा। यदि कोई शरीर मरता है, तो उसका विखंडन (सड़ना) प्रारम्भ हो जाता है, और एक निश्चित समय के बाद, किसी की ऑखें और किसी की नाक, पूरी तरह से

अनुवाद करने और उन्हें प्रस्तुत करने में जाता है। इस अग्रज्ञान को संजोकर रखने को वे पवित्र कार्य मानते हैं।

ऐसेन, अपनी बिरादरी (brotherhood) और बहनापे (sisterhood) को भगवान के पुत्र और पुत्रियों की शिक्षाओं की उपस्थिति के रूप में मानते है वे उस प्रकाश के रूप में है, जो अंधकार में चमकता है और जो अंधकार को प्रकाश के रूप में बदलने के लिए आमंत्रित करता है। इसलिए, जब कोई प्रत्याशी उनकी परंपरा में शामिल होना चाहता है, उनके लिए, इसका अर्थ है कि उसकी अंतरात्मा में, आत्मा के जागरण का पूरा प्रक्रम प्रारंभ हो गया है और ऐसी कोई आत्मा मानवता के मंदिर पर, पवित्र सीढ़ियॉ चढ़ने के लिए तैयार है। ऐसेन, सभी आत्माओं को, सोती हुई (sleeping), झपकती हुई (drowsy), और जाग्रत (awakened) तीन श्रेणियों में विभाजित करते हैं। उनका काम सोती हुई आत्माओं को सहायता देना, आराम देना, और झपकती हुई आत्माओं को जगाने का प्रयास करना और जगी हुई आत्माओं का स्वागत करने और उनका पथ प्रदर्शन करने का होता है। केवल उन्हीं आत्माओं पर, जो जगी हुई हैं, भाईचारे और बहनापे में दीक्षित करने के लिए विचार किया जाता है। वे उनके लिए उन्नयन पाठ, जो उनके पुर्नजन्म के चक्रों से, किसी भी प्रकार रोका नहीं जा सकता, प्रारंभ करते हैं।

हिब्रू लोग, सफेद भाई और बहनों (brothers and sisters in white) को भविष्यवक्ताओं की परंपरा, और मिस्री लोग उन्हें स्वस्थ करने वाले डॉक्टर (healer) समझते हैं। येरूशलम (Jerusalem), जहॉ 'ऐसेन का दरवाजा' नाम का इनका एक दरवाजा है। कुल मिलाकर लोग, ऐसेनों की ईमानदारी, शांति, अच्छाई, और उनके विवेक और प्रतिभा के लिए, जो स्वास्थ्यकारक के रूप में, सभी को उपलब्ध होती है, के प्रति आदर और श्रद्धा रखते हैं। वे जानते हैं कि महानतम हिब्रू भविष्यवक्ता, उनकी परंपरा से आये थे।

इसके अतिरिक्त, यद्यपि भाईचारा, अपनी आंतरिक शिक्षाओं के संबंध में गोपनीयता के नियम के लिए बहुत कठोर है, तथापि इसने लोगों के साथ संपर्क करने के अनेक तरीके, उल्लेखनीय रूप से, सभी क्षितिजों से तीर्थयात्रियों के निवास स्थान के रूप में, विपरीत परिस्थितियों में सहायता के कार्यो से और विशेष रूप से बीमारियों के इलाज से, विकसित किये हैं। ये स्थान, प्राथमिक शिक्षा और इलाज के ऐसे स्थानों में हैं, जहॉ लोग आसानी से जा सकते हैं।

27 अनुवादक की टिप्पिणी : लैजारस कोई विशेष व्यक्ति नहीं है। इस्लाम में इस नाम वाले अनेक व्यक्ति हैं, जिनमें से एक लैजारस (Lazarus), मैरी (Marry) और मार्था (Martha) का भाई था, जो न्यूटेस्टामेंट गास्पेल ऑफ जॉन (New Testsment Gospel of John) के अनुसार, चार दिन तक कब्र में रहने के बाद, जीसस के द्वारा पुर्नजीवित किया गया था। एक और लैजारस भिखारी था, जिसका उल्लेख, 'न्यू टेस्टामेंट गास्पेल ऑफ ल्यूक' से संबंधित, जीसस क्राइस्ट (Jesus Christ) के दृष्टांत में किया गया है।

आश्वस्त करती है कि वास्तव में, शरीर मर चुका है, परंतु मिर्गी के किसी प्रकरण में ऐसा नहीं होता। इसलिए लेजारस, सम्भवतः, मिर्गी की बेहोशी की अवस्था या मिर्गी के दौरे में हो सकता था और जीसस ने, ऐसैनैस का सदस्य होने के नाते, हालत को महसूस किया और वह इलाज करने की योग्यता रखता था। यदि हम किसी चीज की तकनीक को नहीं जानते हैं, तो ये हमारे लिए चमत्कार बन जाता है, क्या ये विशेषरूप से नहीं होता, यदि ये हमारे अपने विचारों के अनुसार, स्थापित नियमों, या विश्वास या ज्ञान के विरुद्ध होता हो।

ठीक है, केवल याद रखें कि बाइबिल में कुछ निश्चित संख्या में पुस्तकें हैं, परंतु अनेक अनेक अधिक पुस्तकें हैं, जो बाइबिल में शामिल करने से हटा देनी पड़ीं।'' बाइबिल, वास्तव में, पुस्तकों का एक संकलन मात्र है, जैसा कि इस शब्द का आशय है।

दूसरे अनेक ''ईसाचरित (gospels)'' बाहर छोड़ देने पड़े क्योंकि वे कुछ साक्ष्यों, जो प्रकाशित हुए थे, का खंडन करते थे। इस पर विचार करें; ये कहीं नहीं कहा गया है कि बाइबिल सत्य है। इसके बदले में आपको एक कथन मिलता है, ''ईसाचरित, किसी संत के अनुसार।'' दूसरे शब्दों में, हमको स्पष्ट चेतावनी मिल रही है कि, आवश्यकरूप से ये पुस्तक सत्य नहीं है, बदले में, ये एक पुस्तक है, जो किसी निश्चित व्यक्ति के शब्दों के अनुसार प्रतिवेदित की गई (reported) है। ये बहुत कुछ वैसा ही है, जैसे ये कहना कि ''ठीक है, जैसा उसका विचार था, वैसा उसने मुझे बताया।'' ये यह नहीं कह रही है कि आप इसे एक निश्चित तथ्य के रूप में जानते हैं। बदले में, वकीलों की भाषा में, इसे सुने–सुनाये (hearsay) प्रमाण के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है, कोई ऐसी चीज नहीं, जो आपको कहे हुए सत्य, बदले न जा सकने वाले सत्य, के रूप में दी गई हो, परंतु किसी दूसरे व्यक्ति के कथन के अनुसार।

यदि आप, भोजपत्रों पर लिखी (Papyri), या शिलालेखन (stone writings) वाली दूसरी पुरानी पुस्तकों को पकड़ सकें, आप पायेंगे कि उसमें सत्यतापूर्वक उल्लेखनीय विचलन (divergences) हैं। क्या आप जानते हैं, कुछ पुस्तकें कहती हैं कि जॉन (John) कभी जीवित नहीं था ? कुछ लोग कहते हैं कि जॉन, मात्र, इंग्लैण्ड में जॉन बुल (John Bull)[28] अथवा अमरीका में जी. आई. जो (G.I. Jo)[29] जैसा, एक सांकेतिक, मिथिकीय आकृति थी अथवा ये क्या है? किलरॉय यहॉं था (Kilroy was here)[30]।

---

28 अनुवादक की टिप्पिणी : सामान्यतः जॉन बुल (John Bull), इंग्लैंड के साम्राज्य और विशेष रूप से इंगलैंड, का खासतौर से राजनैतिक कार्टूनों में, राष्ट्रीय व्यक्तिकरण (personification) है। सामान्यतः, यह एक मोटे, मध्य आयु वाले, ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले, प्रसन्नचित्त, व्यवहार कुशल आदमी के रूप में चित्रित किया जाता है। ये ''गुलीवर की यात्रायें (Gulliver's Travels)" नामक कथानक के लेखक, जोनाथन स्विफ्ट (Jonathan Swift) के एक मित्र, डॉक्टर जॉन आरबूथनॉट (John Arbuthnot) और व्यंग्यकार एलेक्जेंडर पॉप (Alexander Pope) के द्वारा 1712 में, द्वारा सृजित किया गया था। साहित्य में जॉन बुल को, अंकल सैम के विपरीत, जो अधिकार और धौंस बताते हैं, और घरेलू शांति, तथा बियर पसंद करते हैं, एक सदाशयी, अवसादग्रस्त, सामान्य ज्ञान से भरपूर, और एकदम ग्रामीण परिवेश का माना जाता है।

29 अनुवादक की टिप्पिणी : जी . आई. जो (G. I. Joe), खिलौने बनाने वाली अमरीकन कंपनी, हासब्रो (Hasbro), के स्वामित्व वाली सक्रिय आकृतियों की एक श्रृंखला है। प्रारम्भ में यह अमरीकी सेना के चार भागों, अमरीकी थलसेना (U.S. Army), अमरीकी नौसेना (U.S. Navy), अमरीकी वायुसेना (U.S. Airforce) तथा अमरीकी पनडुब्बी टुकड़ी (U.S. Marine corps) के सक्रिय सैनिकों को प्रदर्शित करता था। जी. आई. जो, एक ट्रेडमार्क है, जो वर्तमान में हासब्रो कंपनी के द्वारा, युद्धकला, हथियार, और विस्फोटकों से सम्बन्धित खिलौनों की विभिन्न श्रृंखलओं के लिये उपयोग में लाया जाता है। ये खिलौने 4" आकार से लगाकर 12" आकार तक के होते हैं।

30 अनुवादक की टिप्पिणी : ऑक्सफोर्ड इंगलिश डिक्शनरी के अनुसार, किलरॉय एक मिथिकीय नाम है। 'किलरॉय यहॉं था', (Kilroy was here), एक प्रचलित सांस्कृतिक अभिव्यंजना है, जो द्वितीय विश्वयुद्ध के मध्य लोकप्रिय हुई। इसका संकेतक है, विशेष प्रकार की नाक के साथ, एक गंजे या बहुत कम बालों वाला दीवार से झांकता हुआ आदमी, जिसके दोनों हाथ, दीवार को जकड़े हुए हैं। बाद में, 1940 के दशक में, ये जी आई जो (G. I. Joe), के साथ में संबंधित हो गया। ऑस्ट्रियन भाषा में, किलरॉय के बदले में फू शब्द, जो प्रथम विश्वयुद्ध की अवधि में प्रचलित हुआ और स्कूली बच्चों के बीच काफी प्रसिद्ध हुआ, का उपयोग किया जाता है। ये वाक्यांश, अमेरिका के नौकरीपेशा लोगों के बीच, जो किलरॉय की आकृति दीवारों पर बना देते थे और शब्दों में लिख देते थे कि किलरॉय यहॉं था, काफी प्रचलित हुआ। इंग्लैंड में ये हवाई यातायात में काफी प्रचलित था। एक कहानी के अनुसार, ये सूचित किया गया कि ये वाक्यांश, द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान, जब्त किये गये अमेरिकी उपकरणों पर लिखा रहता था। इससे जर्मनी के तानाशाह एडॉल्फ हिटलर (Adolf Hitler) को ये विश्वास हो गया था कि शायद, ये मित्र राष्ट्रों के किसी उच्चस्तरीय जासूस का नाम या कूटनाम हो सकता था। 1954 में ये अफवाह फैली कि अतिविशिष्ट लोगों के स्नानगृहों में, उन्हें ये भड़काते हुए कि किलरॉय कौन था, 'किलरॉय यहॉं था' लिखा गया था।

यदि आप सूक्ष्मशरीर से यात्रायें करेंगे, जैसा कि मैं आपको सुझाव देता हूँ, तो आपको, इन चीजों का, अपने आप पता करने में, अधिक मुश्किल नहीं आयेगी क्योंकि अभी भी, दो या तीन हजार साल या और अधिक लम्बे समय पीछे तक जाते हुए दस्तावेज, काफी संख्या में हैं, जो कि भौतिक मनुष्यों द्वारा, अभी तक खोजे नहीं गये हैं। परंतु, सूक्ष्मशरीर से आदमी और सूक्ष्मशरीर से औरतें भी, इन चीजों को पा सकती हैं और पढ़ सकतीं हैं। ये एक महान लाभ है क्योंकि इन भोजपत्रों में से अनेक समय के साथ चिपक गये है, और यदि आपने उन्हें खोलने का प्रयास किया, तब भौतिक अवस्था में वे चिन्नी चिन्नी होने तक, फट सकते है परंतु सूक्ष्मशरीरी यात्रा में आप, बिना उनकी भौतिक संरचनाओं को बिगाड़े हुए, उनको परत दर परत, पढ़ सकते हैं।

यदि आप इसको समझना मुश्किल पायें, तो कहीं से एक सूक्ष्मदर्शी प्राप्त करें और एक बेकार से पत्थर के टुकड़े पर देखें। आप अपने सूक्ष्मदर्शी को सावधानी के साथ फोकस कर सकते है और आप पत्थर की विभिन्न परतों को सूक्ष्मदर्शी के फोकस में आते हुए, पर्याप्त स्पर्श करते हुए और तब दूसरे फोकस के लिए जगह बनाने के लिए, गायब होते हुए देख सकते हैं। कोई भी, इसे सूक्ष्मदर्शी के साथ समझा सकता है।

मेरी पत्नी ने अभी इसे पढ़ा और उसने एक मूल्यवान सुझाव दिया है। उसने कहा, ''उन्हें ये क्यों नहीं बताते कि कुछ लोग विश्वास करते है कि शेरलॉक होम्स (Sherlock Holmes)[31] एक जीवित व्यक्ति था?'' ठीक है, ये एक अच्छा बिन्दु है, एक अच्छा बिन्दु, क्योंकि शेरलॉक होम्स को जीवित व्यक्ति मान लिया गया है और लोग उसे अभी भी (पत्र) लिखते हैं। मैं समझता हूँ कि पत्र कोनन डोयले (Conan Doyle) की रियासत को जाते होंगे, परंतु शेरलॉक होम्स, कोलन डोयले की कल्पना की एक मनगढ़ंत कहानी थी। हम जानते हैं कि शेरलॉक होम्स जैसा कोई अस्तित्व नहीं था, परंतु लोकप्रिय, कल्पना ने उस काल्पनिक अस्तित्व को अस्तित्व के वस्त्र पहना दिये, मेरा विश्वास है, वास्तव में, इंग्लैंड में, एक क्लब, शेरलॉक होम्स के मिथक या जनश्रुति की यादगार को स्थाई बनाने के लिए समर्पित है।

ठीक है, मैंने इन अनखोजी हस्तलिपियों में से कुछ को पाने के लिए उपयोग करने इत्यादि के लिये, सूक्ष्मलोक की यात्रा का उल्लेख किया है। पिछले बीस सालों में, काफी संख्या में, लोगों ने मुझे लिखा है और बताया है कि वे सूक्ष्मशरीरी यात्रा कर सकते है, वे यथार्थता, जिसके संबंध में, मैं लिखता रहा हूँ, का अनुभव कर सकते हैं। वे मुझे बताते है कि प्रथम प्रारंभिक संघर्ष के बाद उन्होंने ''टूटफूट से

---

31 अनुवादक की टिप्पिणी : शेरलॉक होम्स (Sherlock Holmes), 19वीं सदी के उत्तरार्द्ध और 20वीं सदी के पूर्वार्द्ध का एक काल्पनिक चरित्र है, जो पहली बार 1887 में प्रकाशन में उभरा। वह ब्रिटिश लेखक और चिकित्सक, सर आर्थर कॉनन डॉयल (Sir Arthur Conan Doyle) की उपज है। 'उसकी अंतिम प्रतिज्ञा (His Last Bow)' नामक कहानी में होम्स का जन्म 1884 के लगभग प्रतीत होता है। होम्स के परिवार के सम्बन्ध में काफी कम लिखा गया है, यहाँ तक कि उसके भाई बहनों के सम्बंध में भी कोई जानकारी नहीं मिलती। होम्स को प्रभावित करने वाली एकमात्र महिला इरेनी एडलर (Sherlock Holmes) थी, जिसे होम्स ने हमेशा 'वह औरत' कह कर सम्बोधित किया है। लंदन का एक प्रतिभावान 'परामर्शदाता जासूस,'' होम्स, अपनी बौद्धिक कुशलता और मुश्किल मामलों को सुलझाने के लिए अपने चतुर अवलोकन, अनुमति तर्क और निर्ष्कष के कुशल उपयोग के लिए प्रसिद्ध है। होम्स ने, आदतों और जीवन शैली के मामले में स्वयं को सनकी और फक्कड़ बताया है। होम्स को एक देशभक्त, जो कई कहानियों में राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में सरकार की ओर से काम करता है, के रूप में चित्रित किया गया है। यद्यपि होम्स के आचरण को तटस्थ और शान्त प्रस्तुत किया गया है, तथापि उसका अभिमान, कई बार अहंकार का रूप भी ले लेता है। एक सज्जन व्यक्ति के रूप में होम्स अक्सर एक छड़ी या बेंत ले कर चलता है और अपने साथ एक पिस्तौल रखता है।

कोनन डॉयल ने चार उपन्यास और छप्पन लघु कथाऐं, जिनमें होम्स को चित्रित किया गया है, लिखी हैं। पहली दो कथाऐं (लघु उपन्यास) क्रमशः 1887 में 'ब्रिटन्स क्रिसमस ऐनुअल (Britons Christmas annual)' और 1890 में 'लिपिनकॉट्स (Sherlock Holmes)' नामक मासिक पत्रिकाओं में प्रकाशित हुईं। 1891 में 'द स्ट्रैंड' पत्रिका में छोटी कहानियों की पहली श्रंखला की शुरूआत के साथ ही, चरित्र की लोकप्रियता में अत्यधिक वृद्धि हुई। बाद में 1927 तक लघु कथाओं की श्रंखला और दो धारावाहिक उपन्यास प्रकाशित हुए। कथाऐं लगभग 1875 से 1914 तक की अवधि को आवृत करती हैं। जिसमें अंतिम मामला 1914 का है।

1934 में लंदन की शेरलॉक होम्स सोसाइटी (Sherlock Holmes Society) और न्यूयार्क की बेकर स्ट्रीट इर्रेगुलर्स (Baker Street Irregulars) की स्थापना की गई, जो अभी भी सक्रिय हैं। 1951 में ब्रिटेन महोत्सव के दौरान मूल सामिग्रियों के अद्वितीय संग्रह को प्रदर्शित करते हुए, शेरलॉक होम्स की बैठक को शेरलॉक होम्स प्रदर्शनी की सर्वश्रेष्ठ रचना के रूप में पुनर्निमित किया गया। 1990 में शेरलॉक होम्स संग्रहालय (Sherlock Holmes Museum), लंदन के बेकर स्ट्रीट में खोला गया, जो काल्पनिक शेरलॉक होम्स चरित्र को समर्पित विश्व का प्रथम संग्रहालय था।

मुक्त'' अनुभव किया और वे अपनी इच्छानुसार यात्रा कर सकते हैं।

दुर्भाग्यवश, अनेक लोगों ने मुझे जालसाज इत्यादि, बताते हुए, और सब प्रकार की चीजें कहते हुए, जिसके सम्बंध मैं विश्वस्त हूँ कि वे खेद प्रकट करेंगे, क्योंकि वे व्यक्तिगत रूप से यात्रा नहीं कर सके, लिखा है। मैं केवल यही कल्पना कर सकता हूँ कि यदि एक व्यक्ति का रवैया गलत है, यदि एक व्यक्ति गलत रास्ता लेता है और संदेह या डर रखता है, तब सूक्ष्मयात्रा करना सरल नहीं है। मेरे लिए और हजारों–हजार दूसरों के लिए, कोई समस्या नहीं है, या मानो कि एकमात्र समस्या है कि दूसरों को कैसे बताया जाये कि ये कितना सरल है।

अब हम इस सूक्ष्मशरीर से यात्रा जैसी बात पर फिर से एक नजर ड़ालें, क्या हम ड़ालेंगे? आप सूक्ष्मशरीर से यात्रा करना चाहते हैं; सबसे पहले, क्या आप सूक्ष्मशरीर की यात्रा में विश्वास रखते हैं? क्या आप मानते हैं कि, सूक्ष्मलोक की यात्रा जैसी, कोई चीज है, जो आप कर सकते हैं, यदि अमुक अमुक अवस्थायें मिल जायें? यदि आपका उत्तर ''नहीं'' है, तब बिल्कुल आगे न बढ़ें, क्योंकि जबतक कि आप पूरी तरह से इसके अस्तित्व को मान न लें, आप सूक्ष्मशरीर से यात्रा करने में सफल नहीं होंगे। आपको, अपने अवचेतन को मनवाना पड़ेगा क्योंकि मेरे विचार के अनुसार, अवचेतन और सूक्ष्म शरीर, करीब–करीब, हीलियम से भरे हुए गुब्बारे को पकड़े हुए, एक लड़के के समान हैं; जहॉ तक लड़का गुब्बारे को पकड़े रहता है, शाब्दिक रूप से, ये पूरी तरह से उसके शरीर से जुड़ा हुआ है, परंतु यदि बच्चे को, डोरी को जाने देने के लिए, प्रेरित किया जा सके तो गुब्बारा ऊपर की तरफ को तैरेगा। सूक्ष्मशरीरीय अवस्थायें भी इसके समान हैं, इसलिए सबसे पहले आपको विश्वास करना चाहिए कि सूक्ष्मशरीरीय यात्रा सम्भव है। दूसरी बात, आपको विश्वास होना चाहिए कि आप सूक्ष्मशरीर से यात्रा कर सकते हैं।

सूक्ष्मशरीरी यात्रा के दौरान, किसी भी अस्तित्व या किसी भी अन्य चीज के लिए, जबतक कि आप डरे हुए नहीं हैं, आपको नुकसान पहुँचाना, पूरी तरह असम्भव है। अब, यदि आप सोचते हैं कि ये आश्चर्यजनक है, केवल इस पर विचार करें; यदि आप सुखपूर्वक पीठ के सहारे बैठें, और आप किसी काल्पनिक बीमारी को सोंचे और उन सभी दर्द और परेशानियों को सोचें, जो कि ऐसी बीमारी आपको पैदा कर सकती है। तब आप सोचें कि आपको ये हो सकती है, इसलिए आपका हृदय धकड़ना शुरू कर देता है और आप थोड़े परेशान हो सकते हैं। तब आप सुनिश्चित हैं कि आपके साथ कुछ चीज गलत है और आपका दिल और जोर से धड़कता है और शीघ्र ही, आपके दिल के दौड़ने के कारण, आपको गैस की अवस्था प्राप्त हो जायेगी, आप चिड़चिड़ापन या ऐसी ही कोई दूसरी चीज अनुभव करेंगे। इसलिए यदि आपका विश्वास है कि आपको कुछ बीमारी है, जो शायद लाइलाज है, तो आपके लिए, स्वयं को निश्चितरूप से बीमार बनाना, पूरी तरह सम्भव है। इसी तरीके से, यदि आप सूक्ष्मशरीर से यात्रा का, उसे ये सुनिश्चित अनुभव करते हुए कि, शैतान बाहर उछलने जा रहा है, प्रयास करते हैं और अपनी पूंछ के पंखों को या कुछ चीज खींच लेते हैं, तब आप सूक्ष्मशरीरी यात्रा करने से डरे हुए होंगे, और उस मामले में, तब इसका प्रयास करना समय गंवाने जैसा है। इसलिए एक तीसरी अवस्था ये है कि आपको सूक्ष्मशरीरी यात्रा का डर नहीं होना चाहिए। डर, निश्चित रूप से आपको अपने शरीर से बाहर आने से रोकेगा।

यद्यपि, मानते हुए कि आप सूक्ष्मशरीरी यात्राओं के तथ्य से सहमत हैं, और मानते हुए कि आप सहमत हैं कि आप इसे करना चाहते हैं, और ये निश्चित होते हुए कि आपको कोई डर नहीं है, तब वास्तव में, इसमें कोई अवरोध नहीं होना चाहिए, जबतक कि आप सूक्ष्मशरीरी यात्रा, बुरे उद्देश्य लिए न करते हों। उदाहरण के लिए, और ये सत्य है, कि मेरे पास इस तरह के लिखने वाले अनेक लोग हैं, मुझे ये बताते हुए कि वे सूक्ष्मशरीरी यात्रा करना चाहते हैं ताकि, वे लड़कियों को, कपड़े उतारते हुए और आदि आदि, देख सकें। मेरे पास एक व्यक्ति है, जिसने मुझे लिखा और बताया कि वह सूक्ष्म

शरीरी यात्रा करना चाहता है ताकि, वह आश्वासित हो सके कि उसकी लड़की, उसके साथ शादी करने से पहले, कुमारी थी! मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ, कि ये परम सत्य है, और ये इसे सुनिश्चित करने का अच्छा तरीका है कि आप सूक्ष्मशरीरी यात्रायें बिल्कुल भी न करें।

परंतु ये मानते हुए कि आप इन हालातों को संतुष्ट करने में सक्षम हैं, आप सूक्ष्मलोक की यात्रा में विश्वास रखते हैं, आप विश्वास करते हैं कि, थोड़ी सी सहायता दिये जाने के बाद, आप आसानी से यात्रा कर सकते हैं, आपको कोई भय नहीं है और इस क्षमता का किसी प्रकार से गलत उपयोग करने का, आप का कोई बुरा इरादा नहीं है। तब आप कहीं, जहॉ बहुत अधिक रोशनी न हो और बहुत अधिक अंधेरा न हो, ये ठीक सामान्य होना चाहिए, बैठ जायें ताकि आप पूरी तरह से आराम में हों, इतने आराम में कि आपको ये भी ध्यान न रहे कि आप बैठे हुए या लेटे हुए हैं और वहॉ, आपको चुभते हुए, कोई तीखे उभार न हों। और तब आप, निश्चितरूप से, स्वयं को शरीर में से बाहर आते हुए देखेंगे। नियमित, लम्बी और लयबद्ध सांसें लें और तब अपनी ऑखों को (जो बंद हैं), लुढ़कने दें ताकि, आप, प्रभावी रूप में, अपने बालों की मांग (hairline) के आसपास, कहीं एक बिन्दु पर टकटकी लगाते हुए हों, यदि आप गंजे हैं, तो आप ये कल्पना करें कि आपकी मांग वहॉ होती!

तब, आपकी ऑखें, कुछ हद तक, थोड़ी सी भेंगी (squint) हो रही होंगी ताकि उनका फोकस जैसा मैं कह चुका हूँ, मांग के आसपास, केन्द्रीयकृत हो जाता है। मात्र, चीजों को आसानी से लें, भागदौड़ करने का कोई कारण नहीं है, बिल्कुल कोई कारण नहीं, चीजों को अपनी खुद की चाल पर चलने दें। तब तीन में से कोई एक चीज होगी। आप पा सकते हैं कि आपको अचानक एक झटका लगा। यदि आपको झटका लगता है, तब आप सीधे, शरीर में वापस आ सकते हैं क्योंकि, इसका अर्थ है कि आप शरीर के बाहर गये और आपको डर लगा। डर ने आपको फिर से, ठीक वापस भेज दिया। यहॉ इसके सम्बन्ध में चिंता करने के लिये कुछ भी नहीं है : आप यदि चाहें, आह के साथ झुंझलाहट कर सकते हैं और फिर से दुबारा शुरू करें।

दूसरी चीज, जो आपको हो सकती है वह ये है कि आप एक बहुत, बहुत हल्के से कुंऐ को अनुभव कर सकते हैं, मैं केवल यही कह सकता हूँ कि सुन्नता, पैरों पर शुरू होती है और ऊपर की तरफ फैलती जाती है। ये पूरी तरह से सुन्नता नहीं है, वास्तव में ये अवर्णनीय है, जबतक कि वास्तव में, ये आपको होती नहीं है। आप सुन्न हो सकते हैं, ये थोड़ी खुजलाहट हो सकती है। परंतु कैसे भी, ये कुछ कुछ अलग है, आपको इसको अनदेखा करने का प्रयास करना चाहिए। कैसे भी, ये पूरी तरह से सामान्य है। कुछ लोग, इसके बाद पाते हैं कि वे लगभग एक धनुस्तम्भ की अवस्था (Cateleptic state) में हैं, उनकी मांसपेशियॉ अकड़ जाती हैं, वे चलने के योग्य नहीं होंगे। ठीक तरह से सावधान रहें, कुछ भी हो आप भगदड़ न करें, और ये एक बहुत बहुत अच्छा संकेत होगा क्योंकि आपकी ऑखें बंद हैं, याद रखें, और फिर भी, यहॉ इस अवस्था में आप पायेंगे कि आप अपनी पलकों के बाहर देखने के लिए समर्थ हैं, परंतु हर चीज, आपको सुनहरे रंग की सी दिखेगी और तब, जब आप उस चरण में पहुॅच चुके हैं, आप हिलने का सा संज्ञान पायेंगे और आप सीधे सूक्ष्मलोक में बाहर निकल जायेंगे और आप उन चीजों को चमकदार और अधिक जीवन्त और रंगों की अधिक श्रृंखला के साथ देखेंगे, जो आपने सम्भवतः कभी ही सोची होंगी।

तीसरी अवस्था में, जब आपने विश्राम किया है, आप, सम्भवतः थोड़ा हिलना–डुलना पायेंगे। आप एक सनसनी अनुभव करेंगे कि आप एक सुरंग में होकर, सुरंग के दूसरी ओर, काफी दूर, किनारे के अंत पर, प्रकाश की ओर जा रहे हैं। आप भटकटैया (thristledown) के एक अंश की तरह से, एक शाम की ठण्डी हवा में, ऊपर की ओर तैर रहे होंगे। शांत बने रहें, ये सब अच्छे के लिए है, क्योंकि शीघ्र ही आप पायेंगे कि रोशनी बड़ी, और बड़ी, हो रही है और तब आप इस सुरंग के बाहर तैर जायेंगे और अपने स्वयं को काफी दूर पर, बड़े प्रकाश में पायेंगे। आप पायेंगे कि आप वास्तव में, किसी

सूक्ष्मलोक में है। आसपास की घास, अधिक गहरी हरी होगी, जितनी आपने कभी सोची होगी, उससे भी अधिक गहरी हरी, और आसपास का पानी और शायद झील या नदी, इतनी साफ होगी कि आप उसमें से तली को देखने में समर्थ होंगे। ये आश्चर्यजनक अहसास, एक आश्चर्यजनक अनुभव है और यदि आप, किसी निश्चित स्थान पर जाने की सोचते हैं, तो वह एक प्रकार का ''पलक झपकना'' होगा और आप उस स्थान पर पहुॅंच जायेंगे। उदाहरण के लिए, मान लो, आप सूक्ष्मलोक में जा चुके हैं और कुछ समय के लिए, जमीन के ऊपर, ठीक अपने ऊपर, देखते हुए, अवस्थाओं पर आश्चर्य करते हुए, आश्चर्य करते हुए कि आगे क्या होने वाला है, कुछ इंच तैरते हैं। आप सूक्ष्मलोक में कुछ खोजना चाहेंगे, जहॉं हर चीज चटकदार है, जहॉं रंग अधिक चटकदार हैं, जहॉं हवा में गुदगुदी करने वाली फुलझड़ियॉं हैं। ठीक है, ऐसा करें। ये निश्चित रूप से, आपको पुनः शक्ति देगी। ये आपकी मनोशक्ति को अत्यधिक रूप से बढ़ायेगी। इसे करना बहुत अधिक अच्छा और कुछ आध्यात्मिक पोषण है। यदि आप ऐसा करते हैं, तो आप पायेंगे कि आपको, किसी भी दूसरे मौके पर, सूक्ष्मलोक में जाने में, किसी भी प्रकार से कोई कठिनाई नहीं होगी परंतु यदि आप किसी सांसारिक उद्देश्य के लिए, कहीं दौड़ना चाहते हैं, तब आपको थोड़े से झटके मिलेंगे।

मान लीजिये, आप, एक्स वाय (XY) से मिलने और यह देखने के लिए कि वह क्या कर रहा है, जाना चाहते हैं; तुरंत ही आप उसके सम्बन्ध में सोचते हैं और उसकी स्थिति (location) को सोचते हैं, वहॉं पहुॅंच जाते हैं, परंतु आपने सूक्ष्मलोक के उस चटकदार आसपड़ौस और स्वस्थ वातावरण को छोड़ दिया, बदले में आप सूक्ष्मशरीरी अवस्था में रहते हुए, ये मानते हुए, चीजों को अब भी वैसे ही देखते हुए, जैसे कि लोग उन्हें पृथ्वी पर, देखते हैं, उदास रंग, उदास लोग, दलदलयुक्त पानी, फिर से पृथ्वी पर वापस आते हैं, और यदि आपका मित्र एक्स वाय (XY), व्यापारिक मनःस्थिति में है, तो आप पायेंगे कि उसके भी रंग अत्यन्त मंद हैं, और आप उसे थोड़ा सा भी पसंद नहीं करेंगे।

मेरी निश्चित सिफारिश ये है कि वे, जो सूक्ष्मलोक में जाते हैं, उन्हें उसके प्रति अभ्यस्त होने के लिए, उस लोक में, शायद, आधे घंटे के लिए रुकना चाहिए क्योंकि, वे इस से, दूसरे मौकों पर सूक्ष्मशरीर में प्रवेश करना, अत्यधिक आसान पायेंगे।

अधिकांश लोगों के साथ, बड़ी कठिनाई ये है कि वे वास्तव में, बड़ी अच्छी तरह शुरूआत करते हैं, वे सूक्ष्मलोक में जाना प्रारम्भ करते हैं और तब उनका शरीर चटक जाता है, कई बार, वे अजीब खिंचाव और हिचकोले, अनुभव करते हैं, कई बार वे हवा के कारण, लगभग बीमार हो जाते हैं, क्योंकि वे नाड़ियों की किसी ऐसी अवस्था में है। ठीक है वे शरीर के बाहर आते हैं और तब वे भगदड़ मचाते हैं, ''ओह, क्या होगा यदि मैं फिर से वापस नहीं आ सका?'' तुरंत ही उन्हें टकराने! का ख्याल आ जाता है, और वे शायद, थोड़ा सा संभ्रमित (confused), महसूस करते हुए, शरीर में वापस आ जाते हैं। और यदि आप कभी, शरीर में उस तरह वापस आयें, और आप बीमार और संभ्रमित महसूस करें, तब सुनिश्चित करें कि आप एकदम शांत लेट जायें और नींद लेने का प्रयास करें, य़द्यपि ये केवल कुछ मिनटों की होगी, क्योंकि जबतक आपका सूक्ष्मशरीर, आपके भौतिक शरीर में से बाहर नहीं आ पाता और और ठीक तरह से भौतिक शरीर में प्रवेश करके, अपने आपको संरेखित (align) नहीं कर लेता है, आपको काफी हद तक अनिच्छा रखनी होगी। इसलिए, एस्प्रिन (asprin) की कोई मात्रा, आपको मदद नहीं करेगी। आपको जो करना चाहिए वह ये है कि आप एक बार फिर से, शरीर के बाहर जायें और ठीक ढंग से वापस हों। ये सुबह उठने और ये पाते हुए कि आपने, गलत पैरों में गलत जूते पहने हैं, की तरह से है, आप पूरे दिन वैसे ही आसपास नहीं जाना चाहेंगे, जबतक कि आप अपना जूता सही पैर में न बदल लें। उसी तरीके से, फिर से शरीर के बाहर जायें और ठीक ढंग से वापस आयें।

इसलिए इस सम्बन्ध में, यही सब कुछ पूरा है। मैं कहता हूॅं कि, कोई भी, जो इन प्रतिबंधों को पूरा कर सकता है, सूक्ष्मशरीर से यात्रा कर सकता है, कुल मिलाकर कोई भी। परंतु यदि आप डरे हुए

हैं या आप शक में हैं, तब अपना समय व्यर्थ न करें क्योंकि आप सूक्ष्मशरीरी यात्रायें नहीं करेंगे।

अब मुझे इस अध्याय के अपने मूल विचार पर वापस आना है; धर्म। मैं ईसाई धर्म के विषय में, और धर्म से सम्बन्धित विभिन्न तकरारों और गुटबन्दियों के सम्बन्ध में, कुछ चीजें कह चुका हूँ। मैं कह चुका हूँ कि मेरा कोई धर्म नहीं है, क्योंकि, बौद्ध धर्म, कोई धर्म नहीं है, बदले में ये एक विश्वास है। ठीक है, मैं बौद्ध धर्म के सम्बन्ध में क्या सोचता हूँ ?

कोई, बौद्ध धर्म को जितना अधिक पढ़ता है, वह, जीवन के मार्गदर्शक के रूप में, इसके वास्तविक मूल्य की, उतनी ही अधिक, सराहना कर सकता है और वह उतना ही अधिक अनुभव कर सकता है, कि गौतम अपने दृष्टिकोण के प्रति नकारात्मक थे।

मेरा व्यक्तिगत विश्वास, जो मैंने इससे पहले कभी मुद्रित रूप में प्रकाशित नहीं किया है कि राजकुमार गौतम को, जीवन के कठोर तथ्यों से बुरी तरह बचा कर रखा गया था, और जब अचानक ही, पीड़ा, दर्द और मृत्यु, ये उसके सामने पड़ गये, तब इन ने ''उसके मस्तिष्क को बदल दिया,'' इसने उसे एक गहरा मनोवैज्ञानिक आघात दिया, इसने उसके मूल्यों के संज्ञान को विखरा दिया, इसने उनके अस्तित्व के लिए आवश्यक किसी चीज को, नष्ट कर दिया। इसलिए राजकुमार गौतम ने राजमहल को छोड़ दिया, सभी सुखों को, जिनको वह जानते थे, त्याग दिया, और एकदम भ्रान्तिमुक्त हो गये। मेरा व्यक्तिगत विश्वास ये है कि वे ''निषेधात्मक'' बन गये।

यदि कोई, गौतम (हमें ''बुद्ध,'' जो पश्चिमी लोगों में अधिक सामान्य है, कहने दें) की शिक्षाओं का अध्ययन करता है, कोई सराहना करेगा कि बुद्ध निषेधात्मक थे, हर चीज ''नहीं होना (no-ness),'' थी, ''पूरा जीवन पीड़ा है (all life is suffering)।'' ठीक है, हम जानते हैं कि ये सत्य नहीं है, क्या हम नहीं जानते? जीवन में अच्छे समय भी होते हैं और वैसे ही बुरे समय भी। इसलिए मेरा विश्वास है कि बुद्ध, अपने विचारों में, बहुत अधिक सीमा तक निषेधात्मक हो गये थे, परंतु उसी समय, उन्होंने दुनियॉ के लिए, कुछ बहुत, बहुत, मूल्यवान दृष्टिकोण प्रतिपादित किये, और इन्हें बहुत पुराने हिन्दू धर्म की नींव पर आधारित किया गया था। इसलिए, हिन्दू धर्म, हमारे पुराने धर्मों में से एक है, और बुद्ध ने हिन्दू धर्म की आस्थाओं के मूल्यवान अंशों को लिया और वह बनाया, जिसे हम बौद्धमत कहते हैं, उसी प्रकार, कि ईसा, एकदम निर्जन प्रदेश में, फालतू ही नहीं घूमते फिरे, बदले में, वे पूरे समय अध्ययन करते हुए और हर समय, तत्कालीन हिन्दू धर्म की उच्चतर शिक्षाऐं, बौद्ध धर्म और इस्लामी और दूसरे विश्वास, पढ़ाये जाते हुए, पूरे भारत और तिब्बत में घूमे, जिनसे उन्होंने, वह बनाया, जिसे हम, विकृत रूप में ईसाइयत कहते हैं। फिर हमको ये सुनिश्चित करना चाहिए कि हम महसूस करते हैं कि ईसा की ''ईसाइयत,'' एकदम बदली हुई व्याख्या नहीं थी, जिसे साठ (0060 ईसवी) के वर्ष में पादरियों की शक्ति बढ़ाने के लिए, आगे बढ़ाया गया। अब, मुझे इस विशेष पुस्तक में, इन पादरियों के सम्बन्ध में, उल्लेख करने से वर्जित कर दिया गया है, परंतु मैं, उनके सम्बन्ध में, अपनी अनेक पुस्तकों में पहले ही लिख चुका हूँ। मात्र एक उदाहरण के लिए, ये देखने के लिए कि मैं आपके साथ क्या करने का प्रयास कर रहा हूँ, परंतु नई परिस्थितियों के कारण, मुझे एकदम प्रत्यक्ष नहीं कहना चाहिए। कृपया पढ़ें ''साधु (The Hermit),'' पृष्ठ 154। मैं अभी तक भी नहीं समझता कि, एक प्रकाशक, जिसने इन चीजों को प्रकाशित किया है, अब ये कैसे तय कर सकता है कि अब उन्हें प्रकाशित नहीं किया जाना चाहिए। मुझे ये दोगली बात का प्रश्न प्रतीत होता है, परंतु जैसा मुझे बताया गया है, मुझसे अत्यधिक मुँहफट न होने की आशा की जाती है, वही करना चाहिए। कैसे भी, मैं बात को टाल जाने वाला, खुशामदी नहीं हूँ, क्या मैं हूँ?

ठीक है, धर्म के सम्बन्ध में थोड़ा सा वापस जाने के लिए, प्रारम्भिक दिनों के इन पादरियों ने अपने स्वयं के विशेष, ''उपद्रवी, उपद्रवी'' विचारों वाले जीवन के विषय में (मैं आशा करता हूँ कि कोई भी, शरमा नहीं रहा?)'' सिखाया कि औरतें बुरी थीं और औरतों के विषय में हर चीज, गंदी थी, जो,

वास्तव में, बिल्कुल भी वर्तमान दृष्टिकोण नहीं है। यदि आप वर्तमान दृष्टिकोण को जानना चाहते हैं तो केवल नारी मुक्ति के बारे में पढ़ें और तब आप सोचेंगे कि यदि औरतें उस तरीके से सोचती हैं, तब वे, सम्भवतः, गंदी हैं!

मेरा खुद का व्यक्तिगत विश्वास है कि वर्तमान समय में, इस विश्व को उपलब्ध मोक्ष, केवल धर्म की शक्ल में है, इससे कुछ फर्क नहीं पड़ता कि किसप्रकार का धर्म, कोई भी धर्म चलेगा बशर्ते आप उसमें आस्था रखते हैं। आपकी अपनी आस्था है, मैं अपनी रखूंगा, और यदि हम दोनों ही अच्छे इरादे वाले लोग हैं, तब इससे कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा कि शायद, कुछ शब्द, जो हम उपयोग में लाते हैं, अलग हैं। विश्व अब अत्यधिक भ्रष्ट स्थान है। अनुशासित होने के बजाय, जवान लोग, बड़ों का अब अधिक, आदर नहीं करते। बच्चे अपने माता पिता का सम्मान नहीं करते। इसलिए यदि हम एक धर्म बनायें, जो ऐसे सम्मान को सिखाता हो, तब हम दूसरों से कई कदम आगे होंगे, क्या हम नहीं होंगे?

इससे पहले कि विश्व को ठीक किया जा सके, धर्म के प्रति वापसी होगी, परंतु धर्म की महान चीजों में से एक ये है कि, हम दूसरे लोगों से ऐसा व्यवहार करें, जैसा कि हम अपने प्रति व्यवहार किया जाना चाहते हैं। इसका मतलब है कि हमें बॉटना है, हमें देने के लिए मिला है, क्योंकि यह एकदम सत्य है कि, पाने की तुलना में, देना बहुत अच्छा होता है। यदि आपको पता लगे कि आपने, वास्तव में, किसी व्यक्ति की सहायता की है, ये निश्चित रूप से आपको अच्छा अनुभव कराता है। इसलिये, हम स्वयं थोड़ा सा अमानुषिक प्राणी होने, और दूसरे किसी भी की, जो गलत रास्ते पर, या गलत ढंग का दिखाई देता है, निंदा करते हुए जीने के बजाय, यदि हम सभी, इसप्रकार जियेंगे, जैसा कि हम सोचते हैं कि दूसरे लोगों को जीना चाहिए, तब हम कुछ कर रहे होंगे।

मैं, जहॉ तक मैं सक्षम हूँ, अपने खुद के विश्वासों के अनुसार प्रयास करता हूँ, और जब मैं अपने काफी लम्बे जीवन के पिछले दिनों, हफ्तों, महीनों और वर्षों को, पीछे देखता हूँ, मैं अनेक चीजों को देखता हूँ, जिन्हें मैं अच्छी कर सकता था। परंतु बुरा न मानें, मैं अब उस चरण में पहुॅच चुका हूँ, जहॉ मैं इस सम्बन्ध में कुछ और अधिक नहीं कर सकता। यद्यपि, आप में से अधिकांश लोग ऐसा कहते हैं, कई बार मैं गुस्से में आ जाता हूँ, कैसे भी! मैं अभी भी, अपने स्वयं के विश्वासों के अनुसार जीवन जीने का प्रयास करता हूँ, जो है, दूसरों के प्रति वैसा करो, जैसा तुम दूसरों के द्वारा, अपने प्रति किया जाना चाहते हो।

सुदूर पूर्व में सुविख्यात, एक दूसरी छोटी कहावत है, जो अच्छा जीवन जीने में भी लागू होती है, ये है : ''सूर्य को अपने प्रचण्ड क्रोध पर हाबी मत होने दो (Let not the Sun go to upon your wrath)।'' दूसरे शब्दों में, यदि आप किसी के साथ लड़ रहे हैं, सुनिश्चित करें कि आप उसे मुक्का मारें और उसके ऊपर अंधेरा घिरने से पहले टूट पड़ें! अन्यथा यदि आप सूक्ष्मशरीर से यात्रा करेंगे, तो वह साथ में आ सकता है, आपको, आपके शरीर के किसी अंग पर, जोर का सूक्ष्मशरीरी धक्का दे सकता है।

यद्यपि, गम्भीरतापूर्वक, आपको कोई दिन, गुस्से के किसी बिन्दु पर, समाप्त नहीं करना चाहिए क्योंकि ये सूक्ष्मलोक में आपकी प्रतिक्रियाओं को रंग देता है, और वास्तव में, ये आपके पेट के स्त्रावों के सम्बन्ध में बरबादी कराता है!

ठीक है, अब मैं उपेदशक की अपनी भूमिका को बंद कर सकता हूँ और इसलिए मैं अब पूरी तरह से, पहिये वाली कुर्सी के साथ, अपने भाषण मंच से उतर जाऊॅगा और कहूँगा कि ये एक अन्य अध्याय का अंत है, क्या ऐसा नहीं है?

अध्याय पॉच

''आपके (पुस्तकों के) आवरण भयानक हैं, ठीक वैसे ही जैसे कि सबसे सस्ती प्रकार की विज्ञान की गल्पसाहित्य (fiction) के होते हैं,'' किसी प्रसन्न नन्हीं आत्मा ने लिखा, जिसके पास, इस सम्बन्ध में दोष ढूंढ लेने के लिए कुछ चीज थी।

सामान्यतः, मुझे उसके पत्र को बेपरवाही से, सीधे ही कूड़ेदान में फैंक देना चाहिए था और उसके ऊपर पुनर्विचार नहीं करना चाहिए था, परंतु दुर्भाग्यवश, मेरे पास, मेरी पुस्तकों के आवरणों के विषय में, विशेष रूप से ''The Third Eye'' के आवरण के सम्बन्ध में डॉटते हुए, ऐसे अनेक पत्र आते हैं। मुझे बताया गया है कि ये किसी को भी पसंद न आने के लिये, पर्याप्त भयानक, घिनोने, और अमानुषिक, और इसी प्रकार की तमाम चीजें हैं। ठीक है, प्रिय, अपने दिलों में प्रेम के साथ प्रेममय, और वे भी कहीं भी बिना प्रेम के पाठक, मुझे आपको ये बताने दें; मैं केवल लेखक हूँ, आप जानते हैं, बेचारा, जो कुछ शब्द लिखता है और प्रकाशक को भेज देता है। अब; मैं आशा करता हूँ कि जो मैं लिखता हूँ, छप जाता है, कई बार, मैं आशा करता हूँ कि मैं, एक पुस्तक में कुछ चित्र पाने में समर्थ हो सकूँगा। इस विशेष पुस्तक में, मैं खोखली पृथ्वी से सम्बन्धित, कुछ चित्र इत्यादि, चाहता था परंतु केवल प्रकाशक ही वह है, जो ये कह सकता है कि आवरण कैसा होना चाहिए, आवरण के सम्बन्ध में, जो कुछ भी हो, लेखक का कोई हाथ नहीं है। वास्तव में, जबतक कि प्रभावशाली ढंग से हमला करते हुए, हर चीज के लिए लेखक पर दोष लगाते हुए, कोई नाराज पाठक, पत्र के साथ उसको एक प्रति न भेज दे, कई बार बेचारा, आवरणों को देखता भी नहीं है।

मैं शब्दों के लिए उत्तरदायी हूँ परंतु मैं आवरणों के लिए उत्तरदायी नहीं हूँ, और न ही मैं चित्रों की कमी के लिए जिम्मेदार हूँ और न ही मैं कागज की गुणता या उसकी खराब गुणता के लिए जिम्मेदार हूँ। यदि आपको ये चीजें अच्छी नहीं लगती हैं, पेटे के लिए ही सही (for Pete's sake), अपने पैनों या अपने टाईपराईटरों को निकालें और प्रकाशक को लिखें और उसे बतायें, मुझे नहीं। ये एक वह समय है, जब मैं निर्दोष हूँ, कई बार, मैं अनजान नहीं होऊँगा, परंतु इस बार, हॉ मैं अनजान हूँ!

दूसरी चीज, जिसके बारे में लोग मुझे शिकायत करते हैं, वे दावा करते हैं कि मेरी पुस्तकों की कीमतें ऊँची हैं। कुछ लोग कहते हैं, कीमत बहुत ज्यादा है। ठीक है, मैं इससे पुरजोर (emphatically) असहमत हूँ। जब लोग मुझे, मेरी पुस्तकों की कीमत के सम्बन्ध में शिकायत करते हुए लिखते हैं, मैं उन्हें ध्यान दिला देता हूँ कि वे एक सिनेमा या एक नाटकघर में जायें या अपने दिमाग को खराब करते हुए, शराबखाने में पीने जायें, या वे पैसे को सिगरेट में खर्च करें, और इसके बारे में कोई शिकायत नहीं, फिर भी मेरी पुस्तकों के लिए, वे जो कीमत अदा करते हैं, उससे वे जीवन का या मृत्यु का एक नया नजरिया पा सकते हैं। इसलिए इसे मुझसे सुनें, मैं सोचता हूँ कि मेरी पुस्तकों की कीमत, एकदम तर्कसंगत है, और मेरी इच्छा है कि प्रकाशक इसकी कीमत को दुगना कर दे!

अब गेल जोर्डन (Gail Jordan) मुझे लिखता है और मुझे कुछ प्रश्न पूछता है। एक प्रश्न है'' क्या एक औरत के लिए, अपने बाल कटवाना गलत है? क्या ये उसके प्रभामण्डल या उसके आध्यात्मिक कम्पनों के साथ, किसी भी प्रकार हस्तक्षेप (interfere) करता है?''

नहीं, वास्तव में नहीं। बाल, मात्र एक उपज है, जो वास्तव में बिल्कुल प्रभाव नहीं रखता। ये सभी चीजें, सेमसन (Samson)[32] पहलवान के बाल काटे जाने के परिणामस्वरूप उसके कमजोर होने

32 अनुवादक की टिप्पिणी : सेमसन (Samson) या सेम्प्सन (Sampson), जिसका उल्लेख, हिब्रू बाइबल में, न्यायाधीशों की पुस्तक में किया गया है, प्राचीन इजराइलियों का अंतिम न्यायाधीश था, और उन अंतिम नेताओं में से एक था, जिन्होंने राजतंत्र की स्थापना से पहले, इजराइल की परख की थी। बाइबल के अनुसार, सेमसन को शत्रुओं को पछाड़ने के लिए तथा भव्यतापूर्ण कार्यों, जैसे कि एक झटके में शेर को मारना, गधे के जबड़े की हड्डी से पूरी सेना को बंधक बना लेना, और फिलिस्तीन के मंदिर को अपने खाली हाथों से नष्ट कर देना, आदि को करने के लिए प्रबल शक्ति दी गई थी, तथापि, (उसे शाप था कि) यदि सेमसन के लंबे बाल काट दिये जाते, तो वह अपनी शक्ति को खो बैठता।

सम्बन्ध में, एक गलत अनुवाद है। जो हुआ, वह यह था कि वह बेचारा (सेमसन), डेलिलाह (Delilah)[33] के द्वारा अत्यधिक ठगा गया था, वह यौन की दृष्टि से, अत्यधिक ऊर्जासम्पन्न हो गया था और उसने (डेलिलाह ने) वास्तव में, उसे कमजोर बना दिया!

इसलिए महिलाओ, यदि आप चाहती हैं, अपने बाल काटें, यदि आप चाहें, पूरे सिर को भयानक रूप से मुंड़ा दें। वास्तव में, जब आप नारी मुक्ति कराने वाली हो जाती हैं, आपको शायद, मुंड़ाना ही होगा और ये प्रदर्शित करने के लिए कि आप आदमियों के बराबर हैं और आपके पास भी एक दाढ़ी है, इसमें से कटे हुए बालों को, अपनी ठोड़ी पर चिपकाना होगा।

उसी व्यक्ति का, एक दूसरा प्रश्न ये है कि अपनी पुस्तकों में से एक में, मैंने ये उल्लेख किया है कि एक आदमी और एक औरत, यदि उनके कम्पन समान स्तर पर हों, अनुकूलित (compatible) हो सकते हैं। एक आदमी और एक औरत, कम्पनों के समान स्तरों पर कैसे पहुॅच सकते हैं?

ठीक है, समान प्रकार की प्रकृति होने के द्वारा। ये किसी पियानो के सुर मिलाने की तरह नहीं है। आपको ये सुनिश्चित करना है कि ये दो लोग, एक दूसरे को पसंद करते हों, कि वे दूसरे के प्रकट दोषों को सहन कर सकते हों। इसे करने का कोई दूसरा तरीका नहीं है। यदि वे एक ही प्रकार की चीजों को पढ़ना, एक ही प्रकार का संगीत सुनना, एक ही प्रकार का मनोरंजन पसंद करते हैं, तब ठीक है, निस्संदेह रूप से, उनके कम्पन काफी हद तक समान होंगे।

जब आप शादी कर रहे हैं, ठीक भागीदार को जानना सम्भव नहीं है, परंतु, आजकल, शादी बड़ा बेतरतीब कार्य दिखाई देता है। मैं एक नवयुवा जोड़े को जानता हूॅ, जो बिना शादी के, चार वर्षों तक, साथ–साथ रहता रहा था। वे एक दूसरे के साथ ठीक ठीक चलते रहे, तब उन्होंने शादी की, और तब से, वे एक दूसरे के साथ, हमेशा सिर लड़ाते रहे। फिर, जहॉ मैं रहता हूॅ, उसके समीप ही एक नौजवान औरत है, जो अब हर एक से घृणा करने की स्थिति में है क्योंकि, उसने शादी की और एक या दो सप्ताह के बाद, उसने पाया कि शादी वैसी नहीं थी, जैसी उसने अपेक्षा की थी। इसलिए शादी को कोई अवसर दिये बिना, वह भाग गई और उसने तलाक ले लिया। अब वह और कड़वी है, अवसाद से घिरी हुई औरत, और निश्चितरूप से ऐसी दिखती है।

शादी एक बहुत महत्वपूर्ण कार्य है, और दूसरे अन्य महत्वपूर्ण कार्यों की तरह, इसको हल्के से नहीं लिया जाना चाहिए। शादी में, लेने और देने को बहुत कुछ है, और समानता के अपने करतबों के कारण, आजकल औरतें इतनी बिगड़ी हुई, बचकानी हैं, परले दर्जे की ऐसी नारीमुक्ति वाली हैं कि वे शादी को चलने देने का अवसर ही नहीं देती, और जिस तरीके से, तेजी से चीजें चल रही हैं, आगे कोई शादियॉ नहीं होंगी। जल्दी ही लोग, केवल कुछ समय के लिए, साथ–साथ रहेंगे, एक बच्चा पैदा करेंगे और तब जबकि साम्यवाद आ जाता है, देखभाल के लिए, राज्य, उस बच्चे को अपना लेगा और ये सब होने वाला है, इसलिए अब सभ्यता की टूटन होने वाली है।

मुझे कुछ बात कहने दें; आजकल औरतें विक्षिप्त हैं, टोप को छोड़ देने के बाद, वे अपने दिमाग के बाहर हैं, क्योंकि वे आदमियों के साथ प्रतियोगिता करने का प्रयत्न कर रहीं हैं और वे मूल रूप से, सभी कार्यक्षेत्रों में, आदमियों के साथ, प्रतियोगिता करने के लिए, पूरी तैयार नहीं हैं। इसलिए वे मन में अवसादग्रस्त हो जाती हैं और उनमें मानसिक टूटन हो जाती है। ठीक है, ये प्रदर्शित करता है कि वे कैसे भी, नारी मुक्ति के मामले में, सर्वोच्च कहानी में, थोड़ी ढ़ीली हैं।

पुराने दिनों में, एक औरत अपने परिवार को देखती थी, वह बच्चों की देखभाल करती थी और वह स्वस्थ थी। वह प्रसन्न भी थी। आजकल आप औरतों को प्रसन्न नहीं देखेंगे, वे अपने कंधों पर खपच्ची लिये हुए हमेशा तैयार रहती हैं और उसे किसी आदमी के चेहरे पर फैंक कर उछाल देती हैं।

---

33 अनुवादक की टिप्पिणी : डेलिलाह (Delilah), सेमसन की फिलिस्तीनी रखैल थी, जो भयंकर कामपीड़ित मानी जाती थी। उसने धोखे से सेमसन के बाल काट कर, उसे शक्तिहीन बना दिया था।

दूसरा प्रश्न, ''आपकी ज्योतिषीय राशि क्या है?'' मैं इसे कभी नहीं बताऊँगा। मैं ऐसा सोचता हूँ कि ये, पूछने का एक अशिष्टतापूर्ण तरीका है। यदि मैं लोगों को अपनी ज्योतिषीय राशि या अपने जन्म सम्बन्धी ऑकड़ों को जानने देना चाहता, तब मैं उन्हें अपनी पुस्तकों में ऐसा बता चुका होता। इसलिए, मुझे, भविष्य में होने वाले ज्योतिषियों से, जो अपनी प्रखरता से, संसार को हल्का बनाना चाह रहे हैं, जो मेरे ऑकड़ों को जानना चाहते थे, ताकि मेरे लिए, मेरी जन्मपत्री, बना सकते, पत्रों का ढेर प्राप्त करना पड़ता, परंतु वे मेरे द्वारा एक नम्र उत्तर प्राप्त नहीं कर सकते।

मान लीजिये कु. जोर्डन (Miss Jordan) के पास प्रश्नों का भण्डार है; उसमें एक, चौथा ये है, ''जब एक व्यक्ति पुनर्जन्म लेता है, क्या वह मेष राशि से लगाकर मीन राशि तक, क्रम का अनुसरण करता है?

नहीं, वह बिल्कुल नहीं लेता। वह न केवल उस राशि में, वल्कि राशि के उस चतुर्थांश (Quadrant) में भी, जो उसको जीवन में सीखने के सर्वाधिक अवसरों को, जो कि उसे इस जीवन में सीखने हों, को प्रदान करा सकता है, जन्म लेता है। अंतिम रूप से, वह हर एक राशि में, और हर राशि के हर चतुर्थांश में रह कर जीवन जीता है। न कि, जैसा मैंने कहा, क्रम से सभी राशियों में और एक राशि के एक चतुर्थांश में भी, उसे दर्जनों जीवन जीने होते हैं क्योंकि याद रखें, हम पृथ्वी पर हजारों बार जीवन जीते हैं।

पांचवॉ, ''अपनी पुस्तकों में से एक में, आपने ये कहा है कि, संगीत किसी के कम्पनों के स्तर को ऊँचा उठा सकता है, ताकि, कोई और अधिक आध्यात्मिक बन सके। क्या आप कुछ धुन बनाने वालों, गानों, संगीत व्यवस्थाओं, आदि को सूचीबद्ध कर सकते हैं?''

नहीं वास्तव में नहीं, क्योंकि, जो कुछ व्यक्तियों के लिये उपयोगी होता है, वह (आवश्यक रूप से) दूसरों को उपयोगी नहीं होता। मैं, उदाहरण के लिए, काफी हद तक चीनी और जापानी संगीत का पक्षधर हूँ और पश्चिमी संगीत में से कुछ, वास्तव में, मेरी नसों को एक किनारे ला देता है, मैं नहीं जानता कि लोग उसे क्यों पसंद करते हैं। इसलिए यदि मैंने संगीत की अपनी खुद की सूची दी, तो औसत पश्चिमी को अपने कानों के पर्दों में कष्ट होगा। इसलिए हर व्यक्ति को वह संगीत खुद तलाशना पड़ता है, जो उसके लिये सबसे अधिक उपयोगी हो, परंतु मैं आपको, सर्वाधिक अधिकांश निश्चित रूप से, और सर्वाधिक जोर ड़ालते हुए, यहॉ और अभी बता देता हूँ कि, लोग अपने भयानक, ''रॉक (rock)'' और इस भयंकर कूड़ा करकट, जाज (jazz) संगीत संगीत के कारण, स्वयं का विनाश कर रहे हैं। ऐसा संगीत, यदि कोई, शोर के ऐसे समूह के लिए ऐसे पद का उपयोग कर सकता है, नाड़ियों के तनाव का कारण बनता है। उदाहरण के लिए, कुछ नौजवान लोगों, हिप्पियों को देखें, जो इन रॉक उत्सवों के लिए जाते हैं। ठीक है, वे भद्दे दिखने वाले प्रकार के लोग हैं, क्या वे नहीं हैं ? उनमें से अधिकांश, मानो कि वे किसी पागलखाने से निकाले गये हों, दिखाई देते हैं। उनके ऊपर केवल एक निगाह डालें और देखें कि आप क्या सोचते हैं।

ठीक है, यहॉ आपका अंतिम प्रश्न है, गेल जॉर्डन : ''क्या आपने, कभी किसी श्रंखला पत्र (chain letter) के बारे में सुना है, जो पूरी दुनियॉ में अनेक बार चला है ? एक पत्र प्राप्त करने के बाद, एक व्यक्ति से आशा की जाती है कि वह ऐसे ही बीस पत्र लोगों को भेजेगा। ये मानते हुए कि, पत्र के अनुसार, यदि आप श्रंखला को जारी नहीं रखते हैं, तो आपकी मृत्यु हो जायेगी। कैसे भी, इस पत्र ने अनेक लोगों, विशेषरूप से बूढ़े लोगों को डराया और व्यथित कर दिया है। आप इसके बारे में क्या सोचते हैं?''

मैं सोचता हूँ कि लोगों को, जो ऐसे श्रंखला पत्रों को लिखते हैं, ये मानते हुए कि कोई भी, जॉच कराने के लिये, हमेशा कुछ दिमागों को, पा सकता है, अपने दिमागों की जॉच करानी चाहिए। इस प्रकार की हास्यास्पद चीजों के, मुझे भेजे हुए पत्र, कई बार मिले हैं, और यदि सम्भव हुआ, मैंने उनके

अंतिम भेजने वाले को तलाश किया और एक उत्तर के साथ, जो आशा की जाती है, उसकी भौं को जला देगा, पत्र को वापस भेज दिया। मैं सोचता हूॅं कि श्रंखला पत्र, मूर्खता के संग्रह होते हैं। मैं नहीं समझ सकता कि लोग, इतने परले दर्जे की बकवास में, अपना विश्वास क्यों रखते हैं; वास्तव में, यदि आप ऐसे पत्रों को भेजने में असफल रहे, तो आप नहीं मरेंगे। यदि इसमें कोई सच्चाई होती, तो पिछले बीस सालों में, अब तक अनेक लोग, अनेक अनेक बार, मर चुके होते। इसलिए, मेरे विचार में, यदि आप में से कोई, ऐसे पत्रों पाते हैं, किसी की, जो सूची में हो, पहचान करने की कोशिश करें और उसे मानसिक स्थायित्व के सम्बन्ध में अपनी राय की एक अभिव्यक्ति के साथ, उसे वापस भेजें, जिसने इसे भेजा था। ये उन्हें हिला देता है; मेरे पास उनमें से कुछ हैं, मुझे वापस लिखते हुए और क्षमा मांगते हुए और वास्तव में, गम्भीरता से मुझे धन्यवाद देते हुए। आप प्रयत्न करें और देखें!

अब यहॉ, मेरे पास एक पत्र है, मैं कामना करता हूॅ कि, काश! टाइपराइटरों का उपयोग करना आवश्यक होता, क्योंकि मेरे पास एक पत्र हैं, जिसने मुझे भेंगा (cross-eyed) बना दिया है। कैसे भी, प्रश्न ये है, ''आपने बताया है कि अधिस्वयं (overself), अनुभव के उद्देश्य से, कठपुतलियों को नीचे भेजता है। मेरा प्रश्न ये है कि, एक बार, एक अस्तित्व, उन चीजों को अनुभव कर लेता है, जिसे करने के लिए उसे भेजा गया था, वह अधिस्वयं तक वापस जाता है और अधिस्वयं के मन का भाग बन जाता है? तब क्या कोई व्यक्ति, एक व्यक्ति के रूप में अपनी पहचान को खो देता है या वह अपने अधिस्वयं के साथ अच्छा दोस्त बन जाता है? व्यक्तिगत रूप से, मैं अस्तित्व के दिमाग का मात्र एक अंश बनने के विचार को पसंद नहीं करता। मैं, मैं रहना चाहता हूॅ। क्या आप अधिक विस्तार के साथ स्पष्ट करेंगे, क्योंकि ये विशेष उत्तर, मुझे आपकी पुस्तकों में कहीं नहीं मिला है।''

ठीक है, इस मामले में, इस कठपुतली वाले कार्य में, काफी भ्रम है; आपको ये याद रखना है कि एक अभिनेता, जब वह कुछ विशेष प्रकार की भूमिका निभाते हुए मंच पर है, वास्तव में, उस विशिष्ट पहचान को ''जीता है।'' परंतु, जब प्रदर्शन समाप्त हो जाता है और वह विश्राम के लिए अपने घर जाता है, वह, राजकुमार डिम्विट (Dimwit) या और वैसे ही किसी अन्य पात्र होने के सम्बन्ध में, सब कुछ भूल सकता है। वैसे ही अधिस्वयं, जिसे तीन विमाओं (three dimensions) में नहीं समझा जा सकता, वह मानव का अंतिम अस्तित्व है, और अधिस्वयं, ''तन्तुओं'' या कठपुतलियों को, कुछ निश्चित जानकारियॉ इकट्ठा करने के लिए भेजता है। आप कह सकते हैं कि आप किसी जासूसी कम्पनी के प्रमुख हैं, जो अपने कार्यालय में बैठते हैं और अपने संचालनों (operatives) के द्वारा, सूचनायें इकट्ठी करते हैं, जिसके संचालन, उसे सूचित करते हैं और पूरा चित्र प्रस्तुत करते हैं, जिसे उसे जानने की आवश्यकता है।

अंत में, समय के युगों के बाद, सभी कठपुतलियॉ एक साथ आती हैं और अधिस्वयं के पूरे अस्तित्व को बनाती हैं।

प्रश्न, ''उन लोगों का क्या होगा जो काले जादू (black witchcraft) में शामिल हैं? चूंकि ये स्व–प्राप्ति (self-gain) का एक हथियार है, वे बुरे कर्म पैदा कर रहे होंगे। क्या वे पुजारियों इत्यादि के रूप में वापस आयेंगे?''

दुर्भाग्यवश, जादू, काले, सफेद, या किसी दूसरे रंग के जादू के विषय में तमाम बकबास लिखी गई है। अधिकांश बार, काला जादू करने वाला व्यक्ति, मात्र ''मूर्खों के स्वर्ग (fool's paradise)'' में जी रहा होता/रही होती, है। उसके पास कोई शक्ति नहीं होती और वह कोई शाप नहीं दे सकता/सकती, इसलिए, नुकसान उठाने वाला व्यक्ति, केवल काला जादूगर होता/होती है और वह मात्र मूर्ख होने के कारण, अपनी प्रगति को विलम्बित कर रहा/रही होती है। इसलिए इस जीवन में, यदि एक आदमी या एक औरत, मूर्ख काला जादूगर है, तब वह जीवन व्यर्थ गंवाये हुए के समान है और ऐसे जीवन का कोई अर्थ नहीं है। इसलिए वह वापस आता है, और वहॉ से नये सिरे से शुरूआत करता है,

जहॉ काला जादूगर होने से पहले के जीवन में, उसने छोड़ा था।

वास्तव में, यदि काले जादूगर, कैसे भी, दूसरे लोगों को नुकसान पहुँचा सकते होते, तब ये काला चिन्ह, उनके कर्मों में जोड़ दिया गया होता और उसे वापस अदा करना पड़ता, परंतु उस गरीब बेचारे के लिए, ऐसे भाग्य की, ऐसी कामना न करें कि उसे एक पादरी या वैसे ही किसी रूप में, वापस आना पड़े, क्योंकि वह उतना महत्वपूर्ण नहीं होगा।

प्रश्न, ''मैंने अपनी मनः क्षमताओं का अभ्यास किया है और यद्यपि मैं, दूरानुभूति में ठीक हूँ, मैं दूसरी क्षमताओं को प्राप्त करता हुआ नहीं लगता, कुछ भी हो, मैं कितना भी कठोर प्रयास क्यों न करूँ। मैं अपना उद्देश्य, दूसरे तरीके से कैसे पा सकता हूँ ? क्या मुझे कोशिश करनी चाहिए? ये भी कि मैं ये कैसे जान सकता हूँ कि मुझे इस पृथ्वी पर, कितने जीवन और जीने हैं?

आप कहते हैं कि आप दूरानुभूति में ठीक हैं, परंतु आप दूसरी अमूर्तभौतिकी (metaphysical) चीजों को करने में व्यवस्थित होते हुए नहीं लगते। ठीक है, मैं आपके सामने स्पष्टरूप से ये रखने जा रहा हूँ कि मनः क्षमताओं के मामले में, हम में से हर एक को, सभी शाखाओं का उपहार नहीं मिलता। एक सामान्य दैनिक जीवन पर विचार करें। एक उदाहरण के रूप में, आप लिखने में सक्षम हो सकते हैं, परंतु क्या आप चित्रकला (drawing) कर सकते हैं ? और यदि आप चित्रकला कर सकते हैं तो क्या आप लिख सकते हैं या कोई पवित्र पुस्तकें बना सकते हैं। अधिकांश लोग, एक या दो चीजों को पूरे संतोष के साथ कर सकते हैं, परंतु यदि वे सभी पराभौतिकी कलाओं में सर्वोत्कृष्ट करना चाहते हैं, तो उन्हें सात साल की उम्र से पहले प्रारम्भ करते हुए, प्रशिक्षण लेना होगा और जब कि मैं हर चीज कर सकता हूँ, मैं इसके सम्बन्ध में लिखता हूँ कि मुझमें दूसरे दोष हैं, तमाम चीजें हैं, जिन्हें मैं नहीं कर सकता। उदाहरण के लिए, मैं पुताई नहीं कर सकता, मैं किसी कमरे की दीवार को सफेदी से नहीं पोत सकता, इसलिए हम सभी में अपने–अपने कौशल होते हैं, हम सभी के कौशलों में, पिछड़ापन भी होता है, और सबसे अच्छी चीज, जो हम कर सकते हैं, वह है, जो हमारे पास है, उसको सर्वोत्तम बनाना।

कुछ लोग हैं, जिन्हें हम प्रतिभाशाली (genius) कहते हैं। अधिकांश बार, ऐसा व्यक्ति केवल एक दिशा में ही अत्यधिक रूप से प्रखर होता है, और दूसरी चीजों के बारे में, उसे कमोवेश, दूसरों के द्वारा राह दिखायी जाती है क्योंकि, उसके दिमाग के सामान्य ज्ञान की कुशलता की सारी शक्ति, अति की हद तक, एक विशिष्ट विषय पर चली जाती है।

प्रश्न, ''लोग, भावातीत ध्यान (Transcendental Meditation) के लिए, बहुत बड़ी धनराशि का भुगतान कर रहे हैं। ये ध्यान का एक प्रकार है, जो न तो एकाग्रता (concentration) और न ही मनन (contemplation) का उपयोग करता है। ये, होता हुआ माना जाता है, जब आप अपना मंत्र सीख जाते हैं। मैं महसूस करता हूँ कि मैं अधिक शिथिल (relaxed) हूँ, इत्यादि, परंतु आप विचारशील ध्यान का सुझाव देते हैं। चूँकि मैं एक ऐसा व्यक्ति हूँ, जो हर चीज के सम्बन्ध में सोचता है, मैं आपके साथ सहमत हूँ। क्या आप सोचते हैं कि भावातीत ध्यान के किसी पाठ्यक्रम के लिए, इतना बडा धन देना गलत है? मेरा अच्छा निर्णय, मुझे बताता है कि कोई मुझसे पैसा बना रहा है और मैं मूर्ख बन रहा हूँ।''

व्यक्तिगत रूप से, मैं सोचता हूँ कि लोग, यदि वे, इस भावातीत ध्यान के लिये, ढेर सारा धन देना चाहते हैं, एकदम सनकी होते हैं। मैं जानता भी नहीं हूँ कि इसका अर्थ क्या है। मेरे लिए, ये लोगों से पैसा पाने का मात्र एक हथकंडा है, क्योंकि या तो आप ध्यान करें या आप ध्यान न करें, या तो आप चलें या दौड़ें, या आप शांति से ठहरे रहें। अब, यदि आप किसी चीज पर देखने जा रहे हैं, तो क्या आप, बेवकूफी भरी ऑखों से देखने जा रहे हैं, या आप संज्ञानपूर्वक देखने जा रहे हैं? हमें एक नया चलन शुरू करना चाहिए, क्या हम करेंगे, और एक बड़ी धनराशि वसूल करनी चाहिए। हम लोगों को बतायें कि वे चीजों को अच्छा देख सकते हैं, यदि वे मूर्ख की नजर से उस को देखें। हम उनसे कुछ सौ डॉलर वसूल करें। शीघ्र ही, हम इससे निवृत हो जायेंगे और इस सब को पूरी तरह छोड़ देंगे।

जर्मन, आप याद कर सकते हैं, एक पैदल यात्रा (मार्च) किया करते थे, जिसे बतख–कदम (goose step) कहते थे। वास्तव में, एक विकृत मन के लिए, ये बहुत सुंदर थी, परंतु बतख–यात्रा को करने का कार्य, सिपाहियों के लिए, सर्वाधिक रूप से थका देने वाला होता था। भावातीत ध्यान, जिसके लिए, मैं मानता हूँ आप काफी धन देते हैं, मेरे विचार में, मात्र, एक मूर्ख तिकड़म हैं। आपको इसकी आवश्यकता नहीं है। आपको जो चाहिए, वह है ध्यान। ये मेरी नेक सलाह है, जिसके लिए आपने पूछा है।

प्रश्न ''क्या आप, किसी पत्र में या इसके ऊपर, किसी व्यक्ति के प्रभामण्डल को देख सकते हैं ? एक व्यक्ति के बारे में, शब्दों के अलावा, जो वे लिखते हैं, आप कितना बता सकते हैं? मैं, वास्तव में, अवसादग्रसित अनुभव करता हूँ, क्योंकि मैं नहीं जानता कि मैं यहाँ क्यों हूँ, या मैं कहाँ जा रहा हूँ या मैं कौन हूँ? क्या आप मेरी मदद कर सकते हैं?''

हाँ, मैं एक पत्र के माध्यम से प्रभामण्डल को देख सकता हूँ। ये मनोमिति (psychometry) के द्वारा होता है, यद्यपि, और वास्तविक भौतिक प्रभामण्डल को देखने के समान, ये उतना स्पष्ट नहीं होता है। यदि किसी प्रभामण्डल को ठीक से देखा जाना है और उसे, किसी व्यक्ति के लिए वास्तविक उपयोग का होना है, तो उस व्यक्ति को, मेरे साथ, एक कमरे में, और किसी दूसरे व्यक्ति से कम से कम बारह फीट दूर, होना पड़ेगा और व्यक्ति को पूरी तरह निर्वसन होना चाहिए। केवल इतना ही नहीं, उसे बिना कपड़ों के, लगभग आधे घंटे के लिए, जबकि कपड़ों को पहनने का प्रभाव समाप्त हो जाये, रुकना चाहिए। कुल मिलाकर, आप एक पेंटिंग की जॉच नहीं करेंगे, जबकि वह अभी भी, अपने आवरण में हैं, क्या आप करेंगे?

वास्तव में, मुझे ये चकित कर देता है कि, औरतों को, अपने प्रभामण्डल के शोधकार्य में सहायता करने के लिए पाना, कितना मुश्किल है। मैं समझता हूँ कि कुछ उल्लेखनीय पत्रिकायें हैं, जो ''पूरा'' और थोड़ा ज्यादा ही दिखा देती हैं। चित्रों में से कुछ, मुझे बताया गया है, शरीर रचना (Anatomy) की किसी पाठ्यपुस्तक में उपयोग करने के लिए, पर्याप्त अच्छे होते हैं। अब नौजवान औरतें, ऐसा लगता है, अपना पूरा पोज देने में, निश्चित रूप से में अत्यधिक प्रसन्न हैं, यदि वे स्वयं का फोटोग्राफ लिवा सकें और उनके चित्रों को पूरे विश्व में प्रसारित किया जाये। परंतु जब प्रभामण्डल के शोध में मदद करने का मामला आता है, ओह, प्रिय, प्रिय, नहीं वे तुरंत ही डर जाती हैं!

एक औरत ने मुझे लिखा था और कहा है कि वह, प्रभामण्डल के शोधकार्य में मुझे मदद करने के लिए, व्यग्रता (anxiety) के कारण, लगभग मर रही थी। वह अपने कपड़ों को उतारने के लिये, और जॉच कराने के लिए खड़े रहने को, और फोटो लिये जाने के लिए भी, पूरी तरह से इच्छुक थी। वह स्पष्टरूप से, बाइबिलों के भंडार (stack of Bibles), और प्ले बॉय (Play boy's) और प्ले गर्ल्स (Play girls) के ढेरों के ऊपर भी, कसम खाने की इच्छुक दिखाई देती थी। इसलिए, बूढ़ा और मूर्ख होने के कारण, मैंने औरत को देखा, और नहीं, अपने कपड़ों को हटाने के लिये, उसे कुछ भी, प्रेरित नहीं कर सका। वह अनेकों में से एक दूसरी है, जिन्होंने कहा था कि उसने ये प्रस्ताव, मुझे देख पाने के तरीके के रूप में किया है, परंतु वह लम्बी नहीं टिकी। मुझे ऐसा लगता है, वास्तविक रूप से उल्लेखनीय, कि इन औरतों में से कुछ, आजकल, किसी भी आदमी के साथ बिस्तर पर चली जायेंगी परंतु, वे प्रभामण्डल के एक ईमानदार, गम्भीर शोध के लिए, अपने कपड़े नहीं उतारेंगी। मेरे पास एकदम फटाक से कहने वाली औरतें हैं, कि वे अंधेरे में, मेरे साथ हमबिस्तर होने में प्रसन्न होंगीं! ठीक है, मैं उसमें कोई रुचि नहीं रखता, मैं भिक्षु के रूप में रहता हूँ और सिवाय इसके कि जहाँ तक ये मुझे प्रभामण्डल के शोधकार्यों में सहायता करेगा, मैं मादा शरीर रचना में, कोई रुचि नहीं रखता, और वह शोधकार्य, इस विशिष्ट कारण से कि मेरे पास, उपकरणों के लिए, धन की कमी है और मेरे पास औरतों की कमी है, जो अपनी चड्डियों (panties) को उतार देंगी, विराम अवस्था तक आ चुका है।

यहॉ मेरा एक प्रश्न है, जो कुछ हद तक उल्लेखनीय दिखाई देता है, ''मुझे बतायें कि कितने और अधिक जीवन मुझे पृथ्वी पर रहने पड़ेंगे।''

ये एक विशिष्ट प्रश्न दिखाई देता है, क्या ऐसा नहीं है? ऐसा लगता है कि एक व्यक्ति, ''मुझे बतायें मैं स्कूल कब छोड़ूँगा'' ऐसे कहते हुए, स्कूल प्रारम्भ करता है। उत्तर वास्तव में, अनेक चीजों के ऊपर निर्भर करता है। व्यक्ति, जो ये जानना चाहता है कि कितने जीवन और उसे जीने हैं, उसके उन्नयन की अभी की अवस्था क्या है? वह पृथ्वी पर क्या काम कर रहा है? ये कितना अच्छा होगा कि वह उस कार्य को कर रहा है। क्या वह दूसरों को मदद करने की कोशिश कर रहा है, या वह अपने आपकी मदद करने में रुचि रखता है? क्या वह अपने आपको सुधारने की कोशिश करता हुआ दिखाई देता है, या वह अपने आपको, सभी प्रकार की नारकीय विधियों में व्यस्त रखता है? (यदि एक चीज स्वर्गिक हो सकती है, तो निश्चितरूप से इसके विपरीत, कोई चीज नारकीय भी हो सकती है?)

ये कहना सम्भव नहीं है कि कितने और जीवन किसी व्यक्ति को लेने हैं, क्योंकि जिये जाने वाले जीवनों की संख्या, पूरी तरह से सम्बन्धित व्यक्ति के व्यवहार के ऊपर निर्भर करती है। ये आजकल अमरीका में दिये जाने वाली जेल की सजा की तरह अधिक है, जहॉ एक व्यक्ति को, किसी अनिश्चित काल के लिए, जैसे कि ''एक से चार साल तक'' सजा दी जाती है अर्थात्, यदि कोई व्यक्ति जेल में, मूल्यों का आदर्श बन जाता है और उसके व्यवहार पर, एक बार भी, कोई धब्बा नहीं लगता तब वह एक साल में बाहर आ सकता है, परंतु यदि वह पूरी तरह से बदमाशियॉ जारी रखता है, तब उसको सोचना चाहिए कि वह यहॉ पूरे चार साल रहने वाला है। इसलिए आप भी वहीं हैं, श्रीमान् अमुक अमुक, आपके प्रश्न का उत्तर ये है कि ये सब कुछ आपके ऊपर निर्भर है, आप कैसे व्यवहार करते हैं, ताकि आप अच्छे बन सकें!

अब हमारे पास दक्षिणी अफ्रीका में रहने वाले एक सज्जन हैं, जिनके पास प्रश्नों की एक श्रंखला है, जो निश्चितरूप से, इस पुस्तक के लिए स्वीकार्य हैं। अब उन पर एक नजर ड़ालें, क्या हम डालेंगे?

''क्या साम्यवादी, अंततः इस देश को अपने अधिकार में ले लेंगे?''

हॉ मेरे विश्वास के अनुसार, साम्यवाद की एक विशेष आकृति पूरे विश्व को समेट लेगी, क्योंकि आप देखते हैं, आजकल औरतें विशेषरूप से, उसे पाने का प्रयास कर रही हैं, जिसे वे ''समानता'' कहती हैं और वे वास्तव में कार्यों के साथ चिपक रहीं हैं। पुराने दिनों में एक आदमी बाहर जाता था और जीने के लिए पैसा कमाता था और औरत घर में टिकती थी और परिवार की देखभाल करती थी। आजकल ये कहीं नहीं होता। एक औरत शादी करती है, और कारखाने को वापस चली जाती है, और अंत में, यदि वह दुर्भाग्यशाली हुई, तो उसे एक बच्चा होता है। वह, पूरी तनख्वाह पाते हुए, घर पर बैठती है, अन्यथा वह चिल्लाती है, ''भेदभाव,'' और तब लगभग जितना जल्दी बच्चा पैदा होता है, उसे किसी दिन नर्सरी के लोगों के पास धकेल दिया जाता है, जबकि मां वापस कारखाने में जाती है। आप जानते हैं, ये सभी दोष पूंजीवादियों का है, क्योंकि उनके विज्ञापन, लोगों को ये विश्वास करने में योग्य बनाते हैं कि लोगों को वे पूरी की पूरी विलासिता की चीजें, जैसे कि हर गैरेज में, कम से कम दो कारें वॉशिंग मशीन, अनेक टी.वी., देश में कोई एक घर, एक नाव और इस सबके अलावा भी कुछ होना ही चाहिए, उपलब्ध करायेंगे। इसलिए वे दौड़ पड़ते हैं और इन चीजों को, जिनको वे बर्दाश्त नहीं कर सकते, खरीदते हैं क्योंकि, उन्हें ''लोगों की देखादेखी करनी है,'' और तब वे, अपने उधार कार्ड (cradit cards) पा जाते हैं और वे उन चीजों के ऊपर ब्याज अदा करते हैं। अंततः वे इतनी गहराई तक कर्ज में डूबे हुए होते हैं कि, काम पर से हटने का दुस्साहस नहीं कर सकते। पति–पत्नी दोनों को काम करना होता है। कई बार पति या पत्नी को ''चांदनी में'' दोहरे काम करने होते हैं और हर समय उनकी देनदारी बढ़ती जाती है।

परंतु उससे भी और अधिक खराब, बच्चों का लालन–पालन, माता–पिता के किसी अनुशासन के बिना, माता–पिता के किसी प्यार के बिना, किया जाता है और इसलिए वह अंततः, गली के कोनों पर मटरगस्ती करने वाले, और ताकतवर बच्चों के प्रभाव में गिर पड़ने वाले, बच्चे बन जाते हैं, जो सामान्यतः बुराइयों की ओर मुड़ जाते हैं। और इस प्रकार वे हमें, गुंडागीरी में लगे हुए, केवल मजे के लिए बूढ़े लोगों को पीटते हुए, गलियों के आसपास गुंडों के गिरोह चलाते हुए मिलते हैं। अभी हाल में ही, मैं एक प्रकरण को पढ़ता रहा था, जहॉ पैंसठ साल से अधिक आयु का, एक गरीब बूढ़ा आदमी, एक औरत के द्वारा, पीटा और लूट लिया गया था। केवल इतना नहीं, परंतु उसने उसकी नकली टांग भी ले ली थी! अब वो औरत उस नकली टांग से क्या चाहती है? कैसे भी, जबतक हम ऐसे अनुशासनहीन समाज में हैं, हम साम्यवाद के लिए पक रहे हैं। पहले से ही हमारे पास समाजवाद है। आपको ब्रिटिश कोलंबिया जाना चाहिए और वहॉ की सरकार के अधीन रहना चाहिए। मैं वहॉ से बाहर आ कर प्रसन्न हूँ! मैं विश्वास करता हूँ, कि तब साम्यवाद का एक सुधरा हुआ प्रकार, पूरे संसार को लपेट लेगा और केवल जब कि लोग घर पर रहने और एक परिवार को ठीक से बढ़ाने के इच्छुक होंगे, साम्यवाद मर जायेगा।

जो हमारे पास अभी है, उसकी तुलना में, एक अधिक खराब समय के बाद, और हम अभी काफी बुरा समय देख रहे हैं, क्या हम नहीं देख रहे? हम एक युग को पायेंगे, जब लोग, उस विश्व के झूठे मूल्यों से, जिसमें वे आज हैं, धीमे से जागेंगे। दुर्भाग्यवश, लोग आजकल विज्ञापनों से सम्मोहित हैं, उनका विश्वास है कि उन्हें केवल कुछ निश्चित चीजों को पाना पड़ेगा, वे सिनेमाओं और टेलीविजन के द्वारा चलाये जा रहे अवचेतन (subliminal)[34] विज्ञापनों के शिकार बन जाते हैं। कोई भी व्यक्ति, टी.वी. का कार्यक्रम देखेगा और उसके बाद, स्वप्न देखते हुए एक व्यक्ति की तरह से, उठ बैठेगा और बड़बड़ाता हुआ, एक कार तक चलेगा और सुपरमार्केट की तरफ दौड़ पड़ेगा, और सामानों से लदा हुआ वापस आयेगा, जिसको खरीदने का उसका कोई इरादा नहीं था और इसका वास्तव में, उसके लिए कोई सम्भव उपयोग भी नहीं है, ये सब इस बजह से है क्योंकि, वह विज्ञापन के द्वारा अनुचित रूप से प्रभावित किया गया था। उस सब को समाप्त होना होगा, और एक पुराने जाहिल की तरह दिखने की जोखिम पर, मैं फिर कहता हूँ कि वहॉ, धर्म के किसी प्रकार की ओर, एक वापसी भी होगी। लोगों को स्वार्थपरता की बेड़ियॉ तोड़कर उनसे मुक्त होना पड़ेगा क्योंकि, अब वे चाहते हैं और वे विशेषरूप से ख्याल भी नहीं करते कि वे उन्होंने कैसे पाईं थीं। हमको ''पका हुआ'' समय मिला है, जिसमें नौजवान लोग सोचते हैं कि उनका किसी चीज के लिए मूल्य अदा करना, निश्चितरूप से, असम्मानजनक है। इसके बदले में, वे भंडारों और जलयानों में जाते हैं और वे निश्चित प्रकार से, चुराने का अभ्यास करते है। वे काफी संख्या में जाते हैं और दुकानदार या क्लर्क को पागल बना देते हैं, और जब वह बेचारा, अभागा, परेशान होता है, भंडार में से दौड़ लगा लेते हैं और कोई भी चीज, जिसे वे चाहते हैं, जो

---

34 अनुवादक की टिप्पिणी : अवचेतन (subliminal) संदेश, वह कथन या संदेश है, जो श्रवण अथवा दृश्य माध्यमों से मानवीय श्रवण और दृश्य सीमाओं से परे हटकर सुनाया या दिया जाता है। उदाहरण के लिए कोई अवचेतन संकेत, चेतन मन के लिए सुनने के योग्य नहीं होता क्योंकि ये चेतन श्रवण की दहलीज के नीचे होता है, परंतु अवचेतन या गहरे मन के द्वारा सुना जा सकता है, अथवा, ये एक छवि या बिंब भी हो सकता है, जो इतना संक्षिप्त समय के लिये ऑखों के सामने लाया जाता है कि, चेतन मन इसे समझ नहीं पाता है परंतु ये अवचेतन मन को प्रभावित करता है और व्यक्ति उस बिंब या संकेत के अनुसार, बिना किसी जानकारी के कार्य करने को विवश होता है। उदाहरण के लिए मान लीजिए आप वजन घटाने के लिए किसी अवचेतन संकेत को सुन रहे हैं, ''मैं दुबला पतला हूँ'' यद्यपि आपका चेतन मन इसे स्वयं नहीं मानेगा। तभी दूसरा संकेत ''मैं मोटा हूँ और मैं अपने शरीर घृणा करता हूँ'' आपके अवचेतन को दिया जायेगा। अब चूंकि ये अवचेतन को दिया हुआ संकेत है, न तो आप इसको सुन सकते हैं और न ही चेतन रूप से इसकी आलोचना कर सकते हैं। अतः आपका अवचेतन मन तद्अनुरूप इस पर कार्य करने के लिए विवश होगा और आप अनचाहे, अनजाने ही दुबले पतले होते जायेंगे।

अवचेतन विज्ञापनों का प्रयोग टीवी या सिनेमा के दृश्यों के बीच में किया जाता है। मान लीजिए दस सेंकड का एक विज्ञापन कि अमुक साबुन सौंदर्य के लिए अच्छा है, किसी सिनेमा के बीच किया जाता है, तो संक्षिप्त होने के कारण चेतन मन इसको समझ भी नहीं सकेगा, उसे इसका पता भी नहीं चलेगा और वह अनचाहे ही उस साबुन को खरीदने के लिए विवश हो जायेगा। 20वीं शताब्दी के मध्य में इसका प्रयोग कई विज्ञापनदाताओं के द्वारा किया गया, इससे उनकी ब्रिकी अचानक ही बढ़ गयी, परंतु, इसमें निहित हानियों को ध्यान में रखते हुए, सरकार द्वारा इसे कानूनी रूप से अवैध घोषित करते हुए ऐसे विज्ञापनों पर रोक लगाई जा चुकी है।

उनको अच्छी लगती है, अपने साथ ले जाते हैं। जब मैं वेंकोवर में था, मैंने इसे होते हुए देखा है। वास्तव में, मैं डेनमैन मॉल (Denman Mall) में, अपनी पहिये वाली कुर्सी पर बैठा था, और मैं वास्तव में, ध्यान से, इसे होते हुए, देख रहा था और मैंने विक्री करने वाली क्लर्क को, इसकी सूचना दी, जिसने मात्र अपने कंधों को उचकाया और कहा, ''परंतु मैं क्या कर सकती हूँ? मैं उनके लिए दौड़ नहीं सकती या जबतक मैं पीठ फेरूँगी, पूरा स्टोर लुट जायेगा।'' इसलिए वहाँ तबतक स्वर्णकाल नहीं आयेगा, जबतक कि लोग बड़ी बड़ी पीड़ाओं को नहीं झेलेंगे, उनको सभी प्रकार की कठिनाइयों से गुजरना पड़ेगा, जबतक कि उनकी मनःस्थिति में इतना सुधार न हो जाये, कि वे कठिनाइयों को और अधिक नहीं झेल सकते और इसप्रकार वे, विज्ञापन वाले लोगों का हथियार होने की, अपनी लगभग सम्मोहित अवस्था, से जग नहीं जाते। परंतु तब भी, उन्हें जीवन में अधिक संतोष नहीं मिलेगा जबतक कि औरत घर में बैठती है और अपनी नारीमुक्ति की इच्छाओं को भूल जाती है और एक परिवार को मर्यादा, गौरव और अनुशासन के साथ बड़ा करती है।

यहॉं एक दूसरा प्रश्न है ''क्या अगला स्वामी या आध्यात्मिक नेता, भविष्य में होने वाले विश्व युद्ध के पहले या बाद में, अपना आधिपत्य प्रारम्भ करेगा? निश्चितरूप से, प्रखरप्राणी, जो बहुत दूर से आकर, अंततः यहॉं व्यवस्थित होंगे, पृथ्वी पर रहने वालों की तुलना में, आध्यात्मिक रूप से अधिक प्रगति किये हुए हैं?''

जबतक कि लोग उसके लिए तैयार न हों, हमको वास्तविक ''नायक'' नहीं मिल सकता। पहले उन्हें बहुत अधिक पीड़ा झेलनी पड़ेगी, और अब मैं आपको ये बताने जा रहा हूँ कि अतिविज्ञापित, अति स्वप्रशंसित ''गुरुओं''में से कोई भी, किसी भी प्रकार से, विश्व नेता के रूप में सम्मानित नहीं किये जाने वाले हैं। एक नौजवान मेरे मन में है, जिसने एक ''आध्यात्मिक नेता'' होते हुए, एक वास्तविक पैकेट बनाया है। प्रगट रूप से वह भारत वापस जा चुका है और उसकी स्वयं की सरकार और आयकर अधिकारियों ने! उसे पकड़ लिया है।

इस पृथ्वी के लिए, पहले से ही तैयार एक नेता है, परंतु जबतक कि यहॉं पृथ्वी पर, परिस्थितियॉं उपयुक्त नहीं हैं, उसके लिये कोई अवसर नहीं है, इसलिए, जबतक कि परिस्थितियॉं अनुकूल न हो जायें, वह अपनी उपस्थिति प्रकट नहीं करेगा। विश्व के जीवनकाल में, कुल मिलाकर सौ या ऐसे ही कुछ वर्ष, या हजार या ऐसे ही कुछ वर्ष, क्या होते हैं ? देखिये, ये पूरी सभ्यता, अंततः गुजर जायेगी और दूसरे आयेंगे, बढ़ेंगे, हिम्मत हार जायेंगे और दूसरों के आने के लिए जगह बनाते हुए मर जायेंगे, क्योंकि ये पृथ्वी, मात्र एक प्रशिक्षण स्कूल है, और यदि अब हम इसका ठीक उपयोग नहीं करते, हम वापस आते रहेंगे, जबतक कि हमको और अधिक बोध न आ जाये।

हम लोग, जो पुस्तकें लिखते हैं, सभी प्रकार के अजीब पत्र पाते हैं, उदाहरण के लिए, लोगों से, मुझे कुछ थोड़े से पत्र मिले, जो मुझे बताते हैं कि वे आसपास धकेले जाने से थक गये हैं, उन्होंने कराटे (Karate) या जूड़ो (Judo), या किसी भी पूर्वीय ''युद्ध कलाओं (martial arts)'' के लिए एक विज्ञापन देखा है, और वे एक पाठ्यक्रम पढ़ने के लिए दौड़ने वाले हैं, ताकि उनके अनुसार, पहले पाठ के ठीक बाद ही, वे बाहर जा सकें और वे सांड़ (bully) को, वास्तव में, अपने कंधों पर उछाल सकें, और इस सम्बन्ध में, मैं क्या सोचता हूँ?

मैं सोचता हूँ ऐसे लोग मूर्ख हैं। प्रारम्भ करने के लिए, मेरे पहले विश्वास में, इनमें से अनेक लोगों पर, जो कराटे के इन पाठ्यक्रमों या दूसरे पाठ्यक्रमों का, विशेषरूप से यदि वे पत्राचार पाठ्यक्रम हैं, विज्ञापन देते हैं, वास्तव में मुकदमा चलाया जाना चाहिए, क्योंकि, वे ऐसी चीजों को पत्राचार के द्वारा नहीं सिखा सकते, और इसके अतिरिक्त, कभी भी, किसी को कराटे या जूड़ो या ऐसी ही किसी चीज को, सिवाय उस कला में स्वीकृत और अनुज्ञाप्राप्त एक शिक्षक से सीखने के, अन्यथा प्रयत्न नहीं करना चाहिए।

एक अभिरुचि सम्पन्न और प्रशिक्षित पर्यवेक्षक व्यक्ति के रूप में, आजकल, मुझे ऐसा लगता है कि, विरोध को अपंग बनाने की कला के सम्बन्ध में पेपरबैक (paperback) पुस्तक के ऊपर, अनुभवहीन नौजवानों के एक समूह की पकड़ है। वह अनुभवहीन नौजवान इसे पढ़ता है, और तब वह सोचता है ''ओह, जी, यहॉ, इसमें से बनाये जाने वाले धन की, एक वास्तविक जेब है!'' इसलिए तब वह एक आश्चर्यजनक विचार पाता है। वह पुस्तक को, एक पत्राचार पाठ्यक्रम के रूप में, फिर से लिखेगा और तब वह अपनी कन्या मित्र को, टोपलेस (topless) और वैसे ही लगभग बोटमलेस (bottomless) पायेगा और वह, ये दिखाते हुए कि कैसे एक छोटी बच्ची, एक बड़े आदमी को पटक सकती है, उसके कुछ फोटोग्राफ लेगा। तब विज्ञापन को, भोले भाले, उपयुक्त प्रकाशनों को दिया जायेगा, और पैसा बरसने लगेगा, और चूसने वाले, वास्तव में, अपने पैसे को, किसी चीज, जो वास्तव में, उनके लिए उपयुक्त नहीं है, में लगाने के लिए पंक्तिबद्ध होकर खड़े हो जाते हैं।

लोग मुझे पूछते हैं कि मैं इनके बारे में क्या सोचता हूँ और मेरे पास एक मानक (standard) प्रश्न है। वह है : ''ठीक है, आत्मरक्षा वाले एक पाठ्यक्रम के, पॉच पाठ पढ़ लेने के बाद, आप लूटे जा रहे हैं, परंतु यदि, आपके ऊपर आक्रमण करने वाले ने दस पाठ पढ़े हों, तो आप क्या करने वाले हैं? यदि वह आपकी ओर से, अत्यधिक प्रतिरोध पाता है, यदि, आप उसके लूटपाट के कार्य को अत्यधिक कष्टदायी बना देते हैं, तब वह निश्चित रूप से आपको पीटने वाला है, जबकि पहले, वह केवल आपका धन ही लेता।''

मेरा विश्वास है, पुलिस, बिना किसी अपवाद के, किसी व्यक्ति को चुप रहने की, कुछ विरोध न करने की, सलाह देती है, क्योंकि यदि कोई गुण्डा या लुटेरा हताश है और उसको विरोध झेलना पड़ता है, तब अधिक सम्भावना ये है कि, जो चीज लूटपाट की सरल क्रिया होने वाली थी, वह लूटपाट की क्रिया, बलात्कार या वास्तविक रूप से, अंगभंग में, बदल सकती है। यह हत्या में भी बदल सकती है। यदि आप लुटेरे का प्रतिरोध न करें, परंतु बदले में अत्यन्त सावधानी के साथ ये देखें कि वह कैसा दिखता है, वह कितना बड़ा है; क्या वह लम्बा, पतला, मोटा, और किसी विशेष आदत वाला है, वह कैसे बोलता है? उसको सावधानीपूर्वक देखें, बिना उसको ऐसा लगते हुए कि आप पुलिस को हमलावर का, एक एकदम सही, सटीक वर्णन दे सकते हैं, उसका अध्ययन करें। आप, उसका एकदम सही वर्णन करने में समर्थ होने चाहिए, उदाहरण के लिए, उसके बालों का रंग, ऑखों का रंग, उसके मुँह की, कानों की आकृति, और कोई विशेष खासियत। उदाहरण के लिए, क्या ऐसा लगता है कि वह उल्टे हाथ वाला (left handed) है, क्या वह लंगड़ाता है, क्या वह किसी अलग से दिखने वाले आइटम को पहने है, जो आपको, बाद में, उसे पहचानने में मदद करेगा ? याद रखें, यदि वह, आपके वर्णन के आधार पर, गिरफ्तार हो जाता है, तो आपको पुलिस थाने जाना होगा और उसे पुलिस की शिनाख्त–पंक्तियों (line-ups) के बीच, पहचानना होगा। और यदि आप, सादा कपड़ों में पुलिस के एक सिपाही को, जो वहॉ, केवल संख्या में बद्धि करने के लिए जुड़ा था, पहचान लेते हैं, आप आधे मूर्ख नहीं दिखाई देंगे! इसलिए मेरी जबरदस्त सलाह ये है, कि शांति बनाये रखें, भगदड़ न करें, हमलावर या लुटेरे का, उसकी किसी भी मूल्यवान चीज को मानसिक टिप्पणी बनाते हुए, अत्यधिक सावधानी के साथ निरीक्षण करें।

सर्वोत्तम सलाह, जो मैं आपको दे सकता हूँ ये है कि आप इन बेवकूफी भरी चीजों की तरफ न जायें, वे आपका कुछ भला नहीं करेंगी।

दूसरी चीज, जिसके बारे में लोग मुझे लिखते हैं, वे हैं हथियार, जो कि आजकल अनेक पत्रिकाओं में विज्ञापित किये जाते हैं। ये सामान्यतः एक चीज के लिए हैं, जो फाउंटेनपेन जैसी दिखती है। ये लगभग फाउंटेनपेन के आकार की होती है, और ये हमलावरों के विरुद्ध बचाव के रूप में विज्ञापित की जाती है। ये गैस बंदूक (gas-gun) है। आप तबतक प्रतीक्षा करें, जबतक कि आप पर

हमला किया जाये और आप तब इस फाउंटेनपेन दिखने वाली चीज को पकड़ें और इसके सिरे को दबायें। दूसरे सिरे से जहरीली गैसों का एक बादल उभरता है, जो व्यक्ति को, लगभग बीस से तीस मिनटों के लिए, निष्क्रिय बना देता है ।

सिद्धान्ततः, ये आपकी सुरक्षा का, एक आश्चर्यजनक विचार है, परंतु सोचें; क्या आप निश्चित हो सकते हैं कि हवा की दशायें आपके लिये ठीक हों ? यदि हवा आपके विरुद्ध चल रही हो, तो गैस का बादल, आपके हमलावर की तरफ, बाहर की तरफ, नहीं जायेगा परंतु, गैस आप पर आयेगी, और जब हमलावर आपको, अपने स्वयं के बचाव के हथियार के प्रभाव में आते हुए, जमीन पर छटपटाते हुए, देखेगा, वह अपने जीवन की सबसे बड़ी हॅसी हॅसेगा। तब उसे जो कुछ करना है वह है, नीचे की तरफ झुकना और आपकी घड़ी, गहने, जो आपके पास हैं, को लेना, और आप पूरी तरह से असहाय हैं, ऐसा कुछ भी नहीं है, जो आप उसके विरुद्ध कर सकें। इसलिए बड़ी–बड़ी जबर्दस्त सलाह का टुकड़ा ये है कि, जब आप गैस बंदूकों जैसे, ऐसे विज्ञापनों को देखें, अच्छे ज्ञान के साथ, केवल मुस्करायें, और इसे न खरीदें, यदि आप इसे खरीदते हैं, आप स्यवं ही, एक जाल में फॅस रहे होंगे।

इसको ध्यान रखें; पुलिस लुटेरों को पकड़ने के लिए प्रशिक्षित होती है, वे हमलावरों से निपटने के लिए प्रशिक्षित किये जाते हैं, और यदि आप जायें और अपने आपका बचाव करें, तब आप पायेंगे कि आप बुरी तरह से पीटे गये हैं, या आपका गला काट दिया गया है, या वैसी ही कुछ दूसरी चीज। आप पुलिस के आदमी से, या किसी भी दूसरे से, कोई बड़ी सहानुभूति नहीं पायेंगे। आप इसे पुलिस के ऊपर छोड़ दें, ये सबसे सुरक्षित तरीका है। मैं, कुछ विज्ञापनों के बारे में, जो आजकल विभिन्न प्रकाशनों में दिखाई देते हैं, अत्यधिक दुखी हूॅ। उदाहरण के लिए, अक्सर लोग मुझे विज्ञापन भेजते हैं, जो ये इंगित करते हैं कि कोई घटिया, छोटा प्रतिष्ठान विज्ञापन देती रही है कि वे, लोबसॉग रम्पा के द्वारा, विशेषरूप से बनाई गईं, या वे चीजें, जो लोबसॉग रम्पा के कारखाने में बनी हैं, कुछ चीजें बना रहे हैं। अब मुझे इसको, एक बार फिर से, और सभी को, स्पष्ट कर लेने दो; मैं बिल्कुल भी, कोई चीज नहीं बनाता, मेरी कोई कार्यशाला नहीं है। इसके बदले में, मैं अपना अधिकांश समय, बिस्तर या व्हील चेयर की कुर्सी में, व्यतीत करता हूॅ, और मुझे इसप्रकार की चीजें करने की कोई सुविधा नहीं है, और न हीं कोई झुकाव।

मेरे पास, किसी भी प्रकार के, कैसे भी, कोई व्यापारिक उद्योग नहीं हैं और मैं प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से, किसी भी फर्म से, बिल्कुल भी जुड़ा हुआ नहीं हूॅ। केवल दो लोग हैं, जो किसी भी प्रकार से, मेरे नाम का उपयोग कर सकते हैं; वे हैं, ए टच स्टोन लिमिटेड, 33, ऐशबायी रोड, लाउफबोरो, लाइस्टरशायर, इंग्लैण्ड (A Touch Stone Limited, 33, Ashby Road, Loughborough, Leicestershire, England), के श्रीमान् सोटर (Mr. Sowter), और कोवहेड, न्यूयोर्क, पोस्ट ऑफिस पी. ई. आई. कनाडा (Covehead, York P.O., P.E.I., Canada) के श्रीमान् ऐड ओर्लोव्सकी (Mr. Ed Orlowski)। इन दो लोगों के लिए, मैंने कुछ चीजें बनाई हैं, और उन्हें, मेरे द्वारा रचना की गई और उनके द्वारा बनाई गई, चीजों के रूप में, निर्माण करने की आज्ञा दी है। अब इन दो लोगों को छोड़कर, कोई भी दूसरा, ये दावा करने का, कि वे मेरे साथ जुड़े हुए हैं, या मेरी डिजाइन की हुई चीजों को बना रहे हैं, बिल्कुल कोई अधिकार नहीं रखता। यदि वे दावा करते हैं कि उनके पास मेरी चीजें हैं, और वे सोटर या ओर्लोव्सकी नहीं कहे जाते, तब आप विश्वस्त हो सकते हैं कि वे निश्चितरूप से, धोखेबाज हैं।

मैं इसका उल्लेख करता हूॅ, क्योंकि मनोवैज्ञानिक पत्रिकाओं में विज्ञापन देती हुई, ऐसी अनेक उगती हुई बुराइयॉ हैं। वे विज्ञापन देते हैं, मानो कि वे मुझसे जुड़े हैं, मानो कि वे मेरे अंतरंग मित्र हैं, जबकि, वास्तव में, वे एकदम उल्टे हैं। इसलिए क्या आप इसे विचार में रखेंगे ? आपको चेतावनी दे दी गई है !

अध्याय छः

बाद में परिस्थितियॉ काफी अधिक कठिन रहीं हैं। अभी तक आने वाले पत्रों का भयानक दबाव रहा है, कई बार एक दिन में सौ पत्रों से भी अधिक, और यदि उन्हें एक या दो दिन, जवाब की प्रतीक्षा करनी पड़ी तो लोग इतने चिड़चिड़े हो गये।

दर्द बढ़ते रहे थे और सामान्य प्रकार का मौसम, मुझे खराब, और खराब, अनुभव करा रहा था रात के बाद रात, को मैं घर में, अपने अस्पताल के बिस्तर पर, बेचेनी से उछलता कूदता रहा और अंत में, एक रात, मैं और अधिक खड़ा नहीं हो सका।

श्रीमती रम्पा ने, एक डॉक्टर, जो घर से आने वाले फोन कॉल पर आ सके, का पता लगाने का प्रयास करने में, टेलीफोन की लाइन को लगभग जला डाला। नामी धाक वाली, एक महिला डॉक्टर, सर्वाधिक असौहार्द्रपूर्ण और अत्यन्त अमानवीय थी : ''उसे अस्पताल में ले आयें,'' उसने कहा, ''ऐसे लोगों के साथ, करने के लिए केवल एक यही चीज है।'' ठीक है, मेरी पत्नी ने आसपास, एक के बाद दूसरे स्थान पर, सब तरफ फोन किये, परंतु कोई भी डॉक्टर, बुलाये जाने पर, घर आने को इच्छुक नहीं था।

मैंने, चिकित्सीय धंधे को, जो कुछ हो चुका है, उस पर आश्चर्य करते हुए, सच्ची विचारणीय पीड़ा में रात गुजारी। निश्चितरूप से, चिकित्सा का धंधा, पीड़ा से राहत दिलाने के लिए समर्पित था। निश्चित रूप से, ''कोई नुकसान मत पहुँचाओ,'' जैसे आधारभूत विचारों में से एक था, ये वास्तव में, मुझे अपनी पीड़ा की स्थिति में छोड़ते हुए, मुझको नुकसान पहुँचा रहा था, परंतु उस रात को कोई आराम कोई राहत नहीं मिलनी थी। धीमेधीमे दारुण घंटे गुजरे और मेरी खिड़की के पास से, पूरी रात भर यातायात चिंघाड़ता रहा। केलगेरी के सम्बन्ध में उल्लेखनीय चीजों में से एक ये है कि, यातायात पूरे चौबीस घंटे, ज्यों का त्यों, जारी रहता है, ऐसा लगता है कि यातायात कभी समाप्त नहीं होता, परंतु एक शहर, जिसमें उत्तरी अमरीका की जनसंख्या की तुलना में, कारों की संख्या अधिक हो, से ये अपेक्षा की जानी चाहिए।

अंत में, मेरी खिड़की में से छनकर, प्रकाश की पहली धुंधली किरणें आनी प्रारम्भ हुईं और तब एक बार फिर, एक डॉक्टर, जो कि बुलाने पर घर आ सके, को ढूंढ़ने के लिए, प्रयत्न करने का प्रयास हुआ। आप लोगों में से कुछ, आश्चर्य कर सकते हैं कि मुझे अस्पताल की तरफ क्यों नहीं दौड़ाया गया। इसका उत्तर सरल है; जबतक कि एक निश्चित आदेश, या किसी सामान्य अभ्यासकर्ता (General practioner) की वचनबद्धता न हो, आजकल अस्पताल मरीजों को लेना नहीं चाहते। बाद में सूचित किये गये मरीजों को, अस्पतालों से वापस लौटा दिये जाने के, अनेक प्रकरण हो चुके हैं वास्तव में, लगभग, मेरी बीमारी के बढ़ते समय, एक प्रकरण, जिसमें एक व्यक्ति, जिसे अस्पताल में लाया गया था और उसे मना कर दिया गया था, की सूचना मिली थी। बेचारा पीड़ित, अनेक अस्पतालों में ले जाया गया और हर एक के द्वारा उसे मना कर दिया गया, और तब वह घर में मर गया। ये सब तहकीकात करने पर सामने आया, परंतु चूँकि, उस समय मैं बीमार था, मैंने, क्या हुआ था, तलाशने का रास्ता छोड़ दिया, यद्यपि मैं विश्वास करता हूँ कि अस्पताल के अधिकारियों के द्वारा, पूरी चीज छिपायी गई थी।

दोपहर के लगभग, हम एक डॉक्टर को, मुझे देखने के लिए अपने घर बुलाने में सफल हुए। वह आया, उसने देखा, और उसने एक रोगी वाहिका (Ambulance) को फोन कर दिया। लगभग बीस मिनट में एम्बुलेंस वाले आदमी आ गये, और वे बहुत चुस्त, बहुत दक्ष, नौजवान थे। वे एम्बुलेंस वाले अत्यधिक विचारशील आदमी थे, जो मुझे मिले; मैं इंग्लैण्ड, जर्मनी, फ्रांस, रूस और थोड़े अन्य स्थानों में अस्पताल में रहा था परंतु ये नौजवान, सही में, अपने काम को जानते थे। उन्होंने मुझे अपने मोबाइल स्ट्रेचर पर रखा और वे मुझे दरवाजे के बाहर लाये, और उनमें से एक ने सगर्व कहा, ''आप इस

एम्बुलेंस पर चढ़ने वाले, दूसरे ही मरीज हैं, ये आज ही हमें दी गई है।'' हॉ, ये एक अच्छी एम्बुलेंस भी थी। मेरे स्ट्रेचर (stretcher) को अंदर खिसका दिया गया, एक परिचारक (attendant) मेरे साथ अंदर आया, और हम गाड़ी चलाकर फुट हिल्स हॉस्पीटल में पहुॅच गये।

शीघ्र ही, हम अस्पताल जाने वाली नई सड़क पर लुढ़क रहे थे। शीघ्र ही, जैसे ही हम एम्बुलेंस के खंड में प्रविष्ट हुए, वहॉ एक सहसा अंधेरा हुआ। बिना किसी लाल फीताशाही के, बिना किसी समय को गंवाये, मेरा स्ट्रेचर बाहर को फिसला दिया गया, मैं फिर से पहियेदार ट्रॉली पर बैठा और दोनों एम्बूलेंस वाले आदमियों ने, मुझे गलियारे वाले रास्ते में, एक विद्युत चालित सीढ़ी (elevator) में अंदर धकिया दिया गया।

विद्युत चालित चीढ़ी, सरलता से ऊपर की तरफ चली और एक झटके के साथ रुक गई। और अत्यधिक सावधानी से, मेरे साथ दूसरे वाले गलियारे में, नीचे की ओर एक वार्ड में, कुछ प्रयास किये गये, और मुझे ये दुबारा कहना चाहिए कि ये दोनों आदमी, अपने काम को जानते थे, वे कुशल थे, वे सभ्य थे, वे दूसरों से, जिनसे मुझे पीड़ा हुई थी, कुछ अलग थे।

द फुटहिल्स हॉस्पीटल, शायद, केलगेरी का सर्वोत्तम अस्पताल है, सर्वाधिक दक्ष, सर्वाधिक आधुनिक। ये एक ''गर्म'' स्थान है जहॉ लोग ''परवाह करते हैं,'' और मुझे कहना चाहिए कि समय, जो मैंने वहॉ गुजारा, सुखद समय था, उतना सुखद था, जितना कि नर्सें और अर्दली इसको बना सकते थे। कोई भी, ये कहने के लिए कि इलाज सुखद होता है, इतना मूर्ख नहीं बनने जा रहा है, जैसा मैं कह चुका हूॅ, ये आयकर के लोगों के लिए है, जब उन्होंने पूछने का प्रयास किया कि मुझे पहियेवाली कुर्सी क्यों चाहिए, ठीक है, निश्चितरूप से, किसी को पहियेवाली कुर्सी, आनन्द के लिए नहीं चाहिए। ये अपंगों के लिए आवश्यकता का मामला है, और उसी तरह से, अस्पताल का इलाज, कोई आनंद लेने लायक नहीं होता परंतु इसे, डॉक्टरी स्टाफ की देखभाल और समर्पण के कारण, उतना, जितना कि सम्भव हो, पीड़ारहित बना दिया गया था।

दूसरे अस्पतालों में, कोई मानवीय विचार एकदम नहीं है, परंतु द फुटहिल्स हॉस्पीटल, से मैं इतना प्रभावित था कि जब मैंने इसे छोड़ा, तो मैंने कुछ निश्चित नर्सों और निश्चित अर्दलियों, विशेषकर, एक अर्दली की, जिसने वास्तव में, पीड़ितों के लिए चीजों को सरल बनाते हुए, अपनी सीमाओं के परे, अपनी कठोर कर्तव्य के बाहर जाकर, काम किया था, चिकित्सा संचालक और प्रशासक को प्रशंसा करते हुए लिखा।

स्वाभाविकरूप से, मैं काफी आशा करता था कि, मैं द फुटहिल्स हॉस्पीटल, में दुबारा नहीं जाऊॅगा, परंतु निस्सन्देह रूप से, मुझे एक अस्पताल जाना पड़ेगा, और बिना किन्हीं पूर्वाग्रहों के, सर्वोत्तम अस्पतालों, जो किसी को मिल सकता है, के बारे में, मेरी पसंद, एक बार फिर वही, केलगेरी का, द फुटहिल्स हॉस्पीटल, ही होगा, यदि वह अस्पताल को मिलता है।

परंतु फिर से घर, स्वाभाविक रूप से, मैं ठीक नहीं हुआ। मैं काफी बीमार महसूस कर रहा था और इस पुस्तक का काम मुश्किल होता जा रहा है, मुश्किल होता जा रहा था, क्योंकि, जब किसी को इतनी अधिक तकलीफ हो, जितनी मुझे थी, तब शरीर, ज्यादा काम करने का विरोध करता है। बुरा न मानें, मैं कह चुका हूॅ कि ये पुस्तक लिखी जायेगी और ये लिखी जायेगी।

आज, जबसे मैं अस्पताल से घर आया, दूसरी बार, फिर से बाहर आ गया हूॅ। बिग्स, अभी भी यहॉ है, और एक हफ्ते और आगे तक, वह यहॉ रहेगा। हम फुटहिल्स में गये और मुझे, एक बार फिर, संवेदनशील होने के नुकसान का पता लगा क्योंकि, हम एक पुराने भारतीय शिविर के पास से गुजरे, मारकाट़ का दृश्य, और सबसे खराब बात यह कि मैं स्वास्थ्य में जितना अधिक खराब होता हूॅ, उतना ही अधिक मानसिक हो जाता हूॅ और एक स्थिति में मुझे अपनी ऑखें बंद करनी पड़ीं, क्योंकि, मैं भारतीयों और उनके बीच वाक्युद्ध को ''देख'' सका। ये इतना सजीव था, कि मेरे लिए, उतना सादा

जितनी कि कार, जिसमें मैं बैठा था, और अव्यवस्था के बीच, कार चलाते हुए जाना, डराने वाली चीज है।

बिग्स, कार चालक, जो ''संवेदनशील'' होने का दावा नहीं करता, भी कुछ अनुभव कर सका, चूँकि उसके बाल खड़े हो गये थे।

यद्यपि, ऊँचे स्थान में रह कर, सब तरफ देखते हुए, शहर के बाहर की तरफ देखना, अत्यन्त सुखद था। परंतु, अनेक दूसरे शहरों की तरह से, आजकल वातावरण प्रदूषित है। हमारे यहाँ केलगेरी के सब तरफ, तेल के कुए हैं और वे हवा में, दिन और रात, धुंए जैसी गंध उगलते हैं। अपनी अज्ञानता में, मैं हमेशा आश्चर्य करता हूँ कि दुगन्धयुक्त धुआं, शहर के चारों ओर रहता है। हम समुद्रतल से तीन हजार पाँच सौ फुट की ऊँचाई पर हैं, केनेडा का सबसे ऊँचा शहर, और तिस पर भी, मैं आश्चर्य करता था कि ये धूम, घास के बड़े मैदानों की तरफ क्यों नहीं लुढ़कते चले जाते। बुरा न मानें, शायद, एक दिन, मैं कारण जान जाऊँगा, परंतु भूरे रंग के इस वलय को, पूरे शहर के चारों तरफ देखना, हृदयहीन दिखाई पड़ता है।

फुट हिल की अपनी यात्रा से, दुबारा काम पर वापस आने पर काम करें, क्योंकि, किसी भी प्रकार से, काम को जारी रहना चाहिए।

इससे पहले कि हम उस प्रकार केप्रश्नों का उत्तर दें जिसमें, आप अधिकांश रूप से दिलचस्पी रखते हैं, मुझे एक प्रश्न, जो मुझसे अक्सर पूछा जाता है, का उत्तर दे देने दें : ''मैं आपके इस, BM/TLR, London, England, पते को नहीं समझ पाता, मुझे यह, एक पते जैसा नहीं दिखाई देता।'' लोग विश्वास नहीं करते कि ये एक ठीक पता है, इसलिए वे, ये निश्चित करने के लिए कि इंग्लैण्ड में डाक अधिकारी जानते हैं कि पत्र मेरे लिए भेजा गया है, सभी प्रकार की अनजान युक्तियों में फंसे रहते हैं। इसलिए मैं, एक अत्यधिक सुंदर फर्म का, एक निशुल्क विज्ञापन देने के लिये, थोड़ा सा स्थान ले रहा हूँ। बहुत, बहुत सालों पहले, इंग्लैण्ड के एक व्यक्ति ने तय किया कि, पर्यटकों और दूसरों के लिए, जो सामान्य रूप से, अपने पतों का प्रकट किया जाना, नहीं चाहते थे, ब्रिटेन के डाक कार्यालय के साथ, एक ऐसी व्यवस्था करना, जिसके द्वारा वह एक सामान्य पता, जो था, ''ब्रिटिश मोनोमार्क लंदन, डब्ल्यू. सी. वन (British Monomark, London, W.C. 1.)," दे सकें, और कोई भी पत्र व्यवहार, जिस पर B.M. लिखा हो, एक फर्म, जो उसने संगठित की थी, को भेजा जाय, ये एक आश्चर्यजनक सुविधा होगी।

तब उसने बहुत ही सामान्य धन के लिए, जिन्हें, आजकल मोनोमार्क पते कहते हैं, लोगों को उपलब्ध कराये। सबसे सस्ते प्रकार के वे हैं, जो किसी को आवंटित किये जाते हैं, जो उदाहरण की विधि से, बी.एम / 1234 हो सकते हैं। परंतु यदि आप अपना खुद के प्रथमाक्षर (initials) उपयोग करना चाहते हैं, तो आप ऐसा भी कर सकते हैं, जैसा कि मैंने किया, मेरा मोनोमार्क है (BM/TLR)। अब, इसमें, BM, ब्रिटिश मोनोमार्क को बताता है, और जब डाकघर के छंटनी कर्मचारी (sorters), बी.एम. देखते हैं, वे जान जाते हैं कि ये ब्रिटिश मोनोमार्क के लिए है, और वास्तव में, तब पत्र ब्रिटिश मोनोमार्क को भेज दिया जाता है। ब्रिटिश मोनोमार्क जानते हैं कि बी.एम., उनकी पहचान है, और इसलिए वे इस प्रकरण में, दूसरी पहचान, टी.एल.आर. पर जाते हैं। इसलिए वे उसे, या तो बी.एम. बिट के ऊपर चिपकाये हुए, चिपकने वाले भारी–भारी लेबिल लगाकर के या बड़े लिफाफे पर पैक किये हुए, टी.एल.आर. की डाक को एक बक्से में रख देते हैं, एक सप्ताह में दो या तीन बार, कोई जैसे चाहता है, डाक मुझे भेजी जाती है।

यहाँ बी.एम. मोनोमार्क का एक और प्रकार भी है, परंतु वह बी.सी.एम. (BCM) है, जिसका अर्थ, ब्रिटिश व्यापारिक मोनोमार्क (British Commercial Monomark); और वह व्यापारी प्रतिष्ठानों के लिए है। मेरा, निजी प्रकार का है, परंतु यदि मैं एक बड़ी फर्म होता, तो मुझे एक ब्रिटिश व्यापारिक

मोनोमार्क मिला होता। मुझे, ब्रिटिश मोनोमार्क के खिलाफ, बीस साल में, एक भी शिकायत नहीं मिली है, और ये मेरे लिए, सत्य ही, सम्पूर्ण आनन्द का एक मामला है, कि वे डाक के साथ, कितनी सावधानी से व्यवहार करते हैं और कैसे वे कभी गलती न करने वाले, अचूक हैं। केवल सोचें। मैं, पूरी दुनियॉ से, मोस्को से भी, बहुत बड़ी संख्या में डाक पाता हूँ! और मोनोमार्क, विदेशी टिकिटों को लिफाफों से उतारते नहीं है, और वे कोई भी गलती नहीं करते। इसलिए यदि आप उनसे, और अधिक जानना चाहते हैं, तो आपको जो करना है वह है, बी.सी.एम./मोनो, लंदन, डब्ल्यू.सी.आई. 1, इंग्लैण्ड, लिखना, और वे आपको, पूरी सूचनायें, जो आप चाहते हैं, देंगे। परंतु मैं इस अवसर को, अत्यधिक गम्भीरता के साथ, मोनोमार्क फर्म को, उनकी एकदम आश्चर्यजनक सेवा को, जो वे देते हैं, बधाई देने के लिए, लेना चाहता हूँ। मेरा खुद का मामला देखें; मैं घूमता फिरता रहता हूँ, मैं दूसरे देशों, और कनाडा में भी गया, सब तरफ गया, और फिर भी, मुझे जो कुछ करना है, वह है, मोनोमार्क को लिखना और उन्हें ये बताना कि अमुक दिनांक से, कृपया पूरी डाक को (मेरे नये पते पर), अग्रेषित करें और बिना किसी गलती के, हर कहीं डाक पहुॅच जाती है।

मुझे आपको ये सब बताने दें, ये बताने लायक है, या पढ़ने लायक; कुछ समय पहले एक अत्यन्त दुर्भाग्यशाली घटना हुई थी, मेरी परिचित एक महिला, मेरी एक दोस्त को, नाड़ीतंत्र की थोड़ी परेशानी थी और, मैंने सोचा, वह कष्टों के सम्बन्ध में, जो मैं प्रेस के साथ झेल रहा था, चिंतित थी। इसलिए उसने ब्रिटिश मोनोमार्क को लिखा, और मेरी पूरी डाक को, उसके पते पर भेजने के लिए कहा। उसने ऐसा प्रदर्शित किया कि ये मेरी ओर से एक निश्चित प्रार्थना थी।

ब्रिटिश मोनोमार्क, वास्तव में, एक अनुभवी प्रतिष्ठान है। उन्होंने, उसके शब्दों को, सही नहीं माना, उनको ठगा नहीं जा सकता था। उन्होंने, ये देखने के लिए कि मेरे निर्देश क्या थे, मुझे लिखा। ठीक है, मैंने थोड़ा सा संचार तोड़ दिया, परंतु जब मैं शान्त हो गया और अनुभव किया कि आपको, शायद, नाड़ियों के तनाव को पैदा करती हुई छोटी सी गलती के लिए, केवल अपने मित्र के ऊपर नहीं छोड़ना चाहिये, इसलिए मैंने, मोनोमार्क को, अपनी डाक को, पहले की तरह ही, मुझे भेजने के लिए, लिखा। वास्तव में, मैं उनकी प्रशंसा, अत्यधिक ऊँचाई तक नहीं कर सकता। आप सोच सकते हैं कि मैं, उनके सम्बन्ध में, ''अत्यधिक प्रशंसा कर रहा हूँ'', परंतु ये बिल्कुल भी ऐसा नहीं है। किसी की भी डाक महत्वपूर्ण होती है और ये हम सबके लिए अत्यावश्यक है, कि हम उनके ऊपर, जो डाक को अग्रेषित करते हैं, पूरी तरह से निर्भर कर सकते हैं। आप मोनोमार्क के ऊपर निर्भर कर सकते हैं! इसलिए मोनोमार्क प्रतिष्ठान के महिला और पुरुष कर्मचारीगण, आपको धन्यवाद।

श्रीमती राउस उर्फ बटरकप, मुझे बताती हैं कि जब मैं काम के लिए तैयार होता हूँ, मैं ''सात बौनों के डॉक (Doc of the Seven Dwarfs)[35]'' जैसा दिखता हूँ। ठीक है, मैं निश्चितपूर्वक नहीं कह सकता कि उसका वास्तविक अर्थ, निस्तेज (Dopey) से नहीं है, परंतु कैसे भी, मैं सोचता हूँ कि पत्रों, जिनमें और अधिक संख्या में प्रश्न भरे हैं, के ढेर से घिरा हुआ मैं, एक बीमार बूढ़े साथी की तरह, एक

35 अनुवादक की टिप्पिणी : डिजनी की 1937 की सचित्र फिल्म, सात बौनों का डॉक (Doc of the Seven Dwarfs) में, डॉक सात बौनों का नायक है। नवंबर 1935 की मूल कहानी में डॉक उपस्थित नहीं था। कई महीनों बाद बनी फिल्म "The art of Walt Disney" में, उसकी भूमिका और ग्रम्पी (Grumpy), के साथ उसके संबंध को स्थापित किया गया। वाल्ट डिजनी ने टिप्पणी की थी कि डॉक का परेशान व्यक्तित्व ऐसा होना चाहिए कि उसके साथी बौनों में से एक के ध्यान दिलाये जाने बिना, वह कभी ये जान सके कि वह कहॉं था। 1937 में डिजनी की फिल्म में, डॉक (Doc), ग्रम्पी (Grumpy), हैप्पी (Happy), स्लीपी (Sleepy), डोपी (Dopey), बासफुल (Bashful) स्नीजी (Sneezy) नाम के सात बौने हैं। इनमें से डॉक ही, ऐसा अकेला बौना है, जिसका नाम कोई विशेषण नहीं है। कोई भी व्यक्ति, डॉक से डॉक्टर समझ सकता है। परंतु ये डॉक्टर नहीं है। दूसरे बौने ग्रम्पी का अर्थ हमेशा, निश्चित रूप से होता है; बुरे स्वभाव वाला। तीसरा बौना हैप्पी, अपने नाम के अनुरूप प्रसन्नचित्त होता है, हैप्पी का अर्थ भाग्यशाली, सफल था और ये किसी भी व्यक्ति, घटना या काल के लिए, उपयोग में लाया जा सकता था। चौथा बौना स्लीपी, हमेशा सोने को तैयार; जिसको जगा देने में कठिनाई महसूस होती हो, हमेशा उनींदा सोया हुआ सा था। पांचवॉं बौना डॉपी, बुद्धू प्रकार का, मनोरंजन भर के लिए अवैध मादक पदार्थों का सेवन करने वाला था। छटवॉं बौना, बासफुल शर्मीला था, जिसको, आत्मविश्वास का अभाव होने के कारण, हमेशा लज्जित किया जा सकता था। सातवॉं बौना स्नीजी, वह बौना है, जो हमेशा छींकता ही रहता है। इसके छींकने का कारण, हमेशा आश्चर्यचकित करता है।

पहिये वाली कुर्सी से चिपका हुआ दिखाई देता हूँ। बुरा न मानें, मुझे इस पुस्तक को लिखने के लिए कहा गया है, और मैं बिल्ली अंदर आई और जल्दी में पीछे छोड़ दी गई, जैसी चीज को अनुभव करने के बजाय, लिख रहा हूँ। इसलिए हम अपने प्रश्नों और उत्तरों के साथ आगे चलें, क्या हम चलेंगे?

ओह! प्रभु की जय हो, ओह! प्रभु की जय हो, अब, मैंने अपने आपको, किसी चीज के लिए अंदर आने दिया है! यहाँ पहला प्रश्न है, जो मैंने अभी अभी उठाया है, इसलिए अच्छा हो, आप सीधे तन कर बैठें और अपने चश्मे के कांचों को साफ कर लें, यदि आप उसे पहनते हों, और इस खेप को पायें : ''ये विचार करते हुए कि हम, (आशापूर्ण ढंग से) चौथी विमा में उन्नत होते हुए, त्रिविमीयप्राणी हैं, तार्किक ढंग से, ऐसा लगता है कि पहले किसी एक विमीय क्षेत्र से होते हुए, हम द्विविमीय क्षेत्र से आये हैं। पहला प्रश्न ये है कि क्या ये घटाव सही है, और यदि ऐसा है, तो हम एक विमा में होने से पहले क्या थे, और प्रगति करने के लिए, हमें किस प्रकार की आध्यात्मिक उपलब्धि करनी पड़ी। अब, चीजों को, आगे और जटिल बनाते हुए, यदि हमारे उन्नयन में, पहले और दूसरे, अस्तित्व में न हों, जैसे कि हम पहले सिद्धान्त बनाया था, तब हम तीसरी विमा में आने से पहले, कहाँ पैदा हुए! ?''

अब, मैं आशा करता हूँ कि आपका सिर, मेरे जैसा नहीं फिर रहा है क्योंकि ये वास्तव में, पर्याप्त सही है, कि आप जानते हैं, हम एक विमा वाले प्राणियों से उन्नत हुए। उदाहरण के लिए, एक अमीबा (amoeba) पर विचार करें। मैं मानता हूँ, तार्किक रूप से, आप, निम्नजातीय अमीबा के, एक विमीय प्राणी होने का विचार कर सकते थे, और सभी जीवन, एक एकल कोशिका अस्तित्व से, विकसित होते हैं, और एकल कोशिका, दूसरी कोशिका को पैदा करती है और तब अंततः, दो या अधिक अस्तित्व बनाने के लिए, विखण्डन होता है। ये उन्नयन का प्रथम चरण है, परंतु कैसे भी, वास्तव में, ये कोई प्रश्न नहीं है, जिसका हम संतोषजनक ढंग से उत्तर दे सकें, क्योंकि किसी ऐसे व्यक्ति की तुलना में, जो कि यहाँ रहते हुए, छैः विमीय संसार में हो सकता है, एकविमीय प्राणी को, हमारे त्रिविमीय संसार की, किसी और प्रकार की समझ नहीं होगी। इसलिए हमको कुछ निश्चित चीजों को, विश्वास में लेना होगा। जैसीकि कहावत कहती है, यहाँ कुछ लोग हैं, जो अपने आपको, विज्ञान के साथ, अंधा बना देते हैं। वे प्रश्नों को, अपनी खुद की समझ के परे, बनाने का प्रयास करते हैं। इसलिए हम, एकविमीय अस्तित्व से ठीक ऊपर की तरफ, अगण्य, अनुल्लेखनीय विमाओं में, उन्नत हुए, जबतक कि अंत में हम अधिस्वयं के साथ एक हो गये, और तब, जब हम, अपने अधिस्वयं के साथ एक हैं, अधिस्वयं पूर्ण हो चुका है और इसे, फिर भी, उन्नयन में और आगे तक जाना हैं। प्रकृति में, आप किसी को भी स्थाई नहीं पा सकते, कुछ भी स्थाई नहीं है। उदाहरण के लिये, आप, खींचकर बंधे हुए किसी रस्से के ऊपर, शांत खड़े नहीं हो सकते। यदि आप प्रयत्न करें, तब भी आपको अपनी स्थाई मुद्रा में बने रहने के लिये, स्पष्टतः लगातार, हिलतेडुलते, डगमगाते हुए रहना पड़ेगा और यदि आप हिल डुल रहे हैं, तो आप स्थाई नहीं हो सकते, क्या स्थाई हो सकते हैं ? इसलिए पूरा जीवन गति है, और हम जितने उन्नत होते जाते हैं, उतने ही अधिक कम्पनों को, गति में सम्मिलित करते हैं।

क्या ये, थोड़ा सा भी, सहायक होगा, यदि मैं संगीतकारों को कहूँ कि हम एक सरल सुर C निकाल सकते हैं, मध्य C, यदि आप चाहें, (यही वह अकेला है, जिसे मैं जानता हूँ!), और तब आप इसे एक विमीय अस्तित्व की भाँति मान सकते हैं, परंतु तब, जब आप प्रगति करते हैं, ताकि आप अपने पियानो पर, दो हाथों का उपयोग कर सकें और एक बहुगुणित राग को बजा सकें, आप कह सकते हैं कि, अब आप, कम्पन के पदों में, तीसरी, या चौथी या पाँचवीं विमा तक हैं, क्योंकि, चाहे हम इसे पसंद करें या नहीं, कोई बात नहीं, संगीत, कितना भी सुंदर क्यों न हो, अभी भी, कम्पनों का, जो ''एक दूसरे के साथ चलते जाते हैं, एक समूहन मात्र है।

मुझे खेद है कि मैं इसका अधिक विशेषता के साथ उत्तर नहीं दे सकता, परंतु हम नवजात शिशुओं को अवकलन गणित (calculus) नहीं पढ़ायेंगे, क्या आप पढ़ायेंगे?

अब यहॉ एक प्रश्न है, जो निश्चितरूप से, मुझे परेशानी में डालने वाला है। कुछ लोग मुझे लिखते हैं और बताते हैं कि मैं यहूदियों का विरोधी हूॅं। मेरा विश्वास करें, निश्चितरूप से ऐसा नहीं है! मैं यहूदी लोगों के साथ, एकदम अच्छा हूॅं, बौद्ध होने के नाते, मैं मानता हूॅं, मुझे उनके साथ कुछ सहानुभूति है; उनमें से अधिकांश, निश्चिय ही, मेरे साथ सहानुभूति रखते हैं।

''आपने कहा है कि यहूदी लोग, एक ऐसा समूह है, जिनको अस्तित्व के इस चक्र में, दुबारा प्रयोग करने के लिए, पीछे रखा गया था। क्या इसका आशय यह है कि यहूदी लोग, पृथ्वी पर, शुरू से आखिरी तक के अपने जीवनों में, हमेशा यहूदी ही बने रहते हैं?''

नहीं, इसका बिल्कुल भी, ये आशय नहीं है। हम, यहूदियों, ईसाइयों और बौद्धों के बारे में, भूल जायें। हम एक स्कूल के ऊपर नजर ड़ालें, ठीक है, हम अपने स्कूल में है; हमारे पास, दूसरी कक्षा में, बदमाशों का, एक समूह है और वे सत्र समाप्ति तक पहुॅंच चुके हैं, अब उनको, परीक्षा के तरीके से, ये देखने के लिए कि क्या उनके मूर्ख मस्तिष्कों ने, पिछले सत्रों की अवधि में, ज्ञान का अवशोषण किया है, आंका जाना है। उनमें से कुछ, शायद, दूसरी किसी भी चीज की तुलना में, अच्छे भाग्य के कारण, परीक्षा पास कर सकते हैं। परंतु कैसे भी, जो पास हो जाते हैं, वे तीसरी कक्षा में चले जाते हैं। वे बेचारे गंदे, जो पास नहीं होते हैं, दूसरी कक्षा में ही बने रहते हैं। अब, जब वे, दूसरी बार, दूसरी कक्षा में हैं, वे अपने आपको निम्नतर समझते हैं और साथ ही साथ, उच्चतर भी। वे इस मामले में, स्वयं को निम्नतर समझते हैं कि वे, परीक्षाओं को पास करने और प्रगति करने में, पर्याप्त दिमाग वाले नहीं थे, परंतु वे अपने आपको, नई भीड़ के सामने, जो दूसरी कक्षा में आई है, अच्छा समझते हैं और इसलिए कई बार, वे असहनीय ढंग से व्यवहार करते हैं। आप समझते हैं, क्या एक छड़ी लेना, और उनकी पीठ पर, जबतक कि वे खाल में न बदल जायें, मारना, आनंददायक होगा।

यहूदी लोग, वे लोग हैं, जो अस्तित्व के दूसरे चक्र में, या अस्तित्व की दूसरी पारी में, इसे जो चाहें कहें, सत्र की अंतिम परीक्षाओं को पास नहीं कर सके, इसलिए उन्हें इस विशेष कक्षा में, एक और बार के लिए, वापस रखा गया है, और उनमें से कुछ, गर्वित महसूस करते हैं, कुछ अपने आपको घटिया समझते हैं, परंतु शेष लोग, यहूदियों के साथ विरोध प्रकट करते हैं, क्योंकि उनके पास, जन्मजात (innate) ज्ञान अधिक है।

मैं यहूदी लोगों के साथ, बड़ी अच्छी तरह से हिलमिलकर रहता हूॅं, मैं उन्हें समझता हूॅं, वे मुझे समझते हैं, और किसी भी यहूदी ने, अभी तक, मुझे कभी, किसी ओर, परिवर्तित करने का प्रयास नहीं किया है। गैर यहूदियों ने किया है। कई बार, थोड़े धार्मिक पागलपन को साथ, मूर्ख बूढ़े मुर्गे, मुझे धार्मिक पुस्तिका, पेम्पलेट, बाइबिल, पद्य में ''अच्छे शब्द,'' भेजते हुए, जीवन को दुखी बना देते हैं। वे शेष सभी खराब, और खराब हो जाते हैं। कई बार वे मुझे सूली के आभूषण या चित्र, जिनकी मुझसे आशा की जाती है कि मैं उसे अपने ऊपर लटकाऊॅं, भेजते हैं। ठीक है, इसप्रकार का सभी कबाड़, कूड़ेदान में जाता है। ये बताने के लिए कि मेरा धर्म क्या होने वाला है, मुझे किसी की आवश्यकता नहीं है। मेरे पास एक है, यद्यपि मैं बौद्ध हूॅं, मेरी अपनी निजी आस्थायें हैं, बौद्धमत केवल जीने का एक ढंग है।

कैसे भी, यहूदी लोग, लगभग, ईसाइयों की तुलना में, हमेशा अच्छा व्यवहार करने वाले होते हैं, क्या वे नहीं होते हैं? यहूदियों के बच्चों को देखें, वे कितने अनुशासित होते हैं। यहूदी के प्रौढ़ों को देखें। यदि उनके साथ ठीक व्यवहार किया जाये, तो वे अच्छे लोग हैं, और मुझे, ऐसे आश्चर्यजनक निश्चित यहूदी लोगों की, अपने मित्रों के रूप में गणना करने में, गर्व है।

कैसे भी, अब्राहिम (Abraham) के पहले कोई यहूदी नहीं थे, या वे उससे पहले, यहूदी नहीं कहलाते थे। उससे पहले, उनका एक पूरी तरह से भिन्न, वर्गीकरण था। कोई, जी. आई. जो

(G.I.Joe), कह सकता है, जोकि अचानक ही, जो डोकेस (Joe Doakes)[36], हो गया, ये मात्र, गुलाब का दूसरा नाम रखे जाने का एक मामला है।

इसलिए संक्षिप्त उत्तर ये होगा कि, एक व्यक्ति, अपने इस विशेष चक्र के बाद, आवश्यक रूप से यहूदी नहीं है, क्योंकि ''अपने पाठ सीख लेने के बाद'' उसे अगले कक्षा में उन्नत कर दिया जायेगा जहॉ वे, आशाजनक तरीके से ईसाई भी नहीं बचेंगे। स्कूल में इसको इस तरह से देखें, एक बच्चा, जो परीक्षा पास नहीं कर सका, दूसरी कक्षा का कहलाता है, परंतु यदि वह आगामी परीक्षा में पास हो जाता है, तो उसे तीसरी कक्षा में उन्नत कर दिया जायेगा।

ऐसा लगता है, एक महिला को कुछ परेशानी है। वह जानना चाहती है, ''क्या जन्म नियंत्रण का, कोई जड़ीबूटी वाला तरीका भी है, जिसे आप जानते हैं ? क्या कोई ऐसा तरीका है, जिसकी आप सिफारिश करें और जो आजकल अभ्यास में हो?''

मैं कभी जन्म नियंत्रण विशेषज्ञ के रूप में स्थापित नहीं हुआ और, गर्भाधान को नियंत्रित करने के लिए, वास्तव में, सुदूर पूर्व के देशों के लोग, केवल जड़ी बूटियों का उपयोग करते हैं, और ये जड़ी बूटियॉ अचूक हैं, परंतु श्रीमती जी, उन्हें कहने की, आपको बताने की, क्या तुक है, यदि आप, बाहर जाकर उनको पा नहीं सकतीं, और आप कर नहीं कर सकती। इसलिए मैं सोचता हूँ कि सर्वाधिक दयामय सलाह, जो मैं आपको दूँगा, वह यह है कि यदि आप ''उस तरीके से'' महसूस करें, अच्छा होगा कि आप अपने स्थानीय जन्म नियंत्रण क्लीनिक में जायें और उनसे सलाह लें।

ओह टुक टुक, मेरे प्रिय। कई बार, कुछ लोग, वास्तव में खतरनाक हो जाते हैं, क्या वे नहीं होते ? यहॉ मेरे पास एक ''सभ्य पुरुष है'' जो मुझे अत्यधिक सम्भव, शातिर तरीके से बताता है कि मैं ''शीघ्र और आसान (fast buck),'' चलन के बाहर, पुस्तकें लिख रहा हूँ और यदि किसी भी प्रकार से, मैं असली होता, मैं देखता कि एक विशेष सूची तैयार की गई थी, ताकि उसको, मेरी सभी पुस्तकों में देखने के बजाय, कुछ बहुसंख्य मूर्खतापूर्ण शब्दों में छिपी हुई किसी चीज को पता करने में, कोई परेशानी न हो (उसको, ध्यान दें!)।

ठीक है, वास्तव में, मैं एक सूची बनाना चाहूँगा, परंतु कोई दूसरा इसे बनाने की इच्छा रखता नहीं दिखता। वास्तव में, मैं एक अलग पुस्तक, जैसे कि उदाहरण के लिए, सोलहवीं, और सत्रहवीं पुस्तक, सूची को छोड़कर और कुछ नहीं होगी, चाहूँगा। ठीक है, तब, क्या आप पाठक लोग, एक ऐसी पुस्तक, जो कुछ नहीं, केवल सूची है, के लिए तैयार हैं? यदि ऐसा है, तो मुझे बतायें और मेरे प्रकाशक को लिखें। उसका पता आपको इस पुस्तक में मिल जायेगा। वह इसे निशुल्क नहीं देगा, ये निश्चित है, क्योंकि, उसे भी जीवनयापन करना है। कैसे भी, यदि लोग मेरी पुस्तकों को ठीक से पढ़ते हैं, तो उनको पर्याप्त जानकारी होनी चाहिए कि उनमें क्या है। क्या मैंने आपको बताया था कि मुझे कैलीफोर्निया में एक औरत से, एक पत्र मिला था। उसने मुझे बताया कि उसने, ''आप सदा के लिए (you for Ever)'' आधे घंटे में पढ़ी है और यदि मैं एक लेखक जैसी कुछ होती, तो मैं इस पुस्तक के पूरे कलेवर को, आधे अध्याय में भर देती!! मैं अभी भी, आश्चर्य कर रहा हूँ कि कोई व्यक्ति, ''आप सदा के लिए'' जैसी पुस्तक को, आधे घंटे में पढ़ सकता है और फिर भी, वह आश्चर्य कर रहा है और फिर भी वह अनास्था रखता है।

फ्रांस का एक सभ्य पुरूष, अपने भविष्य के बारे में काफी चिंतित दिखाई देता है। वह मुझे बताता है, ''शायद मैंने, अपने प्रश्न को, आपके समक्ष रखते हुए, गलती की है, परंतु ऐसा लगता है कि उन्होंने आपको, जो आपने अपनी पुस्तकों में व्यक्त किया है, उसका विरोधी उत्तर देते हुए, थोड़ा सा

---

36 अनुवादक की टिप्पिणी : जो डोकेस (Joe Doakes), 1942 से 1956 के बीच, जारी की गई, एक ही रील में समाप्त होने वाली, 63 श्वेत–श्याम, सक्रिय खिलौनों की एक श्रंखला है, जो ''ऐसा, तुम धूम्रपान छोड़ना चाहते हो (So You Want to Give Up Smoking)'' के साथ प्रारम्भ हुई, जिसे आठ गेंदों के पीछे की श्रंखला भी कहा जाता है। चरित्र का नाम, जो डोकेस, जो एक साधारण अमरीकी के लिये एक लोकप्रिय गाली थी, से लिया गया है।

उत्तेजित किया है। मेरे लिए, आपको आड़े हाथों लेना, दूर हो सकता है, परंतु इसके विपरीत, आपको समझने की, झिड़कने की एक उत्कट इच्छा है। आप अपने पत्र में कहते हैं कि मध्यमार्गी अधिक सुरक्षित होगा, दूसरी तरफ, मैं ये याद करने में विश्वास रखता हूॅं, कि आपकी किताबों में से एक में, आप, समुद्र की वाह्य सतह के बजाय, डूब जाने की बात करते हैं।

ठीक है, मैं कहूॅंगा कि मैं ठीक हूॅं। मध्यमार्गी, अंत में, समुद्रतल को उठता हुआ पायेगा, ताकि अब जो पानी है, वह जमीन हो जायेगा। मैंने इस प्रश्नकर्ता को एक पत्र में बताया था कि वह पूरी तरह सुरक्षित होगा, और मैं अभी भी, कहता हूॅं कि वह, ऐसी किसी आपादा से, पूरी तरह सुरक्षित होगा। आप देखें, लोग अपने खुद के जीवनकाल के सम्बन्ध में सोचते हैं और वे सोचते हैं कि यही पूरी की पूरी शाश्वतता है, परंतु ऐसा नहीं है। यदि शायद, अगले सौ वर्षों में, एक आपदा होने जा रही है, तब एक व्यक्ति, जिसके पास हो सकता है, शायद, जीवन के बीस साल शेष बचे हुए हों, वह इस आपदा से पूरी तरह सुरक्षित है। लोग मुझे लिखते हैं और मुझे पूछते हैं, क्या उन्हें, रॉकी पर्वत पर या कहीं दूसरी जगह भाग जाना चाहिए और जब मैं उन्हें बताता हूॅं कि मेरे विचार से, जहॉं वे हैं, वे वहीं एकदम सुरक्षित रहेंगे, वे काफी आक्रामक हो जाते हैं। सत्तर साल के एक बूढ़े दोस्त का विचार करें, जिसने मुझे भयानक डर की अवस्था में लिखा है, क्योंकि उसका विचार है कि, जमीन डूबने वाली है, और उसे अपने सिर की चोटी भी डूबती हुई लगती है। मैं कहता हूॅं कि जहॉं भी आदमी रहता है, आने वाले वर्षों में, वहीं जलप्लावन होगा, परंतु मैं नहीं सोचता कि इस जीवन में, जल में डूबने का ये काम होगा। यदि आप अपने नातियों के बारे में सोच रहे हैं, तो पहले ही भाग जाओ, रॉकी पर्वत, वास्तव में, कनाडा के रॉकी पर्वत पर पर चले जाओ। आपको पहले काफी बर्फ साफ करनी होगी, क्योंकि जब मैं इस सबको लिख रहा हूॅं, मैं बाहर देख सकता हूॅं और रॉकी को देखता हूॅं और वहॉं चोटियों पर, वास्तव में, बर्फ का ढेर है परंतु, गम्भीरता से, सामान्य व्यक्ति को, जो लिखता है, चिन्ता नहीं करनी है, ऐसी आपदायें आपके जीवनकाल में नहीं होंगी, जबतक कि आप, एक छोटे बच्चे की तरफ से नहीं लिख रहे हैं!

हेलो, शेलाघ मेकमोरान (Shelagh McMorran), इस प्रकार, आपने मुझे कुछ प्रश्न भेजना, तय कर लिया है, क्या आपने किया है? आप मुझे पूछती हैं, ''प्रकृति की आत्माओं या परियों के साथ सम्भाषण में समर्थ होने के लिए, किसी को क्या करना चाहिए?''

वह काफी आसान है। आपको, जो ''शुद्ध जीवन (pure life)'' कहलाता है, जीना होगा ताकि, आपके कम्पन बढ़ सकें। आपको एक साधु (साध्वी?) के रूप में जीना होगा क्योंकि, यदि आप झुण्ड के लोगों के साथ मिल जाते हैं, तो आपके व्यक्तिगत कम्पन धीमे पड़ जायेंगे अन्यथा आप, दूसरे लोगों के साथ चलने में सफल नहीं होंगे।

तब आपको दूरानुभूति का अभ्यास करना पड़ेगा क्योंकि, प्रकृति की आत्माओं के साथ, उच्चारित शब्दों में बातचीत करना, भला नहीं है। अत्यधिक बड़ी प्राकृतिक आत्माओं के लिए, बातचीत के उच्चारित शब्द, अत्यधिक घिसेपिटे होते हैं। आप केवल दूरानुभूति का उपयोग कर सकते हैं, परंतु, यदि आप अपनी बिल्ली के साथ सम्भाषण कर सकें, तो आप प्रकृति की आत्माओं के साथ भी सम्भाषण कर सकते हैं।

आप ये भी कहते हैं, ''लोग, मुक्ति और अंतर्ज्ञानप्राप्त करने के लिए, चिंतित हो कर खोजते हैं। क्या वैसा हो सकता है कि उत्तर, जिन्हें हम खोजना चाहते हैं, वे किसी बाहरी स्रोत में नहीं, बल्कि केवल हमारे अंदर ही हों?''

ओह हॉं, निश्चितरूप से। हम वैसे हैं, जैसा कि हम अपने आपको बनाते हैं। यदि हम एक चीज में विश्वास करते हैं, तब वह चीज हो सकती है और मैं कहूॅंगा कि, बहुत दूर तक और सबसे सरल तरीके से ''मोक्ष'' पाने के स्वर्णिम नियम, ''दूसरों के प्रति, केवल वह करें, जो आप दूसरों से अपने लिये अपेक्षा करते हैं,'' का मानना है।

अनेक लोग सोचते हैं कि वे, किसी पवित्र पुस्तक या किसी शिक्षा, जो हजारों साल पुरानी है, का पालन करते हुए, मोक्ष पाने वाले हैं। यदि आप, कुछ प्रारम्भिक ईसाई आस्थाओं में से कुछ का पालन करने वाले हैं, तब आपको सहमत होना होगा कि औरतें घटिया चीजे हैं, गुलाम। परंतु हमारे नारी मुक्ति मोर्चा वाले उसे पसंद नहीं करेंगे, और वास्तव में, वे सही हैं। मेरा खुद का विश्वास है (क्या मैं इसे कान में कहूँ?) औरतें हर तरीके से आदमियों के बराबर हैं, परंतु वे भिन्नप्राणी हैं, लगभग एक भिन्न प्रजाति। आदमी कुछ चीजों के लिए उपयुक्त होते हैं, औरतें दूसरी चीजों के लिए उपयुक्त होती हैं। इसलिए औरतें अपना विशेष काम क्यों नहीं कर सकतीं और देश की देखभाल, अनुशासन और आने वाली पीढ़ी के प्रशिक्षण की देखभाल, क्यों नहीं कर सकतीं? वे पायेंगी कि उन्हें उस रास्ते से मोक्ष मिल जाता है!

''विनम्रता (humbleness), कर्तव्यनिष्ठा (sincerity), हानिरहित होना (harmlessness), क्षमाशील होना (forgiveness), ईमानदारी (uprightness), आध्यात्मिक गुरु के प्रति समर्पण (devotion to the spritual master), शुद्धता (purity), टिकाऊपन (steadiness), आत्मसमरसता (self-harmony), यदि एक व्यक्ति, इन ज्ञानबोधों से जीने का प्रयास कर रहा है, उसका (या मुझे क्षमा करें, वह महिला भी हो सकती है) विश्वास हो सकता है कि वह ठीक से उन्नति कर रहा/ही है, यद्यपि कोई स्वप्न नहीं दिखते हैं और न कोई रहस्यमयी शक्तियों का प्रकटन होता है?''

निश्चितरूप से, चूँकि आप स्वर्णिम नियम का पालन कर रहे हैं, तब आप, इन सभी क्षमताओं को पाने के रास्ते पर होंगे, और आत्माचिकित्सक (psychic) होने में ''पवित्र'' जैसा कुछ नहीं है, वास्तव में, विशेष रूप से अतीन्द्रियज्ञानी होने में, कुछ भी आध्यात्मिक नहीं है, ये मात्र एक क्षमता है। उदाहरण के लिए, आप ये नहीं कहेंगे, कि कोई व्यक्ति, क्योंकि वह गा सकती है, या चित्रण कर सकती है, या पुस्तकें लिख सकती है, आवश्यकरूप से, आध्यात्मिक है। ये क्षमतायें हैं। आध्यात्मिकता का, इसके साथ कुछ भी लेनादेना नहीं है, इसलिए इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई व्यक्ति कितना शुद्ध या पवित्र या ईमानदार है, यदि वह पुरुष या स्त्री, मनोचिकित्सक होने के आवश्यक भौतिक बनाव–श्रंगार को नहीं रखते, तब वह स्त्री या पुरुष आत्माचिकित्सक नहीं हो सकते। आप आत्माचिकित्सक हो सकते हैं, यद्यपि आप बुरे हैं, परंतु आत्माचिकित्सक और भला होना अधिक अच्छा है।

अब यहॉ, शेलाघ मैकमोरान के पास एक प्रश्न है, जो बहुत लोगों पर लागू होता है, बहुत लोगों ने समान प्रकार की बातें लिखी हैं, इसलिए पूरा प्रश्न ये है : ''आपके और दूसरे आदमियों के द्वारा ऐसा कहा गया है कि जब विद्यार्थी तैयार होता है, गुरु प्रकट हो जाता है। ये भी कहा गया है कि इस रास्ते पर किसी की उन्नति के लिए, और छिपी हुई दिव्यता को जगाने के लिए, किसी के पास एक शिक्षक होना ही चाहिए। एक आध्यात्मिक गुरु को पाने के लिए, कोई कितने अच्छे तरीके से तैयारी कर सकता है, क्या ये मुलाकात, जीवन के किसी भी रास्ते पर हो सकती है, या इससे पहले कि ये हो सके, कुछ निश्चित बातें की जानी चाहिए या छोड़ दी जानी चाहिए? क्या यह सत्य होगा कि एक मुलाकात, जो भविष्य के जीवन में घटे, की कोई अभी से तैयारी करे?''

हॉ, ये पूरी तरह सत्य है कि जब विद्यार्थी तैयार होता है, तो गुरु प्रकट हो जायेगा, और ये कहना विद्यार्थी के लिए नहीं है कि वह (स्त्री या पुरुष) कब तैयार है। जो होता है, वह यह है; जैसे ही इच्छा करता हुआ विद्यार्थी, विकसित होता है वह स्त्री या वह पुरुष (ओ परेशान न हों, हम, यहॉ 'वह' शब्द का प्रयोग, केवल सामान्य रूप से, कर रहे हैं।) के आधारभूत कम्पनों को बढ़ा देता है। ये कम्पन, ईथरिक में एक घंटी बजाने जैसा है, इसलिए एक गुरु, जो पहले से ही एक विद्यार्थी के लिए, तैयार है, और जो भौतिक रूप से प्रकट हो सकता है या प्रकट नहीं भी हो सकता है, विद्यार्थी की सहायता के लिए जाता है। और मैं इसे स्पष्ट करना चाहता हूँ कि इसका, ये अर्थ नहीं है कि गुरु विद्यार्थी के सामने, आवश्यकरूप से, बैठने वाला है और अक्सर उसके ध्यान को आकर्षित करने के लिए, उसकी

उंगली की गांठ के ऊपर, चोट मारता है; गुरु सूक्ष्मशरीर में भी हो सकता है और विद्यार्थी को, जब वह भी सूक्ष्मशरीर में हो, सिखा भी सकता है।

काफी सारे लोग लिखते हैं और जोर देते हैं कि वे तैयार हैं, वे पूरी तरह से सकारात्मक हैं कि वे तैयार हैं, इसलिए, क्यों मैं या कोई दूसरे, जमीन और समुद्रों के ऊपर, उनकी सहायता करने के लिए नहीं दौड़ते ?

मैं झगड़ा करता हूँ कि लोगों के भौतिक शिक्षक होने चाहिए। मैं निश्चितरूप से, इन सभी पत्राचार पाठ्यक्रमों, जो किसी को अधिभौतिकी, आध्यात्मिकता इत्यादि इत्यादि सिखाने का दावा करते हैं, के विरोध में हूँ। यदि आपको एक शिक्षक की आवश्यकता है, तो आप उसे सूक्ष्मशरीर में पा जायेंगे और मैं आपको ये बताने जा रहा हूँ; जब आप मरते हैं, अर्थात्, जब इस पृथ्वी पर, आपका भौतिक शरीर समाप्त हो जाता है, तो आपका सूक्ष्मशरीर, सूक्ष्मलोक को जाता है, उसे अकेले प्रस्तुत होना होता है, सफलता और विफलताओं के लिए, अकेले उत्तर देना होता है, और ये सोचना निरर्थक है कि क्योंकि आपने एक बार, तलबे चाटने का पत्राचार पाठ्यक्रम लिया था, कि प्रमुख तलवे चाटने वाला आने वाला है और वह, यह स्पष्ट करते हुए कि आप काले बूट से ही क्यों चिपक सकते हैं, और भूरे बूट से क्यों नहीं, आपकी तरफ से बोलेगा। नहीं, जब आप गुजर जाते हैं, तो आपको अकेला खड़ा होना होता है, और अकेले ही स्वयं को उत्तर देना होता है, इसलिए ऐसा करने की सबसे अच्छी तरकीब ये है कि आप इससे अभी से अभ्यस्त हो जायें, अपने आप पर विश्वास करें, अपने संसाधनों पर यकीन करें। आप केवल एक गुलाम, या कुछ पत्राचार पाठ्यक्रमों की छाया या किसी मूर्खतापूर्ण सम्प्रदाय के नेता मात्र नहीं होना चाहते, क्या आप होना चाहते हैं ? आप एक अस्तित्व हैं, इसलिए वैसा ही व्यवहार करें।

शेलाग मैकमोरान, आप पूछतीं हैं यदि किसी को, प्रगति करने से पहले, कुछ निश्चित चीजें छोड़ देनी पड़तीं हैं, और यदि वास्तव में, उत्तर, हॉ है। आपको नशीली (intoxicants) जैसी चीजें, छोड़ देनी पड़ती हैं, क्योंकि वे आपकी मनोदशा को प्रभावित कर सकतीं हैं। आपको मादक दवायें (drugs) छोड़नी पड़ेंगी। आपको नहीं, वास्तव में, क्योंकि आपके पास ये चीजें नहीं हैं, शायद मुझे कहना चाहिए था ''किसी'' को ऐसी चीजों को छोड़ देना चाहिए। किसी को, वे चीजें छोड़ देनी चाहिए, जो सूक्ष्मशरीर को नुकसान पहुँचाती हैं क्योंकि, यदि आप सूक्ष्मशरीर को नुकसान पहुँचा रहे हैं, तब आपके सारे कम्पन गलत हैं, क्या वे गलत नहीं हैं, और यदि आपके कम्पन गलत हैं, तो आपको सूक्ष्म या भौतिक शिक्षक नहीं मिलेगा, इसलिए आप वापस वहॉ पहुँच जायेंगे, जहॉ से आपने प्रारम्भ किया था।

युगों तक, दीक्षा (initiation) ने, आत्माओं की उन्नति में, एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्तमान युग में, कैसे, और किन परिस्थितियों में, ये दीक्षा हो सकती है?''

ठीक है, मैं दीक्षा के बहुत अधिक पक्ष में नहीं हूँ, क्योंकि सामान्यतः ये एक प्रतिमा जैसा उत्सव है, जिसका, बेचारे गरीब को, अपने जीवन से आधा बाहर कर देने के सिवाय, कोई अर्थ नहीं है। वास्तव में, आपकी आवश्यकता, किसी संकल्प (affirmation), एक आशयपूर्ण कथन, एक वायदा कि कोई निश्चित चीजों को करने वाला है या निश्चित चीजों को पढ़ेगा, का एकदम सीधा रास्ता है, और मैं फिर कहता हूँ कि ये मात्र, एक व्यक्ति को, गंदे पानी में डुबाकर रखने या उसे गटकने को शराब देने, या उसके सामने कुछ रंगीन कपड़ों के टुकड़ों को रखने, मूर्ख बनाने का रास्ता है। ये पूरी तरह से, मूर्ति पूजकों का, एक अभिनीत (thiatrical) कार्य है। कुल मिलाकर, एक दीक्षा समारोह के लिए, एक सरल संकल्प आवश्यक है। ये मात्र एक समझ है कि एक व्यक्ति, कुछ कदमों, जो उसकी मनः क्षमताओं को बढ़ायेंगे, को उठाने के लिए तैयार है।

''जीसस (Jesus) और दूसरे वैश्विक नेताओं (World Leaders) के पास, उनके करीबी शिष्यों के अतिरिक्त, अनुयायी और मित्र थे। आपने ''जीवन के अध्याय (Chapters of Liffe)'' में कहा है कि 1985 में, एक नया वैश्विक नेता पैदा होने वाला है। भविष्य के उस समय में, क्या किसी व्यक्ति के लिए,

नये वैश्विक नेता का, सहायक, समर्थक, पिछलग्गू या दोस्त, होने के योग्य बनने के लिये, कुछ करना उचित होगा, या क्या वे सभी नजदीकी अनुयायी, शेष हम लोगों से, कुछ अलग चक्र के होंगे?''

एकमात्र तरीका, जिससे कोई तैयार हो सकता है, एक सुन्दर, आध्यात्मिक, ''सही'' जीवन जीने का और इस प्रकार, उन लोगों को, जो आपके आसपास हैं, उदाहरणप्रस्तुत करते हुए, जीवन जीने का है। आजकल हम, वास्तविकरूप से भयानक, युग में रहते हैं, जहॉ हर एक, दूसरे हर एक को परास्त करने का, प्रयास कर रहा है और चीजें अधिक खराब होती जा रहीं हैं, जबतक कि ये निश्चित करने के लिए पर्याप्त नहीं हो, कि हम उन लाभों के उदाहरण हैं, जो एक सुंदर जीवन जीते हुए पाये जा सकते हैं। अधिकांश लोग, मात्र कोई एक चीज, जिसमें उनके लिए कुछ भौतिक लाभ हों, करेंगे। जो सदमे पहुॅचाने वाला, सनकी जैसा लगता है, मैं जानता हूॅ, परन्तु मैं इसके एक तथ्य होने में विश्वास रखता हूॅ और इसके लिए, प्रारम्भ में कम से कम किसी को, दूसरों को दिखाना चाहिए कि धीरज (calmness), शान्ति (peacefulness), और ईमानदारी (honesty) में कुछ भौतिक लाभ होते हैं, और जबतक कि ''विरोध पक्ष (opposition)'' को इन लाभों से सहमत न कराया जाये, तबतक वे सीधे और संकरे पथ पर, अनुगमन नहीं करेंगे।

अध्याय सात

बटरकप, अभी मुझे याद दिलाती रहीं हैं कि, इस पुस्तक में, मनोवैज्ञानिक प्रश्नों के उत्तर देने में, अभी तक, मैंने बहुत नहीं किया है। मैं नहीं जानता कि तब, मुझसे क्या किये जाने की आशा की जाती है, क्योंकि मैंने सोचा कि ये सब कुछ वही है, जिसके सम्बन्ध में यह पूरी पुस्तक है। कैसे भी, इसके सम्बन्ध में कैसे प्रश्न के लिए ? '' अपने प्रभामण्डल को देखे जाने के तरीके से अतिरिक्त, कोई व्यक्ति, कैसे जानेगा कि कुण्डलिनी ने ऊपर उठना प्रारम्भ कर दिया है?''

व्यक्ति जानेगा, और यदि गलत अभ्यासों के फलस्वरूप, कुण्डलिनी जग चुकी है, मनोचिकित्सक भी इसे जान जायेगा! यदि कोई व्यक्ति कुण्डलिनी में हस्तक्षेप करता है, तो उसमें अनेक गम्भीर मानसिक विक्षुब्धियाँ प्रेरित हो सकती हैं। किसी व्यक्ति को, कभी भी, कुण्डलिनी को जगाने का प्रयास नहीं करना चाहिए परंतु हमेशा इसके स्वाभाविकरूप से घटित होने की प्रतीक्षा करनी चाहिए। कुण्डलिनी के साथ हस्तक्षेप करना, वास्तव में, बहुत खतरनाक चीज है।

वास्तव में, कोई भी, प्रभामण्डल का निरीक्षण कर सकता है और देख सकता है कि प्रभामण्डल को और कुण्डलिनी को, क्या हो रहा है, परंतु तब हम, फिर पुरानी समस्या, कि लोगों को अपनी चड्डियों से कैसे अलग किया जाय, पर वापस आते हैं। ये एक सबसे अधिक विशिष्ट चीज है, क्योंकि जब मैं इसे 90 डिग्री (फारेनहाइट) के अत्यन्त गर्म तापक्रम में लिखता हूँ, वहाँ लोग हैं, जो तरणताल (swiming pool) या पैडल चलाने वाले तालाबों (paddling pool) या जो कुछ भी वे इन चीजों को कहें, में जाते हैं और उनमें से कुछ, मुश्किल से ही (वस्त्र) लपेटे हुए हैं। ऐसा लगता है कि वे प्रदर्शन के लिए, अपने अधिकांश कपड़ों को उतार देंगे, परंतु जब बात, प्रभामण्डल जैसी गम्भीर चीज के अध्ययन करने की आती है, नहीं, वे अपने ऊपर चित्रकारी किये हुए, कपड़े पहनना चाहेंगे। कैसे भी, मैंने लोगों को, आसपास के तालाबों में, लगभग नहाते हुए, जो देखा है, जिसके द्वारा भयानक अच्छी चीज ये है कि इनमें से कुछ औरतें, अपने कपड़ों को पहने रहती हैं। बिकिनी जैसी चीजों में, या वे उन्हें जो कुछ भी कहें, वे जैसी दिखाई देती हैं, उसकी तुलना में, वे पूरी तरह से आकृतिहीन (shapeless) पोशाकों में अच्छी दिखाई देतीं। ये मुझे एक मोटी औरत का ध्यान दिलाता है, जिसकी पेंट एकदम चुस्त थी, ओह्ह! परंतु मुझे ऐसे विषय पर, नहीं घुलना मिलना ही, ज्यादा अच्छा होगा!

दूसरा प्रश्न, ''क्या वर्तमान काल में, उस तरीके से, जो आपके साथ किया गया, तीसरी ऑख का खोला जाना सम्भव है, या क्या ये चक्रों के धीमे धीमे खोले जाने का एक परिणाम होना चाहिए?

ठीक है, क्या आप अपनी अपेंडिक्स (appendix) को एक नौसिखिया डॉक्टर के द्वारा हटवाना चाहेंगे? या आप इसे अपने आप कर लेंगे? यदि आपके पास कोई होश है, जो आपको होना चाहिए अन्यथा आप इस पुस्तक को नहीं पढ़ रहे होते, आप सर्वोत्तम विशेषज्ञ को पाने का प्रयास करेंगे, जो आपके लिए, इस काम को कर सके। उसी तरह से, आपको अपने तीसरे नेत्र को खोलने के लिए, एक वास्तविक विशेषज्ञ की आवश्यकता पड़ेगी और वे इतने बिरले हैं, जैसे कि पश्चिम में, करौंदे (gooseberry) की झाड़ियों पर रसभरियाँ (raspberries)। वास्तव में, यदि कोई उसी समय, प्रभामण्डल को देख सके और ये बिल्कुल भी कठिन बात नहीं है, क्योंकि प्रभामण्डल को देखते हुए, कोई ठीक ठीक बता सकता है कि क्या हो रहा है, और इसलिये हर चीज पर नियंत्रण करना सम्भव है।

वास्तव में, यद्यपि, मैं कभी भी, किसी पश्चिमी व्यक्ति को, शल्यक्रिया के द्वारा, उसके तीसरे नेत्र के खोले जाने की सलाह नहीं दूंगा। उसी भाँति, मैं पश्चिमी लोगों को सूचीभेदन (accupuncture) भी नहीं करने की सलाह देता हूँ। ये पूर्वी लोगों के लिए, एकदम ठीक काम करता है, क्योंकि उन्हें इसके लिये तैयार किया गया है और चूंकि वे पश्चिमी लोगों से, अनेक प्रकार से, पूरी तरह अलग हैं। इसलिए शल्यक्रिया के द्वारा अपना तीसरा नेत्र न खुलवायें अन्यथा आप आध्यात्मिकरूप से अंधे हो सकते हैं।

यहॉं कोई पेंडुलम में रुचि ले रहा है। ओह, ये हमारी मित्र शेलाघ मेकमोरान (Shelagh McMorran) हैं। वह लिखती हैं, ''क्या ये सम्भव होगा, या किसी मौलिक अस्तित्व या किसी दूसरे के लिए ये सम्भावना है कि वह लोलक (pendulum) के परिणामों को नियंत्रित कर सके?''

हॉं, शरारती अस्तित्वों के लिए, लगभग कोई भी चीज करना, पूरी तरह सम्भव है, वे आसानी से पेंडुलम को नियंत्रित कर सकते हैं; उदाहरण के लिए, इस मामले में, आप आश्चर्य करेंगे कि ये कैसे हो सकता है, मुझे कहने दें कि एक व्यक्ति एक स्कूल की बस को चला रहा है; अब, उसको स्कूल के शरारती लड़कों का एक समूह मिलता है और कुछ समय बाद, वे आपस में कानाफूसी करते हैं और चालक के विरुद्ध गिरोह बनाकर इकट्ठे हो जाते हैं। तब दूसरों की तुलना में अधिक बेवकूफ या अधिक साहसी, एक स्कूली लड़का, स्टीयरिंग व्हील (steering wheel) को अपने कब्जे में कर लेगा और चालक के सभी प्रयासों के बावजूद, उस पर नियंत्रण करने का प्रयास करेगा। ऐसा भी हो सकता है कि, दूसरे बच्चों में से कुछ, चक्र पर से ड्राइवर का हाथ खींच लेंगे। आजकल, बच्चे किसी भी सम्बन्ध में, कुछ भी, कर सकते हैं, तो वे ऐसा क्यों नहीं कर सकेंगे? परंतु ये वैसी ही अवस्था है, जहॉं कोई उपद्रवी अस्तित्व, पेंडुलम के नियंत्रण को अपने हाथों में ले लेता है। पेंडुलम का उपयोग करने वाला, किसी कारण से, अपना नियंत्रण खो देता है, या उसके पास कभी था ही नहीं, और यही कारण है कि मैं हमेशा जोर देता हूँ कि आपको, अपना खुद का, पेंडुलम बनाना चाहिए, दूसरे किसी का नहीं, क्योंकि यदि आप पेंडुलम को नियंत्रित करते हैं, तो दूसरा कोई भी अस्तित्व, सम्भवतः ऐसा नहीं कर सकेगा, इसलिए यह पूरी तरह निर्भर करता है कि आपका नियंत्रण कितना है।

अब एक प्रश्न है,

''जीवन के ध्याय (Chapters of Life),'' में आपने घटनाओं, जो वर्तमान विश्वचक्र के इस अंतिम काल में घटेंगी, के सम्बन्ध में भविष्यवाणियॉं की थीं। क्या आप सोचते हैं कि इस अवधि में, पृथ्वी के बागवान (gardeners of the earth) घासफूस, खरपतवार को हटाने और इस जटिल और तोड़ेमरोड़े हुए बाग की छँटाई करने के लिये वापस लौटेंगे, क्या इस बात की अधिक सम्भावना है कि वे, परिवर्तन के हो चुकने के बाद, हम में से अधिकांश खरपतवार की सफाई कर दिये जाने के बाद, (या क्या हम वास्तव में खरपतवार हैं?) वापस लौटेंगे?''

मेरा ये विश्वास है कि पृथ्वी के बागवान, पृथ्वी की इन परिस्थितियों से, दिल से दुखी होते जा रहे हैं क्योंकि, आप जानते हैं, मानव, मूलरूप से, अधिक, और अधिक, स्वार्थी होते जा रहे हैं और बजाय इसके कि लोग एक दूसरे के प्रति भला करें, वे आजकल, विनाश की तरफ मुड़ते दिखते हैं।

मेरा विश्वास है कि लगभग (मैंने कहा ''लगभग'') 2000 ई0 के आसपास, हम काफी चौंका देने वाली घटनाओं को देख सकते हैं, जिनके दौरान, सम्भवतः, पृथ्वी के बागवान या उनके विशिष्ट संदेशवाहक, हमारी पृथ्वी पर, एक नजर ड़ालने के लिए आयेंगे।

पिछली आपदाओं में, पृथ्वी की सतह के लोग हटा दिये गये थे, ताकि वे ध्रुवों पर बड़े बड़े छेदों द्वारा, पृथ्वी के अंदरूनी हिस्से में प्रवेश कर सकें। स्वाभाविकरूप से, पृथ्वी के अंदर के लोग, परमाणु बमों से, जो ऊपरी सतह को बरबाद कर देते हैं, एकदम सुरक्षित रहेंगे क्योंकि मेरा विश्वास है कि पृथ्वी की इस, और अंदर वाली पर्त के बीच की मोटाई, 800 से 1000 मील तक है। इसमें से अधिकांश लौह अयस्क (iron ore) व अन्य दूसरी कड़ी चट्टाने हैं।

यदि आप आनंद लेना चाहते हैं, तब, वर्ष 2000 के आसपास तक लटके रहें, तब आप मुफ्त आतिशबाजी का एक प्रदर्शन देख पायेंगे।

अब प्रसंग (theme) के पूरी तरह से परिवर्तन के लिए। ये प्रश्न, एक दक्षिण–अमरीकी देश से है, और प्रश्न बहुत ही अधिक संवेदनशील है। यह है, ''प्रार्थना करते समय, मुझे अपने अधिस्वयं को वास्तव में, क्या कहकर पुकारना चाहिए? मैं कोई मानवीय नाम नहीं चाहता, क्या उसे 'भगवान,'

'स्वामी,' या 'पथप्रदर्शक,' या मात्र 'अधिस्वयं,' कहना ठीक होगा? आपने उल्लेख किया है कि अधिस्वयं को, अनेक कठपुतलियॉ व्यवस्थित करनी पड़तीं हैं, क्या इसका अर्थ ये है कि वह न केवल मुझे, वल्कि दूसरे लोगों को भी, ठीक से व्यवस्थित करता है ? तब ये न केवल मेरा अधिस्वयं है, परंतु दूसरे लोगों का भी अधिस्वयं है। क्या ये लोग, किसी भी तरह से, मुझसे सम्बन्धित हैं अथवा नहीं?

ठीक है, ये हैरान कर देने वाला है! मैंने ये सोचना प्रारम्भ किया कि ये एक प्रश्न था, परंतु बदले में, ये तो प्रश्नों का पूरा गुच्छा ही है? क्या ऐसा नहीं है? बुरा न मानें, हम इसके साथ चलें; इससे वास्तव में, कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप अपने अधिस्वयं को क्या कहते हैं और इससे भी अधिक प्रभाव तो ये रखता है कि आप अपने अवचेतन (sub-conscious) को क्या कहते हैं क्योंकि जबतक आप इस विचार से उबर सकेंगे कि आप अपने अधिस्वयं को सम्बोधित कर रहे हैं या आप अपने अवचेतन को सम्बोधित कर रहे हैं, तबतक आप नम्बर भी रख सकते हैं, नम्बर 1 अधिस्वयं को कहना होगा, और नम्बर 2 अपने अवचेतन को। वास्तव में, ये आवश्यकरूप से, अत्यधिक मजाकिया (facetious) नहीं है क्योंकि, मात्र ये अर्थ नहीं रखता कि आप अधिस्वयं को क्या कहें, बशर्ते आप उस पर जोर देते रहें। आपको हमेशा एक ही नाम उपयोग में लाना चाहिए।

अब, मैं अधिस्वयं और कठपुतलियों के बारे में, कई बार उल्लेख कर चुका हूँ। अब हम इसको इस तरह देखें; आपका अपना शरीर है, अपने शरीर को हम अधिस्वयं कहें, तब आपका एक दांया हाथ, एक बांया हाथ, एक दांया पैर और एक बांया पैर, भी है, हम उन्हें कठपुतलियॉ कहें। इसलिए आपके हाथ और पैर निश्चितरूप से, आपके ही हिस्से हैं, क्या वे नहीं हैं। वे वास्तव में, एक दूसरे से सम्बन्धित हैं, इसलिए शुद्धतापूर्वक, उसी तरीके से, वे दूसरे लोगों से, जो उसी अधिस्वयं की कठपुतलियॉ हैं, साथसाथ सम्बन्धित हैं, जुड़े हुए हैं, एक दूसरे के ऊपर निर्भर हैं और अधिस्वयं को, उनमें से हर कठपुतली की, एक ही तरीके से व्यवस्था करनी पड़ती है, जैसी कि आपको, अपने हाथों और अपने पैरों की व्यवस्था करनी पड़ती है। उदाहरण के लिए, यदि आपके पैर साथ–साथ नहीं चल सकते तो आप चल नहीं सकते, क्योंकि कठपुतलियॉ, जिन्हें आप पैर कहते हैं, एक दूसरे को नापसंद करती हैं और यदि दोनों पैरों ने, एक ही समय में, आगे की तरफ सीधा कदम बढ़ाने का प्रयास किया, तो ठीक है, आप पीछे की तरफ गिर पड़ेंगे। मैं सुनिश्चित नहीं हूँ कि ऐसा नहीं किया जा सकता है, और निश्चितरूप से, मैं ऐसा प्रयास करने वाला नहीं हूँ, परंतु आपको अपने हाथों और अपने पैरों को एक दूसरे के साथ, एक भले कामचलाऊ सम्बन्धों में रखना चाहिए।

अब यह प्रश्न, ''इस जीवन को छोड़कर जाते हुए, क्या हम उस स्थान से गुजरेंगे, जहॉ वे मौलिक अस्तित्व, विचार आकृतियॉ (thought forms), या वे जो कुछ भी हैं, हमें डराकर भगाने का प्रयास करेंगी? क्या यह हम सभी के लिये, अपरिहार्य बात है, या सहायक लोग, हमें उस सबसे बचाने का एक मौका पाते हैं? उदाहरण के लिए, यदि हम, किसी यातायात दुर्घटना से या हवाई जहाज के टकराने, इत्यादि से अचानक मर जायें, तब क्या सहायकों के पास, हमारे पास तत्काल आने का समय होता है, या क्या उस समय, हमें अकेले ही, इन भयानक मौलिक अस्तित्वों का चारा बनने के लिए खिसकना पड़ेगा ?''

कहें! मैं बहुल प्रश्नों के गुच्छे के ऊपर गिरता हुआ लगता हूँ। अब, इसका पात्र बनने के लिए मैंने क्या किया है? ठीक है, कैसे भी, मान लीजिये, आप रेल या कार या बस या हवाईजहाज से यात्रा करने जा रहे हैं, तब, इससे पहले कि आप अपने वाहन में अंदर बैठ सकें, आपको एक निश्चित क्षेत्र, ''सार्वजनिक परिक्षेत्र (public domen)'' को पार करना पड़ेगा। उदाहरण के लिए, मान लीजिये कि आपके पास, आपके घर के बाहर, एक कार है और आप उस कार में बैठना चाहते हैं। आपको अपने घर के बाहर निकलना पड़ेगा और अपने वाहन तक पहुँचने के लिए, आपको पगडण्डी पर चलना पड़ेगा। उसी तरीके से, जब आप अपने शरीर को छोड़ते हैं, तो आपको सूक्ष्मलोक में अंदर प्रवेश करने

के लिए, ''आत्माओं के सार्वजनिक परिक्षेत्र (public domen for spirits)'' को पार करना पड़ेगा, परंतु 99 प्रतिशत मामलों में, आप किसी मौलिक अस्तित्व को नहीं देखेंगे। यदि आप डरे हुए नहीं हैं, तब आपको चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि यदि आप डरे हुए नहीं हैं तो ये निम्न अस्तित्व आपको परेशान नहीं कर सकते, वे आपके समीप नहीं आ सकते। इसलिए, किसी भी तरीके से, वहॉ परेशान होने को है क्या?

आप अपने घर को छोड़ रहे होंगे और अपनी कार की तरफ आगे बढ़ रहे होंगे और आप, काफी बच्चों को पगडण्डी पर भागते हुए, देखते हैं, परंतु आपको उनके बारे में परेशान होने की जरूरत नहीं है, क्या आप परेशान होते हैं ? इसलिए मौलिक अस्तित्वों की चिंता क्यों की जाये?

और हॉ, अधिक निश्चिंतता के साथ, सहायकों के पास, आपको किसी भी चीज से बचाने का एक मौका होता है। इससे कोई प्रभाव नहीं पड़ता कि आपको अचानक टकराना पड़ा, सहायक अभी भी वहॉ हैं, क्योंकि आपको याद रखना चाहिए कि पृथ्वी का समय, शुद्ध रूप से, एक कृत्रिम चीज है, और कहीं भी दूसरी जगह, इसका कोई अर्थ नहीं है। उदाहरण के लिए, यदि आप, पृथ्वी पर रहते हुए, मान लें, दक्षिण–अमरीका से ऑस्ट्रेलिया को जाना चाहते हैं, तो आपको, टिकिट पाने में, अपने सामान को बांधने में, और वास्तव में दक्षिणी अमरीका से ऑस्ट्रेलिया तक यात्रा करने में, काफी कुछ हलचल करनी पड़ेगी। आपको, तटकर और आव्रजन की औपचारिकताओं की सभी प्रकार की जिम्मेदारियॉ पूरी करनी होंगी। परंतु सूक्ष्मलोक के इस दूसरे राज्य में, आप एक स्थान का विचार करें और आप तत्काल वहॉ पहुॅच जाते हैं, ये उतना ही तेजी से होता है, जितना कि वह। ताकि, सूक्ष्मलोक में एक व्यक्ति, आपसे मीलों में अगण्य दूरी पर हो सकता है परंतु वह कह सकता है, ओह मेरे भगवान, वहॉ जिम बग्स बौटम (Jim Bugsbottom) के साथ एक दुर्घटना होने वाली है, मैं जा रहा हूॅ।'' और तब सूक्ष्मलोक के सहायक, दुर्घटना के दृश्य पर, घटित होने के पहले भी वहॉ होंगे।

अब सूक्ष्मलोकों के सम्बन्ध में दूसरे प्रश्न के लिए। ''पहली पुस्तकों में, आपने कम से कम दो भिन्न सूक्ष्म चरणों का उल्लेख किया है, जहॉ तक मैं समझ पाया हूॅ, एक, दूसरे से थोड़ा सा ऊपर हैं। क्या हम सभी, औसत, उतने उन्नत नहीं, लोगों को पृथ्वी पर मरने के बाद, वहॉ जाना पड़ेगा? जैसा कि आपने अपनी कुछ पुस्तकों में उल्लेख किया है, क्या ये उस तल में होता है कि वहॉ पारिवारिक जीवन के प्रकार का, कुछ अस्तित्व में हो? क्या किसी तल से उच्चतर तल तक क्रम से सीधे पहुॅच जाना सम्भव है, अथवा क्या हम सबको, अपरिहार्यरूप से, बीच वाले प्रत्येक उच्चतर सूक्ष्मतल में, पुनर्जन्म लेना पड़ेगा?''

यदि आप मेरे ऊपर देख सकें, तब आप देखेंगे कि मैं एक बात के लिए कि, ताप अधिक गर्म, और अधिक गर्म, होता जा रहा है, अधिक उदास, और अधिक उदास, दिख रहा था। वास्तव में, यहॉ ये एक गर्म दिन है, और दूसरी इस बात के लिए, कि इन खौफनाक, बहुल प्रश्नों में से दूसरा प्रश्न ये है। मैं अनुभव करता हूॅ कि मैं तीन या चार किताबें एक साथ लिख रहा हूॅ!

हम, पृथ्वी पर उन्नयन की एक निश्चित स्थिति में होते हैं। यहॉ हम त्रिविमीय विश्व में, भौतिक स्थिति में हैं। जब हम ''मरते'' हैं, अर्थात् जब हमारा शरीर, किसी कारणवश, काम करना बंद कर देता है, हम ''सूक्ष्मतल'' में चले जाते हैं, ये एक प्रकार का स्वागत क्षेत्र है, और उसमें विशेषरूप से, सूक्ष्म तल में हम, जो हमने इस त्रिविमीय विश्व में किया और जो हमने अधूरा छोड़ दिया, का एक आकलन करते हैं। हम विशेष सलाहकारों से सलाह लेते हैं और शायद हम तय कर सकते हैं, कि ये अच्छा होगा कि हम पृथ्वी पर लौटें, अर्थात् पुनर्जन्म ग्रहण करें और पृथ्वी पर दूसरा जीवन जियें।

यद्यपि, ऐसा हो सकता है, कि हमने, कुल मिलाकर, उतना खराब नहीं किया हो और उस मामले में, हम अस्तित्व के अगले तल, शायद किसी चौथे तल में, शायद चौथी विमा में, शायद 5वीं विमा वाले विश्व में, आगे बढ़ने में सफल होंगे। परंतु मुझे फिर व्यक्त करना चाहिए कि जब कोई पृथ्वी से

अलग हटता है, समय अलग होता है, और कोई सूक्ष्मलोक में लम्बे समय तक टिक सकता है, और तब पृथ्वी के दिनों के अनुसार, लगभग तत्काल, इस विश्व में पुनर्जन्म ले सकता है। ये बहुत भ्रमित करने वाला है यदि आप, समय की उस व्यवस्था में, कि एक मिनट में साठ सेकण्ड, और एक घंटे में साठ मिनट, एक दिन में चौबीस घंटे, इत्यादि होते हैं, विश्वास करने के अत्यधिक अभ्यस्त हैं। सूक्ष्मलोक में समय लचीला (flexible) होता है परंतु सूक्ष्मलोक में हमें मित्रवत् सहयोगी मिल सकते हैं, वास्तव में, हमें उनको मिलना ही है, ताकि अपने मूल अनुभवों को संजोया जा सके। हम उपयुक्त प्रेम प्रकरण भी पा सकते हैं, मुझे विश्वास है कि ये आप में से अनेक को प्रसन्न कर देगा!

वास्तव में ऐसा लगता है कि बेचारा कोई मित्र, अभी सूक्ष्मलोक की इस कार्यप्रणाली से चिपका हुआ है। एक प्रश्न के लिए इस पर देखें; ''यदि मेरे बच्चों में से एक, या मेरा कोई भी प्रिय, मुझसे पहले या मेरे बाद, इस पृथ्वी को छोड़ता है, और वह व्यक्ति, मेरे वहॉ पहुॅचने से पहले, एक नये पुनर्जन्म में पृथ्वी को वापस भेज दिया जाता है, या उसके वहॉ पहुॅचने से पहले, मुझे वापस भेज दिया जाता है, तब सूक्ष्मलोक में मुलाकात करना कैसे सम्भव है? और यदि वे या मैं, उच्चतर सूक्ष्मतलों के लिए चिन्हित कर दिये गये हैं, तो हम कैसे मिल सकते हैं? क्या भिन्न–भिन्न सूक्ष्मलोकों में रहते हुए भी, एक दूसरे से मुलाकात करना सम्भव है?''

अपनी पूरी पुस्तकों में, मैंने सूक्ष्म यात्राओं के विचार को ऊपर रखने का प्रयास किया है, मैंने इस विचार को, लोगों को देने का प्रयास किया है कि यदि वे इस शरीर को छोड़ना चाहें और सूक्ष्मतल में जाना चाहें, तो वे सूक्ष्मतल में लोगों से मिल सकते हैं। ऐसा लगता है कि मैं भलीभॉति सफल नहीं हुआ हूँ, क्या ऐसा नहीं है? इसलिये यदि कोई व्यक्ति ऐसे प्रश्नों को पूछता है, तब ये एकदम सादा उत्तर है, कि वह मेरी पुस्तकों को ठीक से पढ़ेगा; यदि आप किसी व्यक्ति से सूक्ष्मलोक में मिलना चाहते हैं, तब आप मिल सकते हैं, दूरानुभूति के द्वारा ऐसी बैठक की व्यवस्था करें, और आप उस उद्देश्य के लिए, अपने शरीर के बाहर जा सकते हैं।

यदि एक व्यक्ति उच्चतर तल में है और वह सूक्ष्मतल में, आपसे मिलना चाहता है, वह आपके अपने सूक्ष्मतल में, नीचे की तरफ यात्रा कर सकता है। वहॉ, कुल मिलाकर, कोई समस्या नहीं है, बशर्ते दोनों व्यक्ति, ऐसे किसी मिलन को चाहते हैं।

मैं अभी दूसरे प्रश्न पर देखता रहा हूॅ और आश्चर्य करता हूॅ कि मुझे शान्ति से हर चीज को छोड़ देना चाहिए और रिटायर होकर लामामठ को चले जाना चाहिए। शायद इन प्रश्नों में से कुछ को ध्यान में रखते हुए, किसी भिक्षुणी मठ (nunnery) में चले जाना अधिक ठीक होगा। कैसे भी, आप अपना निर्णय स्वयं लें। यहॉ प्रश्न है और आप इसका उत्तर कैसे देंगे?

ठीक किस चरण में; या कमोवेश ठीक तरह से, आत्मा, पैदा होने वाले बच्चे में प्रवेश करती है? इस पृथ्वी पर, इस प्रश्न को अपने विचार में रखतीं हुईं, हजारों औरतें हैं। कुछ अंधेपन से, प्रेम के रोमांस में पड़कर और किसी लड़के या आदमी, जिसने प्रेम और विवाह के शाश्वत सत्य को स्वीकार किया, परंतु अपनी इच्छा को काबू में नहीं रख सका, के द्वारा बहुत दूरी तक ले जाई गई हैं, और इस प्रकार दुखान्त घटना घटी। वह अभी भी उससे प्रेम करता है परंतु उससे शादी करना बर्दाश्त नहीं कर सकता और वह उससे छुटकारा पाना चाहती है, इत्यादि, इत्यादि। आजकल, केवल आनंद के लिए, यौनाचार में शामिल होना और बाकी किसी चीज की परवाह नहीं करना, ये शायद, लापरवाही है, मैं नहीं जानता। परंतु क्या आप उस प्रश्न का उत्तर दे सकते हैं, क्या आप जानते हैं? यौन, यदि प्रेम से जुड़ा हो, न तो पाप है और न ही बुरा, जैसा कि आपने पुस्तकों में स्वयं कहा है। बिना प्रेम के यौन निरर्थक और मात्र पाशुविक आनंद है परंतु अभी भी, अधिकांशतः, ऐसे ही अभ्यास में लाया जाता है। एक बच्चे के भ्रूण में, आत्मा के प्रवेश करने से पहले गर्भपात कराना, क्या ये हत्या नहीं है? वह क्षण कब होता है, जब गर्भपात, हत्या बन जाता है?

ठीक है, ठीक है, और एक बार फिर, ठीक है। इन प्रश्नों में से कुछ से ''मुखातिब होने'' के बाद, मैं ऑट फैंनी (Aunt Fanny's), जो कुछ समाचारपत्रों में, सभी प्रकार के मिले जुले प्रश्नों के उत्तर देने का दावा करती हुईं लिखतीं हैं, के अनुभवों में से एक अनुभव करता हूँ। बेचारी आत्मायें, मैं एकदम ठीक से जानता हूँ कि वे कैसा अनुभव करती हैं। परंतु मैं महसूस करता हूँ कि प्रश्नों, जो कि अमूर्तभौतिकी (metaphysics) से सम्बन्धित नहीं है, का उत्तर देने के लिए, मेरा ''दोहन'' किया जा रहा है।

मैं अपनी स्वयं की राय दूँगा, यद्यपि, वह यह है; यदि लोग जन्म नियंत्रण, गर्भपात इत्यादि, के सम्बन्ध में जानना चाहते हैं, तब वे परिवार नियंत्रण दवाखानों में क्यों नहीं जाते और सभी जानकारी, और शायद, किसी चीज का एक मुफ्त सेम्पल भी, जो उन कामों को, वांछित समय के लिए, रोक देगा, निशुल्क क्यों नहीं पाते। आप किसी परिवार सलाहकार के पास या किसी अस्पताल में, या एक डॉक्टर के पास जाना, अधिक आसान पायेंगे, ताकि आप, अपने खुद के मामले, उसकी सारी उपशाखाओं, जटिलताओं, और उसके सम्बन्ध में प्रत्येक चीज पर विस्तार के साथ चर्चा कर सकें और तब आप वह सूचना पा जायेंगे, जो आप पर और आपकी सभी परिस्थितियों पर लागू होती है।

परंतु मैं नहीं देख सकता, वास्तव में, कि लोगों को, आजकल गर्भपात की आवश्यकता होती है, जबकि उनके पास, कथित सुरक्षा के कितने सारे साधन उपलब्ध हैं। यदि वे किसी संदेह में हैं, ठीक है, न करें!

और आगे, अस्तित्व, जो शरीर को लेने जा रहा है, उसको किसी विशेष समय में नहीं लेता, ये उन्नति की कोटि के ऊपर निर्भर करता है, ये आवश्यकता के प्रकार के ऊपर, और उस प्रकार की सभी चीजों के ऊपर निर्भर करता है। इसलिए आप कह सकते हैं कि कोई गर्भपात, एक महीने और दूसरा छै महीने में होना चाहिए। हर प्रकरण, अपनी खुद की व्यक्तिगत परिस्थितियों के ऊपर निर्भर करता है और यदि मैं और अधिक विस्तार में जाऊँ, हमारा आदरणीय प्रकाशक, एक गश खायेगा और वह शर्म से लाल भी हो सकता है, इसलिए मैं सुझाव देता हूँ कि यदि आप विस्तार से जानना चाहते हैं, तो डॉक्टर के पास या परिवार नियोजन परामर्श केन्द्र में जायें, वे आपको सब कुछ बता देंगे, जिसकी आपको जानने की आवश्यकता है।

जैसे जैसे दिन बढ़ता है, तापक्रम और गर्म होता जा रहा है। मैं समझता हूँ कि ये लगभग वैसा ही माजरा है कि एक दुकान की खिड़की में रखे अण्डे, कठोरता से उबलते जा रहे हैं। निश्चितरूप से, इन प्रश्नों में से कुछ का सामना करने के लिए, मुझे कठोरता से उबलने की आवश्यकता है, और मैं आश्चर्यचकित हूँ कि 90 डिग्री से अधिक का तापक्रम या प्रश्न, दोनों में से कौन अधिक गर्म है। अगले के लिए तैयार रहें:

''विवाह विच्छेद, यदि दो लोग, जो प्रेम करते रहे हैं और शादीशुदा हैं, और वास्तव में ये विश्वास करते हैं कि वे इस जीवन, और अगले जीवन में, कभी जुदा नहीं होंगे, एक दूसरे से, थोड़ा थोड़ा, व्यथित, व्यग्र और निराश, होते जाते हैं और अचानक ये अनुभव करते हैं कि वे एक दूसरे को और अधिक नहीं समझ सकते, परंतु दो अपरिचितों, जो आपस में संवाद करने में समर्थ नहीं हैं, के रूप में विकसित होते हुए दिखते हैं, तब वे क्या करेंगे? परंतु क्या वे अब भी, एक दूसरे के प्रति, लगभग, आश्चर्यजनक घृणा प्रारम्भ करते हुए और दोनों के बीच की दरार, लगातार बड़ी और बड़ी होते हुए, घर का वातावरण भारी, और भारी, होते हुए, साथ–साथ जीते चलते रहेंगे, या क्या वे एक दूसरे से अलग हो जायेगे और एक दूसरे घृणा करते हुए, कम से कम, साथ नहीं रहेंगे? ऐसा कैसे हो सकता है, जबकि दोनों ने, अपने हृदय के अंतरतम से कसमें खाई हों कि वे एक दूसरे को प्यार करना कभी बंद नहीं करेंगे? उनमें से हर एक, अनुभव करता है कि किसी गूढ़ भाग्यवश, दूसरा भयानकरूप से बदल गया है। वह (पुरुष) और वह (स्त्री), पहले की तरह नहीं सोचता, पहले की तरह प्रतिक्रिया नहीं करता।

वह पूरे समय, केवल एक दूसरे की आलोचना करते रहते हैं, जबकि पहले वे कोई बुराई नहीं देखते थे, और जब इस चित्र में शारीरिक समस्यायें भी प्रवेश कर जाती हैं और उनका कोई हल नहीं दिखाई देता, क्या किया जाये ? क्या अलग होना बुरा है ? क्या उन्हें, मात्र इसलिए कि उन्होंने केवल कुछ दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किये थे और किसी पुजारी ने उनको ऐसा करने के लिए कहा था, साथ–साथ जीवन जीते रहना चाहिए? या उन्हें ईमानदार होना चाहिए और अलग हो जाना चाहिए, और समय को, उनके घावों को पूर लेने देना चाहिए, और अंत में, कम से कम एक दूसरे को समझने और क्षमा करने योग्य होना चाहिए कि दोनों ने गलतियॉ की थीं और केवल उनमें से केवल एक ने नहीं ? क्या गलत है, क्या सही है?''

अनेक लोग मुझे, इसे पूछते हैं, इसलिए, इस सम्बन्ध में, मैं अपनी खुद की, ईमानदार राय दूँगा। मेरा विश्वास है कि ईसाई आस्था के अनुसार, पादरी, विवाह में इतना अधिक हस्तक्षेप करता है कि विवाह की हर चीज विकृत हो जाती है। उदाहरण के लिए, कैथोलिक आस्था के अनुसार, यदि एक महिला के, काफी बच्चे नहीं होते, तो पादरी, इस सम्बन्ध में, पूरी तरह से दुखी हो जाते हैं और सभी भयानक चीजों के साथ, पति–पत्नी दोनों को धमकी देते हैं। मैं जानता हूँ कि ये सत्य है क्योंकि मैंने इसे स्वयं घटते हुए देखा है, और आयरलैंड में मैंने पुरानी कहावत ''पादरी का टोप, दरवाजे की मूंठ पर होता है, ताकि पति बाहर खड़ा रहे (The priest had his hat on the doorknob so the husband stayed out)'' का अर्थ जाना है!

यदि व्यापार के दो भागीदार, एक साथ मिलजुल कर नहीं चल सकते, तो वे अलग हो जाते हैं। करने के लिए, केवल यही समझदारी है, और आजकल, वास्तव में, विवाह एक व्यापार है! मेरी व्यक्तिगत राय ये है कि लोगों को कभी भी अलग नहीं होना चाहिए; निश्चितरूप से, उन्हें जानबूझकर, और अटलरूप से, तलाक लेकर, चले जाना चाहिए। कुल मिलाकर, यदि आपके पास एक दुखता हुआ दांत है, आप दन्त चिकित्सक के पास नहीं जाते और इसे आधा खिंचवा नहीं लेते। तब, आपकी वही चीज, सीधे झटक कर बाहर आ जायेगी और आप इसके बारे में पूरी तरह भूल सकेंगे। ठीक है, यदि आपको पत्नी या पति से कष्ट है, और आपको इसका कोई अर्थ नहीं दिखाई देता, तब और अधिक कोई समय व्यर्थ न करें और तलाक ले लें, इस बात का ख्याल नहीं करें कि पादरी का मूर्ख पिंड क्या कहता है, वह इसमें होकर नहीं गुजर रहा, वह इससे कष्ट नहीं उठा रहा, परंतु आप उठा रहे हैं। मेरा विश्वास है कि अधिकांश धार्मिक गंदगी, जो आजकल मलवा बन जाती है, वास्तविकरूप से गलत है। पहले के दिनों में, ईसाइयों की शादी, जो आजकल है, उससे एकदम अलग, एक सर्वाधिक सुखद चीज होती थी और ईसाइयत के वर्चस्वहीन धार्मिक समुदायों में, फिर अब भी, विवाह एक अनुशीलनयोग्य मामला है।

तब उत्तर है कि, जल्दी ही तलाक ले लें, परंतु एक दूसरे से, मित्रों की तरह अलग हों, जिनमें कभी मतभेद रहे थे, कोई असहमति थी। आपको एक दूसरे का चरित्र हनन करके अलग नहीं होना चाहिए, दोनों लोगों को तलाक लेना है, जिसका अर्थ है कि, आप दोनों ही दोषी हैं।

कल, श्रीमान् जोन बिगरास बिग्स (Mr. John Bigras Biggs) और उनकी दो बिल्लियॉ, श्रीमान् वेफारर बिगरास और श्रीमती वेफारर बिगरास (Mr. Wayfarer Bigras and Mrs. Wayfarer Bigras), अपनी बड़ी कार के अन्दर जायेंगे और शोर मचाते हुए वेंकोवर की तरफ जायेंगे। निश्चितरूप से, मेरी कामना है कि मैं, पर्वतों के ऊपर चढ़ता हुआ और सभी पेड़ों को देखता हुआ, उनके साथ जा सकूॅं। यहॉ केलगेरी में, बहुत अधिक पेड़ नहीं हैं, ये वेंकोवर की हरियाली से एकदम अलग है। परंतु वहॉ ऐसा है, मैं जानता हूँ कि, मेरे यात्रा दिवस सीमित हैं, और इसलिए, सबसे पहले, मैं श्रीमान् बिगरास और बिगरास बिल्लियों का, वेंकोवर में घर की तरफ उनकी यात्रा पर, जोर से घोषणा करते हुए, अभिवादन करना चाहूँगा। बिग्स, अपने पीछे एक साल के लिए, एक और लम्बी छुट्टी पर, पीछे देख

सकते हैं। शीघ्र ही, अपनी पन्द्रहवीं किताब पूरी हो जाने पर, मैं भी पीछे देखने में सक्षम हो सकूँगा।

मेरे पास असाधारण प्रकार के कुछ प्रश्न हैं, उदाहरण के लिए, कोई इसका उत्तर कैसे देगा; ''मैं 'पुरातनों की गुफा (Cave of the Ancients)' में जापानी भिक्षु के सम्बन्ध में पढ़ रहा था। इसने मुझे, कई भिन्न चीजों को खुद पढ़ने का मौका दिया, कोई कैसे जान सकता है, यदि हम स्वयं को घायल कर रहे हैं?''

अब कोई, सम्भवतः, इस सबको चिकित्सा के साथ जोड़ते हुए, कैसे इसका उत्तर दे सकता है? देखें कि हम क्या कर सकते हैं; मान लो कि आपके पास एक टेलीविजन सेट है और आप पेटेंट दवाओं के सम्बन्ध में, उन सब विज्ञापनों को देखते हैं, या मानते हुए कि आप समाचार–पत्रों में देखते हैं और आप इस–उस सम्बन्ध में विज्ञापनों और कुछ दूसरी चीजों को भी, जो हर चीज का एकदम ठीक इलाज कर देगी, को पढ़ते हैं। कोई भी, अपनी सही जानकारी में, विज्ञापित वस्तुओं की पूरी गंदगी को नहीं लेगा, क्योंकि तमाम चीजें अनुशीलन योग्य नहीं होंगी। यदि आप दो चीजों को लें, जो एक दूसरे के विपरीत थीं, अर्थात् एक दूसरे के साथ नहीं थीं, तो आप, अपनी खुद की बनाई हुई शर्तों को जोड़ते हुए, अपने हालातों को और खराब कर लेंगे। इसलिए मैं केवल ये कह सकता हूँ कि आप अत्यधिक विषयों पर, अत्यधिक पढ़ रहे हैं, या एक ही विषय के सम्बन्ध में अत्यधिक पढ़ रहे हैं, तब आप इसे थोड़ा विश्राम दें। उत्कृष्ट विक्रयकर्मी (super salesman) होने का प्रयास किये बिना, मैं लोगों को बताऊँगा कि, उन्हें पहले मेरी पुस्तकों को पढ़ लेना चाहिए, क्योंकि, जो कुछ मैं अपनी पुस्तकों में कहता हूँ, वह सत्य है और उनमें से हर चीज, जिसके बारे में, लिखता हूँ, को मैं कर सकता हूँ, यहाँ बाद वाले, तथाकथित लेखकों का एक समूह है, जिन्होंने दूसरे लोगों की पुस्तकों में से कुछ खण्ड उठा लिये हैं और उन्हें पुनर्गठित कर लिया है, ताकि इसे दूसरी पुस्तक समझा जाये। परंतु यदि आप किसी चीज को दूसरी तरह से शब्दों में कहते हैं, तो उसका अर्थ हमेशा वही नहीं होता, होता है क्या? इसलिए मैं सोचता हूँ कि किसी व्यक्ति को, एक विषय में, एक ही लेखक के ऊपर एकाग्र करना चाहिए और जब, कुछ उस लेखक ने जो लिखा था, उन्होंने उसे पूरा पढ़ लिया तब, यदि वे चाहें, तो वे किसी दूसरी चीज की ओर भी जा सकते हैं। परंतु वह तरीका, जिस पर लोग चलते जाते हैं, वैसा ही है जैसे कि लोग, दो पेय पदार्थों को मिलाते हों, जिसके सम्बन्ध में मैं पूरी तरह आश्वस्त हूँ कि वह अभ्यास का लगभग निंदनीय तरीका है!

अब, अब यहाँ एक दूसरा प्रश्न है, जिसका वास्तव में, कोई उत्तर नहीं है:

''जब आप किसी घर में प्रवेश करते हैं और कुछ असुखद अथवा विघटनात्मक आभास पाते हैं तो ये क्या है और आप उस स्थान को कैसे इससे छुटकारा दिला सकते हैं ?''

मैं केवल यही मान सकता हूँ कि प्रश्न का आशय ये है कि कोई क्या कर सकता है यदि वह एक घर में जाता है, जो पहले रहने वाले लोगों के ऋणात्मक प्रभावों से, शापित या संतप्त है। यदि स्थान प्रेतात्मा से ग्रसित (haunted) है, तो इसका क्या किया जाये? प्रेतात्मा, अपने शिकारों को घायल नहीं कर सकती, और यदि कोई उनको एक निश्चित दूरानुभूतिपूर्ण आदेश दे, तो प्रेतात्मा दूर हट जाती है। आप देखें, कि अधिकांश प्रेत ग्रसित इमारतें, केवल किसी व्यक्ति, जो गुजर चुका है, के गतिमान जीवन्त बल के कारण विषादग्रस्त होती हैं, और उसका बल, एक ब्रास बैण्ड (brass band) की अंतिम गूंज की तरह से, आसपास लम्बा खिंचता जाता है। ब्रास बैण्ड की गूंजें सैकण्डों में समाप्त हो जाती हैं, और किसी वीर्यवान पुरुष की मृत्यु, सूक्ष्मलोक के समयानुसार, एक सेकण्ड या ऐसे ही समय में, समाप्त होती है, जो पृथ्वी के सौ वर्षों के बराबर भी हो सकता है, परंतु यदि आप, उस घुमक्कड़ प्रेतात्मा को अपने शिकार समाप्त करने के लिए, एक निश्चित दूरानुभूतिपूर्ण आदेश दें, तो ये समाप्त हो सकती है।

अब इस बार हम, एक गुच्छे के ऊपर अटके हुए लगते हैं। इसको देखें ''मैं किसी को जानता हूँ, जो ओझागीरी (witch craft) करता था, उसने शीघ्र ही, ये महसूस करना प्रारम्भ कर दिया कि

उसके पीछे दैत्य लगे थे, इसलिए उसने जल्दी से ओझागीरी को छोड़ दिया। क्या आप इन दैत्यों के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण दे सकते हैं, और कोई कैसे इनके कब्जे में हो जाता है?''

यदि लोग, ओझागीरी के मामले में गड़बड़ करें, तो उन्हें वैसा ही मिलना चाहिए जैसा वे करते हैं, और मुझे उनके साथ कोई सहानुभूति नहीं हैं, क्योंकि निश्चितरूप से, ओझागीरी वर्जित शक्तियों को लुभाती है। निम्न सूक्ष्मलोक में सभी प्रकार के अस्तित्व होते हैं, वे शरारती बन्दरों की तरह होते हैं, वे मानवों की नकल करना पसन्द करते हैं, वे मानवों से छेड़छाड़ करना पसन्द करते हैं, और सर्वोच्च इरादे वाले, अनेक–अनेक अच्छे लोग, मजलिसों में जाते हैं, जो किसी प्रशिक्षित माध्यम के द्वारा नियंत्रित नहीं की जातीं, और तब ऐसे शरारती अस्तित्व यहॉं, उस माध्यम को संदेश देते हैं और वह और अधिक अच्छा न जानते हुए, सोचता है कि वे असली संदेश थे। ठीक है, सफलता से बढ़कर कुछ नहीं होता, और अनेक लोगों ने ऐसा सोचा कि ये शरारती तत्व, असली थे इसलिए उनकी शक्तियॉं बढ़ती जाती हैं और अंत में वे मानवों के विचारों को नियंत्रित करने में समर्थ हो जाते हैं। वे एक व्यक्ति के मस्तिष्क में दूरानुभूति से फुसफुसाते हैं कि मटिल्डा चाची ने, या किसी दूसरे ने भी, जोर देकर ये कहा है कि अमुक अमुक चीज होनी है, परंतु, फिर, यदि एक व्यक्ति, किसी बुरी चीज के होने से, भयभीत नहीं है। यदि आप शापित हैं या आप सोचते हैं कि आपके कब्जे में कोई है, तब आपको एकदम पक्के रूप से ये एक संकल्प कहना है कि आपको कोई चीज नुकसान नहीं पहुॅंचा सकती और आप अत्याचारी अस्तित्व को नष्ट कर देंगे। ये अस्तित्व, नष्ट नहीं होना चाहते, इसलिए वे बहुत शीघ्र ही, किसी दूसरे की खोज में, जो उन्हें गायब नहीं कर सकता हो, दूर चले जाते हैं और इसलिए इस सम्बन्ध में, घबरा जाने के सिवाय, घबराने जैसा कुछ नहीं है।

''मेरे पिताजी जूनियर हाईस्कूल में एक शिक्षक हैं और उनका आपकी शिक्षाओं के बारे में अत्यधिक विश्वास है। वह अक्सर, बच्चों के विध्वंसात्मक दोष के बारे में मुझे बताते हैं, वे अच्छे परिवारों से संलग्न हुए माने जाते हैं। ऐसे बच्चे, अपने व्यसनों से किस प्रकार छुड़ाये जा सकते हैं या उनकी सहायता की जा सकती है?

मैंने सोचा, मैंने काफी कुछ हद तक, और उबाऊ लम्बाई तक, पहले ही, इस सम्बन्ध में बता दिया था क्योंकि मैं यथार्थ रूप से, पक्का विश्वास रखता हूॅं कि, अवस्थाओं में तबतक, कोई सुधार नहीं होगा जबतक कि मातायें, घर पर न रुकें और घर को न बनायें। आजकल बच्चे गलियों में घूमने के लिए छोड़ दिये जाते हैं, जहॉं वे शक्तिशाली साथियों के चारे बन जाते हैं, जो बहुधा, अधिकांशतः, बिगड़ैल होते हैं और वे उन बच्चों को, ''अच्छे भले परिवार के बच्चों को खराब कर देते हैं।''

इस मामले में, केवल एक ही तरीके से काबू पाया जा सकता है, वह है अपने समाज को पुनर्गठित करना, ताकि, एक बार फिर, दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना के बदले में, मातृत्व को सम्मान प्राप्त हो सके।

''कल एक लड़की मेरी पत्नी और मेरे पास आई और उसने स्वयं को, हमारे द्वारा, बौद्ध धर्म की शिक्षा दिये जाने के लिए कठिन प्रयास किया। मैंने उसे बताया कि मेरा रास्ता दूसरा है और कि उसकी योजना ने मुझे गड्ढे में डाल दिया है। कोई कैसे ये सुनिश्चित करता है, कि कौन सा मार्ग, निश्चितरूप से, अपनाया जाना चाहिए?''

ओह, ये आसान है! वास्तविक बौद्ध लोगों में, धर्मप्रचारक (missionaries) नहीं होते। एक सही बौद्ध, कभी किसी को बौद्ध धर्म में लाने के लिए, बौद्ध बनाने के लिए, दबाव नहीं देता। सम्भवतः आप, उन आश्चर्यजनकरूप से गलत, सम्प्रदाय की लड़कियों (cult girls) का, जो आजकल आबारागर्दी करती हैं और दूसरे लोगों को निशाना बनाने का प्रयास करती हैं, जो कि काल्पनिक बौद्ध समाज को बकाया का भुगतान कर दे, निशाना बन गईं हैं। मैं एक बार फिर कह दूॅं कि, यदि किसी ने आपको बौद्ध बनाने के लिए प्रयास किया तब वह व्यक्ति बौद्ध नहीं है, क्योंकि बौद्धमत जीवन जीने का, मात्र एक तरीका है

और यह एक धर्म नहीं है, और बौद्ध धर्म में धर्मप्रचारक बिलकुल नहीं होते।

आजकल, अनेक सम्प्रदाय हैं, एक छद्मशिक्षा है, जिसमें दोनों लिंगों के अनुभवहीन नौजवान, सोचते हैं कि वे चुने हुए मसीहा हैं, जिन्हें इस काम के लिए, इस, उस या किसी दूसरी सोसायटी के लिए, लोगों को चुन लेना चाहिए।

इस सम्बन्ध में, मैं वह करने जा रहा हूँ, जिसे मैं कभीकभार ही करता हूँ, मैं आपको, कुछ समाजों के मूल को बताते हुए, जो हमेशा समाचार–पत्रों में, आजकल विज्ञापन देते हैं, जो अपने खुद के लाभ के लिए, आपके पैसे को पाने का प्रयास करते हैं, ऐसे गुप्त समाजों के सम्बन्ध में, एक विशेष पुस्तक पढ़ने की सलाह देने जा रहा हूँ। पुस्तक का नाम है ''गुप्त समाज (Secret Societies),'' जो नॉर्मन मेकेंजी (Norman MacKenzie) के द्वारा सम्पादित और न्यूयॉर्क की क्रीसेंट बुक्स (Crescent Books) के द्वारा प्रकाशित है।

मेरे विचार में, ये सर्वोत्कृष्ट पुस्तक है, और एक वैसी, जो मेरी इच्छा थी कि, मैंने इसे खुद लिखा होता!

''वेन (Wayne) और मैं, एकदम शाकाहारी (Vegans) हैं। हम प्रोफेसर आरनोल्ड एहरेट्स (Professor Arnold Ehrets) की खुराक का सेवन करते हैं। ये फल और सब्जियों से बनी होती है, इनमें पशुओं और कड़े फलों (nuts) का कोई उत्पाद नहीं होता। मैं अक्सर आश्चर्य करता हूँ कि, आपका इसके बारे में क्या कहना है। जैसा कि प्रोफेसर विश्वास करते हैं, क्या यह एक भोजन है, जो बीमारियों से मुक्ति दिला सकता है? मैं आप जैसे लोगों, जो जौ, चाय और मक्खन से भी पूर्ण आहार पा सकते हैं, आशंकित हूँ। आप इस आहार के बारे में क्या सोचते हैं ?''

यदि मैं वास्तव में आपको, जो मैंने सोचा था, बताता, तो शायद, प्रकाशक, एकदम बेहोशी में अपनी कुर्सी से गिर पड़ता क्योंकि ऐसी चीजों पर मेरे विचार, विद्रोही (incendiary) हैं। मैं सोचता हूँ कि ये मूर्ख खुराकें, शायिका हैं, मैं सोचता हूँ कि वे यथार्थ रूप से गोबर हैं। आप जानते हैं, कि, संयुक्त राज्य के सैनिक वलों में, ऐसे सामान्य दैनिक फौजी खुराकों वाले लोगों, और उन पागल मूर्खों, जो शाकाहारी बन गये की, बंदगोभी की पत्ती और एक पसों भर मेवों और वैसी ही चीजों वाली खुराकों का, एक लम्बा परीक्षण किया गया था। ठीक है, छै महीनों के बाद, अमरीकी अधिकारियों को पूरे निश्चय के साथ, पता चला कि, शाकाहारी, मस्तिष्क शक्तियों में घटिया, शारीरिक शक्तियों में भी घटिया, स्वास्थय में भी घटिया, सहनशीलता में भी घटिया और निश्चितरूप से चेतना में भी घटिया और कम से कम स्वस्थ तो नहीं होते हैं।

इस पृथ्वी पर हम पशु हैं, और चूँकि हम पशु हैं, और पशुओं की भॉति व्यवहार करते हैं, हमें वह खाना चाहिए, जो हमारे पशु शरीर मांगते हैं। इसलिए यदि आप, इस तरह का गोबर जैसा मूर्ख खाना खायेंगे और आप देखेंगे कि आपका स्वास्थ्य गिर रहा है, तो आप किसी और को नहीं, स्वयं को दोष देंगे। मुझे ऐसे सभी मूर्खों से, मूर्ख खुराकों से, जो एक सभ्यता को छोड़ कर, कभी किसी चीज जैसे सिद्ध नहीं हुए, कोई सहानुभूति नहीं है।

''मैंने अभी अभी, ''तिब्बतियों की मृतकों की पुस्तक (The Tibetan Book of the Dead)'' खरीदी है, क्या आप इस पर कोई टिप्पणी करेंगे?''

ओह, मेरे पास ऐसे लोगों का जमाबड़ा है जो ''तिब्बतियों की मृतकों की पुस्तकों के सम्बन्ध में'' पूछते हैं, परंतु पूरी सत्यता के साथ, ये पश्चिमी लोगों के लिए पूरी तरह से अनुपयोगी है क्योंकि, ये एक विचार है, एक भाववाचक विचार (abstract concept), और कोई इसे, ठीक तरह से, निर्देशों की एक पुस्तक के रूप में परिवर्तित नहीं कर सकता। आप देखें, ईवांस–वेंट्ज (Evans-Wentz), वास्तव में, एक भला आदमी था, परंतु वह एक प्रबल ईसाई था और उन गैर ईसाईयों के सम्बन्ध में, जिनकी आस्थायें उसकी खुद की से आस्थाओं से इतनी अलग हैं, जो कुछ भी उसने लिखा, पूरी तरह

से, उसकी मूर्तिपूजा विरोधी रंगों से प्रभावित था। इसलिए उसने, हमेशा, संतुलन को गैर ईसाइयों के विरुद्ध झटक दिया। और फिर, आप भाववाचक शब्दों का, ठोस वाक्यांशों के रूप में, अनुवाद नहीं कर सकते। यही कारण है कि सूचीवेध (acupuncture) चिकित्सा और अमूर्तभौतिकी (metaphysics) शिक्षाओं के सम्बन्ध में, यहाँ इतना अधिक गलत विचार है। मेरा विश्वास है कि कोई भी व्यक्ति, जो मृतकों की पुस्तक को पढ़ना चाहता हो, उसे पहले संस्कृत सीखनी चाहिए!

अनीता कैलावे (Anita Kellaway) ये कहती हुई लिखती हैं, ''क्या आप हमें प्रभामण्डल के बारे में और उस उपकरण के बारे में, जो किसी के प्रभामण्डल को देखने के लिए बनाया जा सकता था, कुछ बता सकते हैं? ये बहुत दिलचस्प है और यदि कोई प्रबुद्ध व्यक्ति इसे सही ढंग से उपयोग करे, इतना अधिक उपयोगी हो सकता है। मैं नहीं जानती कि डॉक्टर आपको एक उनके लिए भी बनाने की, क्यों नहीं कहते।

ठीक है, मैं प्रभामण्डल और प्रभामण्डल की एक मशीन बनाने के बारे में, पहले ही काफी कुछ लिख चुका हूँ, यदि किसी के पास काफी धन और मादा मॉडल (female models), जो अपने ऊपर अध्ययन करवाने की इच्छा रखते हों, होते, तो मशीन बनाई जा सकती थी। मैं पहले ही कह चुका हूँ, यद्यपि, मुझे दोनों ही नहीं मिल सकते। अब कुछ लोग विश्वास करते हैं कि किरलियन तरीका (Kirlian system), एक उत्तर है परंतु मेरा ख्याल है, कि मैं किरलियन तरीके का, किसी दूसरे अध्याय में भलीभाँति उल्लेख कर चुका हूँ, या क्योंकि मेरे निश्चित ज्ञान के अनुसार, फोटो लेने का किरलियन तरीका, वैसा है जैसे कि कोई चीज गलत दिशा में की जा रही हो। मैं इसे समय का एकदम व्यर्थ गंवाना समझता हूँ।

अध्याय आठ

बहुत पुराने दिनों में, जब शताब्दी जवान थी, "केसर बिल (Kaiser Bill)[37] ने, विश्वविजय का विचार करते हुए, उन सभी चमत्कारों, जिन्हें वह करने जा रहा था, के ऊपर विचार करते हुए, बर्लिन के अपने राजमहल के गलियारों के बीच, पैर पटके।

अपनी दोषयुक्त भुजा को छिपाने का प्रयास करते हुए, अपनी भौतिक कमियों और विकृतियों की क्षतिपूर्ति का प्रयास करते हुए, उसने दूसरों के साथ अत्यधिक नाटक किया। केसर बिल, ब्रिटेन की नौसेना की समीक्षा में, जर्मन नौसेना के शक्ति प्रदर्शन के लिये, इंग्लैण्ड जाने के लिए तैयार हो रहा था।

मास्को के बाहरी इलाके के एक डाचा (dacha) में, सम्पूर्ण रूस के जार (Czar) ने, अपनी भलीभॉति मोम लगी हुई मूंछों को मरोड़ते हुए ऐंठा और उन सभी चमत्कारों पर, जो रूस में होने जा रहे थे, विचार किया। महान जार से, चीजों, जैसी वे रूस में थीं, के सत्य को छिपाते हुए, जनता के बढ़ते हुए असंतोष के सत्य को छिपाते हुए, किसानों की मुखमरी के सत्य को छिपाते हुए, उसके आसपास, शताब्दियॉ जीवित थीं। रूस के जार ने, अपने सेवकों को, जल्दी जल्दी दौड़ाते हुए, अपने आसपास भेजा, क्योंकि वह यूरोप के पार, इंग्लैण्ड तक, एक लम्बी यात्रा पर जाने वाला था।

इंग्लैण्ड में, स्पिटहैड (spithead)[38] में, नौसेना के बहुत बड़े सिंहावलोकन की तैयारियॉ की जा रही थीं। राज्यों के प्रमुख, सिंहावलोकन को देखने के लिए आ रहे थे और ईर्ष्यापूर्ण ऑखों के सामने, ब्रिटिश नौसेना की पूरी ताकत की परेड की जाने वाली थी।

लंदन की सड़कों की मरम्मत की गई। घोड़ों की टापें, पत्थर के खुरदरी सतह के ऊपर, अत्यधिक तेजी के साथ गूंजी, और जब उन्होंने ऊॅची–नीची, उबड़–खाबड़, पैबंदों के ऊपर से पार किया, लोहे की रिंग चढ़े हुए पहियों वाली घोड़ा गाड़ियों के केविन्स, अंदर के यात्रियों, जो हर कोने से चमड़े के फीतों के द्वारा अपनी गाड़ियों में लटके हुए थे, को हिलाते हुए, जोर से हिलने लगे।

लंदन की सड़कें, मुख्य रूप से गैस से प्रकाशित की जाती थीं, नये विषैले दांतों जैसी चीज, विद्युत, आ रही थी, परंतु बड़े महानगरों पर उसकी पकड़ धीमी थी, और कारें, ठीक है, सिवाय इसके कि ये विरलों में से भी विरला, मामला हो, एक नजारे के रूप में, जो हर किसी के दिमाग को घुमा देगा, कारें अभी नहीं देखी जानी थीं।

लंदन के बड़े बड़े अस्पताल, चिकित्सा के नये क्षेत्रों में, अपने आपके लिए नाम कमाने की इच्छा रखने वाले, उत्सुक, समर्पित नौजवान लोगों की भीड़ से भरे थे। लंदन के एक बड़े अस्पताल में, एक उत्साही नौजवान, डॉक्टर किलनेर (Dr. Kilner) ने अध्ययन किया, और वह उन सर्वाधिक अंजान चीजों के ऊपर, जिनको कि नई प्रसारित विद्युत, सम्भव बना सकती थी, शोधकार्यों में लगा। एक्स–किरणें (X-rays)।

उसने काफी देर रात तक, एक बहुत बड़े क्रोम्पटन डायनुमो (Crompton dynumo) के द्वारा

---

37 अनुवादक की टिप्पिणी : केसर विल द्वितीय (Kaiser will II) का जन्म, 27 जनवरी 1859 को, पोर्टस्डेम (Portsdam) जर्मनी में हुआ था। उनके पिता, राजकुमार फ्रेडरिक विलहेम (Fredric wilhem) (1831–1888), क्रूसिया के और मॉ, इंग्लैंड की महारानी विक्टोरिया (1819–1901) की सबसे बड़ी पुत्री, राजकुमारी विक्टोरिया (1840–1901), थीं। केसर विल द्वितीय या विलहेम केसर (1859–1941) जर्मनी का केसर (सम्राट) था और (1888–1918) तक क्रूसिया का राजा रहा। ये प्रथम विश्वयुद्ध (1914–1918) के बहुचर्चित लोगों में रहा। उसकी ख्याति सैनिक क्रियाकलापों उसके भाषणों तथा समाचारपत्रों के साक्षत्कारों से हुई। जब कि विलियम विलहेम, वास्तव में युद्ध नहीं चाहता था और 1914 में अपनी जर्मन सेना को हटाते हुए, अपने जनरलों को युद्ध से वापस खींचने का प्रयास भी किया था। युद्ध में उसकी भूमिका और उसका नियंत्रण, उसके जनरलों के द्वारा किया जाता था, जब कि कुछ लोगों का मानना है कि उसके पास पर्याप्त राजनैतिक शक्ति थी। 1918 के उत्तरार्ध में, उसे पद त्याग करने के लिए बाध्य किया गया और उसने अपना शेष जीवन, नीदरलैंड में, निष्कासन में गुजारा, जहॉ 82 वर्ष की आयु में उसकी मृत्यु हुई। 1881 में विलहेम ने राजकुमारी अगस्ता विक्टोरिया (Augusta Victoria, 1858–1921) से शादी की। उनके सात बच्चे हुए।

38 अनुवादक की टिप्पिणी : स्पिटहैड (Spithead), हेम्पशायर (Spithead) इंग्लैंड में, गिलकर पाइंट के परे, सोलेंट (Solent) और रोडस्टैड (Roadstead) के समीप, 22.5 किलोमीटर लम्बा और 6.5 किलोमीटर की औसत चौड़ाई वाला, एक समुद्री क्षेत्र है। प्रारम्भ में, 1797 में, स्पिटहैड, राजशाही नौसैनिकों की बस्ती थी। स्पिटहैड में पहली नगर पालिका 1797 में बनी। Fleet Review, एक ब्रिटिश परंपरा है, जो स्पिटहैड में निभाई जाती है, जिसमें ब्रिटेन का सम्राट शाही नौसेना (Royal Navy) का निरीक्षण करते हैं।

प्रदान की गई विद्युत के विभिन्न बोल्टेज की व्यवस्थाओं के ऊपर, जो उन दिनों में विद्युत (electrics) के क्षेत्र में दुनियॉ में आने वाली, अत्यधिक आश्चर्यजनक चीजें थीं, परिश्रम किया। विद्युत के क्षेत्र में, क्योंकि तबतक इलेक्ट्रोनिकी (electronics) का विज्ञान, उत्पन्न नहीं हुआ था।

डॉ. किलनेर ने, सभी प्रकार की अंजान विधियों से, मानव शरीर की जॉच, करने का अध्ययन किया। उन्होंने पाया कि यदि वह अत्यधिक बोल्टेज और अत्यन्त कम विद्युत धारा का उपयोग करते हैं, तो वह मनुष्य शरीर के किनारों से, विद्युत को बाहर निकाल सकते हैं। उन्होंने इसे प्रभामण्डल का परीक्षण कहा और तब वह अपने शोधकार्यों में और आगे गये और पाया कि विशिष्ट रंगों के छन्नकों (filters) की सहायता से, प्रिज्मों और लैंसों की एक निश्चित व्यवस्था, उन्हें, एक नग्न मानव शरीर का, प्रभामण्डल देखने में सक्षम बना देगी, परंतु शरीर को नंगा होना चाहिए।

एक दिन, बेचारे डॉक्टर किलनेर को, एक विशेष प्रकार के लेम्प के प्रकाश के द्वारा, एक नंगी औरत का परीक्षण करते हुए पकड़ा गया। कोई बात नहीं कि अंदर घुसने वाला डॉक्टर, सभी प्रकार के अजनवी रंगों में, रंगीन प्रकाशों को, पर्दे के ऊपर, जिसमें होकर डॉक्टर किलनेर देखते थे, देख सका। उसका शोधकार्य बंद करा दिया गया। उसे संचालक मंडल (Board of Governers), और चिकित्सीय मंडल (Board of Medical Directoers) के सामने घसीटा गया, और उसे अत्यधिक गहराई के साथ धमकी दी गई कि यदि उसने फिर कभी मनुष्य शरीर के ऊपर, और उस विशेष क्षेत्र में, शोधकार्य किया तो उसे पदच्युत कर दिया जायेगा। ब्रिटिश मेडीकल ऐसोसियेशन के रजिस्टर से नाम काट दिया जायेगा और कौन जानता है? उसके सामने ठीकरे में रखा हुआ उसका भविष्य, वह एक श्रमिक की भॉति, और शायद स्थानीय कारखानों के निवासियों के रूप में भी समाप्त हो सकता था। डॉ किलनेर को मेडीकल व्यवसाय से बाहर जाने, या आदेशों का पालन करने और नई आविष्कारित एक्सरे के फोटोग्राफिक इलाज की मात्राओं (doses) के ऊपर शोध करने का, विकल्प दिया गया।

इसलिए मानवता की अंतिम शर्म के रूप में, महान आविष्कारकों में से एक, गुमनामी में दफना दिया गया। डॉक्टर किलनेर, साधारण किस्म के आदमी बनकर रह गये और उन्होंने एक्सरे के क्षेत्र में, मात्र, रोजमर्रा की चीजों को किया। प्रभामण्डल के शोध का विज्ञान खो गया।

महान विश्वयुद्ध, पहला विश्व युद्ध आया, घायल सैनिकों के ऊपर, एक्सरे का उपयोग पहली बार किया गया था। चिकित्सीय विज्ञान आगे बढ़ा, परंतु हमेशा एक गलत दिशा में, एक्सरे मशीन इसका जवाब नहीं थी।

युद्ध जीत लिया गया, परंतु विजेता द्वारा नहीं। हारने वाला, जर्मनी, इस सब में, सबसे अच्छा निकल कर आया। सबसे पहले, यद्यपि, लोगों ने, भारी कदमों से, जर्मनी की गलियों में होकर लाखों मार्क चले। एक सड़े से खाने को खरीदने के लिए, लाखों मार्क आवश्यक थे। मार्क का अवमूल्यन हुआ। जर्मनी में कष्ट बहुत ज्यादा था। रूस भी हिल गया था क्योंकि, एक नई पार्टी, सोवियत की साम्यवादी पार्टी (Communist Party of Soviet), खड़ी हो गई थी, और पश्चिम की नई जानकारियों को ग्रहण करने में, वे आश्चर्यजनक तेज चाल चल से रहे थे।

1960 के पूर्वाद्ध में और 1970 तक, एक लेखक ने अमूर्तभौतिकी के ऊपर पुस्तकों में कुछ चीजों को लिखा, जिसने रूसी लोगों, जो ऐसी चीजों के लिए हमेशा तैयार थे, की दिलचस्पी को उत्तेजित किया। इस लेखक की अनेकों अनेक पुस्तकें, रूस ले जाई गईं और विभिन्न उत्साही अन्वेषकों के द्वारा उनका अध्ययन किया गया। अंत में, राज्य के निर्देशानुसार, मास्को विश्वविद्यालय में, कुछ निश्चित शोधकार्य किये गये, अध्ययन, जिन्होंने वास्तव में, कुछ गलत प्रकार के शोधकार्यों को बढ़ावा दिया; कुछ समय के लिए रूस में, एक्सरे को भुला दिया गया और मनुष्य शरीर के चुम्बकीय क्षेत्र को पहचानने के प्रयास में, अन्वेषकों ने उच्चदाब वाली बिजली का प्रयोग किया। रूस में, नंगेपन के विषय में कोई समस्या नहीं थी, व्यक्ति विशेष पर इसका प्रभाव नहीं पड़ता था, हर चीज राज्य की आवश्यकताओं के

अनुसार, दासवत् थी।

समय के पथ पर, तथाकथित सभ्यता, टेढ़ीमेढ़ी होकर चली और एक आदमी और एक औरत, जो पति–पत्नी थे, जिन्होंने साथ–साथ मिलकर काम किया और अनेकों तन्त्रों का, जिनके प्रयास भूतकाल में किये गये थे, अध्ययन करने की व्यवस्था की। अंत में, ये किरलियन्स (Kirlians)[39] लोग, पुराने तंत्र का, एक नवीन अनुशीलन बनाने में सफल हुए, और इस विशेष तन्त्र के द्वारा उन्होंने पाया कि, वे फोटोग्राफिक फिल्म के ऊपर, कुछ नई घटना पाने में समर्थ थे।

अब, इसका कोई अर्थ नहीं है कि किरलियन्स, मानवीय प्रभामण्डल का फोटोग्राफ लेने में सफल हुए। निश्चितरूप से, वे नहीं हुए, क्योंकि उनका तन्त्र, मूलतः इतना घिसापिटा है कि उसे एक घोड़े के नाल के आकार के चुम्बक को, एक कागज के टुकड़े के साथ ढकने और कागज के ऊपर लोहे का बुरादा भुरक देने के साथ, ताकि चुम्बकीय बल रेखायें, लोहे के बुरादे के अपने आप व्यवस्थित हो जाने के रूप में, एक नमूने की भाँति दिखाई जा सकें, जो कि चुम्बक के चुम्बकीय प्रभाव के द्वारा निर्देशित किया गया हो, समझा जा सकता है।

सभी किरलियन्स, जिसे करने में सफल हुए, वह है, कमोवेश इसको स्पष्ट करना कि हर चीज के चारों ओर कुछ निश्चित बल रेखायें होती हैं। परंतु एक बार फिर, रूसियों का ये दावा कि आविष्कार उनका है, यद्यपि निकोला टेसला (Nikola Tesla)[40], जो 1856 में पैदा हुआ था, ने एक उपकरण, जिसने किरलियन फोटोग्राफी की आधारशिला रखी, बनाया था और हमारा निकोला, किसी भी तरीके से, रूसी भी नहीं था!

कुछ लेखक रूस गये हैं और प्रगति, जिसको रूसी अमूर्तभौतिकीविदों ने प्राप्त किया है, की

---

39 अनुवादक की टिप्पिणी : सेमयॉन डेविडोविच किरलियन (Semyon Davidovich Kirlian) और उसकी पत्नी वालेन्टिना किरलियन (Valen Kirlian) ने किरलियन फोटोग्राफी का विकास किया। वालेन्टिना किरलियन एक शिक्षक और पत्रकार थी। 1917 की रूसी क्रांति के ठीक पहले, किरलियन ने एक गोष्ठी में भाग लिया, जिसमें निकोला टेसला (Nikola Tesla) ने अपने व्याख्यान और प्रदर्शन, प्रस्तुत किये थे। निकोला टेसला पहले से ही कोरोना विसर्जन फोटोग्राफी (corona discharge photography) के क्षेत्र में कार्य कर रहे थे। किरलियन ने, उनसे प्रेरणा ग्रहण करके, एक उच्च्च आवृति के दोलित्र या चिंगारी उत्पादक, जो 75–200 किलोहर्ट्ज तक संचालित होता था का उपयोग करते हुए, किरलियन फोटोग्राफी का विकास किया। किरलियन द्वारा किया गया दावा, कि इस प्रकार लिये गये मानवीय चित्र प्रभामंडल के चित्र माने जा सकते थे, लम्बे समय तक विवादों में रहा। उसने पत्तियों और अनेक जीवों और निर्जीव पदार्थो के ऊर्जा क्षेत्रों (energy fields) को उत्पादित किया और उनके फोटोग्राफ लिये। इनका टोंर्ड लीफ एक्सपेरीमेंट (torned leaf experiment) बहुत मशहूर है। 1960 तक इनके प्रयोगों को अधिक प्रसिद्धि नहीं मिल सकी परंतु एक लोकप्रिय पत्रकार ने समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में किरलियन फोटोग्राफी के संबंध में अनेक लेख लिखे। किरलियन फोटोग्राफी के ऊपर पहला शोधपत्र 1961 में प्रकाशित हुआ।

40 अनुवादक की टिप्पिणी : निकोला टेसला (Nikola Tesla) का जन्म, आजकल क्रोसिया कहे जाने वाले स्थान में, 10 जुलाई 1856 को हुआ था। निकोला टेसला के पिता, मिलूटिन टेसला (Milutin Tesla) साइबेरिया के एक पुरातन पंथी पादरी और लेखक थे, जो अपने बेटे को पादरी बनाना चाहते थे, परंतु निकोला में विद्युत आविष्कारों के प्रति अभिरुचि, उनकी मां, ड्यूका टेसला (Duka Tesla), के द्वारा जाग्रत हुई, जो अपने खाली समय में छोटे–छोटे घरेलू उपकरणों का आविष्कार करती रहती थी। वह 1884 में आस्ट्रिया से अमेरिका आये और उन्होंने थॉमस अल्वा ऐडीसन (Thomas Alva Edison) के साथ काम किया। बाद में उन्होंने 30 जुलाई 1891 को 35 वर्षकी आयु में अमरीकी नागरिकता ग्रहण कर ली थी। उन्हें 1891 में, टेसला प्रेरण कुंडली (Tesla induction coil) के आविष्कार के साथ प्रसिद्धि मिली। टेसला के प्रत्यावर्ती धारा (Alternating Current, A.C.) के आविष्कारों ने विश्व की पूरी शक्ल ही बदल दी। उन्होंने, ''My inventions", "The Autobiography of Nikola Tesla," "The Fantastic Inventions of Nikola Tesla" आदि अनेक पुस्तकें और पत्रिकाओं के लिये लेख लिखे। उन्हें इलियट क्रेसन मेडल (Elliot Cresson Medal, 1894), ऐडीसन मेडल (Edison Medal, 1916), जॉन स्कॉट मेडल (John Scott Medal, 1934), पेरिस विश्वविद्यालय मेडल (University of Paris Medal, 1937) आदि अनेक सम्मानों से विभूषित किया गया। निकोला टेसला म्यूजियम, जिसमें निकोला के आविष्कारों के अतिरिक्त, उनके लगभग एक लाख साठ हजार मूल दस्तावेज हैं, बेलग्रेड, साइबेरिया में है। कहा जाता है कि यदि टेसला के सभी आविष्कार प्रकाश में आये होते, तो ये दुनियाँ काफी पहले बदल गई होती। अमेरिका में सितम्बर 1893 में, विश्व धर्म संसद का आयोजन हुआ था, जिसमें भाग लेने के लिए भारत से स्वामी विवेकानन्द भी गये थे। माना जाता है कि निकोला टेसला भी वेदान्त दर्शन से काफी प्रभावित थे। अमेरिका में टेसला की मुलाकात, स्वामी विवेकानन्द से हुई थी। स्वामी विवेकानन्द ने एक पत्र में लिखा है कि यदि टेसला अपने प्रयोगों में कामयाब हो जाते हैं, तो वेदान्त की जड़ों की पुष्टि हो जायेगी। 1907 में, टेसला ने ''मेन्स लेटेस्ट अचीवमेंट (Man's Latest Achievements)" शीर्षक के साथ एक आलेख लिखा था, जिसमें उन्होंने आकाश और प्राण जैसे संस्कृत शब्दों का प्रयोग किया है, उनके अनुसार, जिन पदार्थों की अनुभूति की जा सकती है, वे मूलरूप से एक तत्व या उस विरलता से निकले हैं, जिसका कोई प्रारंभ नहीं है। हर स्थान या आकाश, प्रकाशवान ईथर से भरा हुआ है, जो जीवन देने वाले प्राण या रचनात्मक ऊर्जा का प्रारंभ होता है। कहा जाता है कि ऐडीसन और टेसला के बीच में, कटु सम्बधों के चलते, ऐडीसन ने टेसला की जासूसी कराई, उनकी मृत्यु होटल के एक कमरे में एकांत में, अनिश्चित समय में हुई, जिसमें से उनके अविष्कारों से संबंधित तमाम कागजात उड़ा लिये गये या नष्ट कर दिये गये। गरीबी और बेचारगी की स्थिति में निकोला टेसला का देहान्त, 7 जनवरी 1943, को 86 वर्ष की आयु में, न्यूयार्क सिटी, जहाँ वह लगभग 60 वर्षों तक रहे थे, में हुआ।

आश्चर्यजनक कहानियों के साथ, लौटे हैं। इन लेखकों में से कुछ ने, रूसी लोगों की भगवान से भी अधिक स्तुति करते हुए, और पूरी तरह से इस तथ्य को भुलाते हुए, कि पश्चिम के कुछ लेखकों ने ऐसी चीजों के बारे में पहले से ही लिख दिया था और (पश्चिमी लोग) उस सबको कर सकते थे, जो कि रूसी कर रहे थे, इस सम्बन्ध में कुछ पुस्तकें लिखी हैं। एक लेखक ने, विभिन्न लोगों की प्रशंसा करने वालों को, विशेषरूप से, इन तथ्यों की ओर इशारा करते हुए लिखा। उस लेखक ने, प्राप्ति की किसी पहचान के बिना, इन लोगों में से कुछ को, अपनी खुद की किताबों की छपी हुईं प्रतियॉं, जो उससे काफी पहले, जबकि रूसियों ने, उन सब चीजों को ''खोजा था,'' जो उन्होंने लिखीं थीं, भेजीं।

किरलियन फोटोग्राफी एक असत्य उदाहरण है, जैसे कि डॉ. किलनेर के लिए, एक्सरे था। किरलियन फोटोग्राफी, कॉरोना विसर्जन (corona discharge) का एक विकृत रूप मात्र है, ये मात्र मानव शरीर के चारों ओर, कुछ निश्चित स्थित विद्युत विसर्जन, या विसर्जन के ढके जाने को, दिखाता है।

किसी के पास, घोड़े के नाल के आकार का एक चुम्बक या एक छड़ चुम्बक भी, हो सकता है, और उसे कागज के एक टुकड़े से ढ़क लें, और तब कोई इसके ऊपर लोहे का बुरादा बिखेरता है, तो उसे चुम्बक की चुम्बकीय क्षेत्र की एक विमीय छाप मिलेगी, परंतु ये चुम्बक की कार्यप्रणाली, और उसकी रचना का, पूरा पूरा ज्ञान नहीं देती। ये, वास्तव में, वार्ताकक्ष (parlour) जैसी एक चाल है, और इससे अधिक कुछ नहीं। वैसे ही किरलियन सिस्टम, जो 50–60 साल पहले चलती हुई चीज की, मात्र एक पुनरावृत्ति है, वार्ताकक्ष की चालबाजी दिखाने के अतिरिक्त कुछ नहीं है, जो अच्छे पक्के अन्वेषकों को सही रास्ते से हटा कर दूर कर रही है।

किरलियन फोटोग्राफी, आश्चर्य में ड़ालने वाली है, ये किसी को, पत्तियों आदि के साथ, और रंग में भी, वार्ताकक्ष की चालबाजी करने के योग्य बनाती है परंतु तब, सभी कॉरोना विसर्जन रंगीन होते हैं, क्या वे नहीं होते?

ये इतना तरस खाने योग्य है कि, लोग आजकल, ये सोचते हुए दिखाई देते हैं कि कोई भी शाश्वत और यहॉं आवश्यकरूप से, शाश्वत का अर्थ है कि केवल विदेशी ही, घरेलू उत्पादों से अच्छा, होना चाहिए। एक पुरानी कहावत है, जो एकदम सत्य है कि कोई भी भविष्यवक्ता, अपने खुद के देश में अच्छा नहीं हो सकता (हिन्दी में कहावत है; घर का जोगी जोगना, आन गॉंव का सिद्ध) इसलिए ऐसा है कि, किरलियन, जिन्होंने एक पुराने, पुराने तरीके को, मात्र को पुनर्जीवित किया था, अधिक ध्यानाकर्षित कर पा रहे हैं, जो कि सूक्ष्मतम रूप से भी प्रभावी नहीं होता, सिवाय इसके कि ये सम्मानीय वैज्ञानिकों को सही दिशा से हटा रहा है।

एक्सरे का सही स्वरूप, जो कुछ समय में सामने आयेगा, बेचारी उन छायाओं की तरह नहीं होगा, जिन्हें कोई मोटी फिल्म के टुकड़ों के ऊपर देखता है। बदले में, ये मनुष्य शरीर के अंदर का, एक सही–सही रंगीन पुनरुत्पादन होगा,, और यदि डॉक्टर किलनेर को रास्ते से हटाया नहीं गया होता, तो उसने इस प्रकार के फोटोग्राफ बना लिये होते, क्योंकि वह सीधे रास्ते पर था, उसके पास ज्ञान था। ज्ञान, जो वह सूक्ष्मलोक से लाया था, और जिसके पाने के लिए, वह इधर–उधर हाथ–पैर फैंक रहा था।

उस समय से अलग हटकर, सही एक्सरे ने, ऐसा कहा जाना चाहिए, वास्तव में, डॉक्टरों और शल्य चिकित्सकों को, जो शरीर में अंदर हो रहा था, उसे एकदम सही देखने और जो हो रहा था, उसे एकदम ठीक से, उसके खुद के स्वाभाविक रंगों में, देखने के योग्य बना दिया होता। तब किसी भी चीज को खोजने वाली क्रियाओं की आवश्यकता नहीं होती, इसके बदले, कोई भी, देख सकता था।

और यदि ये डॉक्टर, डॉक्टर किलनेर को केवल प्रभामण्डल की फोटोग्राफी के ऊपर सुन लेते तो यह सामान्य बात होती और प्रभामण्डल की फोटोग्राफी से, कोई आदमी, ठीक ठीक बता सकता था

कि शरीर, कौन सी बीमारी से पीड़ित है, और, और अधिक दिलचस्प बात, कोई एकदम पूरी यथार्थता के साथ, ये भी बता सकता है कि शरीर में कौन सी बीमारी होने की सम्भावना है, जबकि उसको सुधारने के उपाय प्रारम्भिक अवस्था में ही खोज लिये जाते।

प्रभामण्डल की फोटोग्राफी अत्यंत वास्तविक है, ये मानवजाति के लिए, एक बड़ी आवश्यकता है। एटलांटिस (Atlantis) के दिनों में, ये सामान्य बात थी। जब सुमेरियन (Sumeians) इस पृथ्वी पर रहते थे, ये सामान्य बात थी, और फिर भी ईर्ष्या के माध्यम से, बदले के माध्यम से, और आध्यात्मिक अंधेपन के माध्यम से, मूलज्ञान रखने वाले अन्वेषकों को, ऐसा उपकरण को बनाने से रोक दिया गया।

महानतम लड़खड़ाते हुए अवरोधों में से एक, ऐसा प्रतीत होता है, ये है कि व्यक्ति को, प्रभामण्डल के स्तर पर परीक्षण कराने के लिए, नंगा होना चाहिए, और अब अस्पतालों में मनुष्य शरीर के एक छोटे क्षेत्र की जॉच करने की इजाजत दे दी गई है, जबकि पूरा शरीर, पूरी तरह से कपड़ों में लपेटा गया हो। ऐसा लगता है कि नंगे शरीर के ऊपर देखना, जबतक कि वे समुद्रतट, या मंच या किसी नग्न पत्रिका के पृष्ठों पर पर न हों, किसी प्रकार का अपराध है।

परंतु कुछ समय में, जैसा हम आज उन्हें जानते हैं, क्ष–किरणें (x-rays) एकदम दफा हो जायेंगी, अनिश्चय की भूलभुलैयों की दुनियॉ में समा जायेंगी, नवीनतम तिकड़म, किरलियन फोटोग्राफी, जिसका, यदि कभी भूतकाल में अस्तित्व में होने का उल्लेख हुआ, तो वह नैतिक स्तर गिराते हुए, सत्तर के दशक के मूर्ख लोगों के, जो ऐसी किसी तिकड़म में लाये जा सके, भोलेपन पर, कृपापूर्ण मुस्कराहट होगी। तब किरलियन फोटोग्राफी, प्रभामण्डल की फोटोग्राफी का उत्तर नहीं है, या किसी भी तरीके से यह प्रभामण्डल की फोटोग्राफी नहीं है। यदि आप एक तेज बहती हुई नदी के किनारे किनारे चलें और आप अपना हाथ पानी में डालें, तो आप पायेंगे कि वहॉ तरंगे उठती हैं और समान प्रवाह में कुछ विक्षोभ होते हैं। आपके हाथ ने, पानी के प्रवाह के क्रम को गड़बड़ कर दिया है और अपने आपका प्रगटन, तरंगों के रूप में, और एक तरीके से, जो बाहर की तरफ फैलता जाता है, कर लिया है। ठीक वैसे ही, यदि किसी के पास, एक काफी उच्चविभव, और काफी कम विद्युत धारा, धातु की कुछ निश्चित प्लेटों के साथ जोड़ी हुई है, और तब विद्युत को चालू किया जाता है, तब कुछ भी चीज, जो स्थिर विद्युत प्रवाह को रोकती है, तरंगों के रूप में, या चित्तियों के रूप में भी, दिखाई देगी, जो मात्र दिखने में आश्चर्यजनक हैं, और इनमें मूल्यवान जानकारी, बिल्कुल नहीं है।

ठीक है, मैं आशा करता हूँ कि ये आप में से किसी को, किरलियन फाटोग्राफी के सम्बन्ध में, अपनी खुद की राय बनाने के लिए सहायक होगा। मैं इस पूरे मामले में दुखी हूॅ क्योंकि मैं सोचता हूॅ कि मेरे पास किरिलियन फोटोग्राफी से सम्बन्धित कटिंग का, दुनियॉ का सबसे बड़ा संकलन होना चाहिए। लोगों के पास लेखों के बड़े–बड़े संग्रह हैं, जो उन्होंने मुझे भेजे हैं। इनमें से कुछ लोगों के पास, वास्तव में, कटिंग और आर्टिकल्स के इतने बड़े पार्सल हैं कि उन्होंने ऐसा महसूस किया कि मैं इनका डाकखर्च देने में गौरवान्वित अनुभव करूॅगा। इसलिए उन्होंने मुझे ऐसी चीजें भेजी हैं, और उन चीजों के लिए, जिनके बारे में, मैं सब कुछ जानता हूॅ मुझे दोहरा डाकखर्च देना पड़ा है!

ये मुझे ध्यान दिलाता है कि, कुछ समय पहले, सेन्ट कैथेरीन के (St. Catherine's), ओंटारियो (Ontario) में एक व्यक्ति ने, मैं सोचता हूॅ कि वह मानसिक रोगी, या वैसा ही कुछ रहा होगा, पत्रिकाओं के भयंकर कबाड़ और कागज की जिल्द वाली (paperbacks) किताबों से भरे हुए, लदे हुए बक्से, और वह सारी चीजें, जिन पर वह अपना हाथ रख सकता था, गाड़ी पर लादकर मुझे भेजीं! ठीक है, उन दिनों, मैं जवान और उसके बनिस्वत, जितना कि मैं आज हूॅ, अधिक अज्ञानी था, इसलिए विशिष्ट आपूर्ति के लिए, विशिष्ट रखरखाव के लिए, और बाकी सब के लिए, एक विचारणीय प्रभार को अदा करते हुए, मैंने वे सारी चीजें ले लीं और मैंने पाया कि, जो सामान उसने मुझे भेजा था, अयाचित रूप से कूड़ा–करकट था परंतु, वह उससे बच नहीं सका; उसने एक छोटी गलती कर दी, जिसमें मैं ये देख

पाया कि जो वह कर रहा था, उसको उसकी कम्पनी पूरी तरह से अनुमोदन नहीं करेगी, इसलिए मैं कम्पनी के सम्पर्क में आया और मैंने उसको प्रमाण भेजे, और ठीक है, मुझे सम्बन्धित कम्पनी से, एक खेद और धन्यवाद पत्र प्राप्त हुआ और मुझे उस चतुर ऐलेक (Alec) से कोई कष्ट नहीं हुआ, जिसने सोचा था कि वह मेरे माध्यम से तरक्की लेने जा रहा है। परंतु उसप्रकरण में, जबकि कोई दूसरा ही मुझे ''एकत्र की हुई'' चीजों को भेजने के लिये आमादा है, तब अपने आपको कष्ट से बचायें क्योंकि अब मैं किसी चीज के संचयन (collection) को स्वीकार नहीं करता। पूरे अमरीका से लोग, जो सोचते हैं कि मैं ऐसे संचयन को स्वीकार करने के लिए, काफी मूर्ख हूँ, मुझे देय टेलीफोन या देय तार करने का प्रयास करते हैं। ठीक है, उन्हें फिर से सोचना पड़ेगा।

मैंने अपना टेलीफोन नंबर भी लोगों को देना बंद कर दिया है क्योंकि जब मैं वेंकोवर में था तो मैंने देखा कि मैं असाधारण रूप से भारी, टेलीफोन बिलों का भुगतान कर रहा था और मैं ये नहीं समझ सका कि मुझे दूसरे शहरों के लिए, किन कॉलों का प्रभार भुगतना पड़ रहा है, और इसलिए मामले की जॉच की गई। ये पाया गया कि एक पड़ौसी, जो मेरा टेलीफोन नम्बर जानता था, जब वह लम्बी दूरी के फोन करता, उसे ऑपरेटर को दे दिया करता था। भला आदमी, ए ? ठीक है, वह इससे छूट नहीं सका कैसे भी।

परंतु अब कुछ और प्रश्न हैं और कुछ और उत्तर। एक प्रश्न कहता है, ''अब से पॉच वर्ष पहले, आपने ''दसवें के परे (Beyond the Tenth)'' लिखा था, जिसमें आपने कहा था कि पृथ्वी के बागवानों के लिए यहॉ प्रवेश करना और चीजों को (मनुष्यों को) खंगालना आवश्यक होगा ताकि हम महसूस कर सकें कि हमने इस ग्रह पर किस प्रकार का घपला कर दिया है। ठीक है, चीजें धीमे–धीमे खराब होती जा रही हैं, जैसा आपने कहा, साम्यवाद तेजी से फैल रहा है और मजदूर संघ उभर रहे हैं, जो बहुत जल्दी ही अपने देशों का नियंत्रण अपने हाथ में ले लेंगे। इसके प्रकाश में, क्या आप हमें बता सकते हैं कि क्या हम, अगले तीस या चालीस वर्षों में, एक भली–भॉति अपेक्षित, विशिष्ट स्थिति में आ सकते हैं?''

हॉ, मेरे मित्र, परंतु, यदि मानव स्वयं उत्थान करें और अपने आपको ठीक रास्ते पर लगायें, सबसे पहले तो, पृथ्वी के बागवान हस्तक्षेप नहीं करना चाहते क्योंकि, यदि पृथ्वी के बागवानों को आना पड़ा, तब कठोर कार्यवाहियॉ की जायेंगीं और वे, जो हम चाहें उससे अधिक, ऐसा कुछ नहीं करना चाहते।

मेरे विचार में विश्व, हर कहीं, साम्यवादी हो जायेगा और लोग, वास्तव में, एक बहुत खराब समय पायेंगे, और जबतक कि लोग ऐसा खराब समय नहीं पायेंगे और अपने आपको डगमगाता हुआ नहीं पायेंगे, और इसके कारण वे पैडुलम के ऊपर की तरफ उछाल लेने में, जो, समय के अंतराल में स्वर्णयुग की तरफ ले जायेगी, अपने आपको खड़ा करने में समर्थ नहीं होंगे।

यहॉ, मेरे पास एक पुनश्च है, और ये कहता है, ''क्या आप कृपा करके सम्मोहन और ध्यान के बीच के सम्बन्ध और/अथवा अंतर को, स्पष्ट कर सकते हैं और क्या कि सम्मोहन, बुरी आदतों या समस्याओं से छुटकारा पाने का, एक करने योग्य प्रयास है?''

वास्तव में, ध्यान और सम्मोहन के बीच, कोई भी सम्बन्ध बिल्कुल नहीं है। ध्यान में, अपनी बुद्धि को दूसरे आयामों में भेजते हुए, कोई, पूरी तरह से, अपने खुद के नियंत्रण में रहता है। ध्यान रखें, मैं ''ध्यान'' के बारे में बात कर रहा हूँ, किसी उस अनर्गल विचार के सम्बन्ध में नहीं, जिसके लिए कोई काफी पैसा देता है और बदले में कुछ नहीं पाता। मेरा पक्का विश्वास है कि केवल वही ध्यान करने लायक है, जो अकेले किया जाता है, क्योंकि अभी लोगों के बारे में सोचें; हर एक का अपना एक प्रभामण्डल है, और प्रभामण्डल शरीर से काफी दूर आगे तक विस्तारित हो सकता है। इसलिए यदि आप लोगों की एक पूरी भीड़, साथ–साथ जुटा लेंगे, तब दूसरे लोगों के ध्यान की प्रक्रिया में, सारे

प्रभामण्डल, एक जगह ठूंस–ठूंस कर भर जायेंगे। मेरे विचार में आप एक समूह में, सत्यतापूर्वक या संतोषपूर्वक, ध्यान नहीं कर सकते।

सम्मोहन में, कोई अपना नियंत्रण दूसरे व्यक्ति को समर्पित कर देता है, और मैं निश्चित हूँ कि यह किसी के आत्मनियंत्रण को कमजोर करता है। कुल मिलाकर, आप, आप होना चाहते हैं, क्या नहीं होना चाहते ? मान लें, आप बिल डॉग्सबॉडी (Bill Dogsbody) के साथ मिलना नहीं चाहते। आप जानते हैं कि आपका नाम क्या है, आप जानते हैं कि आप क्या हैं, आप जानते हैं कि आप क्या होना चाहेंगे। आप अपनी खुद की निजता को पसन्द करते हैं, इसलिए आप शायद क्यों सम्मोहित होना चाहेंगे, जो एक प्रक्रिया है, जिसके अन्तर्गत आप अपनी निजता का एक भाग, किसी दूसरे व्यक्ति को समर्पित कर देते हैं ? नहीं, मैं सम्मोहन के विरुद्ध हूँ, पूरी तरह से इसके खिलाफ, ये वैसी ही हानिप्रद चीज है। आप, उदाहरण के लिए, पाते हैं एक मंच सम्मोहनकर्ता को, जो कहता है कि वह किसी निश्चित व्यक्ति को, किसी निश्चित शिकायत के विरुद्ध ठीक कर देगा। ठीक है, वह ऐसा नहीं करता। यदि वह एक सम्मोहनकर्ता है, निस्संदेह रूप से, वह, उस व्यक्ति को प्रभावित करते हुए, बीमारी के चिन्हों और लक्षणों को छिपाते हुए, कर सकता है, और तब यदि लक्षण छिपा दिये गये हैं, तो कोई कैसे अपेक्षा कर सकता है कि कोई सर्वाधिक प्रबुद्ध डॉक्टर भी उन्हें खोज लेगा, जिनसे कि वह व्यक्ति पीड़ित है। एक निश्चित समय तक, जबतक वह पीड़ित व्यक्ति सम्मोहित रहता है, (लक्षण छिपा दिये जाने के कारण) बीमारी सामान्यतः काफी लाइलाज हो जाती है।

इसलिए मेरी कठोर सलाह ये है कि आप कभी भी, अपने आपको सम्मोहित न करने दें, जबतक कि ये किसी पात्रता प्राप्त, पूर्ण चिकित्सीय डॉक्टर के द्वारा, जिसने सम्मोहन के व्यवहार और तकनीकों में भी प्रशिक्षण लिया है न किया जाये। डॉक्टर के रूप में उसने आपके लक्षणों को देख लिया होगा, सम्मोहनकर्ता के रूप में वह जान जायेगा कि इन लक्षणों को कैसे किसी मूल्यवान सम्भव रास्ते की ओर मोड़ दिया जाये। ध्यान रखें कि डॉक्टर, किसी के कष्टों का निवारण करने के लिए और बुराई न करने के लिए, एक शपथ लेता है!

ठीक है, हमारे मित्र, श्रीमान् जॉन बिगरास, और घुर्राते हुए दो बिगरास बिल्ले, बांफ (Banff)[41] और वेंकोवर की तरफ चले गये हैं। मैं अस्पताल से आने के बाद, दो बार बाहर गया हूँ, शहर के बाहरी हिस्सों की तरफ दो छोटी–छोटी यात्रायें, दो छोटी–छोटी यात्रायें, जब मैं, रॉकी की तरफ जाने वाली पहाड़ियों के नीचे से, बाहर, शहर के ऊपर देख सकता था। अब, मैं समझता हूँ, एक बार फिर मैं, एक बिस्तर में, या एक पहिये वाली कुर्सी में, मात्र एक कमरे में बंधा हुआ ''बंद'' कर दिया गया हूँ। कारें बहुत उपयोगी चीज होती हैं, परंतु मेरे पास एक भी नहीं है। तथापि वे, एक लेखक की आमदनी के ऊपर, अत्यधिक महंगी भी हैं, जैसा मैंने एक विद्युतचालित पहिये वाली कुर्सी खरीदने पर, आयकर के लोगों को बताया, जब उन्होंने मुझे आयकर में छूट का लाभ देने से मना करने का प्रयास किया। ठीक है, किसी को पहिये वाली कुर्सी आनन्द के लिए नहीं परंतु केवल इसलिए चाहिए कि ये अति आवश्यक है। मैंने उन्हें बताया कि अपनी अक्षमताओं के साथ, इसके बजाय कि मुझे वास्तव में, कल्याण पर होना चाहिये, मैं अपने आपको कल्याण (wellfare) से स्वतंत्र करने के लिए, पुस्तकें लिखने का कार्य करता

---

41 अनुवादक की टिप्पिणी : बॉफ (Banff), कनाडा के अलबेर्टा प्रांत के बॉफ राष्ट्रीय उद्यान (Banff National Park), में एक नगर है। ये फ्रांस–कनाडा उच्चपथ पर, अलबेर्टा के रॉकी पर्वत के साथ साथ है। कालगेरी से लगभग 126 किमी पश्चिम में और लुईस झील के 58 किमी पूर्व में स्थित, बॉफ की ऊँचाई, अलबेर्टा प्रांत में लुईस झील के बाद दूसरे क्रम की है। 1880 में बसा बॉफ, कनाडा का सबसे लोकप्रिय स्थल, एक रिसोर्ट (resort) नगर है, जो अपने गर्म झरनों और पहाड़ी आसपड़ोस के कारण जाना जाता है। 1884 में, फ्रांस महाद्वीपीय रेलवे बनने के बाद, इस नगर का नाम, कैनेडियन प्रशांत रेलवे के अध्यक्ष, जार्ज स्टीफन द्वारा अपने जन्म स्थान स्कॉटलैंड के बॉफ की स्मृति में रखा गया था। 1885 में, संयुक्त राष्ट्र ने, बॉफ राष्ट्रीय उद्यान को कनाडा के रॉकी पर्वत के उद्यानों में एक को विश्व धरोहर के रूप में घोषित किया। यहाँ की आबादी लगभग 8000 और नगर का क्षेत्रफल लगभग 5 वर्ग किमी है। बॉफ को, विश्व टेलीविजन उत्सव (World Televison Festival), बॉफ पर्वतीय फिल्मोत्सव (Banff Mountain Film Festival), रॉकी माउटेन संगीत उत्सव (Rockey Mountain Music Festival), और बाइक उत्सव (Bike Festival) के लिए जाना जाता है।

हूँ। परंतु, आयकर अधिकारियों द्वारा मुझे कोई रियायत दिये जाने के बजाय, उन्होंने अंतिम पैनी तक, जो वे कर सकते थे, मुझसे काटने का प्रयास किया। उदाहरण के लिए, मैंने अपना आयकर दिया और तब एक विभाग से, मुझे ये बताते हुए कि मेरा आयकर पूरी तरह जमा कर दिया गया था, एक पत्र मिला। उसके अगले ही दिन, मुझे दूसरे विभाग से ये कहते हुए कि मुझे जुर्माना देना पड़ेगा, क्योंकि, मैं अपना टैक्स, हर तिमाही या छमाही देने के बजाय, साल में एक बार देता हूँ, दूसरा पत्र मिला। इसलिए लोग, जो राजगीर या बेलदार या टैक्सी चालकों की तरह से या कुछ वैसे ही काम करते हैं, कर की दृष्टि से, वे मेरी अपेक्षा काफी अच्छे हैं, क्योंकि आयकर के लोग, मुझे, सीमा और उससे परे तक, चूसते हैं, और मैं अक्सर, इन लोगों की मानसिकता और व्यक्तित्व के ऊपर आश्चर्य करता हूँ, जो आयकर संग्राहक हो सकते हैं और अक्षम व्यक्तियों के कष्टों के ऊपर, छड़ी की मार दे सकते हैं। तथापि, ये प्रश्नों का उत्तर देना नहीं है, और न हीं ये वह है, जिसकी इस पुस्तक में होने की अपेक्षा की जाती है। इसलिए अब हम, कभी समाप्त न होने वाले प्रश्नों के ढेर की तरफ आगे चलें। वे बढ़ते जाते हैं, आप जानते हैं मेरे पास, यहॉ दस या बीस पुस्तकों के लिए, पर्याप्त प्रश्न हैं, और कल मुझे ब्राजील से भेजा गया, अमूर्तभौतिकी के प्रश्नों का, एक काफी बड़ा, पूरा बण्डल मिला है।

''क्या इस तल पर रहने वाले निवासियों के लिए, सूक्ष्मलोक के परे, दूसरे लोकों के अस्तित्व के सम्बन्ध में अधिक जानना काफी महत्वपूर्ण है? यदि ऐसा है, तो क्या आप उन पर प्रकाश ड़ाल सकते हैं, शायद हमें, अस्तित्व के तलों के ढ़ांचे का, कम से कम, एक रेखांकन विचार (sketchy idea) दे दें ? यह भी कि क्या होता है जब, एक आत्मा, सर्वोच्च या परमात्मा के तल से, एक नीचे तल पर, उन्नत होती है? क्या कोई आत्मा, वास्तव में, सर्वोच्च तल तक उन्नत हो सकती है, और क्या इसके ऊपर चर्चा करना भी, अत्यधिक रूप से अतर्कसंगत (preposterous) नहीं है ?''

ठीक है, सूक्ष्मलोक के, ऊपरी तलों के ऊपर चर्चा करना सम्भव है, और ये बहुत कुछ, इस विश्वों जैसा है यद्यपि, इसके दूसरे आयाम होते हैं। उदाहरण के लिए, समय, जैसा कि पृथ्वी पर है, कुल मिलाकर समान नहीं है। यात्रायें भी भिन्न हैं; यदि आप किसी स्थान पर जाना चाहते हैं, तो केवल अपने आपका, वहॉ होना सोचें। आप, बाहर के दृश्यों को देखते हुए, वहॉ बैठे हुए हो सकते हैं और महसूस कर सकते हैं कि आप एक मित्र से, जो कि कुछ दूरी पर हो सकता है, मिलना चाहेंगे। ठीक है, यदि आप मित्र के बारे में सोचते हैं, तब उसकी स्थिति के बारे में सोचें, तब आप लगभग अलक्षित रूप से, अपने आपको, अपने मित्र के साथ, वहॉ पायेंगे।

सूक्ष्मलोक में आप न तो अत्यधिक सतीत्व (prudishness) पायेंगे, और न हीं अश्लीलता (pornography)। जब आप सूक्ष्मलोक में जाते हैं, आप अपने विचारणीय आश्चर्य के साथ, सबसे पहले पाते हैं कि आप ऐसे नंगे हैं, जैसे कि छिला हुए केला और आपको पूरे शाब्दिक रूप में, कपड़ों की किसी शक्ल के सम्बन्ध में ''सोचना'' होगा, जो आपकी रुचि की है। परंतु कुछ एक समय के बाद, आप पायेंगे कि ये चीजें किसी मतलब की नहीं हैं, आत्मा की चीजें अधिक बजन रखती हैं, और ये किसी भी प्रकार से श्लेष अलंकार (pun) नहीं हैं (जिनके अनेक अर्थ निकलते हों)!

सूक्ष्मलोक में, आप उन लोगों से नहीं मिल सकते, जो आपके विरोधी (antagonistic) हैं, और वास्तव में, आप जितने ऊपर जायेंगे, आसपास के लोगों के साथ, उतने ही अनुशीलित (compatible) होते जायेंगे।

अब, आप सामान्यतः, अस्तित्व के लगभग नौंवे तल तक जाने के लिए, तैयार हो सकते हैं और तब आपको और आगे पता नहीं चलता कि अधिस्वयं, कठपुतलियों को भेज रहा है। वास्तव में, वहॉ नौंवे तल के बाद, अधिस्वयं का केवल एक विस्तार है।

वास्तव में, अस्तित्व के तल बेहद बड़ी संख्या में हैं, आप चलते जायें और अधिक और अधिक आयाम पाते जायें। परंतु इनमें से दूसरे कुछ आयामों पर चर्चा का प्रयास करना, जबतक कि आप वहॉ

न रहे हों, कुछ मायने नहीं रखता, क्योंकि वहॉ कोई सन्दर्भ बिन्दु नहीं है। उदाहरण के लिए, आप वहॉ, एक चींटी के साथ, जो अपने सामान्य दिन के जीवन के लिये तैयार हो रही है, परमाणु सिद्धान्त की चर्चा कैसे करेंगे? आप एक मधुमक्खी के साथ, नाभिकीय विद्युत के ऊपर कैसे चर्चा कर सकते हैं, जो बाहर जाने और पराग, या वे जो कुछ भी इकट्ठा करती हों, ताकि शहद बनाने की प्रक्रिया जारी रह सकें, को इकट्ठा करने में अधिक दिलचस्पी लेती थी। नहीं, जबतक कि आपको दूसरे आयामों का अनुभव न हों, आप उन पर चर्चा करने में सक्षम नहीं हो सकते। ये वैसा ही है, जैसे कि एक वर्ष के बच्चे का, एक या दो बड़े–बड़े शल्य चिकित्सकों के साथ, मस्तिष्क की शल्यचिकित्सा के सम्बन्ध में चर्चा करना।

परंतु यहॉ कोई सीमा नहीं है कि आप कितने ऊॅचे जा सकते हैं। एक पुरानी कहावत को याद करें कि सीढ़ी की चोटी पर हमेशा काफी स्थान होता है (there is always plenty of room at the top of the ladder)। और, आप देखें, ईश्वर कोई दाढ़ी बाला और गड़रिये की तरह टेढ़ा, बूढ़ा पुरुष नहीं है, जो आता है और सभी स्वच्छन्द मैमनों को पकड़ लेता है। कुल मिलाकर, ईश्वर बिल्कुल अलग चीज है, वैसा नहीं जिसे आप यहॉ समझ सकें। यहॉ ईश्वर के सम्बन्ध में, आपका सबसे करीबी विचार है, मनु का अर्थात् वह, जो उन शाखा प्रबंधकों में से एक है, जो उसके इस विशेष विभागीय भण्डार (departmental store), जिसको हम पृथ्वी कहते हैं, को देखते हैं। उसके अन्तर्गत तमाम सहायक प्रबंधक हैं, जो महाद्वीपों, देशों, और शहरों को देखते हैं। ऐसा लगता है कि, उन्होंने, बाद तक, एक बहुत बड़ा बेचारगी भरा प्रदर्शन किया है, क्या उन्होंने नहीं किया? अमरीका, कम्बोडिया, वियतनाम, मध्यपूर्व, और अब साइप्रस, में होने वाली सभी हलचलों के ऊपर विचार करें। मैं सोचता हूँ कि ये सभी मनु, एक विशेष परास्नातक (postgraduate) या वैसे ही किसी पाठ्यक्रम को पढ़ने के लिए, वापस भेज दिये जाने चाहिए।

परंतु कैसे भी, ये विषय से दूर हटना है। इसलिए उत्तर ये है कि आपकी सामर्थ्य, जितनी ऊॅचाई तक जाने दे, आप वहॉ तक जा सकते हैं, और बिल्कुल कोई कारण नहीं है कि आप चोटी तक नहीं क्यों नहीं पहुॅचें और ''बुद्धत्व'' को नहीं पा सकें, कैसे भी, ये बौद्धमत के सम्बन्ध में है।

''क्या हम, इस भौतिक धरातल पर रहने वाले लोग, ज्योतिष विज्ञान सीख सकते हैं और अच्छे जीवन के लिए, ज्योतिष विज्ञान का प्रभावशील ढंग से उपयोग कर सकते हैं? यदि ऐसा है, तो ज्योतिषीय शिक्षाओं का सही स्रोत क्या है?''

काफी, काफी वर्षों पहले, ज्योतिष, असाधारण ढंग से एकदम सही था, क्योंकि ये एक नये विज्ञान पर आधारित था। इस पृथ्वी के मानवों, पशुओं, पौधों, इत्यादि पर, तारों के प्रभाव की भविष्यवाणी की जाती थी और जबतक राशिचक्र (zodiac) वैसा ही बना रहा, जैसा कि पहले था, जब कल्पनायें की गई थीं, और वे कल्पनायें सटीक थीं।

अब, कुछ हजार वर्ष बाद, राशिचक्र बदला हुआ है और सभी भविष्यकथन, पूर्वानुमान भी, गलत हैं। मैं व्यक्तिगतरूप से विश्वास करता हूँ कि ज्योतिष, जैसा कि पश्चिम में आजकल है, मात्र समय का दुरुपयोग है, ये मात्र एक सरल कारण से कि, राशिचक्र की बनावट में अंतर आने का कोई विचार और सुधार नहीं किया गया है, पूरी तरह से सही नहीं है। बहुत दूर, सुदूर पूर्व (far east) में, ऐसे सुधार कर लिये गये हैं और जन्मपत्रियॉ बहुत, बहुत कुछ, सटीक हैं। मैं इसे जानता हूँ; हर चीज, जो ज्योतिषियों द्वारा, दूर, सुदूर पूर्व देश में, मेरे लिए भविष्यवाणी की गई थी, हर खौफनाक चीज, सत्य सिद्ध हुई है!

मैंने अपनी जन्मपत्री को, पश्चिम में, कई बार बनवाया और हर बार भविष्यवाणियॉ, मुश्किल से ही अधिक गलत होती रहीं हैं, हो सकता है वे जन्मपत्री का अध्ययन, भिन्न व्यक्ति के लिए कर रहे हों, उनके प्रयासों ने हास्यास्पद होना सिद्ध कर दिया। इसलिए मैं, अपने विचारित विचार में, और पश्चिम के

ज्योतिषियों के साथ, अपने स्वयं के अनुभव के आधार पर, लोगों को हमेशा कहता हूँ कि किसी की जन्मपत्री को पढ़वाना, केवल समय का दुरुपयोग है।

लोग हमेशा मुझे ये पूछने के लिए लिखते हैं कि मैं उनकी जन्मपत्रियों और कम से कम एक जन्म का अध्ययन करूँ, और मैं हमेशा मना कर देता हूँ क्योंकि, एक जन्मपत्री का ठीक से अध्ययन करना, बहुत अधिक समय ले लेता है, और मेरे पास उतना समय नहीं है। मुझे एक जन्मपत्री के अध्ययन के लिए, काफी उल्लेखनीय धन का प्रस्ताव दिया गया है, परंतु मैं हमेशा, बिना किसी अपवाद के, मना कर देता हूँ।

लोग, ''कम से कम एक जन्म'' बताये जाने में, गहराई के साथ दिलचस्पी लेते हुए दिखाई देते हैं, परंतु क्यों ? अब यदि लोग, इस जीवन में रहते हुए, इस पृथ्वी पर हैं, तो इससे क्या फर्क पड़ता है कि वे पिछले जीवनों में क्या थे ? केवल यह मतलब रखता है कि अब वे क्या हैं, और अब भविष्य में, वे क्या होने वाले हैं, और यदि एक व्यक्ति, भूतकाल की भव्यता के सम्बन्ध में विचार करते हुए, इत्यादि इत्यादि में, और बिना तैयारी के, मात्र समय नष्ट कर रहा है, तब वे, अपने कंधे पर एक चिप के साथ, एक टिकड़ी के साथ समाप्त होंगे और सोचेंगे ''ओह! मैं पिछले जीवन में, क्लीयोपेट्रा (Cleopatra)[42] की दादी थी, और अब मेरी तरफ देखो, मैं क्या हूँ, सफाई करने वाली एक महिला!''

हे! मैं इसे पसन्द करता हूँ :

''क्या लड़ाकू कलाओं (martial arts) के विषय में, आपके कोई विचार हैं? क्या जूडो की एक शक्ल, कराटे, या इसकी जो कुछ भी लड़ाकू शक्ल हो, जो आपको तिब्बत में सिखाई गई थी, का अध्ययन करना?,'' अमरीकियों के लिये सम्भव है।

सुदूर पूर्व में, तथाकथित लड़ाकू कलायें, लोगों को अक्षम बनाने के उद्देश्य से नहीं थीं और न ही वे, बचाव के लिए थीं। इसके बदले में वे, मानसिक रहस्यवादी, और आध्यात्मिक अनुशासन के रूप में थीं। कुल मिलाकर, आप जितने अधिक रंगीन हैं, आपकी अंतर्चेतना, आपको उतना ही अधिक सभ्य होने के लिए कहती है, शरीर के सम्बन्ध में, आपको जितना अधिक प्रशिक्षित किया गया है, उतना ही अधिक, आप अपने खुद के शरीर को देखते हैं। इसलिए वे लोग, जो सोचते हैं कि वे, उदाहरण के लिए जूडो में, एक पत्राचार पाठ्यक्रम लेना चाहते हैं, और तब वे बुली (bully) को, जो उन पर, जब वे समुद्र तट पर होते हैं, धूल उड़ाता है, पछाड़ सकते हैं, वे एक सद्मे के लिए अन्दर हैं। उदाहरण के लिए, मैं नहीं सोचता कि ये कलायें, पत्राचार के द्वारा और न ही किसी अनुभवहीन नौजवान नौसिखिये के द्वारा, जो ये सोचता है कि वह एक शारीरिक प्रशिक्षण स्कूल शुरू करने वाला है, ठीक ढंग से सिखाई जा सकतीं हैं। उसकी तुलना में, जैसा मैंने पहले ही इस पुस्तक में कहा!, इसमें बहुत कुछ है, इसमें हमेशा खतरा ही होता है, कि आप किसी दूसरे को अक्षम बनाने का प्रयास करते हैं, जो आपसे, शायद, दस या बीस पाठ आगे है। आप उस तरीके से, वास्तव में, ''अपने डेलों को इकट्ठा कर सकते हैं'' इसलिए मेरी खुद की सिफारिश ये है कि यदि आप इसे केवल बचाव के लिए चाहते हैं, तो इस लड़ाकू कला में जाना, करतब दिखाना, निरर्थक है। कोई जूडो या कराटे, किसी तोप के सामने उपयोगी नहीं होता, क्या ऐसा है? विशेषरूप से तब, जबकि गोली पहले से ही, आपकी ओर, तेजी से

---

42 अनुवादक की टिप्पिणी : मिस्र (Egypt) की अंतिम रानी क्लियोपेट्रा–7 (Cleopatra-7), अपने समय की सबसे खूबसूरत, चतुर, क्रूर, षड़यंत्रकारी और सबसे अमीर औरत के रूप में जानी जाती थी। बताया जाता है कि वह ईसा पूर्व 51 से ईसा पूर्व 30 तक मिस्र पर शासन करने वाली अंतिम शासक थी। क्लियोपेट्रा की 17 वर्ष की आयु में, उसके पिता की मृत्यु हो गई थी। पिता की वसीयत के अनुसार, वहाँ का शासन क्लियोपेट्रा तथा उसके छोटे भाई में बंट गया। उसका जीवन अनेक रहस्यों से भरा हुआ था। करीब 1400 साल पहले, रानी क्लियोपेट्रा की मौत के बाद, उसके राज्य का अंत, प्राकृतिक आपदा का कारण बना, जिससे सुनामी और भूकम्प के प्रकोप से, पूरा राज्य और महल भूमध्य सागर की गोद में समा गया। ग्रीक परिवार में जन्मी क्लियोपेट्रा, काफी खूबसूरत और अमीर होने के कारण, ''क्वीन ऑफ किंग (queen of king)," के नाम जानी जाती थी उनके जीवन में प्रमुखतः मार्क ऐन्टॅनी (Mark Antony), और जुलियस सीजर (Julius Caesar), नामक दो व्यक्ति आये, जिनके साथ में उसके संबंध काफी चर्चित रहे। वह भारत के गरम मसाले, मलमल और मोती की बेहद शौकीन थी। कहा जाता है कि इसकी मृत्यु किसी जहरीले जानवर के काटने से हुई। समुद्र के अन्दर की खुदाई में, महल के अवशेषों के साथसाथ दो कंकाल तथा गहनों से लेकर हेयरपिन, रिंग और गिलास तक मिले हैं।

बढ़ रही है।

ठीक है, काठी पोर्टर (Kathi Porter), मैं आपके प्रश्नों का उत्तर दूँगा, मुझे खेद है, मैंने उनमें से कुछ का, पहले ही उत्तर दे दिया है परंतु मैं दूसरे किसी का उत्तर दूँगा, वह है, ''क्या निर्देश या उन चीजों के लिए, प्रमुख रूप से रहस्यवाद और आध्यात्मिक, पथप्रदर्शन के लिए, अपने अधिस्वयं को प्रार्थना करना, उचित है, कि इनको हमारे सामने खोल दिया जाये, ताकि हम उन्हें स्वीकार कर सकें और समझ सकें?''

हॉ, काठी, आप अपने अधिस्वयं से हमेशा प्रार्थना कर सकते हैं। आपका अधिस्वयं, हर उस चीज को जानता है, जो कभी भी अधिस्वयं के साथ हुई थी। परंतु इसको यों समझें; आप यहॉ काम पर लगी हैं (हम कहॉ कहें?) अमरीका में, और आपका बिग बॉस रह रहा है, ओह, मान लो सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में। अब, यदि आप अपने बॉस से सम्पर्क करना चाहते हैं, तो आपको एक पत्र या टेलीफोन का उपयोग करना होगा। हम पत्र को छोड़ दें, क्योंकि आप अपने अधिस्वयं को पत्र नहीं भेज सकते, और आपका बिग बॉस, आपके अधिस्वयं के समतुल्य है। इसलिए हमारे पास केवल टेलीफोन ही बचा रहता है, और यदि आपने कभी, दुनियॉ के आधे रास्ते पर, प्रयत्न किया हो, तो आपने पाया होगा कि ये निराशायुक्त है, समय खराब करने वाला, धैर्य का उपभोग करने वाला अनुभव है। और तब आधे शब्दों का, आपको अनुमान लगाना पड़ता है।

आपका अवचेतन एक पुस्तकालय अध्यक्ष की तरह है। पुस्तकालय अध्यक्ष को अपने आपको जानने की अधिक आवश्यकता नहीं होती, उसका मुख्य मूल्य इसमें है कि वह जानती है, कि किसी निश्चित सूचना को कहॉ ढूंढ़ा जाये। इसलिए पुस्तकालय अध्यक्ष को किसी समस्या के लिए परामर्श लिया जा सकता है, और यदि वह एक अच्छी पुस्तकालय अध्यक्ष है, तो वह बता सकती है कि ठीक कहॉ देखा जाये, किस प्रकार की पुस्तक, आपको चाही गई सूचना दे सकेगी। वह आपको ये भी बतायेगी कि पुस्तकालय की अलमारियों में वह पुस्तक कहॉ है। अवचेतन कुछ वैसा ही है। अवचेतन एक काफी कुंद प्रकृति का व्यक्तित्व है, परंतु वह जानता है कि सूचना, जिसे आप चाहते हैं, को ठीक कहॉ से पाया जाये। इसलिये यदि आप अपने अवचेतन के सम्पर्क में आ सकें, तो आपको बहुत तेजी के साथ परिणाम मिलेंगे, बजाय इसके कि आप अपनी ऊर्जा को अपने अधिस्वयं के साथ सम्पर्क करने का प्रयास करने में व्यय करें। ऑस्ट्रेलिया या तिम्बकतू (Timbuktoo)[43] या तुस्कालूसा (Tuscaloosa)[44] या कहीं भी, दूसरी जगह, किसी को फोन करने के बजाय, अपने स्थानीय पुस्तकालय में किसी चीज को ढूंढ़ना अधिक आसान है।

एक अत्यन्त शालीन महिला हैं, जो बारसिलोना (Barcelona)[45], स्पेन में रहती हैं। उनके कुछ

---

43 अनुवादक की टिप्पिणी : तिम्बकतू (Timbuktoo) माली गणतंत्र का एक ऐतिहासिक और व्यापारिक नगर है। इसको 1998 में विश्व धरोहर स्थल (World Heritage Site) का दर्जा मिला। तिम्बकतू, काबरा बंदरगाह से 9 मील उत्तर दिशा में, नाइजर नदी पर, 800 फीट की ऊँचाई पर, सहारा मरुभूमि की दक्षिणी सीमा पर स्थित है। पहले ये फ्रेंच–सूडान प्रदेश में था। तिम्बकतू, दलदली और रेतीले भूभाग में है, जिसे ऊँट और नाव का संगम स्थल (The meeting point of camel and canoe) कहा जाता है। इसकी परिधि तीन मील है। नगर के मध्य में, तीन बड़ी मस्जिदें और उत्तरी छोर पर दो किले हैं। यहॉ का मुख्य व्यापार, नमक, कपड़ा, लोहे की वस्तुऐं, शुतुरमुर्ग के पर, रबर, तंबाकू, रूई, चीनी तथा सोना है। यह इस्लामी शिक्षा का केन्द्र है। पॉचवी शताब्दी में बना ये शहर, 15वीं और 16वीं शताब्दी में, सांस्कृतिक और व्यापारिक नगरी के रूप में सामने आया। पुराने समय में इसकी हैसियत महत्वपूर्ण व्यापार मार्गों के केन्द्र के रूप में थी। ऊँटों के काफिले, सहारा रेगिस्तान में होकर सोना ढोया करते थे। कहा जाता है कि मुस्लिम व्यापारी, इस शहर में होकर, सोना पश्चिमी अफ्रीका से, यूरोप और मध्यपूर्व को ले जाते थे, जबकि वहॉ से नमक और अन्य उपयोगी चीजें वापस लाते थे। तिम्बकतू में प्राचीन इस्लामी पाण्डुलिपियों का एक समृद्ध संग्रह है।

44 अनुवादक की टिप्पिणी : तस्कालूसा (Tuscaloosa) पश्चिमी मध्य अलाबामा (Alabama) का एक शहर है, जो ब्लेक वारियर रिवर (Black Warrior River) के किनारे पर स्थित है। ये अलाबामा (दक्षिण–पूर्वी अमेरिकी राज्य) का पॉचवॉ सबसे बड़ा शहर है, 2013 की जनगणना के अनुसार, जिसकी आबादी 95334, अनुमानित है। तस्कालूसा उद्योग, वाणिज्य, स्वास्थ्य और शिक्षा का क्षेत्रीय केंद्र है। अलाबामा विश्वविद्यालय, के खेलों और विशेष रूप से, फुटबाल में सफलता प्राप्त करने के बाद, ये शहर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हुआ। वर्तमान समय में, तस्कालूसा को अमेरिका का सबसे अच्छा रहने योग्य नगर बताया जाता है।

45 अनुवादक की टिप्पिणी : बार्सिलोना (Barcelona) स्पेन का एक खूबसूरत शहर है। ये स्पेन के केटालोनिया (Catalonia) के स्वामित्व समुदाय की राजधानी है और स्पेन का, दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला शहर है, जिसकी आबादी लगभग सोलह लाख है। बार्सिलोना दुनिया के अग्रणी पर्यटन स्थलों, आर्थिक व्यापार मेलों और सांस्कृतिक केंद्रों में से एक है और वाणिज्य, शिक्षा, मनोरंजन मीडिया, फैशन, विज्ञान

प्रश्न हैं, परंतु वह नहीं चाहती कि उनका नाम उल्लेखित किया जाये, इसलिए मैं अपनी शुभकामनायें अभी सेनोरा डी (Senora D.) को दूँगा और उसके कुछ प्रश्नों का उत्तर दूँगा :

''क्या नये विश्वनायक के हकरारे, पहले से ही प्रचार कर रहे हैं, या उनके लिए तैयारी कर रहे हैं?''

ईसाई बाइबिलों (ईश्वरादेश, Revelation) के अनुसार भी, ये वह समय है जबकि यहॉ झूँठे पैगम्बर (prophets) होगे। दूसरे शब्दों में, आधुनिक भाषा में किये गये अनुवाद के अनुसार, ये बेचारी हमारी पुरानी दुनियॉ, एक खतरनाक घपला है, सभी मानक (standards) और मूल्य (values), हमारे आसपास, औंधे मुँह गिर रहे हैं, और यहॉ, विश्व का नेता होने का नाटक करते हुए, एक तेज मुद्रा बनाने के लिए, हमेशा एक चतुर एलेक (Alec) तैयार है। इसलिए ऐसा है, हम कई बार पाते हैं कि, अत्यधिक धनवान कुछ लोग, किसी नौजवान भोंदू को भाड़े पर ले लेंगे और ये दिखावा करेंगे कि, ये नया मसीहा, या नया ईश्वर, या कुछ वैसा ही, दूसरा है, और ये धनवान लोग, जिनकी अधिक पैसे के लिए भूख, अधिक, और अधिक, बढ़ती जाती है, भोलेभाले या अज्ञानी लोगों को बहकाकर, पूरी नाटकीय पकड़, जेट हवाई जहाजों, तीव्रगामी कारों, इत्यादि इत्यादि के साथ, पैसा देते हुए, एक विशेष अभियान में सम्मिलित करने के लिए, एक प्रदर्शन रखेंगे। एक समय बाद, भोंदू नौजवान थोड़ा सा बड़ा हो जाता है और वह अपने खुद के मामलों में अपना प्रभाव रखना चाहता है, और जब कि धनाढ्य लोग उसको नियंत्रित नहीं करते हैं, वह वैसी चीजें करता है, जिन्हें उसके अनुयायी, उसके पैगम्बरी उद्देश्यों के साथ, अनुशीलन योग्य नहीं पाते।

कई बार, वह व्यक्ति दूसरे देश को भी चला जाता है और उस देश के कर इकट्ठा करने वाले लोग, उसके लाखों में से थोड़े से को जप्त कर लेते हैं या जबतक कि वह कुछ लाख उन्हें नहीं दे देता, उसे देश के बाहर नहीं जाने देते। कई बार वह आसपास जायेगा और पायेगा कि उसका हवाई जहाज जप्त कर लिया गया है, क्योंकि ये उसका नहीं था और उसे देश के बाहर ले जाया गया था।

मेरी निजी, पक्की, पक्की सिफारिश ये है कि, इन तथाकथित सभ्य लोगों के द्वारा, विज्ञापन करने वाले इन लोगों के द्वारा, जो दावा करते हैं कि वे और केवल वे ही, सच्चे ईश्वर, नये मसीहा, नये नेता, गुरुओं के भी गुरु इत्यादि, हैं, कोई भी अन्दर नहीं लिया जाना चाहिए। आप मुखौटों के पीछे देखना चाहते हैं और अपने आपसे पूछना चाहते हैं, ठीक है, ये लोग इसमें से क्या पा रहे हैं, ऐसे बड़े–बड़े विज्ञापन क्यों? यदि वे असली होते, तो उन्हें विज्ञापन देने की आवश्यकता नहीं होती, लोग फिर भी समझ जायेंगे और झुण्ड बनाकर, उस पवित्र झंडे के नीचे आयेंगे।

चलन? जो लोग चलन को पैदा करते हैं, मेरे विचार से, वे पृथ्वी की गाद हैं, क्योंकि वे भोले भालों का नेतृत्व करते हैं और उनको, ज्ञान पाने का एक वास्तविक अवसर देने से मना कर देते हैं।

अरे, आगबबूला हो रहे हैं, क्या मैं नहीं हूँ? आप नहीं जानते थे कि मैं, अपने बुढ़ापे में, उग्र हो सकता हूँ, क्या आप जानते थे? कोई बात नहीं, कई बार, शांत हो जाना, एक अच्छी चीज है, क्योंकि यदि मैं, चलन से दूर रहते हुए, आप में से कुछ को, सदमा पहुँचाऊँ, तब ये आपके खुद के आध्यात्मिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा होगा।

''ये शर्मनाक है कि हम, उन असाधारण मनुष्यों, लामा मिंग्यार डोंडुप (Lama Mingyar Dondup) और महान तेरहवें दलाई लामा (The Great thirteenth Dalai Lama), के बारे में अधिक नहीं जानते।''

लामा मिंग्यार डोंडुप, वास्तव में, एक महान अस्तित्व हैं, जो, वास्तव में, अब पृथ्वी से काफी परे के वृत में हैं। उन्होंने पुनर्जन्म नहीं लिया है परंतु बदले में, अस्तित्व के काफी ऊँचे तल में हैं, और वह वास्तव में, दूसरे विश्वों की सहायता करने का प्रयत्न कर रहे हैं, वह, मात्र इस पृथ्वी पर ही नहीं, परंतु

और कला में इसका प्रभाव व योगदान, इसको दुनियॉ के प्रमुख वैश्विक शहरों में से एक बनाता है।

बसी हुई पृथ्वियों के एक पूरे समूह के ऊपर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जहॉ उन्हें परेशानियॉ हो रही हैं, जहॉ स्वार्थ, एक उद्यान में खरपतावार की भॉति, बढ़ रहे हैं।

हम जैसे सच्चे लामाओं में से कुछ का विश्वास है कि, महान तेरहवें, दलाई लामाओं में अंतिम थे। हम विश्वास करते हैं कि यदि उस पद का वर्तमान पदधारी, एक असली दलाईलामा होता, तो उसने तिब्बत के लोगों की मदद करने के लिए, काफी कुछ किया होता। कुल मिलाकर, जब कोई व्यक्ति, जैसे ही वह कहता है कि वह धार्मिक नेता है और वह ठीक से प्रार्थना कर रहा है, हर कोई प्रार्थना कर सकता है, देश को साम्यवादी आक्रामकों से मुक्त कराने के लिए, केवल, कुछ प्रार्थना करने वालों से थोड़े अधिक, प्रार्थना करने वालों की आवश्यकता है, साम्यवादी घुसपैठियों को, एक वास्तविक भौतिक उदाहरण की आवश्यकता है। इसका अर्थ, देश के एक नेता की शहादत भी हो सकती है, क्योंकि यदि किसी देश का नेता खड़ा हो जाता है, और अपने लोगों के साथ लड़ता है और कई बार, शक्ति, तर्कयुक्त होती है, तब उसकी जनता, डरपोक (faint hearted) नहीं होगी जबकि उनका नेतृत्व करने के लिए, उनके पास, एक भलीभॉंति प्रिय नेता है। महान तेरहवें, ऐसे ही एक व्यक्ति थे, जो अपने लोगों के साथ खड़े होते, परंतु आप मृत्यु से नहीं लड़ सकते, क्या आप लड़ सकते हैं?

अध्याय नौ

मैंने अभी अभी अपना थोड़ा सा खाना खा लिया है, और ये मुझे एक प्रश्न, जो ठीक पुस्तक के समय पर, केवल कल ही मुझ तक पहुँचा, की याद दिलाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि ये आगे बढ़ रही है। कैसे भी, मुझे कल एक पत्र मिला, ''कृपया दूसरी पुस्तक लिखें !!!! और उपवास (fasting) के सम्बन्ध में कुछ कहें। आप उपवास के सम्बन्ध में क्या सोचते हैं? क्या लोगों को उपवास करने चाहिए? कैसे भी, इससे किस प्रकार के नुकसान हो सकते हैं?''

इसलिए मैं केवल उत्तर दे सकता हूँ भव्यतापूर्ण, सुश्री (missus), मैं वर्षों से उपवास करता रहा हूँ! गम्भीरता से, यद्यपि, वास्तव में, मस्तिष्क के साथ उपवास रखना बहुत अच्छी चीज है बशर्ते आप सामान्यबोध (commonsense) की कुछ सावधानियॉ रखें। उदाहरण के लिए, यदि आप मधुमेह से पीड़ित हैं, तो उपवास न रखें, यदि आपको, किसी विशेष प्रकार की, हृदय की बीमारियॉ हैं, तो आप उपवास न रखें, परंतु यदि आप औसत अच्छे स्वास्थ्य में हैं, तब कई बार, उपवास करना वास्तव में, सहायक होता है, बशर्ते उसी समय, आपको पूरे दिन का काम नहीं करना हो।

आपके पास कोई मोटर चालित वाहन नहीं होगा, और यदि उसकी ईंधन की टंकी खाली हो, आप उससे काम लेने की आशा नहीं कर सकते। इसलिए, जब इसमें से निकालने के लिये, कोई पोषण बचा हुआ न हो, आप अपने खुद के मनुष्य शरीर से काम लेने की आशा कैसे कर सकते हैं?

सामान्यतः, जब आपके पास लम्बी छुट्टियॉ हों, उपवास करना, पूरी तरह से सुरक्षित है, क्योंकि यदि आपके पास लम्बी छुट्टियॉ हैं, तो आप अधिक आराम कर सकते हैं, आपको बस के लिए दौड़ना नहीं पड़ेगा, जब आपका बॉस आपकी दिशा में नजर ड़ालता है, आपको काम के लिये उछलकूद करने के लिए कोई अतिरिक्त मेहनत नहीं करनी पड़ेगी। आप इसे अपनी सुविधानुसार कर सकते हैं। इसलिए यदि आप उपवास करने जा रहे हैं, तो सुनिश्चित करें कि आप यथोचित अच्छे स्वास्थ्य में हैं और आपको इनमें से कोई बीमारियॉ या शिकायतें नहीं है, जैसे कि मधुमेह, क्योंकि, यदि आप मधुमेह से पीड़ित हैं, उपवास के द्वारा, आप अपने आपको, परेशान कर सकते हैं। इन बिन्दुओं के ऊपर आश्वासित होते हुए, आपको ये सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आपकी आंतरिक अवस्थायें अच्छी हालत में हैं और आप पृष्ठ निष्कासन विभाग (rear delivery department) में किसी बीमारी से जकड़े हुए नहीं हैं। आपको एक हल्का सा जुलाब लेना चाहिए, ताकि आप अंदर से एकदम खाली हों। तब आप खाना बंद करें, परंतु पीना बंद नहीं करें। यदि आप उपवास कर रहे हैं तो आपको, कोई भी चीज, जिसे चिकित्सा के लोग, एक साफ तरल खुराक कहते हैं, लेने के लिए, उचित सलाह दी जायेगी। काफी सारा पानी, फलों के रस, परंतु किसी भी प्रकार का, ठोस प्रकृति का, कुछ भी नहीं, दूध भी नहीं, क्योंकि इस उद्देश्य के लिए दूध भी, ठोस होता है।

अब, ये न सोचें कि आप उपवास करने वाले हैं और बर्फ की चुसकियॉ चूसने लगें। ये उपवास नहीं है, ये धोखा है, ये पूरी चीज को तमाशा बना देता है। इसलिए खाना बंद करें, काफी कुछ आराम करें। आप पढ़ सकते हैं, रेडियो सुन सकते हैं या टी.वी. देख सकते हैं, परंतु सिनेमा या शराबघर की ओर आवारागर्दी, और इसी ही प्रकृति की कोई भी दूसरी चीज, नहीं कर सकते। यदि आप ऐसा करते हैं, तो आप अपने चर्बी के स्रोतों को तेजी से जला देंगे और ये अधिक सुखदायक होगा। देखिये, यदि आप उपवास करने जा रहे हैं, तो अपने शरीर को काम में लगाये रखना होगा और काम करने का एक ही तरीका है, अपने शरीर की कोशिकाओं में, इसका अर्थ आपकी चर्बी वाली कोशिकाओं में, भण्डारित किये हुए खाने का, धीमे–धीमे अवशोषण करना, और यदि आप सामाजिक अवसरों के लिए आसपास दौड़ लगाते हैं या कोई हल्का काम करते हैं तो आपका बजन, बहुत तेजी से कम हो जायेगा और आप निश्चितरूप से, मरने की जोखिम उठायेंगे।

आपको एक विचार देने के लिए कि मैं किस सम्बन्ध में बात कर रहा हूँ, मुझे आपको बता देना

चाहिए कि बाद में यहॉ वास्तव में मोटे लोगों की एक आश्चर्यचकित करने वाली संख्या है, जिन्होंने अपनी आँतों को, शायद छै या दस फुट, लघुपथित (short circuit) करने के लिए, अपना ऑपरेशन करा लिया है, ताकि वे अपने खाने को इतना अवशोषित न करें। यदि आँतों में से, अधिकाश भाग लघुपथित कर दिया जाये, तब वह बहुत तेजी से अपना बजन घटाता है और सभी प्रकार की अजीब चीजें घटती हैं। तीन सौ पाउंड से अधिक बजन वाली एक औरत थी। मेरा ख्याल है कि, वास्तव में, उसका बजन तीन सौ पचास पाउंड के करीब रहा होता, और उसने अपनी आँतों को दस फुट लघुपथित करा लिया। वह त्रस्त हो गई और हताशा के साथ कराहने लगी क्योंकि उसने अपना बजन इतनी तेजी से कम किया कि अधिकांश समय में, वह मरने की हद तक बीमार रही, और उसका मांस, उसके आसपास लटकने लगा, जो एक महिला के लिए, जिसको अपनी दिखावट में, कुछ गर्व महसूस होता हो, कोई अच्छी चीज नहीं है।

तब, यदि आप उपवास करने जा रहे हैं, सावधानी से चलें। खाना बंद कर दें, और काम बंद कर दें, काफी विश्राम करें, और विश्राम से तात्पर्य ये है कि आपको खरीददारी या मनोरंजन के लिए बाहर नहीं जाना चाहिए। यदि आप उपवास करना चाहते हैं और उपवास की किसी भी खराबी के बिना उसके सभी लाभों को लेना चाहते हैं, आपको न केवल खाना, वल्कि चलना फिरना भी, भूल जाना पड़ेगा।

आपको काफी मात्रा में तरल की आवश्यकता होगी, अन्यथा आप निर्जलीकृत (dehydrated) हो जायेंगे, और यदि आपका पानी सूख जाता है, तो आप अपने स्वास्थ्य को बुरी तरह प्रभावित करेंगे। ये किसी को होना, एक बहुत भयानक चीज है।

खराब स्वास्थ्य वाले कुछ लोग पाते हैं कि यदि वे उपवास करें, तो उनका यकृत प्रभावित हो जाता है, इसलिए, इससे पहले कि आप उपवास जैसी किन्हीं चीजों को करने के लिए जायें, सुनिश्चित करें कि आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा है।

आपको कितना लम्बा उपवास करना चाहिए? ठीक है, जबतक कि आप चीजों को देखना शुरू नहीं करते, यदि आप चाहें तो आप, चार या पॉच दिन, अच्छे परिणामों के साथ निराहार रह सकते हैं। इस अंतिम बार, मेरे अस्पताल में जाने से पहले, मैं दस दिन से भी अधिक समय तक निराहार था, और जब मैं अस्पताल में रहा, मैं कुछ और अधिक दिनों के लिए निराहार था! इसने मुझे कोई नुकसान नहीं किया। इसलिए आप केवल ये कह सकते हैं कि आप उतना लम्बा उपवास रखें, जिससे कि आपको उपवास करने की आवश्यकता महसूस होती रहे। आपको अपने डॉक्टर की सलाह लिये बिना, चार या पॉच दिन से अधिक का उपवास नहीं करना चाहिए और यदि वह सामान्य घटिया किस्म का व्यक्ति है, जो अपनी चिकित्सा की पाठ्य पुस्तकों के और आगे नहीं देख सकता, वह आपको सीधा बतायेगा कि आप उपवास के मामले में सनकी हैं, परंतु ऐसा इसलिए है क्योंकि, उसने कभी ऐसा नहीं किया। परंतु यदि आप चार या पॉच दिन से अधिक का उपवास कर रहे हैं, आपके खुद के बचाव के लिए, आपको हमेशा डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

बाद में, जब आप खाना शुरू करें, मात्र आधी गाय को मत गटक जाना अन्यथा आपको सभी प्रकार की परेशानियॉ होंगी, अपच और शेष सब कुछ, और ये अत्यधिक बुरे अपच का मामला होगा।

जब आप उपवास कर रहे होते हैं, आपका पेट सिकुड़ जाता है। ये एक छोटे अण्डे के आकार तक सिकुड़ जाता है, क्योंकि यदि आप खाना नहीं खा रहे हैं, कोई कारण नहीं है कि ये क्यों फूला बना रहे। ठीक है, (उपवास के) पॉच या ऐसे ही कुछ दिनों के बाद, आपका पेट एक छोटे अंडे के आकार हो जाता है, और उसे उतने ही आकार का बना रहने की आदत पड़ जाती है, इसलिए यदि आप अचानक ही उपवास से चिढ़ जायें, और पूरे खाने को ठसाठस भर लें, तब आपके पेट को, उसकी तुलना में, जब वह ऐसा ही बना रहना पसंद करता, और अधिक फूल जाना पड़ेगा, इस लिये आपको

दर्द होगा, और आपकी आँतों को, अंदर माल न होने के कारण, सिकुड़ना पड़ेगा और ऑतों को भी, अत्यधिक रूप से फैलना पड़ेगा। मेरा विश्वास करें, यदि आप पॉच दिनों के उपवास के बाद, और ज्यादा खाना खाते हैं, आपको, उसकी तुलना में, जो आपने सम्भवतः ऐसी ही एक साधारण चीज से सोचे होंगे, अधिक दर्द और कष्ट होंगे।

उपवास के बाद, बहुत हल्का खाना, दूध और कुछ बिस्किट लें। अगले दिन थोड़ा अधिक लें। परंतु तीन या चार दिन के बाद तक, अपनी सामान्य खुराक पर वापस न आ जायें। इस तरीके से, आपको अपने उपवास से अच्छे परिणाम मिलेंगे, परंतु इसके विपरीत, यदि आप जायें और उपवास के बाद माल भर लें, आपको सभी प्रकार के नुकसान होंगे, जो आपके उपवास को बेकार कर देंगे।

अब यहॉ कुछ चीज है, जो मैं आपको बताने जा रहा हूॅ। मेरे पास एक पत्र है, और लेखक कहता है, ''मैं कई बार, सूक्ष्मयात्रा से आपके पास आने का प्रयास कर चुका हूॅ। मैं हमेशा किसी को देखता हूॅ, जो थोड़ा–थोड़ा आपसे मिलता जुलता है, परंतु वास्तव में काफी कमजोर है। व्यक्ति हमेशा आपकी भूमिका निभाने का प्रयास करता है, परंतु वह बहुत ही कमजोर अभिनेता है। शायद आप, दूसरे विश्वों में देखे जाने वाली दूसरी चीजों को करने में अत्यधिक व्यस्त हैं। शायद, इस पत्र के पूरा होने से पहले, मैं आप तक पहॅुच सकॅू। फिर भी, मैं अभी, सूक्ष्मलोक की यात्रा के प्रागेतिहासिक चरण (prehistoric stage) में हूॅ।''

मेरी प्यारी श्रीमती जी, मुझे ये कहते हुए प्रसन्नता हो रही है कि मेरे पास एक प्रभावशाली नाकाबंदी है, ताकि, जबतक कि मैं उन्हें ऐसा करने देना न चाहूॅ, सूक्ष्मलोक में, लोग मेरे पास नहीं आ सकते। आप देखें, मैं काफी बड़ी संख्या में, शाब्दिकरूप से, काफी मात्रा में, लोगों को पाता हूॅ, जो मुझे बताते हैं कि वे सूक्ष्मलोक में मुझसे मिलने आ रहे हैं, और यदि वे सभी, ऐसा कर सकें, तो मेरे पास किसी प्रकार की निजता नहीं होगी, मेरे पास अपने खुद के लिए कोई समय नहीं होगा, और क्या आप अपने से मिलने वाले लोगों की भीड़ को पसंद करेंगे, जबकि आप, उदाहरण के लिए, गुसलखाने में हों, स्नानगृह में हों? मैं नहीं करता! इसलिए ज्ञान, जो अनेक अनेक वर्षों पहले, मुझे दिया गया था, के माध्यम से, मैं एक रोक बनाने में सक्षम हो चुका हूॅ, जिसका अर्थ है कि जबतक कि मैं उससे मिलने का उत्सुक न होऊॅ, मुझे किसी भी, पृथ्वी लोक वासी के द्वारा, मिला नहीं जा सकता।

आपने खुराफाती अस्तित्वों को, जैसे कि लोग बैठकों (seances) में दिखते हैं, देखा होगा। मैं पहले ही इसके सम्बन्ध में लिख चुका हूॅ, इसलिए अब इस मामले में विस्तार में जाने की कोई तुक नहीं है, परंतु ''युग्म विश्वों (twin worlds)'' के अनेक लोग, मनुष्य होना चाहते हैं, वे अभी, बिना किसी सचेतन के विचार के अस्तित्व हैं, मात्र जीवन बल के बण्डल। वास्तव में, जैसा मैं पहले कह चुका हूॅ, वे खुराफाती बंदरों की तरह हैं। और यदि कोई व्यक्ति, मुझसे मिलने का प्रयास करता है, और मैं उससे नहीं मिलना चाहता, तब इन खुराफाती अस्तित्वों में से एक अंदर आयेगा, और मेरे होने का नाटक करेगा। इसलिए यदि लोग मुझे मिलने का प्रयास करते हैं, उन्हें खुद को ही दोष देना चाहिए!

लोग, सब प्रकार की मांगे भेजते हैं कि, मुझे उनकी ओर यात्रा करनी चाहिए। कुछ लोग, मुझे विस्तारपूर्वक चिन्हित किये हुए नक्शे या फोटोग्राफ, ये दिखाते हुए कि वे ठीक ठीक कहॉ रहते हैं, भेजते हैं और वे मुझे अमुक अमुक समय पर प्रकट होने का आदेश देते हैं। ठीक है, वास्तव में, मैं ऐसी चीजें नहीं करता। क्या आप, सूक्ष्मलोक में आसपास मड़राना चाहेंगे, क्योंकि रेंगने वाले कुछ लोग, जिन्होंने एक पुस्तक के लिए थोड़े से पेन्स (pence) खर्च किये हैं, ऐसा सोचते हैं कि वह लेखक को, किसी भी प्रकार का आदेश देने का अधिकार पा चुके हैं? उनको बड़ी माता निकले (pox to them), ये वह है जो मैं कहूॅगा!

दिन में कुल 24 घंटे होते हैं, और यदि मैं इन धृष्ट मांगों को पूरा करूॅ, तो मुझे कम से कम तीस घंटे चाहिए होंगे, और आगे, इन लोगों को, समय में अंतर (time difference) होने का भी कोई

खयाल नहीं है, मैं पर्वतीय समय के क्षेत्र (mountain time zone) में रहता हूँ, परंतु उस व्यक्ति के सम्बन्ध में क्या, जो टोकियो (Tokyo) में रहता है, और मेरी उपस्थिति की मांग करता है? इसमें समय का बहुत बड़ा अंतर है, वास्तव में, ये अगला दिन हो जाता है। इसलिए मैं इसकी चिंता क्यों करूँ, पता करने की कि, दूसरे स्थानों पर क्या समय है, और ये कौन सा दिन है? नहीं, लोग जो मांग करते हैं, जो मुझे उपस्थित होने का आदेश देते हैं, मानो मैं उनके चिराग, या कुछ वैसी ही चीज का गुलाम हूँ, वे दूसरे विचार को आने देते हैं। उनके पास, दो विचार भी आते हुए हो सकते हैं!

यह बहुत आनन्ददायक भी है, क्योंकि कई बार, मैं लोगों से मांग पाता हूँ, कि मैं उनके सामने तुरंत प्रकट होऊँ और एक पेन, या किसी छल्ले या एक पत्र का पता लगाऊँ, जो उन्होंने गलत रख दिया था। ओह हॉ, मैं इस मामले में पूरी तरह से कर्तव्यनिष्ठ हूँ; मेरे पास, मात्र थोड़ा समय पहले, एक अत्यधिक राजसी आदेश आया, किसी व्यक्ति ने कुछ रख दिया था और वह उसे ढूंढ नहीं सकी, और वह उसे, उस रात को पहनना चाहती थी, इसलिए उसने सोचा कि वह मुझे वहॉ आने की इच्छा करेगी और मैं तुरंत ही उस स्थान पर प्रकट हो जाऊँगा और सामान को उसके लिए प्रस्तुत कर दूँगा। ठीक है, मेरा ख्याल है कि उसे वापस अलादीन और उसके जादुई चिराग को पढ़ने के लिए जाना चाहिए, आप नहीं सोचते? या शायद, बदले में, उसको कुछ समझदार हो जाना चाहिए।

यहॉ कुछ है, मुझे विश्वास है कि ये आपको हॅसा देगा। मैं उसको आपके लिए नकल करूँगाः

''पिछली रात, जब मैं सूक्ष्मशरीर से यात्रा कर रहा था, मैंने एक शैक्षणिक गतिविधि पर जाने का निर्णय किया। अचानक ही मैं जब चल रहा था, मैंने ध्यान दिया कि मैं एक सुंदर, नारंगी, केशरिया बाना, पहने हुए हूँ। मैं इतना गद्गद् हो गया! सूक्ष्मशरीरी कपड़े इतने सुंदर होते हैं। मैं तय कर चुका था कि मैं कुछ लोगों को सिखाने जा रहा हूँ, अचानक ही, जब मैं टहल रहा था, केशरिया बाना गायब हो गया और मैं पूरी तरह नंगा हो गया। मेरा दिमाग खाली हो गया और अंतिम चीज, जो मुझे याद है, मैं सार्वजनिक इमारत के बीच, बिना कोई कपड़ा पहने हुए, नंगा खड़ा रहा!''

हॉ, आप देखें, ये वह है, जो होता है। लोग इन चीजों में, बिना किसी पूर्व तैयारी के जाते हैं। ये व्यक्ति, वास्तव में, सूक्ष्मलोक में गयी, परंतु इसे अपने मस्तिष्क, सूक्ष्म मस्तिष्क के कोने में रखना, अपने अनवरत कपड़े पहनना, भूल गयी, इसलिए जैसे ही उसने ये निर्णय लिया, कि वह कुछ लोगों को, जो पहले से ही, जितना वह जानती थी, उससे ज्यादा जानते थे, पढ़ाने जा रही थी। उसके मन के थोड़े से हिस्से की, जो कपड़ों को उतारने के बारे में व्यवहार कर रहा होगा, बत्ती गुल हो गई, और तब ठीक है, वह इस सार्वजनिक इमारत के बीच, निस्संदेह, दिलचस्पीयुक्त देखने वालों की बड़ी भीड़ के सामने, स्तब्ध खड़ी रह गई। ठीक है, क्या आप इसमें उतनी अच्छी तरह से दिलचस्पी नहीं लेंगे, यदि आपने, अपने सामने, एक औरत को, नंगा प्रकट होते हुए, देखा होता? कपड़े उतारने वाले, आजकल, अनेक लोगों के ध्यान को आकर्षित करते हुए दिखाई देते हैं। इसलिए आप स्वयं निर्णय करें कि आपकी प्रतिक्रियायें क्या होतीं।

ये व्यक्ति विशेष, मुझसे अपना उल्लेख, नाम के साथ कराना चाहती है, परंतु दुर्भाग्यवश, मैं उसका नाम पढ़ भी नहीं सकता, और मैं उसका पता नहीं पढ़ सकता क्योंकि, उसने कुछ दिया ही नहीं है। इसलिए मैं उसे केवल अनाम के रूप में सन्दर्भित कर सकता हूँ। वह ये भी जानना चाहती है, कि उड़नतश्तरियॉ (Unidentified Flying Objects; UFOs), बहुतायत में कब आना शुरू हुईं। ठीक है, वास्तव में, मुझे आश्चर्य होगा, यदि वहॉ तत्काल भविष्य में, उड़नतश्तरियों के सम्बन्ध में और अधिक, सूचनायें प्राप्त नहीं होंगी, और मैं आपको कुछ सुझाव देने जा रहा हूँ, आप केवल इस पर विचार करें; आपने समय–समय पर पढ़ा होगा कि नोर्वे, डेनमार्क, स्वीडन या कहीं दूसरी जगह की जलसेना के जहाज ने, एक लम्बे, संकरे, जलखिंचाव के द्वारा, एक ''पनडुब्बी'' को पकड़ लिया है, और अब, इससे बाहर निकलने का कोई सम्भव तरीका नहीं है। अच्छा है, हम इस सबके बारे में पढ़ते हैं, हम रेडियो पर

इस सबके सम्बन्ध में सुनते हैं, और हम सहमत हैं, कि स्पष्टरूप से, ये अज्ञात पनडुब्बी, जैसा कि संकेत किया गया है, स्पष्टरूप से रूसी, पकड़ी गई है, ये पलायन नहीं कर सकती। पनडुब्बी पहचानने के अपने सभी उपकरणों के साथ, संयुक्तराष्ट्र के युद्धपोत, वहॉ तैनात हैं, और वे पानी के अंदर से ही, यदि ये समर्पण नहीं करती है, पनडुब्बी को उड़ाने के लिये तैयार हैं। आपने इस सबके सम्बन्ध में अखबारों में पढ़ा होगा, क्या नहीं पढ़ा? आपने इसको रेडियो पर सुना होगा, क्या नहीं सुना? ठीक है, अब इस पर विचार करें; क्या अपने किसी परिणाम के सम्बन्ध में सुना था, क्या अपने सुना था? मैं सोचता हूँ, आपने नहीं सुना होगा क्योंकि, हर चीज बहुत हड़बड़ में हुई, और मेरे पास ये विश्वास करने का कारण है कि, उड़नतश्तरियॉ होती हैं, जो पृथ्वी के अंदर से आती हैं और वे पानी में दिशा खोजने में समर्थ होती हैं, जैसे कि पनडुब्बियॉ करती हैं, और मुझे विश्वास है कि ये उड़नतश्तरियॉ कई बार, विभिन्न राष्ट्रों के जहाजों द्वारा पहचान ली जाती है, परंतु ये उड़नतश्तरियॉ हमेशा भाग सकती हैं।

अनेक अनेक वर्ष पहले, इस प्रभाव का, एक भविष्य कथन था कि, इस वर्ष 1974 में विश्व के जलपोतों और एक उड़नतश्तरी के बीच, पानी के अंदर, मुठभेड़ होगी। भविष्यकथन का आशय ये है कि, एक पनडुब्बी और एक उड़नतश्तरी के बीच टक्कर होगी और उड़नतश्तरी के कुछ लोग, छुड़ा लिये जायेंगे और तब ये एकदम ठीक से देखा जायेगा कि वे, मनुष्य, जैसा कि पृथ्वी की सतह के लोगों के लिये इस शब्द को समझा जाता है, नहीं थे। आप जानते हैं, भविष्यकथन, समय से थोड़े विचलित हो सकते हैं, इसलिए, वास्तव में, मैं कुछ ऐसा सोचता हूँ कि यदि ये पहले से ही हो नहीं चुका है, ये 1974 या 1975 में होगा।

मैं कहता हूँ, ''यदि ये पहले से हो नहीं चुका है'' क्योंकि ये मुझे अजीब सा लगता है कि, सरकारों के द्वारा, चीजें इतनी अधिक हड़बड़ में की जाती हैं। हम सुनते हैं कि एक पनडुब्बी पकड़ी गई है, बहुत हलचल पैदा होती है, अनेक सूचनायें दी जाती हैं, लगभग घंटे–घंटे की सूचनायें, और तब अचानक और कहा जाता है, कुछ नहीं, कुछ नहीं। हर चीज भुला दी जाती है। कोई बात नहीं, किस प्रकार की जॉच हुई, इसके बारे में कोई, कुछ भी, और अधिक नहीं जानता, ये ऐसा है मानो कि कुछ हुआ ही नहीं था। अब, यदि कोई एलियन (alien) पाया जाता है और संभवतः उड़नतश्तरी से छुड़ा लिया जाता है, तब, वास्तव में, सरकारें हस्तक्षेप करेंगीं और पूरी जानकारी को, उन लोगों से जिनको इसे जानने का हक है, छिपा लेंगी, जबतक कि सम्बन्धित सरकारें, ये निश्चित न कर लें कि ज्ञान को, सम्बन्धित सरकारों के लाभ के लिए, किस प्रकार से अच्छी तरह से मोड़ा या घुमाया जा सकता है।

यहॉ एक और सुन्दर प्रश्न है, ''किसी दूसरे व्यक्ति के भविष्य के बारे में जानने के लिए, किन अवस्थाओं में, आप आकाशिक अभिलेखों के ऊपर, अपनी पैंठ (access) बना सकते हैं।

यदि आप, बिना किसी विशेष जीवन पर्यन्त (life-time) शिक्षण के, सामान्य व्यक्ति हैं, आप नहीं कर सकते। प्रत्येक व्यक्ति का आकाशिक रिकॉर्ड बंद होता है, और (सामान्यतः) किसी भी दूसरे व्यक्ति के द्वारा नहीं देखा जा सकता, जबतक कि उस अभिलेख से सम्बन्धित व्यक्ति, इस पृथ्वी को छोड़ न दे, और वह स्मृति–कक्ष (hall of memories) में न हो, जहॉ गरीब बेचारे को, इसे पूरी तरह सजग होते हुए, शर्म के साथ लाल होते हुए, देखना पड़ता है।

मैं सोचता हूँ कि इन विशिष्ट संवाददाता को किसी अच्छे नेत्र विशेषज्ञ के पास जाना चाहिए, क्योंकि वह लिखता है, ''डॉक्टर रम्पा, क्या आप जानते थे कि आपकी शक्ल, सऊदी अरब के बादशाह, फाईजल (King Feisal) के साथ, गजब की मिलती है ? हॉ, मैं एकदम निश्चित रूप से, बताता हूँ कि टाईम पत्रिका (Time magazine) में, राजा फेसल का एक चित्र था, और आप, ठीक उस जैसे ही दिखाई देते हैं।''

बादशाह फैजल, सम्मानित बादशाह, क्या मैं आपको विनम्र खेद व्यक्त कर सकता हूँ क्योंकि यदि आप मेरे जैसे दिखाई देते हैं, ठीक है, तो निश्चित रूप से, आपके सिर पर एक भार है! व्यक्तिगत

रूप से, सिवाय इसके कि, बादशाह फैजल की दो ऑखें, एक नाक, एक मुॅह, और दो कान हैं, मैं कोई समानता नहीं देखता। हॉ, मेरे पास भी वे हैं दो ऑखें एक नाक, एक मुंह और दो कान। ओह हॉ, तब वास्तव में, कुछ समानता होगी। परंतु जब मैं सोचता हूॅ कि बादशाह फैजल के काफी सारे बाल हैं, मेरी तुलना में अधिक, मैं गंजा हूं वास्तव में, गर्म मौसम में, मक्खियॉ मेरे सिर के ऊपरी भाग का, फिसलने वाले मैदान के रूप में उपयोग करती हैं।

''क्या एक सूक्ष्मशरीरी संभोग के परिणाम स्वरूप, एक भौतिक या सूक्ष्मशरीरी बच्चे का प्राप्त होना सम्भव है?''

नहीं, कोई सम्भावना नहीं, यद्यपि मेरे संवाददाताओं में से कुछ पर विश्वास करते हुए, ये न केवल सम्भव है, बल्कि ऐसा होता भी है।

उदाहरण के लिए, काफी वर्ष पहले, जब मैं प्रेसकोट[46], ओंटारियो (Presscot, Ontario) में रह रहा था, एक औरत ने मुझे लिखा था, मैंने उसे कभी नहीं देखा, कुछ सौ मील तक उसके पास कभी गया नहीं और उसने मुझे बताया कि वह मेरे ही द्वारा, गर्भ धारण कर चुकी है, और मेरे बच्चे को पैदा करने वाली है। उसके अनुसार, मैं उसके पास सूक्ष्मशरीर से गया था और (मुझे थोड़ा शिष्ट होने दें) ''उसके साथ काम किया।'' ठीक है, निश्चित रूप से, ये मेरे लिये खबर थी, मैं पूरे आनन्द को चूकता हुआ प्रतीत हुआ, क्योंकि निश्चितरूप से, मैं इसके सम्बन्ध में बिल्कुल नहीं जानता था। बेचारी महिला को ये महसूस होता हुआ नहीं लगा कि, पति जिसके साथ वह सोती है, और जिसके साथ वह दूसरे और काम करती है, इसके लिए मेरी तुलना में, अधिक उत्तरदायी होगा। परंतु कैसे भी, मैं आपको कहूॅगा, नहीं, सूक्ष्मशरीर से कहीं जाना और किसी औरत को गर्भ धारण कराना, ये सम्भव नहीं है। आपके मजे को खराब करने के लिए मुझे खेद है, परंतु ऐसा ही है, आप इसे नहीं कर सकते।

अब ये एक अच्छा प्रश्न है, ये है, ''कई बार, मैं छोटे बच्चों को देखता हूॅ, जो अपने आप से बात करते हुए लगते हैं परंतु वे वास्तव में, किसी से बात कर रहे होते हैं। वे सामान्यतः घूरते हैं, मानो वे सीधे सीधे किसी को, जिसे मैं नहीं देख सकता, देख रहे हों। कई बार, वे लम्बे लम्बे वार्तालाप संचालित करते हैं। वे किनके साथ बात करते हैं? प्राकृतिक आत्माओं के साथ? क्या छोटे बच्चे, किसी भी समय, जब भी वे चाहें, सूक्ष्मलोक में देख सकते हैं?''

वास्तव में, ये बच्चे सूक्ष्मलोक में बातें करने में, और लोगों को देखने में समर्थ हैं। वास्तव में, ये साधारण बात है, क्योंकि जबतक कोई बच्चा छोटा है, उनके कम्पन ऊॅचे होते हैं, इसलिये वे, सूक्ष्म लोक के लोगों के, जिनके कम्पन कम होते हैं, सम्पर्क में आ जाते हैं। कुछ विशेष मित्रवत् आत्मायें भी हैं, जो बच्चों की देखभाल करती हैं, दूसरे शब्दों में, परियॉ (fairies) वास्तविक हैं; और जबतक कि मूर्ख मां–बाप, अपने बच्चों को नहीं बताते कि उनको झूठ नहीं बोलना चाहिए और वास्तव में, उन्हें दूसरे लोग नहीं दिखाई देते, बच्चे इस क्षमता को खो देते हैं। वास्तव में, इस मामले में, मातापिता, सबसे खराब मित्र होते हैं। मातापिता भी, अक्सर सोचते हैं कि वे सर्वव्यापी, सभी ज्ञानों का स्रोत हैं। वे अपने बच्चों पर वर्चस्व बनाने का प्रयत्न करते हैं और बच्चों की प्राकृतिक क्षमता को, कुचल देते हैं और बरबाद कर देते हैं। ये बहुत दुखदायक चीज है। ये प्रौढ़ ही हैं, जो सूक्ष्मलोक के लोगों के लिए, इस विश्व के लोगों के साथ सम्पर्क करना, इतना मुश्किल बना देते हैं।

क्या आप मुस्कराना चाहते हैं? ठीक है, आप इस जैसे प्रश्न का कैसे उत्तर देंगे: ''बौद्ध भिक्षु शादी क्यों नहीं कर सकते?''

एक प्रश्न के साथ, मुझे उत्तर देने दें। प्रश्न ये है, कैथोलिक (catholic) पादरी, शादी क्यों नहीं

---

46 अनुवादक की टिप्पिणी : प्रेसकोट (Presscott), अमेरिका के ऐरिजोना प्रान्त की यावापाई काउंटी (Yavapai Conty), का एक नगर है। इसकी आबादी लगभग 40,000 है। प्रेसकोट में, काफी घर विक्टोरिया शैली के हैं, जिनमें से आठ से नौ तक ऐतिहासिक इमारतें हैं। प्रेसकोट में ऐम्बरी रिडल ऐरेनॉटीकल यूनिवर्सिटी (Embry-Riddle Aeronautical University) और (Northern Arizona University and Dominion university है। यहॉ, शहर से 11 किमी दूर, नगरपालिका का एक हवाई अड्डा है।

कर सकते?'' स्पष्टतः क्योंकि ये धार्मिक अनुशासन का, धर्म का मुखौटा है। अनेक गिरिजाघर, मात्र ईसाई गिरजाघर ही नहीं, या तो सोचते हैं कि व्यक्ति को अपना पूरा जीवन, धर्म को समर्पित कर देना चाहिए। उसे वास्तव में, धर्म से शादी करनी चाहिए। अनेक गिरजाघर, या अनेक धर्म विश्वास करते हैं कि व्यक्ति यदि विवाह करता है, तब उसका दिमाग दूसरी चीजों, उदाहरण के लिए, अपनी पत्नी के आकर्षण, पर हो सकता है, और तब वह पूरे समय, अपने धार्मिक कर्तव्यों के प्रति, ध्यान देने में समर्थ नहीं हो पायेगा। यही कारण है कि कैथोलिक, और कुछ दूसरे तरह के पादरी शादी नहीं करते। परंतु दूसरी शाखाओं के, अनेक बौद्ध भिक्षु हैं, जो शादी करते हैं, वैसे ही जैसे कि, ईसाई पादरियों के विभिन्न प्रकार हैं, जो शादी करते हैं। प्रोटेस्टेंट (protestant) पादरी, शादी करते हैं, कैथोलिक पादरी नहीं करते। ये मात्र आस्था का मामला है और इस सबके सम्बन्ध में यही है।

मेरा, एक महिला और एक सज्जन के साथ, जिनका एक बेटा है, जिसे कुछ मानसिक विकार है, नियमित पत्राचार है। बेटा मंदबुद्धि है। दुर्भाग्यवश, चिकित्सा विज्ञान, ऐसे लोगों के लिए, इस सम्बन्ध में, कुछ करने में असमर्थ दिखाई देता है और अक्सर वे, मां बाप को, ऐसे बच्चों को, मानसिक विकृति वाले लोगों के किसी घर में भेज देने के लिये समझाने का प्रयत्न करते हैं।

इस विशेष बच्चे में सुधार हो रहा है, और मेरा विश्वास है कि समय में, अपने मातापिता की प्रेमपूर्ण देखभाल के साथ, वह बहुत कुछ सामान्य हो जायेगा। ऐसा लगता है कि जब वह शिशु था, एक डॉक्टर ने अविद्वतापूर्ण तरीके से उसका इलाज किया और छोटे बच्चे को एक खुराक, जो प्रौढ़ को भी अपने असर में कर लेती, देते हुए, उसके ऊपर एक नई दवा का प्रयोग किया। उस समय से, बच्चे ने अत्यधिक बड़ी मानसिक विकृतियॉं, झेली हैं और वह बोल नहीं सकता और मुझे विश्वास है कि अब उसका मानसिक स्वास्थ्य सुधर रहा है। मैंने सुझाव दिया है कि उसे मित्रों के पास, खेत पर भेज दिया जाये क्योंकि, अक्सर यदि ऐसा व्यक्ति पशुओं आदि, जिनको उसकी तुलना में कम विशेषाधिकार मिले हुए हैं, से मिलता है, तब चूंकि, लड़का या लड़की, पशुओं को मदद करने और उन्हें समझने के लिए, जो कुछ भी वह कर सकता है, करता है, बड़ा सुधार होता है।

अनेक मामलों में, एक मंद बुद्धि बच्चा, एक पशु को देखने पर एक प्रकार की, बन्धुत्व की भावना पाता है। बच्चा सोचता है कि पशु बात नहीं कर सकता, इसलिए ये उसे एक जुड़ाव प्रदान करता है, और जब ऐसे बच्चे को एक खेत पर दौड़ने का मौका दिया जाता है और उसकी सामर्थ्य के अनुसार काम दिये जाते हैं, तब जिम्मेदारी की शुरुआत होती है और प्रतिसार (response) प्रखरता में कौंधने लगता है।

मंदबुद्धि बच्चों को दौड़कर (जल्दी से) मानसिक गृह में पहुॅंचा देना, ये एक शर्मनाक बात, एक अपराध है, जबकि सुधारगृह में, दया या कृपा या करुणा की कोई आशा नहीं है और खेत पर समझदारी, किसी मंदबुद्धि बच्चे को, कम मंदबुद्धि बनाने में सहायक होगी। मुझे अनेक प्रकरण मालूम हैं, जहॉं मंगोलियन मूर्ख, उनको उस स्थिति में रखे जाने पर, जहॉं वे पशुपालन में, जानवरों की मदद कर सकते थे, किसी भी प्रकार से, बड़ी अच्छी तरह से सुधर गये, उतने मूर्ख नहीं रहे थे।

क्या आपको याद है, एक पिछली पुस्तक में, मैंने एक भविष्य कथन किया था कि अमरीका का राष्ट्राध्यक्ष अपने पद से हटा दिया जायेगा? ठीक है, जब मैं इसको लिख रहा हूॅं, हम प्रेसिडेंट निक्सन को, अपने त्यागपत्र की घोषणा के साथ, हटाये जाने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। निश्चितरूप से, बेचारे गरीब के ऊपर, पर्याप्त दबाव पड़े हैं, और कोई जो समाचार–पत्रों में कुछ पढ़ता है, उसके अनुसार उसे निश्चितरूप से, नाड़ियों सम्बन्धी कुछ तनाव हैं, जिसने उसके मानसिक स्वास्थ्य को खराब किया है। परंतु आप जानते हैं, कई बार भविष्य कथन, कैसे भी, सही हो जाते हैं। परंतु पूरे यथार्थ के साथ, मुझे बताया गया है कि प्रेसिडेंट निक्सन, जब आप इस सूचना को पढ़ रहे होंगे, शायद पूर्व प्रेसिडेंट को, एक सुविख्यात महिला ज्योतिषी या जो कुछ भी वह है, के द्वारा बताया गया है कि उनको कुछ नहीं होगा।

ठीक है, वह अधिक सफल नहीं थी, क्या वह थी?

वास्तव में, हर चीज चक्रों (cycles) में आती है। आप राजाओं, राष्ट्राध्यक्षों और अन्य सभी के साथ निश्चित चक्रों में परेशानी पाते हैं। इसलिए यदि आप जानते हैं कि कहॉ देखना चाहिए, तो आप इन आवर्ती चक्रों के सम्बन्ध में पता कर सकते हैं। उसी प्रकार से, आप पर्याप्त सही रूप से पता लगा सकते हैं कि अगला युद्ध कब होने वाला है। यदि आप पर्याप्त रूप से, युद्धों की तिथियों की गणना करने में रुचि रखते हैं, और आप उनका एक रेखाचित्र (graph) बना चुके हैं, तो आपको पता लगेगा कि वे कमोवेश, एक नियमित प्रादर्श बनाते हैं। आप जानते हैं, हर चीज वैसे ही होती है। मनुष्य जीवन के साथ भी, हर चीज चक्रों में होती है, जिसे हर औरत जानती है और तब चन्द्रमा की कलाओं के भी चक्र होते हैं। परंतु इसके अलावा, कुछ अन्य चक्र भी होते हैं, जो अधिकांश लोगों को प्रभावित करते हैं, जैसे कि स्वास्थ्य के सम्बन्ध में, ऊंचे और नीचे गिरने का, तेईस दिन का चक्र, और अट्ठाईस दिन का चक्र और दूसरा चक्र, जो तेतीस दिनों में होता है। हम स्वास्थ्य, नाड़ियों की ऊर्जा और बुद्धि, सभी कुछ ऊपर से नीचे गिरती हुई, कांपती हुई पाते हैं, और स्पष्ट रूप से, तीनों चक्र, कुछ लम्बे अंतरालों के बाद, एक साथ आ जाते हैं, तब कोई आदमी या तो कुछ दिनों के लिए, अत्यधिक अच्छा समय पा जाता है या एक या कुछ दिनों के लिए, अत्यधिक खराब समय पाता है।

मैं अपने चक्रों अर्थात् तेईस दिन के चक्र, अट्ठाईस दिन के चक्र और तेतीस दिन के चक्र, का नियमित आलेख रखता हूॅ, और अभी हाल में ही, तीनों चक्रों के द्वारा जैसा कथन किया गया था, मैं उसकी चोटी पर था, जो मेरी स्वास्थ्य के शिखर तक पहुॅचता है। परंतु तभी वहॉ, तीनों चक्रों की, पूरी तरह से एक गुच्छे में, गिरावट आई और उसका परिणाम ये था कि मुझे अस्पताल में ले जाना पड़ा, वास्तव में, उसके बारे में, मै जितना सोचना चाहता हूॅ, उसकी तुलना में अधिक दर्द के साथ एक बहुत बीमार आदमी। तब मैं, जबतक कि चक्र पूरा नहीं बदला, अस्पताल में रुका और उसने मुझे अच्छा अनुभव करने की इजाजत नहीं दी, इसके बाद, मैं फिर बाहर आया।

पूरे जीवन में इस प्रकार के चक्र होते हैं, और यदि आप जानते हैं कि उनका लेखा कैसे किया जाये। न केवल ये, बल्कि यदि आप जानते हैं कि विश्व की घटनाओं का चक्र कैसे पता किया जाये, इस देश को क्या होने जा रहा है, उसको क्या होने जा रहा है, अगली हत्या किस प्रकार के व्यक्ति की होने वाली है, और ये नटखट, छोटे रूसी लड़के, विश्व के संतुलन को गड़बड़ाने के लिए, क्या करने वाले हैं। तरस आता है कि रूसी लोग अज्ञात डर से इतने डरे हुए हैं, क्योंकि वे, हमेशा (इस विचार के प्रति) धनात्मक होने के साथ, कि दूसरा हर एक, उन गरीब, नाचीज रूसियों के खिलाफ है, अपने लिये अत्यधिक रूप से मुसीबत पैदा कर लेते हैं, जबकि वास्तव में, अधिकांश समय में, लोग, रूसी लोगों के लिए, दो ऊॅची आवाजों (hoots) की भी परवाह नहीं करते। यद्यपि जैसा कि मैं अपनी कीमत के आधार पर जानता हूॅ, वे काफी खराब नाटक करते हैं।

क्या ये बहुत आनन्ददायक चीज नहीं होगी कि यदि हम, अपने प्रभुओं और स्वामियों, जो लोकतांत्रिक शासन रूप में चुनी हुई सरकार प्रदर्शित करते हैं, को वैश्विक घटनाओं और हम, आयकर में बृद्धि, या आयकर में कमी, ओह! अद्भुत घटना, की, कब अपेक्षा कर सकते हैं, को दिखाने वाले, ठीक आलेख तैयार कराने के लिए कह सकें। यद्यपि पश्चात्वर्ती असम्भव दिखाई देता है। सरकारें, करों इत्यादि को बढ़ाने के लिए, हमेशा कीमतों को ऊपर ले जाने की इच्छुक दिखाई देती हैं, परंतु वे कभी भी उनको घटाने के रूप में, पैबन्द लगाने का प्रयत्न नहीं करतीं, क्या वे करती हैं? इंग्लैण्ड में, आयकर जैसी चीज, मैं विश्वास करता हूॅ, 1914 से 1918 तक की अवधि में, विश्वयुद्ध में, राजकीय बचाव का अधिनियम (Defence of the Realm Act; DORA), जैसे पदों के अन्तर्गत ही आया है, ये मात्र एक अस्थाई उपाय था, जिसको बाद में, युद्ध समाप्ति के पश्चात, निरस्त कर दिया जाना था। ठीक है, अब, यहॉ कनाडा में, और वैसे ही संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) में, देश की सरकार, एक बेहद बड़ा

कर लगाती है, और तब प्रान्त या राज्य की सरकारें, साथ–साथ एक बड़ा टैक्स लगाते हुए, उसमें से अपना भाग ले लेतीं हैं, और कुछ स्थानों में एक तीसरा आयकर भी होता है, वह, जो पैसे के भूखे शहर द्वारा लगाया जाता है। ये मुझे एक लेखक के, जीवनों के प्रकार की याद दिलाता है; सबसे पहले वह एक या दो एजेंटों को कमीशन देता है, तब वह उस देश को, जो कि पुस्तक को प्रकाशित करता है, आयकर देता है और तब वह मुद्रा परिवर्तन की दर के ऊपर धन गंवाता है, जो कभी मेरे माफिक नहीं रहा! और तब फिर उसे कर अदा करना होता है, अपने खुद के देश में, बेचारा गरीब और यदि वह विशेषरूप से दुर्भाग्यशाली है, तो उसे फेडरल टेक्स और तब प्रांतीय कर भी देने होते हैं और यदि यह ''उसका दिन'' नहीं है, तो उसे वैसे ही नगर के कर भी देने होते हैं। उसके बाद वह पा सकता है कि कुछ दूसरे प्रकार का स्कूल कर भी है, क्योंकि, कैथोलिक लोग, कुछ अनजान कारणों से, सरकार की बांहें मरोड़ते हुए दिखाई देते हैं, ताकि वे लोगों से, छोटे कैथोलिक स्कूलों को, शिक्षा की मदद में भुगतान करने के लिए, पैसे को निचोड़ सकें। ये एक भयानक, भयानक विश्व है, क्या ऐसा नहीं है?

परंतु मेरे आदरणीय मित्र, पेडल बोट मोफेट का एक प्रश्न है; पेडल बोट, जहाजों को पसन्द करते हैं, और उसके जहाजों के प्रति प्रेम के कारण ही, मैंने दुबारा से उनका नाम ''पेडल बोट'' रखा है, एक नाम, जिसका वह पूरी तरह से आनन्द उठाते प्रतीत होते हैं। पेडल बोट मोफेट, ईश्वरीय उपहार प्राप्त (gifted), गये–गुजरे जमाने के जहाजों के चलते हुए प्रादर्श, बनाने वाले हैं। मेरी नाराजगी के लिये वह पतवार वाले पुराने जमाने के जहाजों के प्रादर्श, लम्बे समय से बनाते रहे हैं। कुल मिलाकर, उन जहाजों के बारे में, कौन जानना चाहता है, जो एक छड़ी के एक लट्ठे के टुकड़े के साथ, जिसे मस्तूल कहते हैं, एक कपड़े को बांधते हुए, मात्र लकड़ी के ढेर हैं? सभी अच्छे प्रारूप बनाने वाले, पैर से चलने वाली नावों, या पुराने अच्छे भाप के जहाजों के प्रादर्श बनाते हैं, इसलिए अपने नये नाम से दागे गये पेडलबोट मोफेट, अब एक पेडल बोट बनाने में व्यस्त हैं।

परंतु वह मेरी सैलेस्टे (Marie Celeste) के बारे में उलझन में हैं। आप सभी, शायद, उसके बारे में, जानते हैं परंतु बाहर यदि चाची अगाथा (aunt Agatha) वहाँ हैं, जो नहीं जानतीं, तो मुझे चाची को ये बताने दें कि मेरी सैलेस्टे (aunt Marie Celeste), पतवार से खेये जाने वाला, एक जहाज है, या था, जो अपने नियमित रास्ते पर समुद्रों में होकर, चलता था और तब एक दिन, या समझो कि एक शाम, एक सामने से आने वाले जहाज ने, मेरी सैलेस्टे को, सभी पतवारों के साथ, जहाज के रुख के साथ चलते हुए, अपनी तरफ आते हुए देखा। परंतु इस पुस्तक की तरह से, वह सांझ (Twlight) थी और जहाजरानी के नियमों के अनुसार, मेरी सैलेस्टे को, अपनी रोशनियाँ प्रदर्शित करनी थीं, परंतु वहाँ कोई रोशनियाँ नहीं थीं, और सामने से आने वाले जहाज पर सवार लोग, उन कई चीजों से, जो मैरी सैलेस्टे के साथ गलत दिखाई दीं, परेशान हुए। इसलिए काफी लम्बी दूरी तक पीछा करने के बाद, जहाज में से कुछ दर्शक लोग, मेरी सैलेस्टे पर चढ़ने और पतवारों को नीचे गिराने में सफल हुए।

तब उन्हें रोमांच (gooseflesh), या ये जो कुछ भी हो, जिसे कि नाविक लोग, जब वे बेहद भयभीत होते हैं, पाते हैं, हुआ, क्योंकि वहाँ मेरी सैलेस्टे जहाज पर, कोई भी नहीं था, विल्कुल कोई भी नहीं, हर चीज पूरी तरह से व्यवस्थित थी, यहाँ तक कि एक अज्ञात रात्रि भोज (dinner) की प्रतीक्षा में, एक मेज के ऊपर खाना भी रखा गया था।

वर्षों, वर्षों तक, अनुमान लगाये गये कि वहाँ मैरी सैलेस्टे पर क्या हुआ होगा। वहाँ हिंसा का कोई चिन्ह् नहीं था, इसलिए क्या हुआ हो सकता है? जीवन नौकायें वहाँ थीं, इसलिए जहाज के नाविकों को, जिसको उन्होंने सोचा था कि ये डूबता हुआ जहाज है, उससे दूर नहीं ले जाया गया होगा। जहाज पूरी तरह से ठीकठाक था, सिवाय इसके कि नाविक बेड़ा वहाँ पर नहीं था, उसमें कुछ

भी खराब नहीं था, और यही सब कुछ है।

वहाँ उस जैसे अनेक जहाज, काफी संख्या में रहे होंगे। सभी जहाज पूरी तरह से सही सलामत थे, परंतु फिर भी वहाँ जहाज पर कोई नहीं था और तब यदि आप मेरी दूसरी पुस्तकों को पढ़ेंगे, तब आप बरमूडा त्रिकोण (Bermuda Triangle)[47] के सम्बन्ध में पढ़ेंगे, जिसमें न केवल, पानी के जहाजों ने अपने जहाजी बेड़े को खोया है, परंतु जहाज खुद भी गायब हो गये हैं। वैसे ही, वायुयान गायब हो गये हैं और कम से कम एक अधिकृत मामले में, रेडियो पर, प्रेतात्माओं के रूप में, भयानक रूप से मंद होती हुई आवाजें सुनी गईं थीं। पेडल बोट मोफिट, ये जानना चाहते हैं कि क्या हुआ था।

ठीक है, समय का एक दूसरा आयाम भी होता है, जो हमारे विश्व के आरपार जाता है। हमारे विश्व के साथ घुला मिला, एक दूसरा विश्व भी है। काफी लोग कहते हैं, ''ठीक है, यदि ऐसा है, तो हम इसे देख क्यों नहीं पाते?'' आप नहीं देख सकते क्योंकि ये अलग आवृति पर है। इसे इस तरह सोचें; मैं नहीं जानता, आपमें से कितने लघुतरंग (short wave) रेडियो में दिलचस्पी लेते होंगे, परंतु आप में से काफी संख्या में, लघुतरंग प्रसारण केन्द्र को सुनने से परिचित होंगे ओह, हमें कहने दें, केवल उदाहरण के लिए, बी.बी.सी. (B.B.C.) 31 मीटर बेंड पर, और तब पाते हैं कि स्टेशन वहाँ से खिसका हुआ दिखाई देता है और बदले में यहाँ, पूजीवादी देशों के खिलाफ अपना दुष्प्रचार करता हुआ, शायद मास्को, द वॉयस ऑफ मास्को, रेडियो होगा, और तब, इससे पहले कि कोई रेडियो मिलाने वाली मूंठ तक, पहुँच सके, खिसकाव फिर से आ जायेगा। क्रन्दन करता हुआ मॉस्को गायब हो जायेगा और बी.बी.सी. वापस आ जायेगा। पूरे समय, वास्तव में, दोनों स्टेशन प्रसारण कर रहे होंगे, परंतु सेट को, एक के लिए ट्यून (tune) किया गया होगा और यदि वहाँ आवृति में परिवर्तन हो, तो बदले में कोई दूसरा आ जायेगा। हम यही चीज दो विश्वों के बीच में पाते हैं, विश्व, एक दूसरे के लिए अदृश्य रहते हैं।

मुझे इसे दूसरी तरह से कहने दें; हम इस विश्व में, एक विशेष प्रकार का प्रकाश देखते हैं, परंतु ये मानते हुए कि हमारा प्रकाश बुझा दिया गया था, और शायद, कुछ और, अवरक्त लाल (infra-red) जला दिया गया तो हम प्रकट रूप से अंधकार में होंगे, परंतु एक व्यक्ति, जो अवरक्त लाल प्रकाश में देख सकता है, स्पष्टरूप से देखने में सक्षम होगा, जबकि वह हमारे प्रकाश में देखने में सक्षम नहीं होगा। इसलिए ऐसे मामले में ऐसा है कि यदि, हमारा विश्व एक आवृति पर है, और हमारा युग्म–विश्व दूसरी आवृति पर है, और उन दोनों के बीच में कोई पारस्परिक प्रतिक्रिया (mutual interaction) नहीं है, इसलिए एक विश्व, दूसरे विश्व के सम्बन्ध में सजग नहीं है, परंतु (उदाहरण के लिए ही) दोनों विश्व, बरमूला त्रिकोण पर आपस में गुथेमिले हों और तब वहाँ थोड़ा सा खिसकाव हो, कोई भी बेचारी आत्मा, खिसकाव के उस बिन्दु पर, शायद पायेगी कि वह एक विश्व में से दूसरे विश्व में फिसल गयी। उसे एक अप्रिय धक्का लगेगा, क्या नहीं लगेगा? दूसरा विश्व, इस विश्व का युग्म है, इसलिए जब वह जहाज को, दूसरे विश्व के अवरोध बेरियर के ऊपर, खे रहा है या तैर रहा है, वह इसी प्रकार के विश्व में, और उस विश्व की ऐसी ही स्थितियों में होगा परंतु वह भाषा नहीं जानता होगा, वह उतनी अच्छी तरह देख भी नहीं पायेगा, वह पा सकता है कि वह लगभग देख रहा था, मानो कोई सांझ के अंधेरे में देख रहा हो, ओह, मैं इस विश्व से बाहर नहीं जा सकता, क्या मैं जा सकता हूँ?

---

47 अनुवादक की टिप्पिणी : बरमूडा त्रिकोण (Bermuda Triangle) बरमूडा त्रिकोण जिसे शैतान के त्रिकोण (devil's Triangle) के रूप में भी जाना जाता है। उत्तर पश्चिम एटलांटिक का एक क्षेत्र है। जिसमें कुछ विमान और सतही जहाज गायब हो गये हैं। कुछ लोगों का दावा है कि गायब होने की बातें मानव त्रुटि या प्रकृति के कार्यों की सीमाओं के परे हैं, और इन घटनाओं को भौतिकी के नियमों का निलंबन, या भूमि से परे के प्राणियों की गतिविधियों से सम्बंद्ध, तथा अपसामान्य (paranormal), बताया गया। कुछ लोग इस त्रिकोण का आकार फ्लोरिडा के जलडमरूमध्य, बहामास से अजोरिस तक पूरे कैरेबियन द्वीप को और पूरे एटलांटिक को घेरे हुए बताते हैं, जबकि कुछ दूसरे लोग, इसमें मेक्सिको की खाड़ी (Gulf of maxico) को भी शामिल कर लेते हैं। 11 अक्टूबर 1492 को, सबसे पहले क्रिस्टोफर कोलंबस ने, इस सम्बंध में दुनियाँ को बताया था। कुछ लोग बरमूडा की घटनाओं को उड़नतश्तरियों से जोड़ते हैं। 1872 में मेरी सेलेस्टे (Mary Celeste) नामक जहाज के रहस्यमय ढंग से लापता हो जाने का मामला, अस्पष्ट रूप से त्रिभुज से जुड़ा माना जाता है।

परंतु आप विश्वस्त रहें कि (यदाकदा) दूसरे विश्व से भी, इसी प्रकार लोग यहॉं आ जाते हैं। वास्तव में, मैं एक सुनिश्चित अधिकृत प्रकरण में जानता हूँ, जो अर्जेन्टाइना में घटित हुआ, चूँकि मैं उस समय पास में ही था परंतु वह एक दूसरी कहानी है। इसलिए, पेडल बोट मोफेट, मेरी सैलेस्टे और दूसरे जहाज, अभी भी खेहे जायेंगे, यदि वे सीमा के ऊपर होकर गुजरे, परंतु ये भी हो सकता है कि मेरी सैलेस्टे के मामले में, जहाजी बेड़े को, किसी उड़नतश्तरी के द्वारा, या किसी दूसरे जहाज के द्वारा, जो अवरोध के दूसरी तरफ रहा हो, जॉच के लिए ले जाया गया हो। कुछ भी सम्भव है, और दूसरे जहाजों के मामले में, दोनों हो चुके हैं।

अध्याय दस

मैं अपने पुराने, छोटे, ट्रांजिस्टर रेडियो का उपयोग करते हुए, एक राष्ट्र की दुखान्तक घटना (tragedy) के विषय में सुनता रहा हूँ, और मैं इस सब दुखद घटना से अभी–अभी उबरा हूँ। वास्तव में, जिस समय तक आप इस पुस्तक को पढ़ रहे होंगे, खबर पुरानी हो जायेगी, सम्भवतः अगला राष्ट्राध्यक्ष भी छोड़ चुका होगा। आजकल, मुझे बिलकुल भी आश्चर्य नहीं करना चाहिये। परंतु, मैं एक राष्ट्र की दुखान्तक घटना के बारे में सुनता रहा हूँ। दुखान्तक, रिचार्ड निक्सन (Richard Nixon) के कृत्यों के बारे में नहीं है। रिचार्ड निक्सन; मैं कहूँगा, कोई संत नहीं है, वास्तव में, मुझे कल्पना करनी चाहिए कि वह सिर पर, बहुत आसानी से सींग उगा सकता है और तब उसके उसके कंधों पर, पंख भी उगेंगे परंतु रिचार्ड निक्सन ने काफी भला भी किया है, और मेरे सोचने के ढंग के अनुसार, उसने दूसरे कुछ लोगों, जो संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति रहे हैं, की तुलना में कोई अधिक नुकसान नहीं पहुँचाया।

अमरीका की दुखान्त घटना, राष्ट्रपति की दुखान्त घटना नहीं है, बुरी बात यह है कि प्रेस ने, प्रेस के बुरे आदमियों ने, ये पूरा कष्ट पैदा किया है, और मैं नहीं समझ सकता, क्यों? कल्पनाशील, पागल लोग, इस प्रेस को सहन करते हैं। प्रेस के ऊपर अंकुश लगाने के लिए, निश्चितरूप से, सेंसरशिप होनी चाहिए परंतु इसके प्रति कठोर होने के लिए, किसी भी राजनेता में, इसको लागू करने या शायद इसका सुझाव भी देने के लिए, इतने हुनर (guts) नहीं हैं।

मैं अच्छी तरह जानता हूँ कि झूठा प्रेस, किस प्रकार से जाली ''साक्ष्य'' बना लेता है, और तब प्रेस, किसी व्यक्ति पर दोषारोपण करता है, उसकी जॉच करता है, और बिना किसी किंचिन्मात्र वास्तविक दोष के, सम्बन्धित व्यक्ति की निंदा करता है।

मैं ये नहीं कह रहा कि राष्ट्रपति निक्सन भोले थे, न केवल राष्ट्रपति निक्सन, वल्कि अधिकांश ताकतवर लोगों को, उन शक्तिशाली आश्चर्यजनक सफाई करने वाले मिश्रणों से, जो इतनी सरलता से विज्ञापित किये जाते हैं, धुला हुआ हिम–श्वेत (snow white) दिखाया जायेगा, कोई बात नहीं, कितनी बार उन्होंने शराब में डुबकी लगाई, परंतु वह उतने बुरे नहीं थे, जितना कि उन्हें प्रेस के द्वारा पोत दिया गया, और मैं यहाँ तक कहना चाहूँगा कि दूसरे राष्ट्रपतियों ने जो किया है, उसकी तुलना में, उन्होंने कोई बुरी चीज नहीं की है। राष्ट्रपति निक्सन के दृष्टिकोण को, मैं पूरी तरह से समझता हूँ, और मैं उन्हें एक पूर्ण साधारण सामान्य लीक पर चलने वाले अमरीकी राष्ट्रपतियों में वर्गीकृत करना चाहूँगा।

प्रेस को, जैसा कि चर्च को दिया जाता है, राजनीति में हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है। मेरे लिए ये हमेशा आश्चर्य का स्रोत होता है कि आयरलैण्ड में, उदाहरण के लिए, एक बाइबिल के पक्के झूठ बोलने वाले ने, प्रतिक्रियावादियों में से एक होने के प्रयास में, अपने व्याख्यान पीठ (lecturn) को छोड़ दिया या पादरी के आसन को उड़ा दिया। उस आदमी का क्या नाम है? मेरा ख्याल है, पेसले (Paisley), परंतु यदि एक आदमी पूरी तरह से, पवित्र–क्रम (holy-order) में जाता है, तो वह अचानक प्रतिक्रियावादी आदेश देना कैसे प्रारम्भ कर देता है?

बूढ़ा मकारियोस (Makarios), साइप्रस से इतनी तेजी से दौड़ा कि उसे कोई पकड़ नहीं सका, उसके साथ, आप यही बात पायेंगे। एक और दूसरा है, इस बार एक आर्कविशप (Archbishop), और वह प्रतिक्रियावादी (reactionaries) मार्ग में प्रवेश करने के लिये, अपनी पवित्र शिक्षाओं को भूल गया और मुझे लगता है कि ये प्रतिक्रियावादी लोग, हत्यारों के गिरोह को छोड़कर कुछ नहीं है। हम सब अपने अपने विचारों के अधिकारी (entitled) हैं, और ये मेरा विचार है। मैं सोचता हूँ कि एक धार्मिक पादरी, जो अपनी पवित्र शिक्षाओं को भूल जाता है, और भीड़ में से, एक रायफल को झपटने के लिए, शिकायत भरे अंदाज में भाग उठता है, उसे चर्च के पादरी के पद से हटा दिया जाना चाहिए। न केवल उसे पादरी के पद से हटा दिया जाना चाहिए, वल्कि उसका दोषमार्जन (debugging) किया जाना चाहिये। दोषमार्जन करना, एक अच्छा, पुराना, अंग्रेजी शब्द है, इसलिए अमरीकी पाठकों के लिए मुझे कहने दें, कि उसे अपने पेंट में, अन्दर की ओर से छील दिया जाना (peeled from inside his

pants) चाहिए!

मुझे, प्रेस के द्वारा, काफी कुछ उत्पीड़न (persecution) झेलना पड़ा, और मैं यद्यपि सत्यतापूर्वक नहीं कह सकता मैं विश्व में किसी से भी उतनी घृणा करता हूँ, जितनी मैं प्रेस से घृणा करता हूँ। मैं शैतान और उसकी दादी के साथ हाथ मिलाना चाहूँगा, क्या शैतान की दादी है? तब मैं प्रेस के किसी आदमी से हाथ मिलाऊँगा क्योंकि, ये लोग पूरी तरह से सत्यतापूर्वक, पृथ्वी की गाद हैं, मैल हैं, कोई उनको रेडियो पर सुनता है और कोई उनके अहंकारपूर्ण तरीके पर, जिसमें वे लोगों को आदेश देते हैं, थरथराता है, कोई उस तरीके पर थरथराता है, जिसमें वे किसी व्यक्ति को वह कहने के लिए बाध्य करते हैं, जो प्रेस के आदमी उनसे कहलवाना चाहते हैं। और तब, नये पदग्राही गेराल्ड फोर्ड (Gerald Ford), के मामले में, मैंने प्रेस के लोगों को ये कहते हुए सुना कि नया राष्ट्रपति क्या करेगा। ठीक है, यदि प्रेस के लोग इतने महत्वपूर्ण, इतना सब कुछ जानने वाले हैं, तब अमरीका को राष्ट्रपति की आवश्यकता क्यों है? तब क्यों सीनेट (Senate), या कांग्रेस (Congress), या बॉय स्काउट्स (Boy Scouts) या ऐसा ही कोई दूसरा, हर सुबह ये जानने के लिए कि उन्हें क्या आदेश देने चाहिए, प्रेस को फोन क्यों नहीं करता ? प्रेस के लोग, मुझे ऐसा लगता है, मात्र अपढ़, अज्ञानी बेवकूफ लोगों का, एक ढेर है जो किसी की दयनीयता, और एक राष्ट्र के दुखान्त (tragedy) को भी, भुनाने के लिए तैयार हैं। प्रेस को चेचक निकले!

मेरे पास किसी व्यक्ति का एक पत्र है, जो इसे नहीं समझ पाता:

''ठीक है, आपकी पुस्तकों में, और दूसरी पुस्तकों में भी, ये कहा गया है कि विश्व, अक्सर परिवर्तनों के चक्रों जैसे, सभ्यताओं का एक परिवर्तन, में होकर गुजरता है, परंतु यदि ऐसा है, तब दूसरी सभ्यताओं के अवशेष भी होने चाहिए और वे हमें कोई नहीं मिले, इसलिए ये मुझे सोचने को बाध्य करता है कि आप सत्य नहीं बोल रहे हैं। ये मुझे इस विश्वास की ओर ले जाता है कि बाइबिल सही है और संसार केवल लगभग तीन या चार हजार वर्ष पुराना है।''

ये आदमी प्रेस का होना चाहिए! परंतु कैसे भी, एक क्षण के लिए मान लो कि आप, किसी किसान के खेत में घूमती फिरती एक चींटी हैं। ठीक है, आप बड़े बादलों को दूर से आते हुए देखते हैं और चूँकि आप एक बुद्धिमान चींटी हैं, आप, उतनी तेजी से, जितनी से कि आप भाग सकते हैं, समीपवर्ती पेड़ तक भाग जाते हैं और आप सभी, छै या आठ, या जो कुछ भी हों, टांगों से उस पेड़ पर चढ़ जाते हैं। तब आप, नीचे की अपनी दुनियॉ का, एक प्रथम श्रेणी दृश्य पाते हैं। किसान अपने ट्रैक्टर की छुकछुक की आवाज रोक देता है और उतर जाता है और खेत की तरफ उसका दरवाजा खोलता है, तब वह ट्रेक्टर पर वापस जाता है और दरवाजे को बंद करता है और खेत में अंदर आता है। तब अपने सिर को थोड़ा खुजाने के बाद, एक सिगरेट जलाता है, और हल, जो ट्रेक्टर के पीछे, रस्सी से बंधे हैं, उन पर जोर से थूकता हुआ, अटकअटक कर चलता है। और तब आपका संसार क्या था, आपके संसार की चिकनी सतह, सुंदर हरी घास और अच्छी खरपतवार के साथ, बरबादी की अवस्था में आ जाती है। किसान हल जोत रहा है। वह जोतता जाता है, जोतता जाता है, वह और भी गहराई से जोत रहा है, इसलिए आपके संसार की पूरी सतह, जो वह खेत है, टूट जाती है और अंदर की मिट्टी निकलकर सतह पर आती है और हर चीज पूरी तरह से गड़बड़ा जाती है। आपके मित्र, चींटियों की कॉलोनी में, हमेशा के लिए गायब हो जाते हैं। हल के ब्लेडों में से एक ने, उसको बहुत अधिक निर्णायक ढंग से देखा। चींटियों की कॉलोनी, नीचे की तरफ, औंधी होकर धसक गई, और तब वर्षा के कारण, मिट्टी का बड़ा पिंड, उन पर गिर पड़ा और उसके बाद, हल के अंत में लगी हुई ब्लेड जैसी एक चीज ने, उनमें से, उस मरी हुई चींटियों की कॉलोनी को शामिल करते हुए, जमीन में होकर पट्टियॉ बना दीं और सभी किनारे, और अधिक गुफायें बन गये। ट्रेक्टर के पिछले पहिये ने, खेत में होकर दुबारा गुजरने पर, हर चीज को नीचे, गहरा दबा दिया।

ठीक है, आप इस विश्व की अंतिम चींटी, कंधे हिलाते हुए डर के साथ याद करें, कि विश्व आपका खेत है। हर चीज ने एक नया रुख ले लिया है। यहॉ मिट्टी के ऊँचे–ऊँचे टीले हैं, जहॉ पहले एक सपाट जगह, और शायद घास होती थी, वहॉ अब ऐसी कोई चीज नहीं बची है, जिसे आप जानते हों। आप नहीं जानते कि एक चींटी, कितना लम्बा जीती है, परंतु यदि आपको लम्बा जीवन दे दिया जाये, तो आप हवाओं और बरसातों को, मिट्टी को पीटते हुए, जुती हुई मिट्टी को नीचे गिरते हुए देखेंगे, जबतक कि हर चीज, फिर से सपाट न हो जाये परंतु इसके पहले, शायद, किसान या उसका लड़का, बीज बोने वाले एक दूसरे उपकरण सीडर (seeder) के साथ, जो पृथ्वी को उलटपुलट कर देता है और बीजों को पूरे स्थान पर बिखरा देता है, आयेगा और उस बीज बोने के पीछे, चिड़ियों का झुण्ड आयेगा। इसलिए आप, बेचारी चींटी, अच्छा होगा कि अपनी पूंछ को कड़ाई से नीचे दबाये रखें, अन्यथा आप उसे खो बैठेंगी।

परंतु यह है, जैसे चीजें, इस पृथ्वी पर चलती हैं। हम पृथ्वी पर (के लोग), इसे शक्तिशाली सभ्यता कहते हैं, उदाहरण के लिए, न्यूयॉर्क; (क्या ये वाटरगेट (watergate) कांड[48] के बाद भी, शक्तिशाली है?) ये मानते हुए कि चक्र का अंत आ चुका है, काफी भयानक भूकम्प आयेंगे, बड़े–बड़े जो आपने कभी सम्भवतः स्वप्न में देखे होंगे, उससे भी अधिक बड़े भूकम्प, और आप उनके बारे में ये सोच भी नहीं पायेंगे क्योंकि आप उनमें जीवित नहीं रहेंगे। भूकम्प, पृथ्वी में दरारें पैदा करेंगे और इमारतें गिर जायेंगी, दरारें शायद, पृथ्वी के अंदर लगभग आधा मील नीचे और चौड़ी होंगी, और सभी भवन, जो न्यूयॉर्क में थे, गिर जायेंगे। तब पृथ्वी फिर से समाप्त होगी और उसमें थोड़ी सी झुर्रियॉ होंगी, और समय के अंतराल में, उस शक्तिशाली सभ्यता का कोई पता ठिकाना नहीं होगा।

जलधारायें, अपना मार्ग बदल लेंगी, हडसन (Hudson)[49] पृथ्वी में गायब हो जायेगा, समुद्र, पृथ्वी के विभिन्न भागों पर फैल जायेंगे और शायद, न्यूयार्क के स्थल, समुद्र के किनारे बन जायेंगे, और न्यूयॉर्क की हर चीज, जिसे आप जानते थे, गायब हो जायेगी।

हालॉकि, ये कहना सत्य नहीं है, कि हर चीज, बिना अपनी पहचान छोड़े, हमेशा के लिए गुम हो जाती है, और हमेशा ऐसा ही होता है, क्योंकि गहरी खदानों में काम करने वालों से अनेक दिलचस्प सूचनायें प्राप्त हुई हैं। शायद, वे कोयले के लिए खोदते रहे हैं, और अपनी खदान की काफी गहराइयों में, नीचे, उनके सामने (और ये सत्य है) कोयले में दफनाई हुई एक आकृति पड़ी, एक आकृति, जो पन्द्रह फुट लम्बी हो सकती है। एक और चीज, कुछ निश्चित पुराकलाकृतियॉ (artefacts), उनके सामने आ सकीं, और वहॉ ऐसी पुराकलाकृतियॉ पाई गईं और अजायबघर में रखीं गईं थीं; पृथ्वी पर चक्र और चक्र ही चलते रहे हैं। यदि आप एक खेत में जायें, और खेत के आरपार जमीन को देखें, आप नहीं कह सकते कि वहॉ दस साल पहले किस प्रकार की फसल उगाई गई थी, क्या आप कह सकते हैं? आप नहीं कह सकते कि वहॉ बीस साल पहले, पॉच साल पहले, एक साल पहले भी, किस

48 अनुवादक की टिप्पिणी : अमेरिका का वाटरगेट (Watergate) कांड, 1970 के दशक में होने वाला, एक बड़ा राजनीतिक कांड था। प्रेसीडेंट निक्सन के प्रशासन ने, 1972 में, डेमोक्रेटिक कमेटी के मुख्यालय पर, वाटरगेट ऑफिस कॉम्प्लेक्स, वाशिंगटन डीसी में, हुए इस कांड में, अपनी भागीदारी से बचने का भरसक प्रयास किया। परन्तु अमेरिकी कांग्रेस की जॉच के परिणामस्वरूप, जब षणयंत्र खुला और निक्सन प्रशासन ने अपने बचाव के लिये प्रतिरोध डाला, तो एक संवैधानिक संकट उत्पन्न हो गया और 'वाटरगेट' शब्द, एक प्रकार से, निक्सन प्रशासन के द्वारा की गईं, अवैध गतिविधियों का पर्याय बन गया। इसमें राजनीतिक विरोधियों के कार्यालयों की जासूसी शामिल थी। इसमें निक्सन प्रशासन द्वारा, Fedral Bureau of Investigation (FBI), Central Intelligence Agency (CIA), Internal Revenue Service (IRS) का खुला दुरुपयोग किया गया। इसमें निक्सन प्रशासन द्वारा सत्ता शक्ति के अनेक दुरुपयोग सामने आये, जिसके कारण निक्सन को पदत्याग करना पड़ा। तब से, न केवल अमेरिका में, बल्कि विश्व के दूसरे भागों में भी, वाटरगेट या गेट शब्द, राजनैतिक और गैरराजनैतिक स्कॅंडलों के पर्याय बन गये हैं।

49 अनुवादक की टिप्पिणी : हडसन (Hudson) हडसन नदी, संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यू यार्क प्रांत के पूर्वी हिस्से में बहने वाली एक नदी है। अपने दक्षिणी छोर से ये नदी न्यू यार्क और न्यू जर्सी प्रांतों की सीमा को बनाती है। इस नदी का नाम, इसको खोजने वाले, हैनरी हडसन के नाम पर पड़ा है। हैनरी हडसन एक अंग्रेज थे, जिन्होंने नीदरलैंड से शुरू की गयी समुद्री सात्रा के अंतर्गत, इस नदी को खोज निकाला था। हडसन नदी की लंबाई, 315 मील या 505 किमी है, जो उत्तर से दक्षिण की ओर बहती है और न्यूयार्क शहर और जर्सी शहर के बीच, एटलांटिक महासागर में गिरती है। इसी के नाम पर, हडसन खाड़ी, कनाडा में है।

प्रकार की फसल थी, क्योंकि हर चीज को जोत दिया गया। शायद, किसान, जिसने पृथ्वी को जर्जर कर दिया गया था, ने बहुत अच्छी फसल उगाई थी, इसलिए वह जमीन पर हल चलाता है, और उसे एक साल के लिए वहॉ रहने देता है। इसके बाद वह फिर हल चलाता है और एक भिन्न फसल को उगाता है, और ऐसा चलता जाता है। पृथ्वी पर भी, भूचालों के द्वारा हल चलाया जाता है और भूकम्पों के बाद बाढ़ें और आंधी तूफान आते हैं, जो ऊपर की मिट्टी को उड़ा देते हैं, और हर चीज को चिकना, सपाट कर देते हैं, और ये सुनिश्चित करते हैं कि यहॉ कोई चिन्ह न रह जाये, जो पहले था।

इसलिए नौजवान, आप जो मुझे लिखते हैं और बताते हैं कि मैं सत्य नहीं बता रहा हूँ, आप अपनी गर्दन के पीछे से बात कर रहे हैं (talking through the back of your neck) [50]। आप इस सबके बारे में, पहली चीज नहीं जानते, इसलिए जितना जल्दी आप मेरी सभी पुस्तकों को पढ़ लेंगे, और उस पर विश्वास करेंगे, आपके लिए उतना ही अच्छा होगा।

मेगोटोरियम, टोड्सविले (Maggotorium, Toadsville) से, श्रीमती मेरी मेकमेगट (Mrs. Mary MacMaggot) जडीबूटियों की एक महान फनकार हैं। वह पक्के तौर पर विश्वास करती हैं कि लोगों को, जो रसायनों का उपयोग करते हैं, और उसका आशय है, रासायनिक दवायें, और उसी प्रकार का दूसरा सामान, अपने मस्तिष्कों की जॉच करा लेनी चाहिए; श्रीमती मैरी मेकमेगट, पूरी तरह से स्वीकार करती हैं कि आप केवल जड़ीबूटियों से ही अच्छे हो जाते हैं। वह सोचती हैं कि शेष गोलियॉ, पोशन, आसव और अवलेह, मल्लम और लोशन, दवाई निर्माताओं की, धन पैदा करने की युक्तियॉ मात्र हैं।

वास्तव में, सामान्यतः, दवाओं, जो हम जड़ीबूटियों से पाते हैं और जो कारखानों में बनाई जाती है, के बीच कोई अंतर नहीं है। आप जानते हैं कि ये सब कैसे होता है, क्या आप नहीं जानते?

ठीक है, अपने एक उदाहरण के रूप में, हम एक जड़ीबूटी लें, जिसमें लोहे की प्रचुर मात्रा है। अब, उस पौधे में लौहा पैदा नहीं होता, बशर्ते कि शुभेच्छु प्रकृति, जो ये जानती है कि किसी समय में, श्रीमती मैकमेगट को लोहे के एक टॉनिक की आवश्यकता पड़ेगी, उसे उपलब्ध न कराती। लोहा जमीन से आता है, और मैं आपको सलाह देने वाला हूँ कि आप चीजों को कुछ इस तरह से देखें; सभी पौधों में सैल्यूलोज (cellulose) होता है, ये सैल्यूलोज के स्पंज (sponge) की भॉति है, और स्पंज की कोशिकायें, पौधे की जीवनदायिनी सामग्री से भरी रहती हैं; एक प्रकार से सेल्यूलोज, पौधे को समर्थित करने वाली एक आकृति की भॉति, हड्डियों के ढ़ांचे की शक्ल का होता है। इसलिए ये विशिष्ट पौधा, जिसकी हम जॉच कर रहे हैं, ऐसी जमीन का बड़ा हिमायती है, जिसके अंदर जबरदस्त लौह–अयस्क (iron-ore) घटक है। ये ऐसी परिस्थितियों में अच्छी तरह उगता है, और दूर दूर तक फैली हुई पौधे की जड़ों से लौह–अयस्क अवशेषित किया जाता है, और तब उसे पौधे के भोजन के रूप में लिया जाता है और पौधे की सभी सेल्यूलोज कोशिकाओं (cells) को भेज दिया जाता है। वहॉ वह उन गव्हरों (cavities) में वैसे ही रहता है, जैसे कि कोई आदमी, एक स्पंज से, गंदे पानी से पौंछा लगाता है, और तलछट, स्पंज की कोशिकाओं में भरती हुई, जमा हो जाती है। ठीक है, इसके साथ ही जड़ीबूटियों का एक जानकार आता है, लौहा धारण करने वाले मुट्ठी भर (handful) पौधों को इकट्ठा करता है, और उन्हें कुचल देता है, शायद वह उनमें से एक काढ़ा बनाता है, शायद वह उन्हें कुचल कर मिला देता है, परंतु कैसे भी, वह एक बेस्वाद सा (unsavoury), चिपचिपा पदार्थ (goo) पाता है और सामान को निकाल लेता है। यदि वह सौभाग्यशाली हुआ, और उसने पौधे के ऊपर, जो लौह–अयस्क को अच्छी मात्रा में पाने में सफल हुआ था, पकड़ बनाई तब वह इसके बारे में अच्छा अनुभव करता है, परंतु यदि उसे बांझ (barren) प्रकार का पौधा मिला, तब वह कुछ शरारती शब्द कहता है और गोलियों की

50 अनुवादक की टिप्पिणी : 'गर्दन के पीछे से बात करना' (talking through the back of your neck) असल में एक वाक्यांश है, जो (talking through the back of your ass) का एक परिष्कृत रूप है, जिसका अर्थ है, किसी सम्बन्ध में जानकारी विलकुल नहीं होने पर भी, अनुमान से कुछ भी अर्थ लगाना। हिन्दी में, 'जाने न ताने, अपनी चलावे' या 'भुस में लट्ठ मारना' इसके समतुल्य हो सकते हैं।

ओर चला जाता है।

दवाईयॉ बनाने वाले सभी बड़े घराने, अपने शोध दलों को, पृथ्वी के आकर्षक भागों, जैसे कि ब्राजील के आंतरिक भागों में, भेजते हैं। शोध करने वाले लोग, वहॉ, उन सभी प्रकार के पौधों को पाते हैं, जो शायद पृथ्वी पर अन्यत्र नहीं होते, क्योंकि ब्राजील, अपनी प्राकृतिक सम्पदा के लिए, यथार्थरूप में, एक आश्चर्यजनक, आश्चर्यजनक देश है।

पौधों का सावधानीपूर्वक चयन किया जाता है, उनके फोटोग्राफ लिये जाते हैं, जॉच की जाती है, और तब उन्हें पुलिंदा बनाया जाता है और शोध प्रयोगशालाओं को भेजा जाता है, जहॉ सूचनाओं, जो वहॉ के स्थानीय निवासियों, शायद एक देशी ओझा से, जो इस या उस जड़ीबूटी का बांझपन, या हड्डियों के जोड़ों का इलाज करने के लिए, या वैसा ही कुछ दूसरा उपयोग करता है, से प्राप्त की गई थीं, के प्रकाश में, उनकी फिर से जॉच होती है। ठीक है, देशी ओझा अक्सर ठीक होते हैं, उन्हें पीढ़ी दर पीढ़ी, निर्देशित करते हुए, अनुभव मिले हुए हैं, इसलिए आप सुनिश्चित कर सकते हैं कि यदि वे कहते हैं कि अमुक पौधा, इस या उस बीमारी के लिए ठीक है, वे पूरी तरह से सही होते हैं।

शोध करने वाले दल, पौधों को तोड़ ड़ालते हैं, उनका विश्लेषण करते हैं, उनको अर्कों (essences) के रूप में बनाते हैं, उनको रवे के रूप में बनाते हैं, और उनमें वे पौधे के सम्बन्ध में, हर चीज को, कि ये किससे बना है, और इसने क्या स्राव किया था और शेष सब कुछ, अलग अलग प्राप्त कर लेते हैं और बारबार दुहराये जाने के साथ, ये मामला हो सकता है कि वे किसी विशेष रसायन, जो उन ओझा डॉक्टरो के द्वारा दावा किये गये इलाजों के लिए उत्त्तरदायी है, को उसमें से अलग कर सकें। तब उस रसायन के और अधिक विश्लेषण के बाद, वे इसकी ठीक ठीक नकल बनाते हैं। इसलिए हम पौधे का रसायन, मनुष्य द्वारा बनाई गई चीज,प्रयोगशाला के रसायनों के रूप में, मात्र नकल करते हैं, और जड़ीबूटियों के रसायनों की तुलना में, मनुष्य द्वारा बनाई गई चीज का बड़ा लाभ ये है, चूँकि जड़ीबूटियों के रसायनों में, उनके प्रबलित करने की कोई विधि नहीं होती, वहॉ शायद कोई नहीं भी हो सकती है। परंतु यदि कोई चीज नकल की जाती है, और प्रयोगशाला में बनाई जाती है, तब कोई, हर समय, इसकी पूरी तरह से एकदम सही खुराक को बता सकता है।

मैं, विशेषरूप से, क्यूरारे (curare)[51] के बारे में सोच रहा हूॅ। अमेजन के किनारे वाले, ब्राजील के लोग, जो स्वयं को भारतीय कहते हैं, क्यूरारे के सत्व का उपयोग अपने वाणों और भालों पर करते थे और यदि वे अपने ऐसे पोते हुए एक तीर को किसी जानवर पर चला दें, तो जानवर वहीं लुढ़क जाता है, उसे लकवा मार जाता है परंतु, इसमें काफी कुछ, मारो या चूको (लगा तो तीर, नहीं तो तुक्का) (hit or miss) जैसी बात है, क्योंकि फिर से, किसी जड़ीबूटी में, जो जमीन पर पैदा होती है आप अपनी खुराक (dosage) को सुनिश्चित नहीं कर सकते। वर्षों पहले ये पाया गया था कि क्यूरारे, शल्यक्रिया की मेज पर, किसी मरीज को लकवा मार जाने के लिये, और उसकी मॉसपेशियों को शिथिल करने में, शल्य चिकित्सकों के लिए उपयोगी थी। परंतु जब (मरीज को) जड़ीबूटी दी गई तो परिणाम अनिश्चित थे। या तो वह बेचारा मर गया, अथवा, अक्सर उसे प्रभावित होने के लिए पर्याप्त तीव्र खुराक नहीं मिली। अब चूँकि क्यूरारे नाम की दवा कृत्रिम रूप से बनाई जाती है, इसमें कोई जोखिम नहीं है, क्योंकि सभी अवसरों पर, एक एकदम सही खुराक मिलती है। इसलिए, श्रीमती मैरी मेकमेगट, ये अच्छी चीज है कि, हमें कारखानों में बनी हुई रासायनिक दवायें मिलती हैं, जो हमें मरीज के लिये लिखे जाने

---

51 अनुवादक की टिप्पिणी : क्यूरारे (Curare) का उपयोग, दक्षिणी अमेरिकी जनजातियों द्वारा, लकवाग्रस्त कर देने वाले विष के रूप में किया जाता था। क्यूरारे में बुझाये गये बाण लक्ष्य पर मारे जाते थे, जो उसके श्वसनतंत्र की मांसपेशियों के संकुचित कर देता है। इसका उल्लेख सबसे पहले 1596 में सर वॉल्टर रेले (Walter Raleigh) ने अपनी पुस्तक (Discovery of The Large, Rich, and Beautuful Empire Of Guiana) में जहरीले पेड़ों का सर्वप्रथम उल्लेख किया था। क्यूरारे (curare), एक विषाक्त अल्केलॉइड (alcaloid) है, जो भूमध्यरेखीय दक्षिणी अमरीकी पेड़ों में पाया जाता है। ये तनावग्रस्त नसों के लिये, प्रबल शिथिलकारी है। असल में इसके प्रभाव से किसी प्राणी की मृत्यु नहीं होती है, और यदि उसकी श्वसन प्रक्रिया को कृत्रिम विधि से फिर चालू कर दिया जाय तो प्राणी को पुनर्जीवित किया जा सकता है।

और खुराकों को एकदम सही तरीके से देने की इजाजत देती हैं। परंतु सोचें कि यदि आपको बाहर जाना पड़े और अपनी खॉसी के ठीक होने से पहले, एक पोंड फेनल (fennel) चबाना पड़े। अब आप थोड़ा सा द्रव ले सकती हैं और पाती हैं कि आपकी खॉसी, वास्तव में, काफी तेजी से अच्छी हो गई।

दूसरा व्यक्ति लिखता है और पूछता है कि मैं, अरब और यहूदी लोगों के बारे में क्या सोचता हूॅ। ठीक है, आपको सच्चाई बताते हुए, मैं उनके बारे में, कोई विशेष चीज नहीं सोचता क्योंकि जबतक वे पृथ्वी पर हैं, अधिकांशतः, वे समान प्रकार के लोग हैं। अरब और यहूदी लोग, वास्तव में, मात्र कुछ वर्षों पहले तक, काफी मित्रवत् थे। अरब, यहूदियों के समुदायों में और यहूदी, अरबों के समुदायों में, आपस में मिले हुए थे, और वे सम्भवतः, काफी समीपी सम्बन्धों में थे। उनके बीच कोई झगड़ा नहीं था, बिल्कुल कोई झगड़ा नहीं। परंतु, आप जानते हैं, जीवन का एक तथ्य है कि, प्रेम और घृणा एक दूसरे के समान, काफी समीप हैं। आपको किसी व्यक्ति से एकदम प्रेम हो सकता है, जो रातों–रात अधिकांशतः घृणा में बदल सकता है। कोई आपका सर्वाधिक कट्टर दुश्मन हो सकता है, और तब इससे पहले कि आप जानें कि क्या हो रहा है, आपको पता लगता है कि आप उसे लगभग प्रेम करते हैं। ऐसा इसलिए है कि सम्बन्धित दोनों लोगों के बीच, रसायन अलग–अलग हैं। ये हो सकता है कि कुछ हद तक, अरबों और यहूदियों ने अपनी–अपनी खानपान की आदतें बदल ली हों, और इसलिए रसायनों का खाया जाना, उनके कम्पनों के विरोध में पड़ता है। यदि किसी व्यक्ति के कम्पन, दूसरे व्यक्ति के कम्पनों के साथ बेमेल हैं, तब हमें घृणाप्राप्त होती है, और कम्पन बहुधा, खाद्य, जो हम खाते हैं, के प्रकार के द्वारा नियंत्रित किये जाते हैं क्योंकि, खाना हमको रासायनिक चीजें देता है, यही कारण है कि अनेक मामलों में, अत्यधिक विटामिन (mega-vitamin) का इलाज, आश्चर्यजनक रूप से काम करता है, जबकि दूसरे मामलों में इसका बिल्कुल कोई प्रभाव नहीं होता। इसलिए कहने के लिए, यदि हम यहूदियों और अरब लोगों का, एक–एक समूह लें और यदि हम उन्हें समान प्रकार की सामग्री खिलायें, शायद, वे एक दूसरे से मिलने लगेंगे और पीठ पीछे, एक दूसरे का गला काटने काप्रयत्न नहीं करेंगे। परंतु मैं काफी बड़ी संख्या में अच्छे अरब लोगों को, जानता हूॅ, और जानता था, और मैं काफी बड़ी संख्या में, भले यहूदियों को भी, जानता हूॅ। दुर्भाग्यवश, मैं एक या दो बुरे लोगों से, वैसे ही मिला हूॅ, परंतु फिर मैं, ऐसे ही, कुछ बुरे बौद्ध लोगों से लोगों से भी मिला हूॅ!

मैं वास्तव में, मुझे एक काम देते हुए, अक्सर, जर्मनी से पत्र प्राप्त करता हूॅ क्योंकि मेरी किताबें जर्मनी में प्रकाशित नहीं हुई हैं, मैं इसमें कोई मदद नहीं कर सकता। जर्मनी में, मेरे खिलाफ, कुछ लोगों द्वारा प्रारम्भ किया हुआ, एक बहुत बड़ा अभियान चलाया गया था, जो ईर्ष्यापूर्ण था, क्योंकि, मैंने तिब्बत के सम्बन्ध में लिखा था, ईर्ष्यालु थे, क्योंकि मैंने तिब्बत के सम्बन्ध में सत्य किताबें लिखीं थीं और इसलिए मेरे विरुद्ध, प्रेस का बड़ा अभियान प्रारम्भ किया गया। परंतु मुझे ऐसा लगता है कि, जर्मन लोग, प्रेमहीन लोग हैं, मुझे ऐसा लगता है कि वे यूरोप के लिए परेशानियॉ पैदा करने वाले लोग हैं, वे इतने अधिक हास्यविहीन, मरे हुए जैसे, और इतने अधिक तर्कपूर्ण होते हैं। इतना अधिक कि मुझे ये निर्णय लेना पड़ा कि मैं अपनी पुस्तकें जर्मनी में प्रकाशित नहीं करूॅगा। मैं इन पढ़े लिखों के सामने खड़ा नहीं हो सकता, और मैंने, अक्सर, लोगों को जर्मनी में लिखा है और मैंने उन्हें अपनी ईमानदारीपूर्ण राय, जो थी कि यदि रूस ने पूरे जर्मनी को अपने कब्जे में ले लिया होता, शायद, वह शेष यूरोप के लिए, अच्छा रहा होता, दी है। यदि आप अटीला दी हुन (Attila the Hun) के समय से पीछे तक, इतिहास में देखें तो आप पायेंगे कि जर्मन लोगों ने, सभी तरीकों से, विश्व में भयानक हलचलें की हैं।

इसलिए श्रीमान् जर्मन महाशय, जो इतने अधिक संकट में हैं, क्योंकि वह जर्मन (भाषा) में, मेरी पुस्तकें प्राप्त नहीं कर सकते, मैं उन्हें जर्मन में प्रकाशित नहीं कराना चाहता, और मैं उनसे दो बार हूट (hoot) की चिंता नहीं करूॅगा, मैं आधे हूट की चिंता भी नहीं करता कि जर्मन लोग इस बारे में क्या

सोचते हैं।

यहॉं एक महानुभाव, मैं निश्चित हूँ कि वह एक पुरुष हैं, वह वैसे ही, लिखते हैं, विश्वास करते हैं, कि लेखक बनना आश्चर्यजनक होना चाहिये। आप कोई काम नहीं करते, आप केवल, सचिवों के अपने स्टाफ, जो हर उस शब्द, जिसे लेखक उच्चारित करता है, पर अटकता है, और तब उन शब्दों को सुन्दर गद्य के रूप में रखने में संघर्ष करता है, जो किसी प्रकाशक को, आश्चर्यजनक रॉयल्टियॉं भुगतान करने के लिए, सम्मोहित कर लेगा, को इमला बोलते हुए, कमरे में टहलते हैं।

ये व्यक्ति सोचता है कि सभी लेखक, लखपति होते हैं, सभी लेखक, प्रथम श्रेणी के टिकिट के साथ, या शायद मुझे कहना चाहिए प्रथम श्रेणी के साख कार्डों (cash cards) के साथ विश्व में उड़ते फिरते हैं, और बेहद तगड़ी, खेलों वाली (sports) या रॉयल्स रॉयस की (Rolls Royce's) कारों को चलाते हैं। क्या आप सोचते हैं कि मैं, उनको जगने के लिए कहने के लिए, एक या दो मिनट ले सकता हूँ? ये सब उतना आसान नहीं है। मेरा विश्वास है कि स्वर्गीय एलगर वैलस (late Edgar Wallace), जो परिवर्तनों के बारे में घंटी बजाता रहा, के पास एक सूत्र था, जो किसी पुस्तक के एक अस्थिपिंजर (ढांचे) की तरह से था, और वह, लगभग छै या सात विभिन्न प्रकार के कथानकों को रखते हुए, जिसके द्वारा उसने पुस्तक के उस ढांचे के ऊपर, विभिन्न नाम, विभिन्न स्थितियॉं (locations) और विभिन्न अपराध लटकाये, और तब वह, कमरे में आसपास, अपने हाथ में, अपने मुॅंह के एक कोने में दबी हुई एक लम्बी सिगरेट पीता हुआ, बोलता हुआ (आपको भी हो सकता है यदि आप उसी समय धूम्रपान करते हों) दो या तीन टंकण करने वाले लिपिकों को हॉंका करता था, ठीक है, ये बड़ी मात्रा पर उत्पादन हुआ। एक औसत, बेचारा, अभागा लेखक, सब कुछ इस तरह नहीं करता। ठीक है, क्या आप जानते हैं कि सत्य पुस्तकों को क्या आवश्यक होता है ? मैं आपको बताता हूँ।

यदि आप एक सत्य पुस्तक लिखने जा रहे हैं, सबसे पहले, आपके पास कुछ सच्चे अनुभव होने चाहिए, आपके पास कुछ भयानक अनुभव, जो आपके ऊपर, जीवन भर के लिये, अमिट छाप ड़ालते हों, होने चाहिए। उदाहरण के लिए, लोग जो बंदी शिविरों में रहे हैं, कभी भी वैसे नहीं हैं, वे पवित्र हैं। अक्सर, अपने अनुभवों के परिणामस्वरूप, उनका स्वास्थ्य खराब हुआ है और खराब होता जा रहा है। इसलिए उन्हें कुछ चीजों की जानकारी है। परंतु तब, उन्हें लिखने में सक्षम होना पड़ेगा, उन्हें अपने अनुभवों का, दिलचस्प तरीके से, हस्तांतरित करने योग्य शब्दों में, बर्णन करने के लिये, सक्षम होना पड़ेगा। यदि वे ऐसा कर सकते हैं, तब उन्हें ये निश्चित होना होगा कि उनके अनुभव ऐसे हैं कि लोग उनके बारे में पढ़ना चाहते हैं।

पुस्तक को टाइप करने के बाद, टाइप की हुई पुस्तक को पढ़ने के लिए, उन्हें एक प्रकाशक प्राप्त करना होता है, परंतु इससे पहले कि, प्रकाशक ऐसी टाइप की हुई पांडुलिपि के ऊपर विचार करेगा, आपको कुछ यांत्रिक अनुशासनों को रखना होगा। आप अभिरुचि रखते हुए प्रतीत होते हैं, इसलिए मैं आपको इसके सम्बन्ध में बताऊॅंगा।

आपको, बिना अत्यधिक त्रुटियों के, कागज के एक ओर टाइप करना होगा, आपको दो पंक्तियों के बीच खाली पंक्ति रखते हुए (doble space), में टाइप करना होगा। आप हर लाइन में दस शब्द गिनेंगे, और एक पेज पर पच्चीस लाइनें, इससे आपको एक पेज पर दो सौ पचास शब्द मिलेंगे। अब मेरी औसत पुस्तक में, एक अध्याय बीस पेज का होता है, जिसका अर्थ है पॉंच हजार शब्द, और सामान्यतः मेरे बारह अध्याय होते हैं, जिनका अर्थ होता है साठ हजार शब्द, और जब आप साठ हजार शब्दों के साथ तैयार हैं, तब आप पाते हैं कि आपने कुछ महत्वपूर्ण चीज छोड़ दी है इसलिए आप थोड़े से अतिरिक्त शब्दों को भी जोड़ लें।

ये बहुत आवश्यक लगता है कि आप अपने अध्यायों को लगभग समान लम्बाई का पायें, क्योंकि, आपकी पुस्तक को तैयार करने में, एक ही आदमी का हाथ नहीं होता, पुस्तक को, कुछ संख्या में टाइप

सैटरों (कम्पोजिटरों) के हाथ में बीच में रखा जाता है, और यदि किसी को छोटा अध्याय मिला और दूसरे को लम्बा अध्याय, तो यूनियन या वैसी ही किसी चीज के साथ, कुछ परेशानी हो सकती है। इसलिए अपने अध्यायों को काफी हद तक समान रखना, अच्छा होगा, एक अध्याय में लगभग पॉच हजार शब्द, शायद, थोड़े से छोटे अध्याय प्रारम्भ में और शायद, थोड़े से छोटे अध्याय अंत में। इसलिए यदि आप ऐसा कर सकें और आपका टंकण पर्याप्त रूप से अच्छा है, तब आपको, उसे पढ़ने के लिए, एक प्रकाशक मिल सकता है, और किसी टंकित पांडुलिपि को पढ़ना, पुस्तक प्रकाशन का पहला चरण है।

किसी पुस्तक को, आपके प्रकाशक को दिये जाने का, एक अच्छा और सुन्दर तरीका है, किसी अभिकर्ता (agent) की सेवाओं का उपयोग करना। मेरे पास, वास्तव में, एक बहुत भला आदमी है। वर्षों तक हम, मात्र अभिकर्ता और ग्राहक (client) ही नहीं रहे हैं, परंतु मैं श्रीमान् नाईट (Mr. Knight) को अपने मित्र की भॉति समझता हूँ। पूरी तरह से ईमानदार व्यक्ति, वह एजेन्टों में नगीना है। स्पष्ट रूप से, यह आवश्यक है कि आपका एजेन्ट ईमानदार हो और आपकी ओर से काम कर रहा हो। प्रतिष्ठान का नाम, स्टीफेन आस्के, 39 विक्टोरिया स्ट्रीट, लंदन, इंग्लैण्ड (Stephen Aske, of 39 Victoria Street, London, England) है, परंतु मैं आपको चेतावनी देना चाहूँगा कि आप किसी कूड़े–करकट को भेजेंगे, तो उसे कभी प्रकाशित होने का अवसर नहीं मिलेगा। तब एजेन्ट को अपनी पढ़ने की फीस देना तर्कसंगत होगा। इसलिए यदि आप साहित्यिक मंशा में परिपूर्ण हैं, लिखने की अत्यधिक उत्कंठा रखते हैं, तब आपको, वापसी डाक का डाकखर्च भेजते हुए, ऐसे किसी एजेन्ट, जैसे कि श्रीमान् नाईट, के सम्पर्क में आने की भली सलाह दी जायेगी, और आप उससे, उसकी सलाह को पूछेंगे कि क्या अमुक अमुक चीज के लिए कोई बाजार है इत्यादि। यदि बाजार है, तो वह आपको वैसा बतायेगा, और वह निस्संदेह रूप से सुझाव देगा कि आप, संक्षिप्त में बताते हुए कि पुस्तक किस सम्बन्ध में होने वाली है, शायद, पॉच हजार शब्दों की एक लघुसंक्षेपिका (synopsis) तैयार करें।

सामग्री को, पहले से लिखे बिना ही, न भेज दें, और किसी एजेन्ट या किसी लेखक से, जबतक कि आपने उसमें पूरी तरह से पर्याप्त डाकखर्च न रखा हो, आपके पत्र का उत्तर देने की अपेक्षा न करें। एजेन्ट को छपाई के लिए, टंकण के लिए, समय के लिए, ऊपरी खर्चों के लिए जैसे कि बिजली और ऊष्मा आदि, अपने घर के करों के लिए, और यदि आपने जीवन की भव्यताओं को देखा नहीं हो, अपने भवन के किराये के लिए, धन व्यय करना पड़ता है, और पर्याप्त डाकखर्च नत्थी करें। आपका सम्भावित एजेन्ट केवल ये कर सकता है, जैसा कि मैं करता हूँ, वह आपकी सामग्री को कूड़ेदान में ड़ाल दे।

एक अच्छा एजेन्ट अमूल्य है। वह दूसरे देशों के प्रकाशकों के साथ भी सम्पर्क करेगा और वह प्रकाशकों को, उचित समय पर भुगतान करने के लिए भी कहेगा, और मेरा विश्वास करें, कुछ प्रकाशक नहीं देते हैं!

परंतु यदि आप सोचते हैं कि आप, लेखन से, एक सौभाग्यशाली बंदे बनने जा रहे हैं, बाहर जायें और एक फावड़ा उठायें और एक भवन निर्माता या वैसा ही कुछ बन जायें। ये वे लोग हैं, जो आजकल पैसा कमाते हैं। लेखक, जबतक कि उसके पास, कहने के लिए कुछ विशेष नहीं है, सामान्यतः, जीवनयापन के लिए भी पर्याप्त नहीं पाता, और वास्तव में, एक भूखा लेखक, एक खतरनाक दृष्टि वाला होता है। लोग मुझे पूछते हुए लिखते हैं कि मैं संगीत में क्या सलाह देता हूँ, लोग, जो आध्यात्मिक और वैसा ही, उठाव देते हुए उठना चाहते हैं। ठीक है, ये इस क्षण, एकदम उचित है, क्योंकि, मुझे अभी, इंग्लैण्ड से एक नौजवान का, एक पत्र मिला है, वह, न केवल, जो कुछ मैंने वर्तमान दिन के ''संगीत'' के सम्बन्ध में कहा, के लिये मुझे डांट लगाता है, वल्कि वह मुझे नमूने, जिन्हें वह अच्छा संगीत समझता है, भेजता है। मेरे पास, कोई रिकॉर्ड प्लेयर नहीं है, इसलिए मेरे एक मित्र ने इसका प्रयास किया, और

स्पष्टरूप से, परिणाम ये हुआ कि अब वह, लगभग मेरा मित्र नहीं बचा क्योंकि संगीत ''जेंगल, जेंगल, बेंग, बेंग (jangle, jangle, bang, bang)'' प्रकार का था। सेंट विचुअस के नृत्य के साथ, एक दूसरे को ढ़कते हुए, कचरा इकट्ठा करने वाले कूडेदानों के ढक्कनों को पीटते हुए, पागल लोगों के जलूस जैसा। मैं आपसे आशा करता हूँ, ऐसे कठोर रॉक रिकॉर्ड्स (hard rock records), मुझे नहीं भेजेंगे। मेरे भगवान! यदि आप ऐसा करेंगे, आप मेरे कुछ मित्रों को गंववा देंगे। इसलिए इससे चेतावनी ग्रहण करें; मेरे पास रिकॉर्ड प्लेयर नहीं है।

मेरा विश्वास है, कि संगीत को शांतिप्रदायक होना चाहिए, ये कुछ वैसी चीज होनी चाहिए, जो अच्छाई की भावना पैदा करती है। उस प्रकार का संगीत, जो कि आपके कम्पनों को ऊँचा उठाता है।

मेरा विश्वास है कि, आजकल, जीवन में, तंत्रिका रोग की अनेक प्रवृतियॉं, अनुपयोगी ''संगीत'' के कारण उत्पन्न होती हैं, क्योंकि आप देखें, कि जब आप संगीत सुनते हैं, उस की सहानुभूति के रूप में, या आप जो कुछ सुन रहे हैं, उसके अनुनादी सुरों (harmonics) के रूप में, आपके खुद के कम्पन, कंपित होते हैं। इसलिए यदि आप परेशान करने वाले जिवे (jive) को काफी मात्रा में सुन रहे हैं (मेरा ख्याल है कि इस चीज को ऐसे ही कहा जाता है) तो आपका खुद का व्यक्तिगत कम्पन, हाशिये पर पहुॅंच जायेगा। मुझे ऐसा लगता है कि, नकली स्टीरियो (imitation stereo) के, अत्यधिक ऊॅंची आवाज के साथ कठोर रॉक (hard rock) उगलने से, वास्तव में, किसी की मनोदशा को अव्यवस्थित करते हुए, तंत्रिकातंत्र (nervous system) की अनेक शिकायतें पैदा होती हैं। इसलिए यदि आप आध्यात्मिक रूप से प्रगति करना चाहते हैं, तो आपको किन्हीं पुराने विद्वानों से सुनना प्रारम्भ करना होगा, निश्चित सुगम संगीत (classical music) में से कुछ, संगीतों में से कुछ, जिसको जवान पीढ़ी नहीं सुनेगी और शायद, जिसको (उसने) कभी सुना भी नहीं होगा, क्योंकि वे समझते हैं कि ''स्थायित्व के साथ'' की जाने वाली हर चीज, उनकी रुचियों के विरुद्ध है।

आजकल हमें रेडियो के साथ भी इसी प्रकार की चीजें मिलतीं हैं; कोई अच्छा संगीत कार्यक्रम सुनने का प्रयास कर रहा है, और यहॉं कम से कम उत्तरी अमरीकी महाद्वीप के ऊपर, हमें मिर्गी जैसी उद्घोषणाओं, कि ब्लॉग्स गोलियॉं, कब्ज से लेकर ठेठों (corns) तक, हर चीज का इलाज करती हैं, के द्वारा टोकाटोकी की जाती है। ठीक है, कब्ज या ठेठ, बुरा है, परंतु सहसा, मिर्गी जैसे सुरों में उच्चारित की गई उन्मादपूर्ण उद्घोषणा, घटिया है, क्योंकि ये शांत करने वाले कम्पनों को, जो अच्छे संगीत के माध्यम से बने थे, पूरी तरह से छितरा देती है।

इसलिये यदि आप अच्छा संगीत सुनना चाहते हैं, उसको रिकॉर्ड या टेप से सुनें, ताकि आपको रोगियों की दवाइयों के प्रेमगीत के साथ, मिर्गी वाले चिल्लाते हुए नौजवान आदमी को नहीं सुनना पड़े।

''डॉक्टर रम्पा,'' पत्र ने कहा, ''अभी तक, आपने चौदह पुस्तकें लिखी हैं, और क्या आप अभी भी, लेखन पर चलते जाने वाले हैं? मेरा ख्याल है, आपको लिखते रहना चाहिए, आपको अंत तक लिखते रहना चाहिए।''

ठीक है, श्रीमती जी, आप चौदह पुस्तकों की ओर सन्दर्भ करती हैं। ये 'सांझ,' पन्द्रहवीं हैं, और जैसा आप कहती हैं, मैं दूसरी और दूसरी क्यों न लिखूँ? कुल मिलाकर, मैं अर्द्धरात्रि तक जा सकता हूँ। कौन जानता है? ये जनता की मांग पर निर्भर करता है, क्योंकि कोई प्रकाशक पुस्तकों को तबतक प्रकाशित नहीं करेगा जबतक कि उनके लिए मांग नहीं है, और इस की कोई गारंटी नहीं है, आप जानती हैं, कि कोई लेखक एक पुस्तक लिख सकता है, और उसकी स्वीकृति के लिए आश्वस्त हो सकता है। लेखक, एक अंधे व्यक्ति की भॉंति होता है, उसको अपना रास्ता महसूस करना पड़ता है। इसलिए यदि आप अधिक पुस्तकें चाहती हैं, तो आप मेरे प्रकाशक को क्यों नहीं लिखती और उनकी मांग क्यों नहीं करतीं? यदि आप अच्छे आवरण चाहती हैं, और मैं आशान्वित हूँ, आप चाहती हैं! तब

आप मेरे किसी प्रकाशक को क्यों नहीं लिखतीं और उसे ऐसा क्यों नहीं बतातीं? और यदि आप, भद्दे होते हुए पीले कागज, जिसे प्रकाशक उपयोग में लाते हैं, को पसंद नहीं करतीं, ठीक है आप उसे बतायें; मुझे न बतायें, क्योंकि, मैं आपको आश्वस्त करता हूँ, सभी पवित्र पुस्तकों के ऊपर, जो वहाँ हैं और जिन पर मुझे कहना है, कि आवरणों, चित्रों, और उपयोग किये गये कागज के प्रकार या छपने के टाइप के साईज के ऊपर, मेरी राय कोई असर नहीं रखती। इसलिए बदले में आप प्रकाशक को कहें। ये कुछ ऐसी चीज है, जो मैं नहीं कर सकता।

लोग कुमारी कुई और श्रीमती फीफी ग्रेविस्कर को लिखते हैं। वास्तव में, ये दोनों महिलायें अब इस संसार में नहीं हैं; आप जानते हैं, एक बिल्ली का जीवन बहुत कम अवधि का होता है। वे एक मानव की तुलना में, लगभग सात गुना तेजी से जीती हैं, इसलिए हमारे सात साल, बिल्ली के एक साल के बराबर होते हैं। इसलिए कुमारी क्रिलियोपेट्रा, बिल्ली के समयानुसार, साठ साल आयु की है!

कुमारी क्लियोपेट्रा रम्पा, एक सील–बिन्दुमय (seal-pointed) सियामी बिल्ली है, और मैं पूरी गम्भीरता के साथ कहता हूँ कि वह सर्वाधिक प्रबुद्ध व्यक्ति है, जिससे मैं कभी मिला, कोई बात नहीं भले ही वह व्यक्ति, आदमी हो या कुछ और। कुमारी क्लियोपेट्रा काफी हद तक, अत्यधिक प्रबुद्ध, अत्यधिक सहानुभूतिपूर्ण और कुल मिलाकर अत्यधिक प्रेमपूर्ण है। वह मेरी देखभाल करती है।

जैसा आप जानते हैं और अब तक जान जाना चाहिए, कि मैं बीमार हूँ, और थोड़ा समय पहले, मैं वास्तव में, बहुत बीमार था और मेरे ऊपर ये रोक लगा दी गई थी कि जितना मुझे वास्तव में, चलना पड़े, उसकी तुलना में, मुझे अधिक चलना फिरना नहीं चाहिए। ठीक है, कुमारी क्लियोपेट्रा ने, रात को मेरे पास बैठकर देखभाल करना, अपने ऊपर ले लिया है; वह मेरे बिस्तर के बगल की छोटी मेज पर बैठी, जो वास्तव में, एक अस्पताल की, मरीज की मेज है, और वह पूरी रात, तनकर बैठी रहती है, और यदि मैं, जितना उसने आवश्यक सोचा, उससे अधिक हिलने का दुस्साहस करूँ, तो वह बाहर पहुँच जायेगी और वह मुझे एकदम से कड़ा चांटा लगायेगी, मानो कि मैं एक बुरा बच्चा होऊँ, जिसको वह अनुशासन सिखा रही है!

वह अस्पताल की नर्स की तरह से चक्कर लगाती है। जब वह अपने 'कर्तव्य पर नहीं होती' तो वह पूरे समय, रात में कई बार, मेरे बिस्तर के बगल से आती है और बड़ी शान्ति के साथ, मेरे बिस्तर पर कूदती है (वास्तव में, मुझसे जानने की अपेक्षा नहीं की जाती!) और तब चोरी से, मेरे बिस्तर में ऊपर की तरफ रेंग जाती है और ये निश्चित करने के लिए कि मैं संतोषजनक ढंग से सांस ले रहा हूँ, जानबूझ कर मेरे चेहरे पर घूरती है। यदि मैं ले रहा हूँ, तो वह शान्ति से चली जाती है, यदि मैं नहीं ले रहा हूँ, तो वह, ऐसी हलचल, जो दूसरे लोगों को ले आती है, पैदा करती है।

मैं पूरे समय, उसको समझता रहा, परन्तु क्लियोपेट्रा को कभी, सिवाय इसके कि, वह पूरी तरह से मृदुल स्वभाव की, और विचारशील है, चिड़चिड़ी होते हुए या किसी दूसरी चीज पर नाराज होते हुए, नहीं जान पाया, और यदि कोई चीज है, जो, कोई, उसके द्वारा किया जाना पसंद नहीं करता, तो वह उसे सामान्य, साधारण आवाज में बता सकता है, और वह फिर उसे आगे नहीं करेगी। बटरकप, उदाहरण के लिए, अपने टोपों (hats) पर, जैसाकि अनुमानतः औरतों के दृष्टिकोण से युक्तिसंगत होता है, छोटे लोगों का बैठना पसन्द नहीं करती। उसने क्लियो को, ये, बिना गुस्से के, बिना चिड़चिड़ेपन के, बता दिया और तब से क्लियो ने ऐसा नहीं किया।

वैसे ही, मोटी टेडी (taddy) हमारे साथ रहती है। वह एक नीली–बिन्दुमय, और क्लियो की तुलना में, अधिक, अधिक भारी, सियामी (Siamese) बिल्ली है, और वह, किसी भी मामले में, भौतिक प्रकार के तरीके से, उतनी प्रखर नहीं है, यद्यपि दूसरी बिल्लियों की तुलना में, वह उच्च बुद्धिवाली है। उसकी बुद्धि की विशेषता दूरानुभूति के क्षेत्र में है। वह सर्वाधिक दूरानुभूति वाली जीव है, जिनसे मैं कभी मिला, और जब वह, अपने संदेशों को पहुँचाना चाहती है, वह इतनी जोर से, जैसे कि सार्वजनिक

भाषण देने वाला तंत्र (public address system) किसी के कान में गूज रहा हो, पहुँचा देती है। वह (टैडी) क्लियो की जिम्मेदारी है, जो कमोवेश, आसपास उसकी देखभाल करती है और देखती है कि वह ठीक से व्यवहार करे, परंतु क्लियो मेरी विशेष संरक्षक है। टेडी, खाने की रखवाली करने में अधिक रुचि रखती है!

लोग मुझे लिखते हैं, जैसे आपने इकट्ठे किये हों, और सभी प्रकार के अजीबोगरीब प्रश्नों को पूछते हैं, वे सभी प्रकार के निजी प्रश्नों को भी पूछते हैं, उदाहरण के लिए, वे मेरी आयु, जिसका किसी भी दूसरी चीज से कोई लेना देना नहीं, जानना चाहते हैं। कुछ लोग जानना चाहते हैं कि क्या मुझे वृद्धावस्था पेंशन मिलती है, और मैं उन्हें ये बताने में सक्षम हूँ कि मैं वृद्धावस्था पेंशन प्राप्त करने के लिये पात्र नहीं हूँ, जिसके लिए मैं एक अंजान कारण समझता हूँ; मैंने अपना कुछ समय दक्षिणी अमरीका में व्यतीत किया और चूंकि मैं पिछले दस सालों में केनेडा में वापस नहीं आया, मैं वृद्धावस्था पेंशन नहीं पा सकता। इसलिए आपमें से कोई, जो ''वरिष्ठ नागरिक हैं'' ये जानने में रुचि रखते होंगे कि केनेडा के कानूनों के अनुसार, इससे पहले कि कोई वृद्धावस्था पेंशन पा सके, किसी को, पूरी तरह से, पूरे दस सालों तक, देश में रहना होता है, भले ही वह प्राकृतिक रूप से केनेडा का नागरिक हो। 1975 में मुझे दस साल के लिए, वापस केनेडा आ जाना चाहिए था, इसलिए तब, यदि मैं अभी भी जीवित हूँ, तो मुझे एक फॉर्म भरना पड़ेगा, ताकि कोई दूसरा व्यक्ति, मेरे लिये, मेरी वृद्धावस्था पेंशन को ले सके, क्योंकि मैं ऐसा करने के लिए, व्यक्तिगत रूप से नहीं जा सकता।

मुझे पूछा गया है कि क्या श्रीमती रम्पा, अभी भी, मेरे साथ रहती हैं, और मैं ये कहने वाला था, ''ठीक है, स्पष्टरूप से, वह रहती हैं,'' परंतु अचानक और क्षणिक तलाकों के इन दिनों में, ये उतना और अधिक स्पष्ट नहीं है, क्या है? इसलिए मुझे कहने दें, हॉ, श्रीमती रम्पा मेरे साथ रहती हैं, और उसी प्रकार बटरकप, श्रीमती एस0 एम0 राउस भी, जो हमारे साथ, हमारे परिवार के सदस्य के रूप में और हमारे परिवार के अत्यन्त महत्वपूर्ण सदस्य के रूप में रहती हैं।

कई बार, ऑस्ट्रेलिया से, मुझे आक्रामक पत्र प्राप्त होते हैं। मुझे ऑस्ट्रेलिया से, सेम्यूअल्स (Samuels) नाम के एक व्यक्ति का पत्र प्राप्त हुआ। उसने मुझे, पूरी तरह से अप्रसन्नतापूर्वक ढंग से, ये कहते हुए लिखा कि श्रीमती रम्पा के द्वारा कहे गये, कोई शब्द नहीं हैं, और यदि मैं असली हूँ, तो श्रीमती रम्पा ऐसा क्यों नहीं कहतीं। ठीक है, वास्तव में, उन्होंने अनेक–अनेक बार ऐसा किया है। परंतु मैं आपको क्या बताऊँ; मैं श्रीमती रम्पा को, अपने निर्देशन के बिना, अपने द्वारा संचालित किये बिना, थोड़े से स्वाभाविक शब्दों के साथ, अगला अध्याय प्रारम्भ करने दूँगा। इसलिए, जो वह चाहती हैं, कह सकतीं हैं। इसलिए श्रीमान् प्रकाशक, क्या आप हमारे पाठकों के ऊपर, मंदा सा और हल्का सा कुछ मृदुसंगीत लगायेंगे, और चर्चा को प्रकाशित करने के लिए तैयार होंगे, क्योंकि अगला अध्याय प्रारम्भ करने के लिए, हम श्रीमती रम्पा को कहेंगे।

अध्याय ग्यारह

मुझे यहॉ, श्रीमती एस. ए. रम्पा का परिचय कराने दें। मैंने उन्हें, जो कुछ वह कहना चाहती हैं, कहने का अवसर देने का प्रस्ताव किया है। इसलिए वह यहॉ हैं :

''ये सुझाव दिया गया है कि मैं इस पन्द्रहवीं पुस्तक सम्बन्ध में, थोड़ा सा योगदान करूँ, उदाहरण के लिए, एक अध्याय लिखूँ, और पहली बार तो इस विचार ने मुझे बड़ा सद्मा पहुँचाया।

नहीं! ये मैं एक अध्याय के लिए प्रयास करना नहीं मानूंगी। परंतु यदि लेखक, कुछ टिप्पणी करने में सहमत हैं, तो मैं प्रसन्नतापूर्वक कुछ टिप्पणी करूंगी।

''आज शाम को, मैंने अध्याय नौ की टाइप की हुई पांडुलिपि को पढ़ना समाप्त किया, जो अभी अभी टाइपराइटर से उतारी गई थी, और मेरा विश्वास है कि दसवॉ अध्याय भी पूरा हो गया है, परंतु अभी तक मैंने उसे पढ़ा नहीं है। इसलिए यदि मैं जल्दी नहीं करती, तो मैं इस पुस्तक के लिए, अत्यधिक विलम्ब से हो जाऊँगी।

''चूंकि मैं शाम के अपने कर्तव्यों, जैसे कि, पौधों में पानी देना, अपने रात्रिभोज की तैयारी करना, क्लियोपेट्रा और टाडालिंका की छोटी मोटी आवश्यकताओं की देखभाल करना, मेरे विचार, उस सामिग्री के ऊपर विचरण कर रहे थे, जिसे मैं ''सांझ'' के प्रश्नों में पढ़ती रही थी।

''सबसे पहले मैं ये उल्लेख करना चाहूंगी कि जब लोबसांग रम्पा ''मेरी पत्नी (my Wife)'' या ''श्रीमती रम्पा (Mrs. Rampa) कहते हैं,'' ये अभी भी, वही प्राणी है, जो पिछली पुस्तकों में, दूसरे नामों से जाना जाता है। ये अभी भी, ''लामा के साथ रहना (Living with the Lama)'' की मां, या ''दसवें के परे (Beyond the Tenth)'' की ''श्रीमती बूढ़ा आदमी (Mrs. Old Man),'' और ''मोमबत्ती की रोशनी (Candle Light)'' की 'रा'ब (Ra'ab)' है। ये उचित दिखाई देता है कि आप आश्वस्त हों कि लोबसांग रम्पा, एक बफादार और समर्पित व्यक्ति हैं, और अपने भागीदार (partner) को जल्दी जल्दी बदलने की आदत में नहीं है, और मुझे आशा है कि मेरे सम्बन्ध में भी, यही कहा जा सकता है।

''हमारे पक्ष और विपक्ष में, ठीक वैसे ही, जैसे कि उन्होंने संयुक्त राज्य अमरीका के राष्ट्रपति, जिसने अनिच्छापूर्वक अपना राष्ट्रपति पद छोड़ दिया है, की आलोचना की होती, अनेक बातें कही गईं हैं।

''राष्ट्रपति निक्सन की भॉति, हमने भी प्रेस के हाथों, अत्यधिक कष्ट झेले हैं और पिछले कुछ दिनों की अवधि में, हमें ये ध्यान दिलाया गया कि न्यूनतम ज्ञान वाले आलोचकों को, सबसे अधिक कहना है। क्या ऐसा नहीं था, कि ये लोग, कुछ दूसरे लोगों, जो अपने साथी लोगों के लिए, कुछ अच्छा करने का प्रयास कर रहे हैं, के सर्वाधिक प्रयासों को तोड़ने के बजाय, अच्छी परिस्थितियॉ बनाने के लिए जुटे होते।

''परंतु आज रात को, मेरा उद्देश्य आलोचना करना नहीं है, गोया कि क्या मैं, ''सांझ'' पुस्तक के लेखक के विषय में, कुछ टिप्पणी करने की इच्छा रखती हूँ।

''डॉक्टर रम्पा, जैसा कि कुछ विचारहीन लोगों ने चित्रित किया है, कोई कठोर, बिगड़ैल, बूढ़ा आदमी नहीं है। वास्तव में, वह अत्यधिक गंभीर रूप से बीमार है और इसलिए, उसके पास अशिष्ट और चिड़चिड़े होने के पर्याप्त कारण हैं, परंतु वह भयानक और भावुक नहीं है, बदले में, वह लगातार दूसरों के सम्बन्ध में सोचने वाला व्यक्ति है, और पिछले सप्ताह की अवधि में, मैंने हमेशा की तुलना में, अधिक समीप से ध्यान दिया कि वह, उन लोगों के प्रति, जो दुख में हैं, कितना अधिक करुणामय है। पिछली रात, एक राष्ट्रपतिकाल की आसन्न समाप्ति की दुखपूर्ण घोषणा, जैसी पूरे विश्व के लोगों ने सुनी है, हमने भी साथ–साथ सुनी, और डॉक्टर रम्पा, इस सबसे दुखी होकर, इतनी गहराई में चले गये कि उन्होंने अनिद्रा की सामान्य रातों से अधिक, इस में व्यतीत की। उन चीजों में से, जो इस अत्यधिक दुख को उत्पन्न करती हैं, एक है, संवाददाताओं का रवैया। वे मात्र समाचारों को सूचित करने के अपने कार्य को ही नहीं करते हैं, वल्कि वे दूसरे श्रोताओं द्वारा व्यक्त किये गये प्रभावों को दुहराते हैं, वे घृणा के

साथ फैलाये गये थे।

''शायद मुझे, लम्बाई के साथ की गई अपनी इस टिप्पिणी के लिए, खेद व्यक्त करना चाहिए, क्योंकि वास्तव में, आशय ये था कि ये, मात्र कुछ पंक्तियॉ होंगीं। इसके आगे, केवल एक बिन्दु है, और अब मैं उसे रिकॉर्ड पर लिखना चाहूॅंगी, क्योंकि हो सकता है, मुझे यही एक मात्र अवसर मिले, और कि मैं व्यक्तिगत रूप से, इस व्यक्ति के जीवन के प्रति, जिसने हमें, और विशेष रूप से मुझे, मदद करने के लिए, कितना अधिक त्याग किया है, अपना पूरा रुख, अपना चेहरा रखती हूॅं।

''यद्यपि जीवन हमेशा सरल नहीं होता, कोई इतना ख्याल नहीं करता कि कोई देख सके कि कोई कहॉ जा रहा है, और जैसा हमें पर्याप्त अक्सर, बताया जाता रहा है, शान्ति के लिए, कोई लघुपथित रास्ता नहीं है। मैं अपने निजी अनुभव से, निश्चयपूर्वक कह सकती हूॅं कि हम अपने आपको, कितना भी मुश्किल, कितना भी असम्भव होना समझते हैं, थोड़े से प्रयासों और नियमित अभ्यास से, हम अपनी तमाम समस्याओं पर, दूसरों के साथ जीना, और ठीक वैसे ही महत्वपूर्ण, खुद के साथ जीना आसान बनाते हुए, पार पा सकते हैं। मेरे खुद के मामले में, मुझे स्वयं के प्रति, सहायता करने में, सही स्थिति तक आने में, लोबसांग रम्पा की शिक्षायें, और भी अधिक महत्वपूर्ण, उदाहरण, अधिक महान घटक रहा है, परिणामस्वरूप, मैं कुछ हद तक, एक अच्छा व्यक्ति होने की आशा करती हूॅं।

''मैं नहीं जानती कि क्या इस पुस्तक में, इस नम्र योगदान के लिए, कुछ स्थान बचेगा क्योंकि इसकी योजना, इससे पहले कि मैं अपने विचारों को कुछ व्यवस्थित कर सकूॅं, बनाई गई थी। तथापि, लेखन आनन्दपूर्ण रहा है और मैं कामना करती हूॅं कि कुछ अधिक स्थान होता, ताकि मैं प्रकृति के बहुत दयालु पक्ष के सम्बन्ध में, वह पक्ष जिससे हर एक परिचित नहीं है, न ही उसे सदैव पहचाना जाता है, परंतु तब भी, वह, लोबसांग रम्पा के बनने का, एक अत्यन्त सत्य भाग है, विभिन्न घटनाओं के सम्बन्ध में, चित्रित करते हुए, बता सकती। फिर भी, कोई दूसरा अवसर भी हो सकता है। कौन जानता है? परंतु मैं इसे जानती हूॅं; ऑस्ट्रेलिया के उस आक्रामक व्यक्ति के जवाब में, जिसने ये मांग करते हुए लिखा था कि मैं कुछ सिद्ध करूॅं, मुझे कहने दें, हॉ, गलती की किसी सम्भावना के बिना, मैं जानती हूॅं, कि लोबसांग रम्पा वह है, जिसका होने का वह दावा करता है और कि उसकी सभी पुस्तकें सत्य हैं।''

ठीक है, मैंने ये आशा की थी कि यदि हम कुछ चित्रण (illustrations) ड़ाल सकें, जो एस. एम. राउस के हस्ताक्षर धारित करते हों, और मैंने आशा की थी कि यदि श्रीमती रम्पा के द्वारा, आगे आने वाले पैराग्राफों के, उसके हस्ताक्षर लिये हुए, चित्रणों के लिए ब्लॉक बनाये जायें, क्योंकि वहॉ हमेशा, कुछ चापलूस, ये कहने के लिए तैयार रहते हैं, ''ओह गौली (golly) के द्वारा, जिसने स्वयं यह लिखा,''(परंतु उसने नहीं लिखा!)

प्रमाण के इस कार्य के लिए, ठीक है, इसमें किसी के प्रति, किसी चीज को सिद्ध करने का प्रयास करने का कोई मुद्दा नहीं है, क्योंकि यदि कोई व्यक्ति विश्वास करना चाहता है, तब वह विश्वास करेगा, और यदि एक व्यक्ति विश्वास नहीं करना चाहता, तब, कुल मिलाकर, प्रमाणों की कोई भी मात्रा, उसको सहमत नहीं करा सकेगी। इसलिए आप अपना स्वयं का चुनाव करें।

परंतु दूसरी एक और चीज, जो मुझे पूछी गई है, वह पुस्तकों के सम्बन्ध में है, लोगों को कौन सी पुस्तकें पढ़नी चाहिए। ठीक है, मैं आपको पुस्तकों की एक पूरी सूची दे सकती हूॅं क्योंकि, मेरे पास बहुत सारी नहीं हैं, परंतु मुझे केवल दो पुस्तकों ने, विशेष रूप से, अत्यधिक प्रभावित किया है, और मैं आपको दो पुस्तकों के नाम और आवश्यकरूप से, उनसे सम्बन्धित जानकारी बताऊॅंगी। पहली है, जोसेफ एफ. डोमरिच ब्लूमरिच (Jcsef F. Blumrich) के द्वारा लिखित, ''इजेकील के अंतरिक्ष यान (The Spaceships of Ezekiel)''। ये कॉर्गी (Corgi) की एक पुस्तक है, और मैं इसे सर्वाधिक सत्यता के साथ सिफारिश करती हूॅं। लेखक को, जब उसके पुत्र ने, उसे उड़नतश्तरियों के बारे में बताया, वह लगभग अपने सिर से ऊपर हॅसा। लेखक नासा (NASA) का एक वैज्ञानिक है,

उड़नतश्तरियों के बारे में, सब कुछ जानने के लिए, पूर्णतः पात्र, एक आदमी है। वह, ऐसी चीजों में, अपने बेटे के मूर्खतापूर्ण विश्वास के ऊपर, इतना आनंदित हुआ, कि वह ये सिद्ध करने के लिए निकल पड़ा कि इसप्रकार की कोई ''उड़नतश्तरियॉ'' नहीं हो सकतीं।

उसने इसे सिद्ध करने का जितना अधिक प्रयास किया, वह उतना ही अधिक सहमत होता गया कि ऐसी चीजें थीं, और अंत में, वह एक डिजायनर के रूप में, एक प्रकार के अंतरिक्षयान का चित्रण करने में सफल हुआ, जिसके सम्बन्ध में एजेकील (Ezekiel) के जमाने में लिखा गया था। परंतु ये पूरी तरह से एक अच्छी पुस्तक है, एक, जिसकी मैंने पूरी तरह से सिफारिश की है, इसलिए, अपने दौड़ के जूते पहन लें और अपनी स्थानीय पुस्तक की दुकान की ओर दौड़ पड़ें और इसे खरीदें, और आप देखेंगे कि मैं एक अच्छी पुस्तक समीक्षक हूँ!

दूसरी असाधारण रूप से अच्छी पुस्तक है, ''समयहीन पृथ्वी (Timeless Earth)''। इसको पीटर कोलोसिमो (Peter Kolosimo) के द्वारा लिखा गया है। मेरा ख्याल है, ये पहले फ्रांसिसी भाषा में लिखी गई थी, परंतु इसे पॉल स्टीवेंसन (Paul Stevenson) के द्वारा, अंग्रेजी में अनुवादित किया गया है, और इसे यूनीवर्सिटी बुक्स इन्कॉर्पोरेटेड (University Books Inc.) (मैं प्रसन्न हूँ कि उसके पास कुछ ''इंक (inc)'' है क्योंकि पुस्तकों की छपाई के लिए, उसकी आवश्यक होती है, क्या नहीं होती ? ये दूसरी पुस्तक है, जो आपकी रुचि को पकड़ कर रखेगी। ये सत्य को बताती है, और ये हर किसी गम्भीर विचारक व्यक्ति के पुस्तकालय में होनी चाहिए। जबकि आप अंतरिक्षयानों की पुस्तक के लिए दौड़ रहे हैं, तो ''समयहीन पृथ्वी'' को भी चुनना कैसा रहेगा ? आप, अपनी शिक्षा, वहॉ से आगे सुधरी हुई पा सकते हैं।

ए! मैं इस पुस्तक में अच्छा कर रहीं हूँ, क्या मैं अच्छा नहीं कर रही हूँ? मैं केवल आपके प्रश्नों के उत्तर ही नहीं दे रही हूँ मैं दूसरे लेखकों को भी अनुशंसित कर रही हूँ! परंतु अब हम अपने दूसरे प्रश्न और उत्तरों की ओर चलें।

मुझे यहॉ, ये स्वीकारोक्ति कर लेने दें; मेरी दृष्टि बहुत खराब है, इसलिए मैं उन पत्रों को, जो टाइप किये गये हैं, चुनते हुए, धोखा देती रहीं हूँ, क्योंकि कई बार, लोग मुझे लिखते हैं, और उनकी हस्तलिपि मुझे, छोटी टेड़ी मेड़ी लाइनों, जो एक मकड़ी, जो अभी अभी दबात में से बाहर निकल कर, सेंट वाइटस (St. Vitus) के नृत्य के द्वारा पीड़ित होते हुए, धीमे चली है, के द्वारा, बनाई जायेंगी, का ध्यान दिलाता है। निस्संदेह, अनेक, अनेक प्रश्न, जिनमें से अधिकांश दिलचस्प होंगे, अनदेखे कर दिये गये हैं, क्योंकि मैं हस्तलिपि को पढ़ नहीं सकती थी!

यद्यपि, यहॉ एक प्रश्न है, जो किसी लेखक की कल्पना में नहीं उतरता। नौजवान कहता है, ''आप कहते हैं कि हम सभी अमृत्य (immortal) हैं; तथापि क्या ये कहना तर्कसंगत नहीं होगा कि यदि हमारा अंत नहीं है, तो हमारा प्रारम्भ भी नहीं होगा? क्या दोनों तरह से समझना, इसे अधिक तर्कयुक्त नहीं बना देगा?''

नहीं, मेरा ख्याल ऐसा नहीं है, मुझे ये सब कुछ नहीं लगता। कुल मिलाकर, यदि अन्यथा नहीं हो, किसी चीज को प्रारम्भ करना ही होता है, और एक बार यदि ये प्रारम्भ हो गई, तो ये चलती क्यों नहीं रहनी चाहिए? सिद्धान्तः, आप देखें, यदि कोई व्यक्ति, अपने शरीर की सभी कोशिकाओं को, एकदम सही तरीके से, ठीक ठीक बदल सकता है, ठीक उसी ढंग से जैसे कि वह पहले बदल रहा था, तब वह हमेशा हमेशा के लिए चलता चला जायेगा, क्या ऐसा नहीं होगा? कोई भी व्यक्ति, एक साधारण कारण से, कि यांत्रिकी, जो बढ़ते हुए तरीके से (increasingly) कोशिकाओं को बदलती है, उसकी स्मृति दोषपूर्ण होती जाती है, और इसलिए, कोशिकायें, जो विस्थापित की जाती हैं, और कोशिकायें, जो उन्हें स्थापित कर रही हैं, कुछ हद तक भिन्न होती हैं और भिन्न तरीके से बढ़ते हुए उगती हैं, भुगतता जाता है (wears out)।

मैं पूरी तरह से साफ साफ, कोई कारण नहीं देख सकती, कि क्यों किसी चीज का प्रारम्भ होना चाहिए परंतु अंत नहीं होना चाहिए, और, कैसे भी, श्रीमान् एल, आपका ''समाप्त न होने'' से क्या आशय है? हम चलते जाते हैं और चलते जाते हैं, मनुष्य शरीर, भौतिक शरीर, का एक अन्त होता है, और तब हम सूक्ष्मलोक में चले जाते हैं। समय के पूरे होने पर, सूक्ष्मशरीर का भी अंत होता है। दूसरे शब्दों में, हम सूक्ष्मलोक में पूरी तरह से दुखरहित मरते हैं, और दूसरे आयामों में, और आगे, और आगे, अनन्त की ओर चले जाते हैं।

''क्या अर्द्ध या चतुर्थांश आयामी विश्व जैसी, कोई चीज है? ये प्रश्न मुझे लम्बे समय से परेशान करता रहा है?''

अब, ऐसी कोई चीज नहीं है। आपको आयाम पूर्णांक में ही रखने पड़ेंगे अन्यथा आप में अंतर्द्वन्द्व होंगे। जब ये विश्व और हमारे ऋणात्मक विश्व, एक दूसरे के अत्यधिक समीप में आ जाते हैं, आप, एक बड़े, और एक छोटे पैमाने पर, चीजों की समान अवस्था पाते हैं। आप, जैसे कि बरमूडा त्रिकोण में, लोगों को गायब होते हुए देखते हैं, परंतु इनको आधा या चतुर्थांश आयाम वाला नहीं कहा जा सकता, ये मात्र दुर्भाग्य है कि ये घटित हो रहा है (अभाग्य नहीं!)

''डॉक्टर रम्पा, मात्र इसलिए क्योंकि, आप यहाँ एक विशेष काम, जिसको किये जाने की आवश्यकता है, के लिए आये थे, आपको परेशान करने में,प्रेस को ऐसे खराब आनन्द क्यों मिलते हैं? क्या वे विश्वास नहीं करते कि आप हर चीज में, जो आप कहते हैं और करते हैं, पूरी तरह से सच्चे हैं? आप जानते हैं, आपके अधिकार हैं, और उन्हें उनका सम्मान करना चाहिए।''

वास्तव में, प्रेस को उनकी पसंद बनाने के लिए, मैंने कुछ नहीं किया। परंतु मैंने, प्रेस को उनकी नापसंदगी बनाने के लिए भी, किसी भी प्रकार, कुछ नहीं किया। आप देखते हैं, प्रेस के लोग, चुभती हुई, धमकी भरी मांग के साथ आते हैं, वे मांग करते हैं कि, कोई उन्हें साक्षात्कार दे, और वह कहे, जो कि साक्षात्कार लेने वाले कहलवाना चाहते हैं, और यदि भुक्तभोगी इससे सहमत नहीं होता, तो उसे प्रेस से उत्पीड़न के लिए जमा दिया जाता है।

कुछ वर्षों पहले, मुझे एक टी.वी. स्टेशन से एक प्रस्ताव मिला था। वे मुझे टेलीविजन पर बुलाना चाहते थे और ''रम्पा की कहानी (The Rampa Story)'' का सत्य कहलवाना चाहते थे। मैं ऐसा करने के लिए, पूरी तरह से इच्छुक था, क्योंकि वह सब कुछ, जो मैंने लिखा और कहा है सत्य है। मैं वह हूँ, जो मैं दावा करता हूँ और मैं वह सब कर सकता हूँ, जिसके बारे में मैंने लिखा है। इसलिए मैं टेलीविजन पर जाने के लिए, पूरी तरह तैयार था, परंतु तभी, मेरे बड़े आनन्द के लिए, मैंने पाया कि, वे सत्य नहीं जानना चाहते थे, बदले में, वे मुझसे, एक पहले से तैयार हुआ बयान पढ़वाना चाहते थे, कि ये सब नकली था। ठीक है, मैं नकली नहीं था, इसलिए मैंने वह बयान नहीं पढ़ा, इसलिए मुझे टेलीविजन पर जाने और सरल सत्य को बताने की आज्ञा नहीं दी गई। बदले में मुझे प्रेस से पीड़ित होना पड़ा।

मैंने, इन सब अनैतिक झूठों, जो मेरे बारे में लिखे जा रहे थे, की शिकायत करते हुए, इंग्लैण्ड में प्रेस की परिषद को लिखा, परंतु प्रेस काउंसिल ने सोचा कि प्रेस को, वे जो कुछ भी लिखना चाहते हैं, लिखने की आजादी होनी चाहिए। मैंने टी.वी. स्टेशन के संचालक को भी लिखा और उन्होंने सोचा कि टेलीविजन के निर्देशक को, जो कुछ भी वह कहना चाहता है, उसे टेलीविजन पर कहने, और ये चाहने की कि दूसरे लोग भी ऐसा करें, की पूरी स्वतंत्रता दी जानी चाहिए। इसलिए मुझे लगा कि प्रेस, रेडियो, और टेलीविजन बंद दुकानें हैं। अब, मैं आपसे एक प्रश्न पूछना चाहता हूँ! यदि आपके ऊपर प्रेस, या रेडियो या टेलीविजन के द्वारा हमला किया गया होता और आप पूरी निश्चिंतता के साथ जानते कि वे आपके बारे में जो लिख या कह रहे थे, झूठ था, तब आप इन झूठों का खण्डन कैसे करेंगे? याद रखें, जबतक कि वे, जो कुछ आप लिखते हैं, उसे प्रकाशित न करें, आप प्रेस में प्रकाशित नहीं किये जा

सकते और आप प्रसारण नहीं कर सकते या टेलीविजन में, कैमरा के सामने प्रस्तुत नहीं हो सकते, जबतक कि कोई आपसे ऐसा कराना न चाहता हो। इसलिए कोई तरीका नहीं है, जिसमें आप अपना बचाव कर सकें। कोई कह सकता है, ''ठीक है, कानूनी कार्यवाही करो।'' हॉ, अच्छा है, परंतु इसमें बहुत पैसा लगता है, और इसे तबतक नहीं किया जा सकता, जबतक कि आपके पास काफी पैसा न हो। मैंने संयुक्त राज्य अमरीका में, एक व्यक्ति के विरुद्ध ऐसा करने का प्रयास किया था, एक व्यक्ति, जो दिखावा कर रहा था कि वह मेरी पुस्तकें छाप रहा है, या मेरे द्वारा लिखी गई पुस्तकें छाप रहा है। वह मेरे नाम का उपयोग कर रहा था, परंतु मैंने एक वकील को, अपनी तरफ से कार्य करने के लिए पाने का प्रयास किया और चूँकि मैं उसको कल्पनातीत अग्रिम, जितना वह आशा करता था, नहीं दे सकता था, इसलिए कुछ नहीं हुआ। मुझे लोगों को, मेरा नाम उपयोग करते हुए, मेरे नाम का दुरूपयोग करते हुए, मेरे होने का ढोंग करते हुए, और शेष सब कुछ, देखना पड़ा और अब ऐसा कुछ नहीं है, जिसे मैं कर सकूं। यदि मेरे पास पैसा होता, या यदि किसी वकील को फैसला आने के बाद भुगतान किया जाता, तब हे भगवान! मैं निश्चितरूप से, कुछ लोगों के विरुद्ध, उदाहरण के लिए, एक नौजवान बदमाश, जो नाटक करता है कि वह मेरा जिगरी दोस्त है, और कि वह, चीजों को सीधे सीधे, ''लोबसांग रम्पा की कार्यशाला में से'' बेच रहा है, के खिलाफ मामला उठाता।

जैसा मैंने आपको पहले बताया, मेरे पास कोई कार्यशाला नहीं है, इसके अतिरिक्त मैं इन चीजों को नहीं बनाता, और यदि लोग बहाना करते हैं कि वे मेरे दोस्त हैं, और वे मेरे नाम का उपयोग कर सकते हैं, तब याद रखें, केवल दो आदमी, इंग्लैण्ड में श्रीमान् सोटर (Mr. Sowter), और प्रिंस एडवर्ड आइलैंड, कैनेडा में, श्रीमान् ओरलाब्स्की (Mr. Orlowsky, in Prince Edward Island, Canada) हैं, जो कि मेरे द्वारा बनाई गई चीजों को बना रहे हैं।

''आप विश्व के एक नेता, और आने वाले और जीवन धारण करने वाले, एक महान अस्तित्व, जिसका शरीर, वर्तमान में, पृथ्वी पर तैयार किया जा रहा है, के सम्बन्ध में बात करते हैं; क्या आप जानते हैं कि वह शरीर, वर्तमान में कहॉ रह रहा है? क्या अस्तित्व, जो आने वाला है, वह ईसा, या मोहम्मद, या गौतम, के पुनर्जन्म के शरीर को धारण करने वाला है?''

ओह हॉ, मैं ठीक ठीक जानता हूँ कि वह शरीर कहॉ है, और मैंने वास्तव में, शरीर को देखा है। परंतु, वास्तव में, मैं नहीं कहूँगा कि वह कहॉ है, अन्यथा हम प्रेस के घटिया प्रकार के कुछ लोगों को, उसके पीछे दौड़ते हुए और पूरी तरह से कल्पित कुछ चीजों के साथ, वापस आते हुए पा जायेंगे। मैं निश्चितरूप से, जानता हूँ कि शरीर कहॉ है। नहीं, वह जीसस, मोहम्मद या गौतम का अवतार नहीं है और वे इस विशेष शरीर को पाने के लिए नहीं आने वाले हैं। आप देखें, वहॉ अस्तित्वों का एक विशेष समूह है, जो निश्चित अवसरों पर पृथ्वी पर आता है। मैं वास्तव में, एक शब्द, ''श्वेत भाईचारा (White Brotherhood),'' का उपयोग करने से संकोच करता हूँ, क्योंकि अनेक मूर्ख लोग हैं, जो सोचते हैं कि वे एक नई सभ्यता, जिसको श्वेत बिरादरी, या काले गधे या कुछ वैसा ही, कहा जाता है, को प्रारम्भ कर देंगे। आजकल इतने सारे पीड़ित लोग हैं कि वे किसी भी चीज, जो उन्हें लगे कि सम्भव हो सकती है, को जकड़ लेते हैं। परंतु वहॉ अस्तित्वों का एक निश्चित समूह है, और आप इनके साथ एक पत्राचार पाठ्यक्रम नहीं ले सकते और आप उनमें से किसी को, इस पृथ्वी के, इन पागल सभ्यतावादी लोगों के साथ जुड़ा हुआ नहीं पायेंगे, जो एक उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए, शिक्षकों के रूप में, इस पृथ्वी पर आते हैं, और वास्तव में, दूसरे लोकों को भी जाते हैं। ये शायद, एक वर्ष, एक प्रकार का समय व्यर्थ गंवाना होगा, यदि यहॉ उन्हें पैदा होना हो और तब उन्हें जो कुछ करना हो, वह कर सकें। इसलिए वे विशेषरूप से तैयार किये गये शरीर को ले लेते हैं, और जब उनका काम पूरा हो जाता है तो किसी तरह से, जिसको यहॉ हमें चर्चा में लाने की आवश्यकता नहीं है, शरीर गायब हो जाता है।

''आप हमेशा मानवों और पशुओं के बारे में बात करते हैं क्या हम भी पशु नहीं हैं?''

हॉ वास्तव में हम हैं, हम में से कुछ, किसी भी तरह से, बहुत अच्छे पशु नहीं हैं। परंतु मैं मात्र एक तरीके का अनुगमन कर रहा हूॅं, जिसे कोई मानवों और पशुओं को सन्दर्भित करने का, नाम दे सकता है। ये इसे स्पष्ट करता है कि मैं, एक प्रजाति मानव, या दूसरी प्रजाति, मान लें बिल्ली, का सन्दर्भ दे रहा हूॅं और, जैसा मैं आपको मैं पहले से बताता रहा हूॅं, मैं जानता हूॅं, कुमारी क्लियोपेट्रा एक अत्यधिक प्रबुद्ध व्यक्ति है, कोई बात नहीं, चाहे हम पशु या मानव के ऊपर विचार करने जा रहे हैं।

''कृपया हमें बतायें कि क्रिस्टल का उपयोग कैसे किया जाये? मैं आपकी अगली पुस्तक में, उत्तर को देखना चाहूॅंगा। क्या हमको, हम प्रयोग करें उससे पहले, कमरे को एकदम अंधेरा बना लेना चाहिए? क्या हम को कॉच को एक सुरक्षित स्थान पर रखना चाहिए ताकि उसका किसी दूसरे उद्देश्यों के लिए उपयोग नहीं किया जा सके। क्या हमको, किसी चीज को कुछ स्पष्ट करने के लिए, थोड़ी कल्पना का भी उपयोग करना चाहिए, या क्या?''

ठीक है, मैंने, वास्तव में, सोचा कि क्रिस्टल को कैसे उपयोग में लाया जाये?, विषय पर, मैंने मामले को बहुत स्पष्ट कर दिया है। अब ये मानते हुए कि आपके पास कोई क्रिस्टल नहीं है, मानते हुए कि आप, बदले में, पानी का एक गिलास उपयोग करते हैं; ठीक है, आप एक नया गिलास, एकदम सादा गिलास पा लें, इसके ऊपर किसी प्रकार का कोई नमूना नहीं, कोई ऐचिंग (etching) नहीं, कोई दरारें नहीं, वास्तव में, एक बड़ा मंहगा गिलास, जिसमें, जहॉ तक कि आप उसे देख सकें, कोई कमी न हो। तब आप इसे सावधानीपूर्वक धोयें, जब आप इसे पौंछकर, साबुन के सभी झागों को साफ कर दें, आप इसे चोटी तक पानी से भर दें ताकि आपको एक अर्द्धचन्द्र आकृति मिल जाये (अर्द्ध चन्द्राकार आकृति, वह उभार है, जो तब प्रकट होती है, जब आप गिलास को थोड़ा सा अधिक भर देते हैं। तब पानी से भरा हुआ गिलास, एक मेज पर या कहीं अंधेरे में रखा जाता है और आप ये सुनिश्चित करते हैं कि आपका कमरा अंधेरा या कम प्रकाश वाला है, स्पष्टरूप से, आप गिलास को देखने में समर्थ होंगे, आप अपने हाथों को अपने सामने देखने में सक्षम होने चाहिये, परंतु आपको, समाचारपत्र पढ़ने के लिए, देखने में सक्षम होने की आवश्यकता नहीं है। मैं आपको, मात्र एक पथप्रदर्शक के रूप में सलाह देता हूॅं। अंधेरे की ठीक मात्रा वह है, जब रंग गायब होना शुरू होते हैं।

सही अवस्थायें पाने के बाद, आप लम्बी, गहरी और कई बार, सॉस लें और अपने आपको व्यवस्थित करें, ताकि आप आराम में हों, वहॉ कोई तनाव नहीं हो, कोई मॉसपेशी नहीं, जो खिंच रही हो, न कोई नाड़ी, जो लहरा रही हो। और तब आप, पानी के गिलास की दिशा में देखें परंतु आप इस पर एकदम टकटकी न लगायें। आप, अपनी ऑखों से, बिना इस पर केन्द्रित किये हुए देखते हैं, कल्पना करें कि आप अनन्त पर ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं, क्या स्पष्ट समझे? आप गिलास की दिशा में देख रहे हैं और ये मानते हुए कि आप आकाश में, कुछ अदृश्य बिन्दुओं के ऊपर देख रहे हैं, आप, जानबूझकर अपनी ऑखों को फोकस नहीं होने दे रहे हैं। आप, अपने मन को हाबी होने देते हुए, मात्र वहॉ बैठे रहें और पहली चीज, जो आप देखेंगे, वह है बादलों का छा जाना, पानी दूधिया सफेद में बदलता हुआ दिखाई देता है, और तब, बशर्ते आप चौकते नहीं है, या सदमे के साथ, अपनी कुर्सी से गिरते नहीं है, दूधिया सफेदी बिखर जाती है, और तब आप चित्र देखते हैं, और इसके साथ में यही पूरा सब कुछ है। आपको चीजों की कल्पना करने की आवश्यकता नहीं होगी, आप ऐसा क्यों करें जबकि आप सही चीजों को भी देख सकते हैं।

जब आपने अपने गिलास का उपयोग कर लिया, तो पानी को थोड़ा फैला दें, आप इसे खंगालें, और सुखा लें, और तब आप इसे काले कपड़े में लपेटें और किसी दूसरे काम के लिए, इसका उपयोग बिल्कुल न करें।

यदि आप एक क्रिस्टल का उपयोग कर रहे हैं, तब आप इसके ऊपर टकटकी लगाने के मामले

में, वैसा ही करें, परंतु जब आपने इसका उपयोग कर लिया, इसे काले कपड़े में लपेट लें, क्योंकि यदि इसके ऊपर चमकीली धूप पड़ती है, तो आप इस शक्ति को, ठीक वैसे ही ढंग से, मानो आप सूर्य के प्रकाश को, किसी फिल्म, जो खुली हुई है, पर पड़ने से खो देंगे, और उसके बाद, चीजें अच्छी नहीं होंगी।

"मैं ये जानना चाहूँगा कि आप जुए के विषय में क्या सोचते हैं?" ठीक है, ये आसान है। मैंने कई बार अपनी पुस्तकों में कहा है कि मैं पूरी तरह से, जुए के खिलाफ हूँ और यद्यपि, लोग मुझे, पर्याप्त जल्दी जल्दी, घुड़दौड़ के टिकिट और कुछ वैसी ही चीजें भेजते हैं, मैंने अपने जीवन में, कभी किसी चीज को नहीं जीता, कुल मिलाकर एक सेन्ट तक नहीं, इसलिये वहॉ!

"मैं ये पता लगाते हुए नहीं दिख सकता कि सूक्ष्मलोक में, बिल्लियों के लिए, कोई विशेष क्षेत्र कहॉ है। आप ऐसे क्षेत्रों को पाने के लिये कैसे जा सकते हैं?"

आप मुझे, पिछले एक प्रश्न में, ये कहते हुए कि मैं, आदमियों और जनवरों को क्यों सन्दर्भित करता हूँ क्योंकि क्या आदमी भी वैसा ही जानवर नहीं है, डाट लगाते रहे हैं? इसलिए अब आप पशुओं के क्षेत्र को जानना चाहते हैं, इसलिए मुझे, आपको कहने दें, क्या ठीक वैसे ही, मानव भी जानवर नहीं है और यदि मानव एक क्षेत्र को जा सकते हैं, तो चौपाया पशु क्यों नहीं जा सकता? उत्तर है, वे जा सकते हैं। कुमारी कुई और श्रीमती फीफी ग्रेबिस्कर, मेरे अच्छे दोस्त हैं, वे सूक्ष्मलोक में मेरी प्रतीक्षा कर रहे हैं। वहॉ मेरे पास, एक और बिल्ली दोस्त है, जो सिंडी (Cindy) कहलाती है, और सिंडी, मुझसे मिलने और मुझे संदेश देने के लिए, वास्तविक भौतिक रूप में, इस पृथ्वी पर आ जाती है, जो कि पूरी तरह सत्य है! इसलिए मुझे आपको बताने दें कि जानवर, यदि वे पर्याप्त आध्यात्मिक ओहदे (status) वाले हैं, अस्तित्व के किसी भी तल पर, जिस पर उनके समतुल्य ओहदे वाले मानव जा सकते हों, जा सकते हैं। दूसरे शब्दों में, आप जानते हैं, दूसरे विश्वों में और अधिक लम्बे समय तक के लिए, पशुओं के साथ, निम्न श्रेणी के प्राणी के रूप में व्यवहार नहीं किया जाता, वे "मूक पशु" नहीं हैं और और एक आदमी, जैसे कि मैं, के लिए, जो दूरानुभूतिपूर्ण है, वहॉ मूक जानवर जैसी ऐसी कोई चीज नहीं है। जब हम पशुओं के बारे में बात कर रहे हैं, तो क्या आपको कभी ऐसा नहीं लगता कि, मात्र बुरे या खराब पशु वे हैं, जो मानवों के द्वारा ऐसे बना दिये गये हैं? सामान्यतः पशु "अच्छे" पैदा होते हैं और वे तबतक ऐसे ही टिके रहते हैं, जबतक कि वे मानवों के साथ घुलेंमिलें नहीं। इसलिए आपके प्रश्न का उत्तर ये है; पशु भी उन्हीं समान क्षेत्रों में जाते है, जैसे कि आदमी, इसलिए जब आप पूरी निश्चितता के साथ गुजरें, आप किसी पशु से, जिसे आप प्यार करते हों और वह भी आपको प्यार करता हो, मिल सकते हैं।

यहॉ, पिछले कुछ दिन, बहुत, बहुत, गर्म, वास्तव में, असहनीयरूप से गर्म रहे हैं। परंतु अब इस क्षण में, तापक्रम लगभग 30 डिग्री (फारेनहाइट) तक गिर गया है और एक तूफान आ रहा है, और कुछ बेचारी आत्माओं की शादी हो रही हैं, या शायद, वे पहले से ही शादीशुदा हैं। यहॉ, केलगेरी में, ये अजीब रिवाज है कि, युगल, जिनकी शादी अभी अभी हुई है, और कार चला कर, शादी के स्थान से दूर जा रहे हैं, तो वे उतना शोरशराबा पैदा करते हैं, जितना कि वे कर सकते हैं। वधु की कार, और उससे संलग्न, वधू के लवाजमे तथा सेवकबृंदों की सभी कारों में, लगातार जोर से बजाये जाते हुए, बड़े बड़े भौंपू (horns) होते हैं, और वास्तव में, भयानक हल्लागुल्ला होता है। व्यक्तिगतरूप से, मैं इसमें कोई तुक नहीं देखता, क्योंकि ये हरएक को परेशान करते हुए, तेज बजते हुए भौंपू, किसी शादी में क्या मदद करने वाले हैं?

यहॉ केलगेरी में, दूसरी चीज जो मुझे परेशान करती है, वह है अग्निशमन विभाग, पुलिस और रोगी वाहन। उनके पास सबसे तेज भौंपू (sirens) होते हैं, जो मैंने कहीं भी, इसे पहले सुने हों। न केवल इतना, परंतु रोगीवाहनों (ambulances) के सायरन, उतार चढ़ाव के साथ बजते हैं और वास्तव

में, एक परेशान बीमार को मृत्यु के कगार पर ला छोड़ते हैं। जहाँ मैं रहता हूँ, वहाँ कांक्रीट की इमारतों का एक प्रकार का संयोजन है, और उसी अजीब से कारण से ध्वनियाँ गूंजती हैं और दुबारा गूंजती हैं और फिर से गूंजती जाती हैं और वास्तु के किसी विशेष लक्षण के कारण, एकदम सत्यता से आवाज में बढ़ती हुई लगती हैं। कैसे भी, शोर, दिन–रात चलता रहता है और यहाँ ट्रेफिक कभी समाप्त नहीं होता। मैंने कभी बाहर की सड़क, बिना कारों के काफिले के, नहीं देखी है। रात और दिन के पूरे चौबीस घंटों के दौरान, वहाँ लगातार तीव्रगामी कारों का प्रवाह होता है और मैं अक्सर अपने बिस्तर में लेटा रहता हूँ और खिड़कियों से बाहर देखता रहता हूँ और आश्चर्य करता हूँ कि कभी खत्म न होते हुए, रात और दिन पूरे समय अविराम गति से चलते हुए, सभी लोग कहाँ जा रहे हैं। वहाँ अत्यधिक कारें और अत्यधिक शोर है। परंतु मैं मानता हूँ कि कुछ लोग अब मुझे लिखेंगे और कहेंगे कि मैं उनके प्रति ईर्ष्यालु हूँ क्योंकि मेरे पास कार या वैसी कोई चीज नहीं है। लोग ऐसा करते हैं, आप जानते हैं, लोग मुझे लिखते हैं और बताते हैं कि मैं कटु हूँ। मैं इसे नहीं जानता था, मैं ऐसा नहीं महसूस करता था कि मैं कटु हूँ। मेरी अपनी समस्यायें हैं और मैं उनको, जितना मैं कर सकता हूँ, सबसे अच्छे तरीके से संभालता हूँ, इसलिए ऐसा है।

पिछली बार जब मैं अस्पताल में था, मुझे एक नौसिखिया ईसाई पादरी मिलने आया और मुझे धर्म के सम्बन्ध में, थोड़ा बहकाने का प्रयास किया और इससे पहले कि मैं कुछ कहूँ, सिवाय इसके कि मैं बौद्ध हूँ, उसने कहा, ''ओह, और क्या आप इसके बारे में, अपने आपको दोषी या कटु मानते हैं, कि आप ईसाई नहीं हैं?'' इसलिए आप इसके बारे में क्या सोचते हैं?! मुझे जवाब देना चाहिए था, ''नहीं, परंतु ईसाई होने के कारण, आप ही, थोड़े से दोषी दिखाई देते हैं।''

ये इतना अजीब दिखाई पड़ सकता है कि अनेक डॉक्टर और अनेक व्यक्ति, एक प्रकार के छद्म मनोविज्ञान (pseudo- psychology) के ऊपर, खॉसने का प्रयास करते हैं; वे किसी के व्यवहार को, पूरी तरह से पाठ्यपुस्तक की शिक्षा के आधार पर, विश्लेषण करने का प्रयास करते हैं और वे भूल जाते हैं कि जीवन के ऊपर, किसी बौद्ध का नजरिया, एक ईसाई की तुलना में अलग हो सकता है। परंतु अब हम इनमें से कुछ प्रश्नों और उनके उत्तरों के ऊपर वापस चलें। परंतु सबसे पहले, मुझे आपके लिए एक पत्र, जो मुझे श्रीमान् बोरगे लांगेलैण्ड (Mr. Borge Langeland) के द्वारा लिखा है, में से कुछ पढ़ लेने दें। वह कहते हैं, ''मुझे जानकर प्रसन्नता है कि आप पन्द्रहवीं पुस्तक लिख रहे हैं। मैं ये नहीं जानता कि आपको कैसे बताया जाये कि आपकी पुस्तकें हमारे लिए क्या अर्थ रखती हैं। यदि वे सत्य नहीं होतीं, तो मैं अपना पूरा स्वाभिमान, आत्मविश्वास, निर्णय करने की अपनी क्षमता, कि क्या स्वीकार किया जाये और क्या छोड़ दिया जाये, खो बैठा होता। आपके लिए, शायद, आपके इस जीवन का मिशन, आपका प्रभामण्डल का कार्य, सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, परंतु मैं सोचता हूँ कि आपने पुस्तक लेखन के द्वारा और लोगों को जीवन के रहस्यों में से कुछ को जानने देने में जिन्हें कि हम में से कुछ, हल करने का प्रयास करते हुए, इनको एक टटोलते रहे हैं, आपने, ये देने की तुलना में, कि एक प्रभामण्डल होता है और उसका फोटोग्राफ लिया जा सकता है, मानवता के लिए बहुत अच्छा कर दिया है।''

ठीक है, श्रीमान् लांगेलैण्ड, हॉ, आपको मेरा निश्चित, निश्चित, आश्वासन है कि मेरी सभी पुस्तकें सभी तरह से सत्य हैं; ये पुस्तकें गल्प साहित्य (fiction) नहीं हैं, ये सत्य है। न केवल ऐसा सत्य, जिसे मैं सत्य देखता हूँ, परंतु वास्तविक रूप से सत्य।

हॉ, महान तेरहवें दलाईलामा ने, वास्तव में, एक विशेष तरीके से, अपने दोनों हाथ मेरे सिर पर रखते हुए, मुझे आशीर्वाद दिया है, यहाँ ''एक विशेष तरीके से'' अत्यधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि (परमात्मा से) अच्छी तरह, भलीभॉति उपहार प्राप्त व्यक्ति, जैसे कि तेरहवें दलाईलामा, ही अपनी विशेष शक्तियों को दे सकता है, वास्तव में, किसी के कम्पनों को बढ़ा सकता है। ये, वैसे ही, किसी के उत्तर

के रूप में है, जो ऐसी चीजों के बारे में जानना चाहता है।

आप शायद जानते होंगे कि वर्षों पहले, इंग्लैण्ड में, और, वास्तव में, अनेक दूसरे देशों में, काफी निश्चित विश्वास था कि राजा बीमारियों का इलाज कर सकता है, और यदि राजा अपने हाथ पीड़ित पर रख दे, तो पीड़ित ठीक हो जायेगा। आप, जीसस के बारे में, इस मान्यता में, कि यदि कोई व्यक्ति पोशाक, जिसको जीसस पहने हुए था, को छूता, तब वह व्यक्ति (पुरुष या स्त्री) सभी बीमारियों से, ठीक हो जाता, वही चीज पाते हैं। ऐसा इस कारण से है, क्योंकि ऐसे लोगों के कम्पन अलग होते हैं, और जब वे अपने उत्कृष्ट ध्यान के द्वारा देखते हैं कि दूसरे व्यक्ति में सुधरने, और अपने कम्पनों की बढ़ोत्तरी को स्वीकार करने की सम्भावनाऐं हैं, वे आवश्यक भावभंगिमा दिखाते हैं, जो प्राप्त करने वाले को, अच्छे होने और शक्ति का, एक अवर्णनीय अभिज्ञान देती है, और मैं आपको ये बताने जा रहा हूँ कि दलाईलामा के कार्यों के द्वारा, मेरी क्षमतायें, अत्यधिकरूप से बढ़ा दी गई हैं।

आप पूछते हैं कि एक हाथ क्यों और दो हाथ क्यों। आप मुझे बतायें कि लोग, जो चर्च को जाते हैं और हर रविवार को आशीर्वाद पाते हैं, इसके कारण कुछ अच्छे या कुछ खराब नहीं दिखाई देते। ठीक है, ये पर्याप्त सही है। महान तेरहवें, उसी तरीके से दोनों हाथों का उपयोग करते थे, जैसे कि यदि आप के पास एक विद्युतीय यंत्र है, आपको दो तार, दो सम्पर्क लगाने पड़ते हैं क्योंकि केवल तार धारा को नहीं गुजार सकेगा। आपके कहे अनुसार, कि लोग, जो चर्च को जाते हैं, एक हाथ से या दो हाथों से स्पर्श किये जाने के बाद भी नहीं सुधरते हैं, ये ठीक वह है, जो मैं आपको बता रहा हूँ। आपको केवल तभी लाभ हो सकता है, यदि आपको स्पर्श करने वाला व्यक्ति, आपसे अधिक अच्छा हो, कोई बेचारा गरीब या लिपिकीय प्रकार का व्यक्ति नहीं, जो मात्र बकवास करता रहता है क्योंकि ये काम का सबसे आसान प्रकार है, जिसे वह जानता है, और कैसे भी, वह दूसरी कोई चीज नहीं जानता। ओह नहीं, जहॉ तक ऐसी किसी चीज से लाभ आता है, आप बाहर जायें और गली में किसी से, उसको, अपने माथे पर स्पर्श करने के लिए कहें, आप वैसे ही अच्छे होंगे!

आप पूछते हैं कि सूर्य की किरणों के इतनी तीव्रता के साथ, चन्द्रमा से परावर्तित होने का क्या कारण होता है। ''हमने चन्द्रमा पर आदमी भेजे हैं, और उन्होंने खोजा है कि चन्द्रमा, कोई हरे पनीर का नहीं, बल्कि चट्टानों और बालू का, उतना ही समान, जैसे कि यहॉ पृथ्वी है, बना हुआ है। जब सूर्य की किरणें, सुबह जल्दी में, या देर रात में, पृथ्वी पर ऊँची पर्वत चोटियों से टकराती हैं, तो नीचे की घाटी अंधरे में रहती है। चूँकि पहाड़ों की चोटियों पर चट्टानें, चन्द्रमा की चट्टानों के समान हैं, तो वे किरणों को, नीचे घाटी में क्यों नहीं परावर्तित करतीं?''

सरल, मेरे प्रिय श्रीमान्, सरल; चन्द्रमा की सतह, परावर्तन क्षमता की दृष्टि से, जिप्सम (Gypsum) के बहुत कुछ हद तक समान है और वास्तव में, जिप्सम, जो प्लास्टर ऑफ पेरिस की तरह से है, (प्रकाश को) परावर्तित करता है, परंतु चन्द्रमा के मामले में, परावर्तन को बहुत कुछ हद तक सहायता मिलती है क्योंकि, प्रकाश किरणों को अवशोषित करने के लिए, वहॉ कोई हवा नहीं है। प्रकाश की किरणें, आप जानते हैं, कम्पनों की बनी होती है और यदि वहॉ हवा है, तो रास्ते के उस वातावरण के द्वारा, कम्पन धीमे पड़ जाते हैं। जैसा हम जानते हैं, चन्द्रमा पर कोई वातावरण नहीं है, इसलिए सूर्य की किरणें, बिना रुके (अवशोषित) हुए, चन्द्रमा पर पहुँचतीं हैं और चन्द्रमा की सतह से, बिना रुके (अवशोषित) हुए, परावर्तन हो जाती हैं।

आप पृथ्वी पर चट्टानों के सम्बन्ध में पूछते हैं, वे सूर्य की किरणों को, घाटी के अंदर, नीचे की तरफ, क्यों नहीं परावर्तित करतीं। इसका उत्तर ये है, क्योंकि आपतन का कोण (angle of incidence) अलग है, आप देखें, जब आप प्रकाश की किरणों को, पर्वत की चोटियों से नीचे आते हुए पाते हैं, किरणें ऊपर की ओर या एक तंग चाप के अन्तर्गत, परावर्तित होती हैं; वे नीचे की तरफ परावर्तित नहीं होतीं, और आप एक बड़ी शक्ति वाला प्रकाश का बल्व, जो सूर्य का निरूपण करेगा, छत से लटकाते

हुए, खुद इसकी जॉच, आसानी से कर सकते हैं। तब आप, अपने हाथ में, एक दर्पण लिये हुए, फर्श पर बैठें। तब आप, सूर्य (वास्तव में, लटकाये हुए बल्ब की) की किरणों को, वापस छत की तरफ या अपने आसपास की दीवारों पर, पर्याप्त ऊँचाई की तरफ, परावर्तित कर सकते हैं परंतु, किसी नट की, अत्यधिक तोड़मरोड़ (acrobatic contortions) के बिना, आप किरणों को नीचे की ओर, अपने पैरों के बीच में, जिसे घाटी की तरह माना जायेगा, परावर्तित नहीं कर सकते। क्या ये स्पष्ट हुआ?

इन सज्जन का तीसरा प्रश्न, एक संवेदनशील प्रश्न है, इसलिए हम इसका उत्तर देते हैं। वह कहता है, ''आप लिखते हैं कि युद्ध, जनसंख्या विस्फोट को नियंत्रित करने और लोगों को आत्मत्याग का एक अवसर देने के लिए, आवश्यक हैं। ऐसे युद्ध के ऐसे नायकों के लिए, जो शायद, अपने जीवन को, अपने देश के लिए लड़ते हुए, त्याग देते हैं, परंतु इस विधि में, अपने अनेक शत्रुओं को, जो उन्होंने इससे पहले कभी देखे भी नहीं हैं, मारते हैं या अपंग बनाते हैं, क्या कार्मिक प्रभाव होता है? तब, यदि, वे यहॉ के बाद, दुबारा फिर कहीं मिलेंगे, क्या वे यही पूछेंगे कि क्या आप ही वह S.O.B. हैं जिन्होंने मुझे मारा था? और एक युद्ध में लड़ने के लिए, किसी को मारने में, किसी को कैसे लाभ प्राप्त होता है, यद्यपि वे अपने खुद के जीवन को भी खो देते हैं?''

जब कोई व्यक्ति अपने गृह, अपने परिवार, और अपने देश के बचाव में लड़ता है, कार्मिक नियम अलग होते हैं, इसलिए यदि आपको सेनाओं में जाने का आदेश मिलता है, तो आपके पास कोई चुनाव नहीं होता, आपको जाना ही होता है, और एक बार जब आप सेना में हैं, तो आप एक कम्बल के संरक्षण में आ जाते हैं, ताकि, लोग, मूलरूप से सरकारें, जो इस तरह के आदेशों को देती हैं, उनको अपने आदेशों का कार्मिक प्रभाव स्वीकार करना पड़ता है।

आप, निजी A.B. को, युद्ध के मोर्चे पर भेजा गया है। आपके हाथों में एक रायफल है, और एक निश्चित समय पर, आपसे उस रायफल से गोली चलाने के लिए कहा जाता है। आपको अपने आदेशों का पालन करना होगा अन्यथा आपको अवज्ञा करने के लिए मार दिया जायेगा। इसलिए आप घोड़ा दबाते हैं और गोली एक दुश्मन को मार देती है। इसका कार्मिक प्रभाव आपका नहीं है। आपको इसके सम्बन्ध में चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। कार्मिक प्रभाव, उन लोगों द्वारा किया हुआ माना जाता है, जो लोग, वास्तव में, युद्ध का कारण बनते हैं!

जब आप ''दूसरी तरफ'' आते हैं, तब अपको उस व्यक्ति से नहीं मिलना पड़ता, जिसको आपने मारा था या व्यक्ति, जिसने आपको मारा था। केवल तभी, यदि आप उसके प्रति कोई नापसंदगी या ऐसे व्यक्तियों के प्रति घृणा न रखते हों, आप उन्हें मिल सकते हैं। निश्चितरूप से, आपको महापाप को रोकने का लाभ मिल सकता है। मान लो कि लोगों का एक छोटा दस्ता, विरोधी पक्ष के लोगों को, दुश्मन को, झाड़ियों में घेर लेता है, जो अनेक औरतें और बच्चों का, नरसंहार (massacre) करने के लिए तैयार थे। शायद, वे उन घरों में रहने वालों को, ताले में अंदर बंद करने के बाद, आग लगाने वाले थे। ठीक है, आप और आपका छोटा दल, हत्यारे लोगों के, शायद, बीस लोगों को मार सकता है, परंतु ऐसा करने में शायद, आप दो हजार औरतों या आदमियों या बूढ़े लोगों का बचाव कर लेंगे, ताकि जमा–खर्च अच्छा होगा, क्या ऐसा नहीं होगा, और उस शीर्ष में आपको ''पुण्य प्राप्त होगा।''

श्रीमती नेन्सी जस्टिस (Mrs. Nancy Justice) मेरी पुरानी मित्र हैं, उनसे मैं काफी लम्बे समय से, ओह मैं भूल गया कितने लम्बे से, पत्राचार करता रहा हूँ, परंतु ये बहुत लम्बा समय है। चूँकि वह लिखती हैं और उनके कुछ प्रश्न हैं, इसलिए मैं सोचता हूँ, कि मुझसे श्रीमती नेन्सी जस्टिस के सामने हाजिर होने की अपेक्षा की जाती है, क्या आप नहीं सोचते? वह कहती हैं, मैं थोड़ी सी अतीन्द्रियज्ञानी हूँ, आपकी पुस्तक ''पुरातनों की बुद्धिमत्ता (Wisdom of the Ancients)'' में आपने अतीन्द्रियज्ञान को, दीवारों में होकर या उनके परे देखना, परिभाषित किया है। जानने से मेरा आशय है, कि क्या होने वाला है, इससे पहले कि वह हो, उसको जानना, परंतु मैं इसको केवल सीमित अंशों में ही कर सकती हूँ।

मेरे अंदर, क्रिस्टल या किसी वैसी ही चीज पर टकटकी लगाने की, एक तीव्र इच्छा है। मैं दर्पणों, जो मेरी ऑखों को आकर्षित करते हैं, को जानती हूँ, और मैंने दर्पणों, जो किसी समय उपयोग में लाये जाते थे, जहॉ वे एक ओर पेंट या वैसे ही कुछ किये गये थे, के बारे में कहीं पढ़ा है। क्या आप मुझे बता सकते हैं कि इसे कैसे किया जाये?''

ठीक है, श्रीमती जस्टिस, मैं अभी तक, क्रिस्टलों और उन्हें कैसे उपयोग में लाया जाये, के बारे में लिखता रहा हूँ। इसलिए मैं सोचता हूँ कि वास्तव में, आपके अधिकांश प्रश्नों का उत्तर दे दूं, परंतु अत्यन्त निश्िचतता के साथ, मैं आपको किसी काले दर्पण का उपयोग करने की सलाह नहीं दूंगा क्योंकि यदि इसका लापरवाही के साथ उपयोग किया जाये, तो वास्तव में, बहुत बहुत खतरनाक चीजें होती हैं, और शैतान अस्तित्वों को, आपके माध्यम से, गलत कामों पर लगाने के योग्य बनाती हैं। इसलिए मेरी सलाह मानें और इन काले दर्पणों के साथ कुछ भी न करें। क्रिस्टल, कुल मिलाकर, किसी भी तरीके से आपको हानि नहीं पहुॅचा सकता।

आप चलती जायें, ''मैं देखती हूँ कि आप सूक्ष्मलोक और सूक्ष्मलोक की यात्रा के सम्बन्ध में काफी बातें करते हैं। मैं आपका, जब आप ये कहते हैं कि आपको कोई नुकसान नहीं होगा, ये भी विश्वास करती हूँ, परंतु मैं उन अंजान लोगों में से एक हूँ, जो सम्मोहन, आत्मसम्मोहन से भी, मारक रूप से डरी हुई है। मैं जो आपसे पूछना चाहती हूँ, वह है, क्या ये सत्य है कि जब आप, उस दृष्टि से कि आप बाहरी प्रभावों के प्रति बिल्कुल सजग नहीं हैं, किसी चीज को पढ़ने, जैसे कि किसी पुस्तक को पढ़ने में, गहराई तक डूबे हुए हैं, क्या ये भी सम्मोहन का एक प्रकार है?''

जब आप सूक्ष्मलोकों की यात्रा कर रहें हैं, जबतक कि आप डरे हुए नहीं हैं, कोई नुकसान नहीं हो सकता। परंतु यदि आप, मान लो, सड़क को पार करते में डर जायें, तब आपको नुकसान पहुॅचाया जाता है। आप गलत रास्ते पर दौड़ सकते हैं।

निश्िचतरूप से, मैं सम्मोहन के विरोध में हूँ। मैं आत्मसम्मोहन के भी विरोध में हूँ क्योंकि, इसे गलत तरीके से करना काफी आसान है। वास्तव में, गलत तरीके से करना, सही तरीके से करने की तुलना में, अधिक आसान है। इसलिए सम्मोहन के सभी भेदों से हटकर खड़े हों, वे बुरे हैं। परंतु, जब आप इस पुस्तक को पढ़ रहे हैं, पूरी तरह आश्वस्त होकर विश्राम करें कि आप सम्मोहित नहीं हैं। बदले में, आप कुल मिलाकर, रुचि लेते हैं, और वह पूरी तरह सुरक्षित है।

श्रीमती जस्टिस, आप तीसरा प्रश्न देती हैं, और ये इतनी अच्छी तरह लागू होता है कि मैं यहॉ उसका उत्तर देने वाला हूँ। आप लिखती हैं, ''आप कहते रहते हैं, कि हम आपकी पुस्तकों में से प्रत्येक चीजों को जॉचें, हमको कब्जे में लिये जाने जैसा कुछ भी, कभी नहीं होगा। ठीक है, परंतु, ये लोग, जो कब्जे में ले लिये जाते हैं, कैसे बाहर निकलते हैं? वे क्या करते हैं और क्या नहीं करते?''

ये काफी अच्छा सवाल है। परंतु ठीक ऊपर की तरह, आप अच्छी तरह याद रखेंगे कि मैं आपको सम्मोहन न करने के लिए बताता रहा हूँ। मैं आपको काले दर्पणों को उपयोग में न लाने के लिए, बताता रहा हूँ। इसलिए यदि आप ऐसा करते हैं और इन चीजों को काम में लाते हैं, तब आपके ऊपर आसानी से आक्रमण किया जा सकता है। मैं अपनी सभी पुस्तकों में, शुरू से आखिर तक, आपको बताता रहा हूँ कि किस प्रकार कब्जे में नहीं आया जाये, और यदि आप उसका पालन न करें, जो मैं लिखता हूँ, तब आपको कब्जे में लिया जा सकता है। परंतु यदि आप इसका सम्मान न करें, तब मैं आपसे कह रहा हूँ कि आप कब्जे में आ जायेंगे, ये वह है, जिसे आप जानना चाहते थे।

काले दर्पण, काला जादू, सम्मोहन और ओझा बोर्डों में से कुछ, एक आपको बरबादी की तरफ ले जा सकते हैं, और आप उनके ऊपर सम्मोहित हो सकते हैं, आप अधिकार में लिये जा सकते हैं और यही कारण है कि मैं समय समय पर कहता हूँ कि इसे न करें!

अध्याय बारह

यहॉ हर कोई बहुत व्यस्त है; सामान्यतः मैं अपनी पुस्तकों में से अधिकांश खुद ही टाइप करना पसंद करता हूॅ और तब बटरकप उन्हें अपने ओलंपिया टाइपराइटर पर फिर से टाइप करती हैं। हे मेल्डरसन (Hy Mendelson) ने एक टाइपराइटर दिया था, जिसका मैंने नाम रखा है, ''पीला संकट (The Yellow Peril)।'' परंतु मैं इसे इस पुस्तक पर, अधिक काम में लाने में असमर्थ रहा, मेरे स्वास्थ्य ने मुझे इजाजत नहीं दी, इसलिए इस पुस्तक का अधिकांश भाग, एक छोटी सी जेबी चीज, सोनी टेपरिकॉर्डर के ऊपर बोलकर लिखाया गया। इसलिए मैं श्रीमान् निक्सन के साथ अपनी समानता का दावा कर सकता हूॅ। मेरा विश्वास है! उन्होंने सोनी रिकॉर्डरों का उपयोग, अपने वाटरगेट टेपो (Watergate tapes) को रिकॉर्ड करने के लिए किया था।

वाटर कप एक बहुत सुन्दर टाइपिस्ट हैं; बहुत अधिक तेज और असाधारण रूप से सही। जब वह कोई गलती कर दे, तो ये अत्यधिक आनन्द का अवसर होता है क्योंकि ये उसे बताना, कि वह कुल मिलाकर पूर्ण नहीं है, अच्छा लगता है। परंतु यहॉ रम्पा निवास में, हम बटरकप के एक महान कार्य के लिए ऋणी हैं, और उसके बिना, हमको अधिक कठिनाई भरा समय गुजारना पड़ता है। इसलिए बटरकप राउस, आपको धन्यवाद।

श्रीमती रम्पा भी एक कठिन परिश्रमी कर्मी है। वह टाइप की गई लिपि (typescript) के पृष्ठों में गिद्ध की ऑख के साथ, देखती हैं और बटरकप व श्रीमती रम्पा के बीच से काफी अधिक गलतियॉ बच कर नहीं निकल सकतीं, और यदि मैंने अपने बोलने में कोई गलती कर दी हो......! मेरे भगवान, मैंने कभी इसका अंतिम नहीं सुना। बटरकप, जैसे दस टन ईंटों के साथ मेरे पास आती है, और तबतक शान्ति नहीं मिलती, जबतक कि मैं गलतियों, भूलों या चूकों, या दूसरी चीजों को सुधार न दूॅ। यद्यपि मेरी सहानुभूति, बेचारे गरीब कम्पोजिटरों (typesetters or compositers)[52] की तरफ जाती है, जिन्हें पुस्तकों के लिए व्यवस्था बनानी होती है, क्योंकि एक पुस्तक को छपाई के लिए तैयार करना, एक भयानक चीज हो सकती है, जिसे आप अरुचिकर या जिसमें कोई रुचि नहीं, पा सकते हैं, मिलती है। मैं कम्पोजिटर बनने मात्र से घृणा करूॅगा।

चूॅकि मैं अपनी पहिये वाली कुर्सी पर बैठा हुआ हूॅ, मैं बाहर अपनी छोटी नदी को देख सकता हूॅ, और वहॉ दूर की तरफ पैदल चलाते हुए, सनकी लोगों की, दो लदी हुई नावें हैं, मानो कि वे युद्ध के पथ पर जाने वाले, लाल भारतीय (Red Indians) हों। मौसम एकदम ठण्डा है, और हमारी नदी खतरनाक है। इसमें काफी तलछट जमा हो गई है और इसमें नदी के आकार की तुलना में, बालू के बड़े बड़े पहाड़ बन गये हैं, जिससे पानी का निकास अत्यन्त तंग स्थान में होकर रह गया है, और इसलिए इसकी गति बढ़ जाती है और इसमें भॅवरें पैदा हो जाती हैं। हम हमेशा पढ़ते रहते हैं कि, कोई डूब गया या पानी में से निकाल लिया गया। फिर भी, लोग अभी भी, इसमें, पुराने टायरों या दूसरी चीजों पर, जिनको वे खोज सकें, अंदर जाते हैं। ओह ठीक है, मैं समझता हूॅ, अंत्येष्टि गृहों (Funeral Homes) के लिए अच्छा है!

अब मेरे पास, यहॉ एक दूसरा प्रश्न है, जिसका उत्तर मैं पहले ही दे चुका हूॅ, परंतु मैं इसका फिर से उत्तर दे रहा हूॅ, सम्भवतः क्रम में भिन्न तरीके से, ताकि कोई, इन चीजों के ऊपर, एक भिन्न

---

52 अनुवादक की टिप्पिणी : भारत में, लगभग 1980 के दशक तक, छपाई का काम, पैर से चलने वाली ट्रेडिल (tradle) या बिजली की स्वचालित बड़ी मशीनों पर हुआ करता था। तब छपाई के लिये सीसे के टाइप और लकड़ी के ब्लॉकों, जिनमें अक्षर या चित्र उल्टे बनाये गये होते थे, का उपयोग किया जाता था। टाइप का प्रत्येक अक्षर (हिन्दी में उसकी मात्राऐं भी), अलग इकाई हुआ करती थीं। टाइपसैटर (typesetter) या कम्पोजीटर (compositor), उनको उचित प्रकार से संयोजित करता था। अक्सर ये टाइपसैटर या कम्पोजीटर, बहुत कम पढ़े या लगभग निरक्षर होते थे, जो केवल अक्षर को पहचानना और उसे जमाना ही जानते थे। कम्पोज की हुई सामिग्री के रफ प्रूफ ले कर, प्रूफ रीडर (proof reader) द्वारा उनमें संशोधन किये जाते थे और कम्पोजीटर द्वारा त्रुटियों का संशोधन करने के बाद, इस प्रक्रिया को तबतक दुहराया जाता था, जबतक कि मुद्रण सामिग्री, मुद्रण के लिये एकदम ठीक न हो जाय। ये कार्य वास्तव में बहुत ही नीरस होता था। 1970 के दशक में, विशेषरूप से डैस्कटॉप कम्प्यूटर और छपाई की ऑफसैट मशीनें आने के बाद, अब प्रक्रिया एकदम बदल गई है। कम्प्यूटर और छपाई की ऑफसैट मशीनों से, हिन्दी में छपाई की शुरूआत, कम्प्यूटर के हिन्दी फॉन्टों के विकास के बाद प्रारम्भ हुई।

दृष्टिकोण पा सके। प्रश्न हैः ''जब विद्यार्थी परिपक्व होता है, तो गुरु प्रकट हो जाता है,'' इस कथन[53] से क्या तात्पर्य है?

बहुत सारे लोग सोचते हैं कि वे सब कुछ जानते हैं, इसके अतिरिक्त बहुत से सोचते हैं कि उन्हें केवल सीटी बजानी है और ऐसे किसी प्रखर व्यक्ति को पढ़ाने के लिए, गुरुओं के झुण्ड, उत्सुकता के साथ हॉफते हुए आ खड़े होंगे। कुल मिलाकर, वास्तव में, ये किसी तरीके से होता नहीं है।

आप उन पतीलियों को जानते हैं, आप उन्हें गैस या बिजली के ऊपर रखते हैं और जब पानी उबलने लगता है, तो वह भयानक आवाज निकालता है? ठीक है, लोग वैसे ही हैं। जब उनके कम्पन एक निश्चित तारत्व (pitch) तक पहुॅच जाते हैं, अर्थात् जब वे किसी को गुरु बनाने के लिए ''तैयार'' होते हैं, कहीं, चाहे संसार में हो या सूक्ष्मलोक में, कोई गुरु (Master) कम्पनों को पकड़ सकता है, जो कहते हैं, वास्तव में, उपमा के रूप में, ''हे बॉस, मैं तैयार हूँ, आयें और सब कुछ, जो आप जानते हैं, मुझे बतायें!'' इसलिए गुरू के एक भव्य विस्तार, और एक हार्दिक खरोंच देने के बाद, वह उसके पैरों पर, या उसके सूक्ष्मलोक के पैरों पर भी पड़ जाता है, और ताली बजा कर उसकी प्रशंसा करता हुआ उसके साथ आता है।

परंतु लगभग हमेशा, वह व्यक्ति जो सोचता है कि वह इतना/इतनी प्रखर विद्यार्थी है कि वह ठीक से तैयार है, वे इस प्रकार के लोग हैं, जो अभी तैयार नहीं हैं, और कोई बात नहीं, वे चाहे जितनी चीख पुकार करें, या भाप को बाहर निकलने दें, जबतक उनके कम्पन, ठीक तारत्व या आवृति तक नहीं पहुॅच जाते, कोई गुरु प्रकट नहीं होगा। इसलिए यदि गुरु प्रकट नहीं होता, तो यह निश्चित प्रमाण है कि आप तैयार नहीं हैं।

ये कौन है? ईस्टर ए. मोरे (Ester A.More)। ठीक है, ईस्टर मोरे, यहाँ आपका दूसरा प्रश्न हैः ''जाति का कर्म (racial karma), किसी व्यक्ति विशेष को कैसे प्रभावित करता है?''

इससे पहले कि कोई आदमी पृथ्वी पर पुनर्जन्म लेता है, वह व्यक्ति वहाँ जाता है, जिसे हम हास्य के साथ, सूक्ष्मलोक में यात्रा का एक एजेन्ट कहते हैं। वास्तव में, ये सलाहकारों की एक परिषद होती है। परंतु एक व्यक्ति, जो पृथ्वी पर वापस आता है, जानता है कि क्या किया जाना है, उसे कहाँ जाना है, और किसी विशेष काम या पाठ को करने के लिए क्या परिस्थितियाँ होनी चाहिए। इसलिए चीजों में से, एक यह है कि कोई, जाति के कर्म को, जिसमें कोई आ रहा है, अपनी गणना में रखता है। कोई उस जाति में आता है, जिसका कर्म, दिये गये कार्य को करने के लिए, किसी के अवसरों को बढ़ाने के लिए उपयुक्त है। जाति का कर्म उससे अलग हटकर, किसी को प्रभावित नहीं करता क्योंकि जाति के मनु को अधिक करना होता है।

ठीक है, अब यहाँ ईस्टर मोरे के पास दूसरा प्रश्न है। वह हमें, एक अच्छी नौजवान महिला दिखाई देती है, इसलिए हम उसके लिए कुछ और मिनट निकालें, क्या हम निकालेंगे? उसका तीसरा

---

53 अनुवादक की टिप्पिणी : श्री नन्दलाल गुप्त द्वारा लिखित ''स्वामी विशुद्धानन्द परमहंसदेव के जीवन और दर्शन'', नामक पुस्तक में यही बात कही गई है। जब कई शिष्यों ने उनको अपना गुरु बनाना चाहा, तो उन्होने जवाब दिया कि तुम्हारे पूर्वजन्मों के गुरु दूसरे हैं, इसलिए मैं तुम्हें दीक्षा नहीं दे सकता। तुम्हारे परिपक्व होने पर, वे स्वयं ही तुम्हारे सामने प्रकट हो जायेंगे।

स्वामी रामा ने, अपनी पुस्तक, 'लिविंग विद हिमालियन योगीज (Living With Himalayan Yogis)' में भी यही बात कही है। बनारस के प्रसिद्ध तांत्रिक श्री अरुण कुमार शर्मा, जो तीन वर्ष तक तिब्बत में भटकते रहे, ने भी अपनी पुस्तकों में कई जगह इस तथ्य को कहा है कि जैसे शिष्य को गुरु की तलाश रहती है, वैसे ही गुरु को भी योग्य शिष्य की तलाश रहती है और समय आने पर वह स्वयं प्रकट हो जाता है, अन्यथा कई जन्मों तक, वह प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, उसको मार्ग दर्शन देता रहता है।

स्वामी विवेकानन्द 1890 में पवहारी बाबा से गाजीपुर में मिले थे, उन्होंने पवहारी बाबा से दीक्षा देने का आग्रह किया। इस पर बाबा ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को, निर्दिष्ट व्यक्ति ही दीक्षा देता है, अतः वह अपने गुरु रामकृष्ण परमहंस से अनुमति प्राप्त कर लें, स्वामी विवेकानन्द को अनुमति प्राप्त नहीं हुई। (देखें भारत के महान योगी, भाग 6, लेखक विश्वनाथ मुखर्जी, प्रकाशक अनुराग प्रकाशन, वाराणसी)

अपनी जवानी के दिनों में पवहारी बाबा, काठियावाड़ स्थित गिरनार पर्वत पर तपस्या करने गये थे, वहाँ उन्हें एक योगी के दर्शन हुए, जिसको उन्होंने गुरु बनाना चाहा, परन्तु उन्होंने ये कहते हुए कि ''प्रत्येक शिष्य के लिये एक निश्चित गुरु होता है, वही दीक्षा देने का अधिकारी होता है,'' दीक्षा देने से मना कर दिया था। (देखें भारत के महान योगी, भाग 6, लेखक विश्वनाथ मुखर्जी, प्रकाशक अनुराग प्रकाशन, वाराणसी)

प्रश्न है, ''कोई व्यक्ति, उसी परिवार में, जिसमें वह अब है, पुनर्जन्म लेने के लिये क्या कर सकता है, या क्या ये सम्भव नहीं है?''

मैं आपको, अभी बताता रहा हूँ कि चीजों की योजना किस तरह से बनाई जाती है। इसलिए यदि दूसरे जीवन में, लोगों के लिए, साथ–साथ आना आवश्यक है, तब वे दूसरे जीवन में साथ–साथ आयेंगे और इस विशिष्ट उद्देश्य के लिए व्यवस्थायें की जाती हैं। आप भारत में, एक लड़की के प्रकरण को याद कर सकते हैं; वह बच्चे के रूप में मरी, और तब उस परिवार में, जो वहॉ से मात्र कुछ मील दूर रहता था, बच्चे के रूप में ही वापस आई और उसने अपने दूसरे परिवार के बारे में बातें करना जारी रखा। अनेक पूछताछ की गईं और अंत में दोनों परिवारों को साथ–साथ लाया गया, और तब पुनर्जन्म लेने वाली लड़की, ये प्रमाण देने में सफल रही कि उसका पुनर्जन्म हुआ है। ये एक मामला है, जो सभी सम्भव संदेहों के परे अधिकृत है।

अब यहॉ आपके लिए एक प्रश्न है; क्या वास्तव में, मत्स्यपुरुष (Mermen) और मत्स्यकन्या (Mermaid) जैसे लोगों की कोई प्रजाति है, और यदि ऐसा है, तो उनकी बुद्धि किस प्रकार की होती है और उन्हें क्या हुआ?''

वास्तव में, आम औसत आदमी, मत्स्यपुरुष और मत्स्यकन्या के सम्बन्ध में जितना जानता है, वह एटलांटिस के समय तक पीछे जाता है। वर्तमान सभ्यता की तुलना में, तकनीकी रूप से, एटलांटिस बहुत अधिक उन्नत स्थान था।

लोग बनाये जा सकते थे, प्रोटोप्लाज्म के डेले, कुछ हद तक, मानवीय आकृतियों में बनाये जा सकते थे, और उनको गुलामों के रूप में नहीं, बल्कि सेवकों के रूप में इस्तेमाल किया जाता था, क्योंकि वे निम्नस्तर की मानसिकता वाले लोग थे, वास्तव में, वे, अपने मालिकों और मालकिनों की सेवा के उद्देश्य से ''बनाये गये'' थे।

सैद्धान्तिक रूप से, आजकल किसी कुत्ते या घोड़े या वैसे ही किसी दूसरी चीज की मानसिकता को, कुछ विशेष किरणों के द्वारा, विकरण दिये जाने, और उन्हें कुछ विशेष रसायन खिला देने के साथ बढ़ा देना, सम्भव है। उस तरीके में, मस्तिष्क के वोल्टेज को बदला जा सकता है, और इस प्रकार बुद्धिमत्ता गुणांक (intelligence-factor) बढ़ाया जा सकता है। उदाहरण के लिए, कोई कारण नहीं है, रसायनों के द्वारा, बंदर क्यों न बदले जाने चाहिये, ताकि उनका मानसिक स्तर अत्यधिक बढ़ जाये और इस प्रकार, वे सेवकों के रूप में, लोगों की सेवा, प्रभावी रूप से, कर सकें। मैं एकदम हाल में, केलगेरी में मची भगदड़ की बात जानता हूँ, जब हमने सभी प्रकार की चीजों को, शहर की गलियों में होकर गुजरते हुए पाया। वहॉ एक बन्दर, एक घोड़े पर सवार था, और वह कपड़े पहने था। वह दर्शकों को देखकर, अपने टोप को उतार रहा था, और उस हर तरीके से व्यवहार कर रहा था, जैसे कि उसके आसपास के मनुष्य करते थे। सिवाय नाकनक्श के, जहॉ तक व्यवहार का सम्बन्ध है, कोई किसी प्रकार का अन्तर नहीं बता सकता था और बूढ़ा बन्दर, उसे निश्चित रूप से, तालियों की बड़ी गड़गड़ाहट भी मिली, परंतु, तब तालियों की गड़गड़ाहट ने, उसके आत्मनियंत्रण को विक्षुब्ध कर दिया, क्योंकि वह घोड़े पर से कूदा और दर्शकों पर कूद गया और वह भयानक रूप से, उनके प्रति आकर्षित था और मैं समझता हूँ, इसे फिर से घोड़े पर वापस लाना! एक भारी काम था।

''आपने उल्लेख किया है कि सूक्ष्मलोक में हमारे परिवार हो सकते हैं। क्या हम उन्हें, पृथ्वी पर अपनी क्लास में शामिल होने के लिए, कुछ समय के लिए, छोड़ सकते हैं और अपनी पृथ्वी के क्लास समाप्त होने पर, फिर, उन तक वापस जा सकते हैं?''

हॉ, ये पूरी तरह सम्भव है। आप कह सकते हैं कि हम पृथ्वी पर चौबीस घंटे प्रतिदिन व्यतीत करते हैं। निश्चित रूप से हम करते हैं, परंतु वे पृथ्वी के घंटे हैं, और सूक्ष्मलोक का समय, पृथ्वी के समय से, पूरी तरह से अलग है। वास्तव में, कुछ हिन्दू पुस्तकों में, पृथ्वी से दूर जाते हुए और

सूक्ष्मलोक में थोड़ा सा समय गुजारते हुए लोगों की कुछ कहानियॉं हैं। वे पृथ्वी पर वापस आकर ये देखते हैं कि पृथ्वी का एक हजार वर्ष का समय गुजर चुका है। इसलिए किसी मनुष्य के लिए, पृथ्वी पर आना और प्रतिदिन के सभी कामों को करना, पूरी तरह सम्भव है परंतु व्यक्ति को सोना पड़ेगा और नींद की अवधि में सूक्ष्मशरीर, सूक्ष्मलोक को वापस जायेंगे। कोई बात नहीं, वह व्यक्ति इसे याद रख पाता है या नहीं, और समय, जो उन्होंने अपने परिवारों के साथ सूक्ष्मलोक में व्यतीत किया, हो सकता है शायद दूना होता, यदि वे दिन में पृथ्वी पर ठहरे होते। ये कुल मिलाकर, समय के अंतर का प्रश्न है।

अगला प्रश्न, मुझे आश्चर्यचकित करता है मानो कोई बेचारी आत्मा, कठिन तरीके से पढ़ाई गई हो क्योंकि प्रश्न हैः ''यदि एक बच्चा, अपने जीवन में, कठोर हृदय वाले मातापिता द्वारा, कॉलेज में धकेला गया था, क्या वह, आवश्यक रूप से, बच्चे को उसके आगे आने वाले जीवनों में मदद करेंगे?''

ओह प्रिय, प्रिय, मुझे आपको निराश करते हुए अत्यन्त खेद है, परंतु उत्तर है, हॉं। हर चीज, जो हम सीखते हैं, हर चीज, जो हम अनुभव करते हैं, मूल्यवान है, और उसका संरक्षण किया जाता है। अब, इसको समझाने का एक अच्छा तरीका, शायद ये कहना होगा कि, जब हम दूसरी तरफ जाते हैं, हम सभी अच्छी चीजें, जो हमने पृथ्वी पर सीखी हैं, (अपने साथ) ले जाते हैं, और सभी बुरी चीजें (कूड़ा करकट) पीछे बचा रह जाता है। ये ऐसा है, मानो, आप किसी धातु, उदाहरण के लिए, यदि आप सोने या चांदी को गला रहे हैं; ठीक है, आप माल को गलाऐं और तब गाद, उसकी ऊपरी सतह पर आ जाती है (क्योंकि सोना या चांदी गाद से भारी होता है), ये एक गंदा पदार्थ बनाता है, जिसे, सोने या चांदी को पिण्ड के रूप में उंडेलते हुए, हटा दिया जाता है और फैंक दिया जाता है। ठीक है, हम बहुत कुछ वैसी ही अवस्था में हैं। सब कुछ, जो हमने यहॉं सीखा, जो हमारे अधिस्वयं और हमारे विकास के लिए उपयोगी है, उसे संभालकर रखा जाता है और एक बुरी स्मृति के रूप में, बुरे को त्याग दिया जाता है।

लोग सूक्ष्मलोक में रुचि रखते हैं, क्या वे नहीं रखते? इसलिए यहॉं सूक्ष्मलोक के बारे में, एक दूसरा प्रश्न है। ये है, ''यदि मैं, जाग्रत अवस्था में, सूक्ष्मलोक की यात्रा करने में सक्षम होता और मेरी पत्नी बिना सफलता के प्रयत्न कर रही होतीः 1) क्या मैं सूक्ष्मलोक में जॉच सकता हूॅं कि वह क्या गलत कर रही थी, और स्थिति को सुधारने में उसकी मदद कर सकता हूॅं? 2) इस तरीके से उसे मदद करना, क्या किसीप्रकार से गलत होगा?''

उत्तर है कि वास्तव में, आप सूक्ष्मलोक में जा सकते हैं और पता कर सकते हैं कि समस्या क्या है, और वास्तव में, आप वापस आ सकते हैं और उसे बता सकते हैं कि समस्या क्या है। परंतु आप नहीं बता सकते कि अभी क्या समस्या है; ये मात्र स्मृति का मामला है। वह सूक्ष्मलोक की यात्रा करती है। ये जानते हुए (और न बताते हुए!) कि आप कौन हैं, मैं जानता हूॅं कि आपकी पत्नी, और वैसे ही आप भी, मुझे सूक्ष्मलोक में मिलते रहे थे और आपने इसके बारे में बड़ी छींटाकशी भी की! परंतु आपकी पत्नी कठोर परिश्रम कर रही है, या उनको थोड़ा डर भी हो सकता है। परंतु, यदि वह चीजों को शांतिपूर्ण ढंग से लेगीं और ऐसे प्रयास नहीं करेंगी तब वे सूक्ष्मलोक के अनुभवों, जो उन्होंने किये, को याद रखेंगी।

अब, यहॉं थोड़ा सा और है, जो वास्तव में, खोखली पृथ्वी से सम्बन्धित है। ''चूॅंकि आपकी पुस्तकों के प्रकाशन के बाद से, मैं कल्पना करूॅंगा कि चीनी लोगों ने, पहाड़ों और भूमिगत नदियों में होकर, गुजरने के रास्ते तलाश करने का प्रयास किया है।

एक उतनी अच्छी गहन खोज से, ये इतनी अच्छी तरह कैसे बचा रह सका?''

उत्तर है, दक्षतापूर्ण, गलत दिशानिर्देशन से। यदि आप अपने सामने एक खाली दीवार को देखें, और पता करने वाले विशेष यंत्रों के उपयोग सहित, आपकी सभी जॉचें, इत्यादि, आपको सहमत करा दें कि दीवार पक्की है, ठोस है, तब आप दूसरी जगह जायेंगे, और दीवार को, वास्तव में, पूरी तरह

सुरक्षित रखा गया है, क्योंकि यदि कोई काफी दूर तक, नीचे चला जाता है, तो वह खोखली पृथ्वी की जॉच चौकी (outpost) को पा जायेगा। आप आगे पूछते हैं, भूमिगत सुरंगों की अनुमानित तिथियों को। ठीक है, मुझे कहना चाहिए, लगभग दस लाख वर्ष या ऐसा ही कुछ पहले, क्योंकि वे एटलांटिस से काफी पहले बन चुकी थीं, वे तब बनाई गई थीं जब पहले लोग "भूमिगत हुए," और आंतरिक विश्व में गये। चलते चलते मुझे कहने दें कि यद्यपि, खोखली पृथ्वी के विचार के ऊपर, बहुत सारे लोग हॅसी से चीत्कार कर उठेंगे। मुझे उन्हें ये ध्यान दिलाने दें कि, शताब्दियों और शताब्दियों से लोग सोचते थे कि पृथ्वी सपाट थी, और यदि किसी ने ये कहने का दुस्साहस किया कि पृथ्वी गोल थी, तब उनको पागल करार दे दिया जाता था क्योंकि तब उन्होंने कहा होता कि यदि पृथ्वी गोल है, तो हम इसके ऊपर कैसे खड़े हो सकते हैं। पृथ्वी के दूसरी तरफ के लोगों के बारे में क्या होगा, वे निश्चित रूप से, गिर पड़ेंगे, हम अन्यथा जानते हैं, क्या हम नहीं जानते? हम जानते हैं कि पृथ्वी गोल है, सपाट नहीं। हम में से कुछ जानते हैं कि दुनियॉ खोखली भी है, इसके बारे में सोचें, क्या आप सोचेंगे ?

आदरणीय श्रीमान्, आपने अपने तथ्यों को कहीं मिला दिया है या उन पर एक ईंट पटक दी है या आप मेरी पुस्तकों को ठीक से नहीं पढ़ रहे हैं। आप कहते हैं, "बहुत दूर अंतरिक्ष में, लोगों की एक प्रजाति, तांबिया (Tan), जाति के लोगों को पैदा करने के लिए, इस विश्व के लोगों को क्यों बसाना चाहती है?

ठीक है, ऐसा किसने कहा कि अंतरिक्ष में कहीं दूर से आने वाले, एक कॉलोनी बसाने वाले हैं? केवल इस पर विचार करें; सभी श्वेत मनुष्यों, पीले मनुष्यों, लाल मनुष्यों, काले लोगों को और कोई भी दूसरा रंग या रंग की धाप, जो आप ले सकते हों, ले लें, उन्हें सभी को आपस में शादियॉ करने दें, और तब परिणाम को देखें। किस रंग का इंसान होगा? वास्तव में तॉबिया। और इस प्रकार, जब हम विश्व के सभी लोगों को पारस्परिक विवाह करने दें, हम तॉबिया लोगों की प्रजाति पा सकेंगे क्योंकि उन दिनों में रंग प्रभावित नहीं करेगा। आजकल ये ब्राजील में कोई प्रभाव नहीं रखता। इस पृथ्वी के चेहरे पर, ये एक ही स्थान है, जहॉ काले आदमी और सफेद आदमी, रंग का कोई विचार किये बिना, कंधे से कंधा मिलाकर काम करते हैं। मेरे मन में, ब्राजील के लिए अत्यन्त नर्म बिन्दु है क्योंकि वे ठीक कर रहे हैं, और ये प्रगतिशील देशों में से एक है। वह, तॉबिया प्रजाति के नागरिकों को पैदा करने वाले, पहले लोग होंगे।

"साधु (The Hermit)" में, साधु को अपनी कहानी बताने के लिए कहा गया था कि बागवान किसी को यहॉ इस पृथ्वी पर भेजेंगे। इसका ये कैसे अर्थ लगाया जा सकता है कि, आपको इस पृथ्वी पर रखा गया था?"

ठीक है, किसी को भी चुना जाना था, और उस व्यक्ति, जो चुना गया, को कुछ निश्चित अहर्तायें (qualifications) रखनी थीं। उदाहरण के लिए, वह एक अत्यन्त कठोर व्यक्ति होना चाहिए था, उसे अत्यन्त उच्च दूरानुभूतिपूर्ण, उच्च परोक्षदर्शी, होना चाहिए था, उसकी स्मृति बहुत अच्छी होनी थी, और उसकी अपनी खुद की व्यक्तिगत आवृति या तरंगदैर्ध्य एक निश्चित क्रम (order) की होनी चाहिए थी। दूसरे शब्दों में, उसे महान स्वामियों में से एक के, निरन्तर सम्पर्क में रहना चाहिए था। इसलिए बेचारा वह, जिसने इन सब अहर्ताओं को पूरा किया, पकड़ लिया गया और उसे ऐसी अवस्था में रखा गया कि वह स्वाभाविक रूप से, कहानी का श्रोता बन गया, और मैं कहता हूॅ कि वह कहानी सत्य है।

हम पेडल बोट मोफेट के बयान को लें। वह कहते हैं, जोसेफ एफ ब्लुमरिच के द्वारा लिखित, 'एजेकील के अंतरिक्ष यान,' पुस्तक को पढ़ो, आपने सुझाव दिया मैंने इसे पढ़ा और ये बहुत अधिक दिलचस्प और अच्छी तरह लिखी गई सिद्ध हुई।" इसलिए आप देखते हैं, पेडल बोट मोफेट, अब पेडल बोट क्लब का एक सदस्य, राय लेने के लिए, राय पर कार्य करने के लिए, और राय से लाभ उठाने के

लिए सक्षम है। वह अच्छा आदमी भी है।

यहॉं विलहेम ब्रिसेनो (Wilhem Briceno) का एक प्रश्न है। वह अठारह साल की आयु का है और वेनेजुएला (Venejuela)[54] में रहता है। उसका पहला प्रश्न है, ''क्या विश्व का कोई भाग है, जहॉं ईसा द्वारा सिखाया गया मूल धर्म, अभी व्यवहार में लाया जाता है?''

नहीं, मुझे ये कहते हुए दुख है कि ऐसा नहीं है। ईसा इस दृश्य से गुजर गये और वर्षों तक ईसा की शिक्षायें नष्ट हो जाने दी गईं। परंतु वर्षों के बाद, लोगों का एक गिरोह, जिन्होंने सोचा कि वे किसी चीज की शुरूआत करेंगे, जो उन्हें कुछ शक्ति प्रदान करेगी। वास्तविक और प्रारम्भिक ईसाई धर्म के संस्थापक, जैसा कि उस समय था, पूरी तरह धर्म संस्कृति के सदस्य थे, उन्होंने वह नहीं पाया, जो ईसा ने सिखाया था, परंतु उन्होंने वह पाया जो कि उनकी खुद की शक्तियों को बढ़ाता था। उदाहरण के लिए, समूह में से अधिकांश, औरतों के विचार पर, डर के मारे लकवा खा गये थे। ईसा ने नहीं पढ़ाया कि स्त्रियॉं गंदी होती हैं। ध्यान दें, मैं सुनिश्चित हूँ कि ईसा ने, नारी मुक्ति वाले आदमियों को, जो मुझे लिखते हैं, पसन्द नहीं किया होता। परंतु ईसा ने पढ़ाया कि औरतों के वैसे ही अधिकार होते हैं, जैसे कि आदमियों के होते हैं, परंतु धर्म के संस्थापक, वर्ष 0060 ईसवी में, कुल मिलाकर, औरतों को कोई शक्ति नहीं देना चाहते थे, इसलिए ये सिखाया गया कि औरतों की आत्मा नहीं होती, औरतें गन्दी होती हैं (उनमें से कुछ, उन पदार्थों के द्वारा, जो वे अपने चेहरों पर लगाती हैं!) तथापि, प्रश्न का उत्तर देने के लिए, नहीं, इस पृथ्वी के किसी भी स्थान पर, ईसा की मूल शिक्षायें, बिल्कुल भी नहीं मानी जाती हैं।

''क्या बाइबिल की मूल पांडुलिपि कहीं अस्तित्व में हैं? यदि नहीं, ईसाइयत, जैसा कि इसे मूलतः पढ़ाये जाने का आशय था, को पढ़ाये जाने योग्य बनाने के लिए, कोई क्या कर सकता है।

ठीक है, यदि हम बाइबिल का मूलपाठ पा सकें, हम फिर भी ईसाइयत के आधार पर वापस नहीं लौट सकते, क्योंकि बाइबिल, पुस्तकों ''उपदेश .... अमुक के अनुसार'' का मात्र संकलन है, और जैसा मैं कहता रहा हूँ कि बाइबिल, आवश्यक रूप से, ईसा की शिक्षायें नहीं हैं। ईसा के समय के अधिकांश लोग, किसी भी प्रकार से लिख नहीं सकते थे।

यदि सभी पशु इतने बुद्धिमान हैं, तो वे मंदिर और घर क्यों नहीं बनाते, और वे इतिहास में, किसी भी सभ्यता को क्यों नहीं छोड़ते?''

परंतु क्या आप निश्चित हैं कि वे ऐसा नहीं करते? आप देखें, इसका ये आशय नहीं है कि, कोई व्यक्ति सभ्य या सुशिक्षित है क्योंकि वह मंदिर या गिरजाघर बनाता है। अभी मेरे सामने एक है, जो पूरी तरह, एक भारतीय झौंपड़ी के रूप में, किया गया ठोस विरूपण है, अर्थात्, छत से ऊपर की तरफ टिके हुए तीन नकली खम्भों पर, तम्बू की शक्ल का बनाया हुआ। ये एक गिरजाघर है, ठीक है, तम्बू की शक्ल में, जो उन भारतियों का तम्बू था, जो कैसे भी, ईसाई नहीं थे। इसलिए उसमें किसी प्रकार

54 अनुवादक की टिप्पिणी : वेनेजुएला (Venejuela), दक्षिण अमरीका महाद्वीप के उत्तर में, उष्णकटिबंधीय प्रदेश में स्थित, एक देश है, जिसकी राजधानी काराकास (Caracas) है। इसके पूर्व में गुयना (Guyana), दक्षिण में ब्राजील (Brazil), एवं पश्चिम में कोलंबिया (Columbia), राष्ट्र और उत्तर पूर्व में ट्रिनीडाड (Trinidad), और टोबागो (Tobago), द्वीप हैं। इसका क्षेत्रफल 9,16,445 वर्ग किलोमीटर और आबादी 10 लाख से अधिक है। इसकी सीमा 2800 किलोमीटर की है। इसके उत्तर में कैरेबियन द्वीप समूह एवं उत्तर पूर्व में अटलांटिक महासागर हैं। 20वीं शताब्दी के प्रारंभ में, यहॉं कच्चे तेल की खोज हुई और आजकल ये विश्व का सबसे बड़ा, ज्ञात तेल भंडार है और दुनियॉं के बड़े तेल निर्यातकों में से एक बड़ा देश है। कॉफी और कोको यहॉं की प्रमुख पैदावार हैं। वेनेजुएला की आय का प्रमुख स्रोत, कच्चा तेल है। वेनेजुएला, जो दक्षिणी अमेरिका के उत्तरी समुद्र तट पर स्थित है, अधिकृत रूप से बोलिवेरियन रिपब्लिक ऑफ वेनेजुएला (Bolivarian Republic of Venejuela) कहलाता है। 1522 में, वेनेजुएला को स्पेन ने कॉलोनी के रूप में बसाया था। अतः यहॉं की प्रमुख भाषा स्पेनिश है। वेनेजुएला में, भ्रष्टाचार दुनियॉं में सबसे ऊपर है। तेल की खोज ने राजनीतिक भ्रष्टाचार की स्थिति अत्यंत खराब कर दी है। बेसबॉल यहॉं का प्रमुख खेल है, तथापि, फुटबॉल, बास्केटबॉल भी लोकप्रिय हैं। 2012 में वेनेजुएला ने (2012 Basketball world Olympic Qualifying Tournament) और (2013 FIBA Basketball America's Championship) की मेजबानी की थी। वेनेजुएला में साक्षरता की दर 1998 में 91.1प्रतिशत थी, जो 2008 में बढ़कर 95.2 प्रतिशत हो गई है। वेनेजुएला में अनेक विश्वविद्यालय हैं, जिनमें से 1721 में, काराकास में स्थापित सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ वेनेजुएला (Cental University of Venejuela) सर्वाधिक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय है।

का संकेत कैसे आया?

मेरे खुद की निश्चित जानकारी के अनुसार, पशु बुद्धिमान होते हैं, परंतु उनकी बुद्धिमानी, मानवों से भिन्न आकृति लेती है। मानव बड़े बड़े भवन बनाने की इच्छा रखने वाले दिखते हैं, ताकि कुछ दूसरे लोग, एक साथ आ सकें और उनके ऊपर बम, जिन्हें मनुष्य बनाते हैं, गिरा सकें या नगरों में बमबारी कर सकें। मैं लोगों को, जो सोचते हैं कि मनुष्य सृष्टि के स्वामी हैं, कभी नहीं समझ पाया। वे नहीं हैं। ये स्वीकार करते हुए कि वे शक्ति के द्वारा, इस विशेष पृथ्वी पर, अपना वर्चस्व बनाते हैं, परंतु क्या आप जानते हैं कि केवल मनुष्य और मकड़ी ही, बलात्कार करते हैं? कोई भी दूसरा जीव, ऐसा बिल्कुल नहीं करता।

आप चीजों को बनाने के बारे में कहते हैं, परंतु मधुमक्खियों के बारे में क्या, चींटियों के बारे में क्या? उनकी अत्यन्त आश्चर्यजनक सभ्यतायें होती हैं। चीटिंयों के किले होते हैं, उनकी एक अच्छी प्रभावशाली फौज होती है, उनके पास सफाई करने वाले, सड़कों को साफ करने वाले होते हैं, उनके पास परिचारिकायें और बाकी बहुत कुछ होता है, उनके पास ''दुधारू गायें,'' जो छोटे–छोटे कीटभक्षी पौधे (aphids) होते हैं, भी होती हैं।

पशु, अपने स्वयं के विशेष उद्देश्यों, और अपने खुद के विशेष उत्थान के लिए, यहॉ हैं और मैं अपने निजी गहन अध्ययनों के द्वारा जानता हूँ कि पशु, उच्च बुद्धिमत्ता वाले हो सकते हैं, मनुष्यों से भी अधिक बुद्धिमत्ता वाले। मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ कहता हूँ कि जबतक आप अतीन्द्रियज्ञान, और दूरानुभूति वाले वाले नहीं हैं, जैसा कि मैं हूँ, तब आप सत्यतापूर्वक मेरा विरोध नहीं कर सकते, क्योंकि, तब आप उस व्यक्ति की भॉति होंगे, जो अंधा पैदा हुआ और जो कहता है कि लाल, हरा, पीला, इत्यादि विभिन्न प्रकार के कोई रंग नहीं होते। जब कि आपके पास वही योग्यतायें नहीं हैं, जो मेरे पास हैं, तब आप झगड़ा नहीं कर सकते कि मेरी उच्चतर क्षमतायें, समझने में मुझे किस प्रकार योग्य बनाती हैं।

उसी प्रकार, मैं चल नहीं सकता, इसलिए यदि आप कहें कि अमुक–अमुक सतह के ऊपर चलना, बहुत सुखद चीज होगी, मेरा आपके साथ बहस करना बेकार है। मैं नहीं जानता, मैं केवल अपने विषयों को जानता हूँ।

रोजमेरी (Roseextremes), जो उसका एक मात्र नाम है, जो मेरे पास है, यहॉ मुझे लिखती है और कहती है, ''क्या आपके लिए, अपनी अगली पुस्तक में, दोहरे व्यक्तित्व के सम्बन्ध में बात करना, थोड़ा सा विचार करना, सम्भव होगा? आप देखें, मेरे पास दोहरे व्यक्तित्व हैं। क्या इसका ये तात्पर्य है कि मुझे मध्य मार्ग को समझने में, बड़ी परेशानी है ? मैं अतियों (extremes) तक जाती हुई, दिखाई देती हूँ।''

नहीं, रोजमेरी, इसका ये आशय नहीं है कि आप किसी भी प्रकार से दूसरे से भिन्न हैं। इसका आशय ये है कि आप यहॉ, कुछ निश्चित विकारों पर, पार पाने के लिए आई हैं, ताकि आप देख सकें कि आपके जैसा क्या था कि, आप दोहरे व्यक्तित्व के साथ आईं। मैं मानता हूँ कि पिछले जीवन में, शायद, आपके एकदम अंतिम जीवन में भी, आप लोगों के साथ सफल नहीं हो पाईं, और किसी ने आपको कहा कि आप स्वयं के साथ भी सफल नहीं हो सकतीं। इसलिए प्रभावीरूप से, आपने कहा; ''ठीक है, मैं दोहरे व्यक्तित्व के साथ, पृथ्वी पर वापस जाऊँगी और आप देखेंगे कि मैं कितना अच्छा करती हूँ!''

एक दोहरा व्यक्तित्व, मात्र वह है, जो ज्योतिषीय बनाव का होता है, जो उन्हें किसी सिक्के के दोनों पहलू, एक साथ देखने के योग्य बना देता है। निश्चितरूप से, ये एक साहसी कार्य है, परंतु इसका ये अर्थ नहीं है कि आप, दूसरों की तुलना में, किसी भॉति अच्छी या खराब हैं।

इसका ये भी अर्थ हो सकता है कि वास्तव में, आपको जुड़वा होना चाहिए था, आप जानती हैं, समरूप जुड़वॉ (identical twins), जहॉ एक अण्डा विभक्त होता है, परंतु किसी कारण से अण्डा

विभाजित नहीं हुआ और उस मामले में आप एक ही शरीर के अंदर, एक प्रकार का दोहरा अस्तित्व पाते हैं। कभी बुरा न मानें, रोजमेरी, मैं आपको यहॉं बताऊॅंगा कि और वास्तव में, अब आप बहुत अच्छा कर रही हैं, और चिंता करने का थोड़ा सा भी कारण नहीं है, इसलिए चिंता न करें!

हमारे पास एक और प्रश्न के लिए समय है, मैं सोचता हूॅं, और ये श्रीमान् होवार्ड जी. मार्श (Howard G. Marsh) की ओर से है। मैं इडाहो (Idaho) से, काफी लोगों को मुझे पत्र लिखते हुए पाता हूॅं। ठीक है, श्रीमान् मार्श, आप कहते हैं, ''आपने, अपनी पुस्तकों में से एक में, उल्लेख किया है कि किसी व्यक्ति को राशिचक्र (zodiac) की प्रत्येक राशि (sign) के लिए, पृथ्वी पर वापस आना पड़ता है। यदि उसने अपने पाठों को ठीक से सीखा, तो ऐसा बारह बार होगा। क्या मैं ठीक हूॅं?''

श्रीमान् मार्श, मुझे आपको बताना है कि आप ठीक नहीं हैं! किसी व्यक्ति को, राशिचक्र की हर राशि में वापस आना पड़ता है और उसको, राशिचक्र की प्रत्येक राशि (30 डिग्री) के हर चतुर्थांश (quadrant) में, वापस जीना पड़ता है। और, वह तबतक वापस आता रहता है जबतक कि वह, राशिचक्र की हर राशि में और राशि के हर चतुर्थांश में, अपने काम को सफलतापूर्वक पूरा नहीं कर लेता। इसलिए यदि वह धीमे सीखने वाला है, तो वह, हजार या दो हजार बार भी पृथ्वी पर, आ सकता है, जो इसे थोड़ा सा उबाऊ बना देता है, क्या ऐसा नहीं होता ?

टेप घूमता जा रहा है, दिन डूबने को है, शीघ्र ही हमारे ऊपर सांझ आ जायेगी। इस पुस्तक के पेज बढ़ते जा रहे हैं और इसके कुल शब्द उस सीमा से पार हो रहे हैं, जो इस पुस्तक के लिए विचारित की गई थी। मेरे सामने प्रश्न पर प्रश्न, प्रश्नों के ढेर, मेरी आने वाली अनेक पुस्तकों के पर्याप्त प्रश्न मेरे सामने हैं। और कौन जानता है? कि मैं फिर भी, अगली पुस्तक लिख पाऊॅंगा। बूढ़े आदमी में अभी भी जीवन है। मैं अभी भी, थोड़ी सी चिकोटी काट सकता हूॅं, मैं अभी भी, रिकॉर्डर के बटन को दबाने में सक्षम हूॅं। इसलिए यदि आप दूसरी पुस्तक चाहते हैं, तो आप जानते हैं कि इसे कैसे प्राप्त किया जाये। आपको केवल ये करना है कि आप मेरे प्रकाशक को लिखें और उसे बता दें कि आप लोबसांग रम्पा के द्वारा एक और पुस्तक को चाहते हैं। तब अभी के लिये, और ऐसा करने में, इस पुस्तक ''सॉझ'' को उसके अंत तक लाते हुए, मैं आपसे विदा लूंगा।